डिजिटलीकरण
सशक्तिकरण
रूपांतरण
...बदलाव की
नई सुबह

DIGITISATION
EMPOWERMENT
TRANSFORMATION
....THE DAWN
OF CHANGE

संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट

ABRIDGED ANNUAL REPORT 2016-17

Call toll free no. | 1800 22 33 44
6 am - 10 pm | 1800 102 44 55
Web Chat-24X7
www.bankofbaroda.co.in
Follow us on

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

निदेशक मंडल / BOARD OF DIRECTORS

श्री रवि वेंकटेसन
अध्यक्ष
Shri Ravi Venkatesan
Chairman

श्री पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
Shri P. S. Jayakumar
Managing Director & CEO

श्री मयंक के. मेहता
कार्यपालक निदेशक
Shri Mayank K. Mehta
Executive Director

श्री अशोक कुमार गर्ग
कार्यपालक निदेशक
Shri Ashok Kumar Garg
Executive Director

श्रीमती पापिया सेनगुप्ता
कार्यपालक निदेशक
Smt. Papia Sengupta
Executive Director

श्री मोहम्मद मुस्तफा
निदेशक
Shri Mohammad Mustafa
Director

श्री अजय कुमार
निदेशक
Shri Ajay Kumar
Director

श्री प्रेम कुमार मक्कड़
निदेशक
Shri Prem Kumar Makkar
Director

श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल
निदेशक
Shri Gopal Krishan Agarwal
Director

प्रो. बिजू वर्क्की
निदेशक
Prof. Biju Varkkey
Director

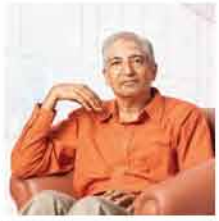

डॉ. आर. नारायणस्वामी
निदेशक
Dr. R. Narayanaswamy
Director

श्री भरतकुमार डी. डांगर
निदेशक
Shri Bharatkumar D. Dangar
Director

सुश्री उषा ए. नारायणन
निदेशक
Ms. Usha A. Narayanan
Director

महाप्रबंधक	General Managers
अस्थाना ललित मोहन	ASTHANA LALIT MOHAN
घाग सुरेश शंकर	GHAG SURESH SHANKAR
महाजन विपन	MAHAJAN VIPAN
अग्रवाल संजय	AGARWAL SANJAYA
कक्केरा वेंकटेश्वरलू	KAKKERA VENKATESWARLU
गुप्ता राम कुमार	GUPTA RAM KUMAR
श्रीवास्तव नागेश कुमार	SRIVASTAVA NAGESH KUMAR
शर्मा मुरारी लाल	SHARMA MURARI LAL
भुयां गगन बिहारी	BHUYAN GAGAN BIHARI
उप्रेती नवीन चंद्र	UPRETI NAVIN CHANDRA
अरोरा सतीश कुमार	ARORA SATISH KUMAR
टक्कर एरिक फ्रांसिस	TUCKER ERIC FRANCIS
माथुर राधाकांत	MATHUR RADHAKANT
अनेजा अशोक	ANEJA ASHOK
पोतलापल्ली नरसिम्हा राव	POTALAPALLY NARSIMHA RAO
पटेल महेश सोमाभाई	PATEL MAHESH SOMABHAI
गुप्ता कुल भूषण	GUPTA KUL BHUSHAN
कुमार बिरेंद्र	KUMAR BIRENDRA
सामंत सदानंद राजाराम	SAMANT SADANAND RAJARAM
नरिंदर कुमार पवार	NARINDER KUMAR PAWAR
कौल कृष्ण ओपिंदर	KAUL KRISHEN OPINDER
पंडा गोलक बिहारी	PANDA GOLAK BIHARI
कुमार राजेंद्र	KUMAR RAJENDRA
डुडेजा विनीत कुमार	DUDEJA VINEET KUMAR
मेहरोत्रा प्रकाश नारायण	MEHROTRA PRAKASH NARAYAN
पटेल कमलेश रमणिकलाल	PATEL KAMLESH RAMNIKLAL
मुखोपाध्याय देब ब्रत	MUKHOPADHYAY DEB BRATA
शर्मा रजनीश	SHARMA RAJNEESH
सिंघल नरेंद्र कुमार	SINGHAL NARENDRA KUMAR
चौधरी संतोष कुमार	CHOUDHURY SANTOSH KUMAR
परुलकर अरुण देवदत्त	PARULKAR ARUN DEODATTA
राकेश भाटिया	RAKESH BHATIA
महाजन कमल के	MAHAJAN KAMAL K
सिंह नवतेज	SINGH NAVTEJ
कनौजिया कुक्कू राम	KANOJIA KUKU RAM
कुमार संजय	KUMAR SANJAY
ढाका बीरबल सिंह	DHAKA BIRBAL SINGH
गुप्ता अशोक कुमार	GUPTA ASHOK KUMAR
सोलंकी शंकर राम	SOLANKEE SHANKAR RAM
मेहता जयेशकुमार वसंतराय	MEHTA JAYESHKUMAR VASANTRAY
रेड्डी पी वी सुब्बा	REDDY P V SUBBA
नामदेव दिनेश कुमार	NAMDEO DINESH KUMAR
राव पूर्णिमा सतीश	RAO PURNIMA SATISH
एन जथावेथन नम्पूदिरी - मुख्य सतर्कता अधिकारी	N. JATHAVETHAN NAMPOOTHIRI - Chief Vigilance Officer
उप महाप्रबंधक एवं प्रमुख	**Dy. General Mangers & Head**
एम. एल. जैन	M. L. JAIN
जयदीप दत्ता रॉय	JOYDEEP DUTTA ROY
सतीशचंद्र वी हर्डीकर	SATISHCHANDRA V. HARDIKAR
बी. पी. शर्मा	B. P. SHARMA
वेणुगोपाल एन	VENUGOPAL N.

विषय सूची	पृष्ठ	Contents	Page
अध्यक्ष का वक्तव्य	03	Chairman's Statement	04
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य	05	MD & CEO's Statement	08
निदेशकों की रिपोर्ट की प्रमुख विशेषताएँ	12	Highlights of Directors' Report	32
कार्पोरेट गवर्नेन्स पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र	53	Auditor's Certificate on Corporate Governance	53
कार्पोरेट गवर्नेन्स रिपोर्ट की प्रमुख विशेषताएँ	54	Highlights of Corporate Governance Report	54
सीईओ द्वारा घोषणा	88	Declaration by MD & CEO	88
संक्षिप्त तुलन पत्र	89	Abridged Balance Sheet	89
संक्षिप्त लाभ व हानि खाता	92	Abridged Profit & Loss Account	92
संक्षिप्त नकदी-प्रवाह विवरण	95	Abridged Cash Flow Statement	95
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	96	Significant Accounting Policies	96
लेखों पर टिप्पणियां	105	Notes to Accounts	105
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	149	Auditors' Report	149
अपरिवर्तित अभिमत सहित लेखा परीक्षा रिपोर्ट की घोषणा	156	Declaration of Audit Report with Unmodified Opinion	156
सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण	158	CEO / CFO Certification	158
लाभांश संवितरण नीति	159	Dividend-Distribution-Policy	159
नोटिस	160	Notice	160
हरित पहल - शेयरधारकों से अपील	161	Green Initiative-Appeal to Shareholders	161
इलेक्ट्रॉनिक मैन्डेट फार्म	163	Electronic Mandate Form	164

लेखा परीक्षक / AUDITORS

वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
Wahi & Gupta
Chartered Accountants

एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
S R Goyal & Co.
Chartered Accountants

रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountant

कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एल एल पी
सनदी लेखाकार
Kalyaniwalla & Mistry LLP
Chartered Accountant

प्रधान कार्यालय

बड़ौदा हाऊस, माण्डवी, वड़ोदरा 390 006.

बड़ौदा कार्पोरेट सेन्टर

सी-26, जी-ब्लॉक, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स, बान्द्रा (पू.),
मुंबई 400 051.

निवेशक सेवाएं विभाग

7वां तल, बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, जी-ब्लॉक,
बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू), मुंबई 400 051.

रजिस्ट्रार एवं अन्तरण एजेंट

मै. कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि.
यूनिट - बैंक ऑफ़ बड़ौदा
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32, गचीबॉवली, फाइनांसियल
डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा, सैरीलिंगम्पल्ली मंडल, हैदराबाद - 500 032.

हमारे बैंक के डिबेंचर न्यासी

आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेस लि.
एशियन बिल्डिंग, भू-तल,17, आर कमानी मार्ग, बेलार्ड एस्टेट,
मुंबई - 400 001

Head Office

Baroda House, Mandvi, Vadodara 390 006.

Baroda Corporate Centre

C-26, G-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai 400 051.

Investor Services Department

7th Floor, Baroda Corporate Centre, C-26, G-Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

Registrars & Transfer Agent

M/s. Karvy Computershare Pvt. Ltd.
Unit - Bank of Baroda
Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32, Gachibowli,
Financial District, Nanakramguda, Serilingampally Mandal,
Hyderabad - 500 032

Debenture Trustees of our Bank

IDBI Trusteeship Services Ltd.
Asian Building, Ground Floor, 17,R Kamani Marg,
Ballard Estate
Mumbai - 400 001

नोट : शेयरधारकों से अनुरोध है कि वार्षिक रिपोर्ट 2016-17 के संपूर्ण पाठ के लिए बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.co.in देखें.

Note : Shareholders are requested to visit Bank's website www.bankofbaroda.co.in to get the full version of Annual Report 2016-17.

अध्यक्ष का संदेश

रवि वेंकटेसन
अध्यक्ष

प्रिय हितधारक,

गत वर्ष के अपने वक्तव्य में मैंने, बैंक ऑफ़ बड़ौदा को ऐसे समकालीन बैंक में रुपांतरित करने के हमारे मिशन का वर्णन किया था, जिसमें विशिष्ट रुप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों जैसे भरोसे के साथ-साथ निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंकों की नवोन्मेषिता, कुशलता और कार्यनिष्पादन का संमिश्रण हो. हवाई यात्रा या ऊर्जा-निर्माण की तरह बैंकिंग को विशुद्ध रुप से बाज़ार की ताकतों एवं निजी क्षेत्र के प्लेयर्स के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता. भारत को सार्वजनिक क्षेत्र के सुचारु रुप से कार्यरत, लाभप्रद बैंकों की आवश्यकता है, क्योंकि ये संस्थाएं समावेशी आर्थिक विकास के वाहक के रुप में सेवाएं प्रदान करती हैं.

सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकांश बैंकों, साथ ही हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती मौजूदा बैंकिंग परिदृश्य में उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धात्मकता एवं वैविध्य को बनाए रखना है. यह चुनौती दबावग्रस्त आस्तियों की प्रमुख चुनौती के सापेक्ष अधिक मूलभूत चुनौती है. हमारे बाज़ार-शेयर एवं उत्तम ग्राहकों के निजी क्षेत्र के हमारे प्रतियोगियों के पास चले जाने के रुप में हुई क्षति की पूर्ति करना भी एक चुनौती है. बैंकों के लिए आवश्यक है कि क्षेत्र के लिए संकट बनी दबावग्रस्त आस्तियों की मौजूदा स्थिति का निर्माण करने वाले व्यवहार एवं पद्धतियों में मूलभूत रुप से उल्लेखनीय बदलाव लाये. बैंकों को चाहिए कि वे "फिनटेक" फर्मों द्वारा प्रस्तुत उन चुनौतियों का सामना करे, जो पारंपरिक बैंकों के पास महंगे आधारभूत संसाधनों एवं नगण्य लाभप्रद ग्राहकों को रहने देकर उन्हें हानि पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं.

अपने मिशन को पूरा करने के लिए हमारे बैंक ने एक सर्वांगी रुपांतरण "प्रोजेक्ट नवोदय" का प्रारंभ किया है, जो बैंक की कार्यनीतियों, उत्पादों के साथ वास्तव में बैंक की प्रत्येक प्रक्रिया में मूलभूत परिवर्तन से संबद्ध है. प्रोजेक्ट नवोदय के बारे में अधिक ब्यौरा प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के वक्तव्य में तथा निदेशकों की रिपोर्ट में शामिल किया गया है. इस रुपांतरण की सफलता का महत्वपूर्ण बिंदु प्रतिभा, क्षमताओं एवं संस्कृति के महत्वपूर्ण उन्नयन में निहित है. प्रत्येक व्यवसाय की तरह बैंक भी गहन ज्ञान एवं प्रौद्योगिकीयुक्त उद्यम हो गए हैं. जोखिम प्रबंधन, परियोजना-मूल्यांकन, ट्रेजरी, ऋण-मूल्यांकन, धोखाधड़ियों का पता लगाना असंख्य सूचना-प्रवाह की वास्तविक समय में निगरानी एवं गहन विश्लेषण जैसे क्षेत्रों पर मजबूत पकड़ रखें. दूसरे शब्दों में बैंकिंग अब एक सूचना-व्यवसाय है, जिसमें प्रौद्योगिकी केन्द्रीय नर्वस सिस्टम बन गई है. अत: इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वैश्विक स्तर पर बैंक भी आईटी के बड़े प्रयोगकर्ताओं में से एक हैं, जिनमें से उत्तम बैंक, गूगल एवं फेसबुक के साथ कड़ी प्रतियोगिता करते हुए कंप्यूटर विज्ञान, गणितशास्त्र एवं भौतिक शास्त्र के पीएचडीधारियों को नियुक्त कर रहे हैं.

हमारा बैंक अपनी प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल क्षमताओं को पूर्णत: पुनर्व्यवस्थित करने की प्रक्रिया में है. हमारी कोर बैंकिंग प्रणाली तथा हमारी इंटरनेट एवं मोबाइल बैंकिंग क्षमताओं में उल्लेखनीय उन्नयन हुआ है. ऋण प्रबंधन हेतु नयी प्रणालियां, उद्यम जोखिम प्रबंधन, धोखाधड़ी का पता लगाना, बड़े डेटा एवं विश्लेषण क्षमताओं में पर्याप्त निवेश, बहुत से नवोन्मेषी फिनटेक स्टार्ट अप के साथ सहबद्धता एवं साझेदारी और मशीन-लर्निंग के उपयोग में अत्याधुनिक पथप्रदर्शी सुविधाएं, ब्लॉक-श्रृंखला एवं रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन आदि प्रक्रियागत पहलों से आईटी के प्रयोग के क्षेत्र में हमारा बैंक अग्रणी होने जा रहा है.

आमूलचूल रुपांतरण के इस मार्ग में हमारा बैंक प्रतिभा और कर्मचारी-क्षमताओं के बारे में सोच रहा है. कर्मचारी-जुड़ाव, कार्यदायित्व को परिभाषित करना, कार्यनिष्पादन तथा प्रतिभा-प्रबंधन, निरंतर लर्निंग, नेतृत्व-विकास एवं उत्तराधिकारी-आयोजन पर व्यापक रुप से अत्यधिक ध्यान दिया जा रहा है.

अंतत:, हमने बोर्ड-गवर्नेंस को बेहतर बनाने पर अपना ध्यान निरंतर बनाए रखा है. हमारा सौभाग्य है कि निदेशक मंडल में दो नये प्रतिभावान निदेशक शामिल हुए हैं. इस वर्ष हमने पहली बार निदेशक मंडल का बाह्य मूल्यांकन आयोजित किया और अपनी निदेशक-मंडल की प्रक्रियाओं में कई सुधारों को कार्यान्वित किया. प्रत्येक निदेशक की अत्यधिक उच्च स्तरीय सहभागिता एवं सक्रिय जुड़ाव हमारे निदेशक मंडल की एक विशिष्ट लाक्षणिकता है.

गत वर्ष जिस रुपांतरण का हमने बीजारोपण किया था, वह अंकुरित होना शुरु हो गया है. हम बैंक के अधिकांश भागों में परिवर्तित मानसिकता, उत्साह और कार्यनिष्पादन के प्रमाण देखे सकते हैं. मैं पूर्ण आशावादी हूँ कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा का श्रेष्ठ समय बिल्कुल हमारे सामने हैं.

रवि वेंकटेसन

CHAIRMAN'S STATEMENT

Ravi Venkatesan
Chairman

Dear Stakeholder,

In my letter last year, I described our mission to transform Bank of Baroda into a contemporary Bank that uniquely combines the trust of public sector banks with the innovation, agility and performance of the leading private sector banks. Unlike air travel or power generation, banking cannot be left purely to market forces and private sector players. India needs well-run, profitable public sector banks because these institutions serve as the vehicles for inclusive economic development.

The biggest challenge for most public sector banks, including ours, is maintaining a high degree of competitiveness and differentiation given the evolving banking scenario. This is a more fundamental challenge than the issue of stressed assets that has dominated the discourse. The challenge is to reverse the erosion of market share and our best customers to private sector competitors. Banks need to fundamentally make a significant shift in behaviors and practices that have created the current situation of stressed assets plaguing the sector. Banks need to respond to the challenge posed by "Fintech" firms that are attempting to disrupt legacy banks, leaving them with costly infrastructure and the least profitable customers.

To accomplish its mission, our Bank has embraced a massive transformation called "Project Navoday" which entails a fundamental change in strategy, products and virtually every process of the Bank. More details about Project Navoday have been included in the MD & CEO's Statement as well as in the Directors' Report. The key to the success of this transformation lies in a significant upgradation of talent, capabilities and culture. Like every business, banks have become knowledge and technology intensive enterprises. Banking now requires incredible depth in areas such as risk management, project appraisal, treasury, credit assessment, fraud detection, real-time monitoring of millions of streams of data and deep analytics. In other words, banking is now an information business in which technology becomes the central nervous system. It is therefore of little wonder that globally, banks are among the biggest users of IT with the best banks competing closely with Google and Facebook to hire PhDs in computer science, mathematics and physics.

Our Bank is in the midst of a complete overhaul of its technology and digital capabilities. A major upgrade to our Core Banking System and our internet and mobile banking capability, new systems for loan management, enterprise risk management, fraud detection, substantial investments in big data and analytics capability, alliances and partnerships with many innovative Fintech startups and cutting-edge pilots in the use of machine learning, Block-chain and robotic process automation are just some of the initiatives underway to catapult our Bank to a leader in the use of IT.

An even more sweeping transformation is underway in the way our Bank thinks about talent and people capability. There is a strong board-led focus on employee engagement, on role definition, performance and talent management, continuous learning, leadership development and succession planning.

Finally, we sustained our focus on improving Board governance. We were fortunate to have two talented new Directors join the Board. This year, we conducted an external Board evaluation for the first time and implemented many improvements to our Board processes. A very high level of participation and active engagement by every director is a distinguishing characteristic of our Board.

The seeds of transformation that we planted last year are beginning to germinate. We can see evidence of changing mindsets, enthusiasm and performance in most parts of the Bank. I am optimistic that the best years for Bank of Baroda lie ahead of us.

Ravi Venkatesan

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य

पी.एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्रिय हितधारक,

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान हमारे बैंक के कार्यनिष्पादन के प्रमुख बिन्दुओं को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ.

हमारी उपलब्धियों तथा प्रारंभ की गई पहलों का विवरण वार्षिक रिपोर्ट में संलग्न है.

आर्थिक विहंगावलोकन

वित्तीय वर्ष 2016-17 राजकोषीय समेकन, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) बिल, इंसॉलवेंसी एंड बैंकरप्सी कोड का पारित होना, आधारभूत संरचना विशेष रुप से स्मार्ट सिटी निर्माण हेतु, अक्षय ऊर्जा पर निरंतर गहरी प्रगति, रिकॉर्ड कृषि, खेती की आय को दोहरीकरण जैसे परिणामों पर ध्यान केंद्रित करना, व्यवसाय करने में निरंतर सुगमता, सीधे अंतरित लाभों का आधार सक्षम भुगतान जैसे पहलुओं को कवर करने वाले आर्थिक सुधारों पर अविरत उल्लेखनीय प्रगति का साक्षी रहा है. भारत में अच्छे मानसून की उम्मीद और वैश्विक आर्थिक संवृद्धि, निकट समय में विकास के अवसर आशाजनक प्रतीत हो रहे हैं.

वर्ष 2016 मे वैश्विक अर्थव्यवस्था मे 3.1% की वृद्धि हुई जो वर्ष 2015 के 3.2 प्रतिशत की तुलना मे थोड़ी कम रही. वैश्विक विकास की भांति वैश्विक व्यापार की गति 2015 में 2.6% की तुलना में कम होकर 2016 में 2.3% रही. व्यापक वैश्विक क्रम परिवर्तन और अनिश्चितताओं के बावजूद जून 2016 में आयोजित ब्रेक्सिट जनमत-संग्रह में यूके द्वारा यूरोपियन संघ को छोड़ना, जनवरी, 2017 में कार्यभार ग्रहण करने वाली अमेरिका की नव गठित सरकार और व्यापक नीति परिवर्तन एवं उत्पादन को कम करने के लिए ओपेक एवं नॉन-ओपेक देशों के बीच जनवरी 2017 से प्रभावी ऐतिहासिक डील जिसने कच्चे तेल की कीमतों पर प्रभाव डाला है, के बावजूद भी भारतीय समष्टि अर्थव्यवस्था संकेतकों के अनुसार आंतरिक के साथ-साथ बाह्य दोनों पक्षों में स्थिरता दर्शाती है. भारतीय अर्थव्यवस्था को समष्टिगत रुप से समृद्ध करने के अलावा एफसीएनआर (बी) जमाराशियों के मोचन का कार्य आसानी से हुआ.

नकदी रहित अर्थव्यवस्था के निर्माण मे सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए प्रयासों और भुगतान के डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा देने के लिए नवम्बर 2016 में शुरू किए गए प्रयासो से हमे 'जीवन में एक बार' राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अनूठा अवसर प्राप्त हुआ. हमारे देश के लोगों के लिए स्थिति को सामान्य बनानें के लिए हमारे स्टाफ ने निरंतर कार्य किया है.

भारतीय रिजर्व बैंक ने एनपीए की समस्या का निवारण करने के लिए कई उपायों की शुरूआत की है जिससे भारत में संपूर्ण बैंकिंग प्रणाली को लाभ होगा. दिवालियापन संहिता ने समयबद्ध निपटान की संरचना उपलब्ध करवायी है और आस्तियों के आर्थिक मूल्य को सुरक्षित रखने और आर्थिक संवृद्धि में तेजी की उम्मीद की जा रही है.

हमारी अर्थव्यवस्था में अनुकूल जनसांख्यकीय मिश्रण, उद्यमी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के अभियान एवं सरकार की सक्रिय सुधार नीति के समर्थन से अधिक विकास दर प्राप्त करने की अद्भुत संभावनाएं हैं. वैश्विक स्तर पर वृद्धि एवं व्यापार दृष्टिकोण में सुधार से भी भारत के विकास को सहयोग मिलेगा. उच्च स्थिर विकास प्राप्त करने के लिए बैंकिंग व्यवस्था की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करना एक प्रमुख क्षेत्र है जिस पर सभी हितधारकों का विशेष ध्यान अपेक्षित है. बैंकिंग व्यवस्था को बासल-III के क्रियान्वयन के लिए भी स्वयं को तैयार करना चाहिए जिसके लिए नकदी कवरेज अनुपात और प्रतिचक्रीय सुरक्षा लागू करने में परिवर्तन आवश्यक होंगे. बैंक की पूंजी आवश्यकता पर अमूल्यांकित एक्सपोजर के जोखिम निर्धारण संबंधित सख्त विनियमनों का प्रभाव भी पड़ेगा. आगे बढ़ते हुए, बैंकिंग क्षेत्र को तकनीक और जीएसटी एवं आईएनडी एएस लेखा मानकों के क्रियान्वयन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. डिजिटल भुगतान प्रणालियों को बड़ी मात्रा में अपनाए जाने से, बैंक को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भी सुदृढ़ विशेषज्ञता के निर्माण की आवश्यकता होगी.

हमारे समक्ष उभरती हुई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, हमारा बैंक अनेक कार्यनीतिक पहलों के निष्पादन की ओर कार्य कर रहा है जिससे हमे प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की उम्मीद है. मैं वर्तमान में चल रही कुछ प्रमुख पहलों की झलक आपके साथ साझा करना चाहूँगा .

हमारी व्यापक व्यवसाय रूपांतरण यात्रा, नवोदय परियोजना के तहत कार्यनीतिक पहलों का निष्पादन:

वर्ष के दौरान, हमारे बैंक ने 'नवोदय परियोजना' के नाम से अपनी रूपांतरण यात्रा में अत्यधिक प्रगति की है. और इस यात्रा के दौरान कई मुकाम हासिल किए हैं, जिसके केंद्र का प्रक्रियाओं, उत्पादों, प्लेटफार्म एवं लोगों की क्षमता निर्माण के माध्यम से विकास कर रहा है. नवोदय परियोजना में भावी पीढ़ी क्षमता निर्माण और संस्थागत प्रतिभा को सामने लाकर हमारे बैंक को कुछ अलग विश्व स्तरीय ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया है.

हम गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में हमारी पूर्ण विकसित शेयर्ड सर्विसेज सेंटर का शुभारंभ करने के लिए तैयारी भी कर रहे हैं जो डिजिटलीकरण और सहज स्केलिंग-अप के साथ केंद्रीकरण और प्रक्रियाओं, अनुपालन और नियंत्रण के मानकीकरण के माध्यम से हमारे ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारे स्टाफ के लिए मददगार होगा और उनके साथ हमारे संबंध गहरे होंगे. ग्राहक संतुष्टि और ब्राण्ड हेल्थ पर हमारे बैंक की गहन मार्केट रिसर्च स्टडी मार्च, 2017 में पूरी हो गई है, जिसमें ग्राहकों के दृष्टिकोण से बहुमूल्य फीडबैक के साथ बैंक से अपेक्षाएं भी हमें दी गई हैं. हमारा कर्मचारी नियोजन सर्वे 2016

बैंक से हमारे कर्मचारियों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जिसे अनेक कर्मचारी केंद्रित पहलों को शुरू करने का आधार बनाया गया है. संक्षेप में, वर्ष 2016 में हमारे बैंक द्वारा किए गए दो व्यापक स्वतंत्र प्राथमिक शोध अध्ययनों में हमारे ग्राहकों और हमारे कर्मचारियों पर हमारे दो आयामी फोकस के विवरण को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

2016- 17 में रुपांतरण के साथ की गई कुछ नई व्यावसायिक पहलें निम्नानुसार हैं:

- रिटेल और कॉर्पोरेट बैंकिंग में मजबूत उत्पाद प्रस्ताव तैयार करना
- कॉर्पोरेट और रिटेल बैंकिंग के लिए व्यवसाय उत्पत्ति और ऋण प्रक्रियाओं को मजबूत बनाना
- कृषि और ग्रामीण बैंकिंग में नवाचार और उद्यमशीलता का समर्थन करने के लिए पारिस्थितिकी वित्तपोषण की गठबंधन की अगुवाई वाली रणनीति, और इस प्रकार किसानों को अपनी आय में वृद्धि करने में मदद की
- सम्पूर्ण बैंक में जोखिम एवं स्व-मूल्यांकन अनुपालन, आंतरिक लेखा परीक्षा एवं जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं, नीतियों एवं पद्धतियों पर विशेष ध्यान देते हुए एकीकृत उद्यमी जोखिम प्रबंधन
- हमारे सभी व्यवसायों के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में प्रौद्योगिकी सक्षमता को माना जाता है. बैंक व्यवसाय प्रक्रिया में अधिक कुशलता और पारदर्शिता लाने के लिए रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन, ब्लॉक चेन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे प्रौद्योगिकी नवाचारों को अपनाने पर काम कर रहा है
- डिजिटल रूपांतरण, नगदी-रहित अर्थव्यवस्था को डिजिटल विलेज के प्रोत्साहन जैसे माध्यमों से बढ़ावा देने का लक्ष्य
- लोक रूपांतरण, कर्मचारी अभिप्रेरणा और संलग्नता को बढ़ाने का लक्ष्य
- **वित्तीय समावेशनके माध्यम से सामाजिक रूपान्तरण**: हमारा बैंक लाभकारी व्यवसायी प्रस्तावों को बढाने के साथ-साथ वित्तीय समावेशन को सामाजिक रूपांतरण करने के लिए एक अवसर के रूप में लेता है. हमने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तकनीक का उपयोग कर देश के प्रत्येक भू-भाग में बैंकिंग सेवाएं सतत आधार पर उपलब्ध करायी जा सकें. इस दिशा में किए गए कुछ प्रयासों में वैकल्पिक डिलीवरी चैनलों के माध्यम से आधार दर्ज करना और कैम्प लगाना, व्यवसाय प्रतिनिधियों (बीसी) के कार्यनिष्पादन की निगरानी के लिए डैशबोर्ड सृजित करना, वित्तीय साक्षरता शिविर लगाना, व्यवसाय संवाददाताओं और अन्य नवोन्मेषी प्रस्तावों के लिए आंतरिक प्रशिक्षण और प्रमाणीकरण कार्यक्रम का आयोजन करना.

ब्रांड को मजबूत बनाना : युवाओं को आकर्षित करने और उनमें पेशे के प्रति समर्पण, एवं निष्ठाभाव और कठिन परिश्रम का भाव स्थापित करने के लिए प्रख्यात बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु एवं के श्रीकांत हमारे ब्रांड विज्ञापनकर्ता हैं. उनकी तरुणाई और उत्साह ग्राहकों को इन खिलाड़ियों की मूलभूत क्षमताओं के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा. ग्राहकों के बीच ब्रांड को पुन: स्थापित करने के उद्देश्य से हमारे बैंक ने वित्त वर्ष 2016-17 में सिकंदरपुर एवं अंधेरी मेट्रो स्टेशनो के नाम अपने साथ जोड़ने का अधिकार प्राप्त किया है. साथ ही हमारा बैंक फीफा अंडर - 17 विश्व कप जो अक्तूबर 2017 में आयोजित किया जाएगा, के लिए राष्ट्रीय सहयोगी है जिससे बैंक की पहुंच करोड़ों छात्रों तक स्कूल कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, फुटबॉल उत्सवों के माध्यम से बनेगी. इसके अलावा हमारे बैंक ने ब्रांड को पुन: स्थापित करने के लिए बैनरों को महत्त्वपूर्ण स्थानों के साथ-साथ सिनेमा घरों में लगाने हेतु प्रयास किए हैं.

समष्टि आर्थिक परिदृश्य के पारस्परिक प्रभाव, उभरती चुनौतियां और की गई पहलों ने हमें और मजबूत बनाया है जो कि इस वर्ष के वित्तीय कार्यनिष्पादन में परिलक्षित है. हमारे बैंक ने वित्त वर्ष 2016 में दर्ज घाटे की तुलना में वित्त वर्ष 2017 में शुद्ध लाभ दर्ज किया है. हमारे बैंक का समग्र वैश्विक व्यवसाय ₹ 10 ट्रिलियन के आंकड़ों को पार कर गया है. वित्त वर्ष 2017 में बैंक के कार्यनिष्पादन के प्रमुख बिंदुओं को मैं आपसे साझा करना चाहूंगा.

वित्तीय कार्यनिष्पादन:

जमाराशियां: वित्त वर्ष 2017 के दौरान सरकार की विमुद्रीकरण पहल के कारण बैंकिंग प्रणाली में जमाराशियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. यह हमारे बैंक के घरेलू कासा में अप्रत्याशित वृद्धि को परिलक्षित करता है जो वित्त वर्ष 2016 में ₹ 1,32,539 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2017 में 1,73.594 करोड़ हो गया. विमुद्रीकरण अवधि के बाद, हमारे बैंक ने 9 नवम्बर से 3 1 दिसम्बर, 2016 तक जमा की गई कम लागत वाली जमाराशियों को बनाए रखने के लिए कई पहलें की है. जैसे कि, टर्मिनल आधार पर घरेलू जमाओं में कासा का शेयर जो मार्च, 2016 को 33.57% से बढ़कर दिसंबर, 2016 में 40.16% जिसे मार्च, 17 को 39.44% पर बनाए रखा जा सका. यह ध्यान देने योग्य है कि औसत आधार पर घरेलू जमा राशियों में कासा की हिस्सेदारी मार्च, 2016 में 30.62% से बढ़कर दिसंबर, 16 में 37.08% और उसके पश्चात मार्च, 2017 में 38.79% रही. कासा खण्ड में वृद्धि के अलावा, हमारे बैंक की संपूर्ण जमाराशियां वर्ष-दर-वर्ष (वाई-ओ-वाई) आधार पर 4.84% बढ़कर ₹ 6,01,675 करोड़ हो गई. यह खुदरा मीयादी जमाराशियों में बढ़ोत्तरी के लिए थोक और उच्च लागत वाली जमाराशियों को कम करने हेतु हमारे द्वारा किए गए विवेकशील प्रयासों के कारण संभव हुआ जिसके फलस्वरूप जमाराशियों की लागत में कमी आयी. हमारे बैंक की घरेलू जमाराशि मार्च, 2016 की तुलना में 3,94,844 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च, 2017 में 4,40,092 करोड़ रुपये हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान इसकी अंतर्राष्ट्रीय जमा राशि 1,79,194 करोड़ रुपये से घटकर 1,61,583 करोड़ रुपये हो गई.

अग्रिम

कम प्रतिफल वाले पोर्टफोलियो को कम करते हुए हमारे बैंक ने उच्च प्रतिफल देने वाली आस्तियों की ओर अपने पोर्टफोलियो को समेकित और पुन: संतुलित किया है. हमारे बैंक का वैश्विक अग्रिम मार्च, 2016 में 3,83,770 करोड़ रुपए की तुलना में मार्च, 2017 में 3,83,259 करोड़ रुपए रहा. जबकि अंतर्राष्ट्रीय ऋण बही 1,20,502 करोड़ रुपये से घटकर 1,05,735 करोड़ रुपये हो गई, वहीं इसी अवधि के दौरान शेष घरेलू अग्रिम 2,63,268 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,77,524 करोड़ रुपये हो गया. हमारे बैंक ने खुदरा ऋण पोर्टफोलियो के पक्ष में अपने पोर्टफोलियो में विविधता दिखाई जो मार्च, 2016 में 50,850 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च, 2017 तक 57,994 करोड़ रुपये हो गया. इसमें आवास ऋण पोर्टफोलियो ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 20.80% की वृद्धि दर्ज की. हमारा बैंक किसानों की आय में सुधार लाने और ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने हेतु सरकार के उद्देश्य का समर्थन करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु प्रतिबद्ध है. इसका कृषि ऋण पोर्टफोलियो मार्च, 2017 में बढ़कर 47,297 करोड़ रुपये हो गया, जिसने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 28.45% की वृद्धि दर्ज की.

दबावग्रस्त आस्तियां

वर्ष के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में कई नीतिगत पहलों के बावजूद दबावग्रस्त आस्तियों की समस्या से जूझना जारी रहा जिसके कारण समाधान की गति धीमी रही. दबावग्रस्त आस्तियों को हल करने में सीमित प्रगति उद्योग की एक व्यापक समस्या रही क्योंकि इसमें कंसोर्टियम ऋण देने, कई उद्योगों में अत्यधिक क्षमता, उधारकर्ताओं को अधिकतम ऋण देना और इक्विटी बाजार तक पहुंच बनाने के लिए कंपनियों की सीमित क्षमता से जुड़ी चुनौतियां शामिल थीं. हमारे बैंक को भी इन चुनौतियों ने प्रभावित किया, लेकिन ऋण प्रक्रिया को और अधिक कुशल बनाया जाना सुनिश्चित किया गया जिससे नए स्लिपेज में वृद्धि को कम किया गया और वसूली के लिए केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया गया. तदनुसार, हमारे बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) मार्च, 2016 को 40,521 करोड़ रुपये से थोड़ा सा बढ़कर मार्च, 2017 को 42,719 करोड़ रुपये हो गई. 31.03.2017 को, पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिथि पर सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए अनुपात क्रमश: 9.99% और 5.06% की तुलना में 10.46% और 4.72% पर रहा. हमारे बैंक ने लाभ पर सावधानी बरती और अपने प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) को

बढ़ाकर अपनी आंतरिक ताकत बढ़ाने के लिए लगातार काम किया. तकनीकी राइट ऑफ़ (टीडब्ल्यूओ) सहित पीसीआर मार्च, 2016 में 60.09% की तुलना में मार्च, 2017 में 66.83% रहा. हालांकि टीडब्ल्यूओ को छोड़कर भी, हमारे बैंक का पीसीआर मार्च, 2016 में 52.11% की तुलना में मार्च, 2017 में 57.68% रहा. यह भी ध्यान देने योग्य है कि बैंक का मानक पुनर्गठित अग्रिम मार्च, 2015 में 25,905 करोड़ रुपये के स्तर से गिरकर मार्च, 2016 में 13,735 करोड़ रुपये और मार्च, 2017 में 10,785 करोड़ रुपये पर आ गया.

लाभ

स्थायी आय में सुधार तथा अन्य आय में 35.19% की वृद्धि के कारण वित्तीय वर्ष, 2016 में ₹ 8,816 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष, 2017 में ₹ 10,975 करोड़ के स्तर को प्राप्त करके आपके बैंक के परिचालन लाभ में 24.49% की वृद्धि दर्ज हुई है. शुद्ध ब्याज आय में वर्ष - दर- वर्ष 6.07% की रिकार्ड वृद्धि के साथ सकारात्मक रूख दिखाई दिया तथा यह ₹ 13,513 करोड़ के स्तर तक पहुँच गया. वर्ष के दौरान व्यापारिक लाभ तथा विदेशी मुद्रा लाभ में अच्छी वृद्धि के चलते अन्य आय ₹ 6,758 करोड़ तक पहुँच गई. वित्तीय वर्ष 2016 में कुल राजस्व ₹ 17,739 करोड़ रहा था जो वित्तीय वर्ष 2017 में बढ़कर ₹ 20,271 करोड़ हो गया.

ब्याज व्यय में गिरावट तथा परिचालन व्यय में मामूली वृद्धि के कारण कुल व्यय में 5.62% की गिरावट आई है. ब्याज व्यय में 8.41% की गिरावट आई है जबकि वित्तीय वर्ष 2017 में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर परिचालन व्यय में 4.18% की वृद्धि हुई है. परिचालन व्यय में धीमी गति की वृद्धि ने आय अनुपात की लागत को सुधारने में बैंक की सहायता की है जो कि मार्च 2016 में 50.30% से घटकर मार्च 2017 में 45.86% हो गया था। यह बैंक की उच्च परिचालन क्षमता को दर्शाता है.

वर्ष के दौरान नए स्लीपेज के कारण हमारे बैंक ने एनपीए के लिए वित्तीय वर्ष 2015-16 में ₹ 13,766 करोड़ की तुलना में वर्ष 2016-17 में ₹ 7,680 करोड़ रूपए का प्रावधान दिया. इसके परिणाम स्वरूप हमारा बैंक वित्तीय वर्ष 2016 में ₹ 5396 करोड़ का शुद्ध हानि दर्ज करने के पश्चात वित्तीय वर्ष 2017 में एक बार पुन: लाभ अर्जित करने की दिशा में लौट आया है. वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान आपके बैंक का शुद्ध लाभ ₹ 1,383 करोड़ रहा.

पूंजी

हमारा बैंक अपने ग्राहकों और हितधारकों के सशक्त विश्वास के साथ अपने विकास की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह से पूंजीगत बना रहा. मार्च 2017 में बासल III के अनुसार हमारे बैंक की पूँजी पर्याप्तता अनुपात 12.24% रहा, जो कि विनियामक आवश्यकता से ऊपर है. 31 मार्च, 2017 को आपके बैंक का टियर 1 पूँजी अनुपात 9.93% तथा सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी - 1) 8.98% रहा. मार्च 2017 की समाप्ति तक समेकित समूह पूँजी पर्याप्तता अनुपात 12.80% रहा.

संक्षेप में हमारे बैंक ने अपने परिचालन को समेकित करने पर ध्यान केन्द्रित किया तथा उच्च विकास पथ पर लौटते हुए अपनी आंतरिक शक्ति बढ़ाकर लाभप्रद व्यवसाय के अवसरों को तलाशने का कार्य किया है.

जैसे-जैसे रूपांतरण की प्रक्रिया संस्थागत होती जाएगी, हमें विश्वास है कि हम ग्राहकों को विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करेंगे तथा साथ ही साथ अपने सभी हितधारकों के मन में उच्चतर मूल्य स्थापित करेंगे. स्थिर तथा बेहतर गुणवत्ता वाली आय अर्जित करने की नींव डाल दी गई है.

हमें विश्वास है कि ग्राहकों, व्यक्तियों, प्रक्रियाओं, उत्पादों तथा सर्वोत्तम तकनीक द्वारा सक्षम समाधान देने पर हमारी गहन दृष्टि ही नए व्यावसायिक परिवेश में अग्रणी बने रहने में हमें मदद करेगी. हमें विश्वास है कि बहुआयामी पहलें हमारे देश के भावी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु बैंक के लिए मजबूत नींव बनाएंगी. हम अपने सभी हितधारकों के सतत सहयोग एवं सद्भावना की अपेक्षा रखते हैं.

हमारा भावी प्रयास

वित्तीय वर्ष 2017- 18 हेतु चर्चा एवं आंतरिक सहमति से विशेष ध्यान देने वाले क्षेत्र होंगे-

- समावेशी, उच्च गुणवत्ता एवं लाभप्रद वृद्धि के साथ हमारे मार्केट शेयर को बढ़ाना
- वसूली एवं संग्रहण के प्रयासों को गतिमान रखना ताकि दबावग्रस्त आस्तियों के प्रभाव को कम किया जा सके
- ग्राहक केंद्रीयता की वृद्धि के साथ ग्राहक एवं कर्मचारी संतुष्टि को बढ़ाना एवं बहुआयामी डिजिटल रूपांतरण कौशल के माध्यम से वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना
- सभी प्रणालियों, प्रक्रियाओं एवं पद्धितियों में अनुपालन सुनिश्चित करना
- हमारी अनुषंगियों और सहयोगी संस्थाओं को प्रौद्योगिक उन्नयन, नये उत्पाद एवं प्रतिभा से मजबूती प्रदान करना एवं क्षमता उन्नयन करना ताकि वे सभी प्रकार के उत्पादों एवं सेवाओं से बैंक के समीप बने रहें.
- हमारे व्यापक रूपांतरण कार्यक्रम प्रोजेक्ट नवोदय को कार्यान्वित करते हुए निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होना.
- एनपीए पर कार्रवाई करना लगातार चुनौतीपूर्ण बना हुआ है किंतु हम नये अध्यादेश एवं बैंक्रप्सी कोड के परिप्रेक्ष्य में स्थिति में कुल मिलाकर सुधार की अपेक्षा रखते हैं. हमारा बैंक इसके समाधान हेतु लगातार रचनात्मक भूमिका निभा रहा है किन्तु बड़े एन.पी.ए. खातों में सीमित एक्सपोजर ही दिया है, हम समाधान में बड़े ऋणदाताओं का समर्थन भी कर रहे हैं.

मैं निदेशक मण्डल के अध्यक्ष श्री रवि वेंकटेसन एवं निदेशक मण्डल के सभी सदस्यों का उनके बहमूल्य समर्थन तथा हमारे प्रयासों को दिशा देने हेतु अभिवादन करता हूं तथा धन्यवाद देता हूं.

हमारी प्रबंधन टीम को विश्वास है कि हमारे सामूहिक प्रयत्न एवं टीम वर्क हमारे लिए मददगार होंगे क्योंकि हम सभी हितधारकों, हमारे ग्राहकों, हमारी जनता एवं हमारे शेयरधारकों की अपेक्षाओं से अधिक हमारी क्षमताओं का उपयोग करेंगें. हम इस यात्रा में आपके सहयोग एवं सद्भावना के उत्सुक हैं.

पी. एस. जयकुमार

पी.एस. जयकुमार

MD & CEO'S STATEMENT

P S Jayakumar
Managing Director and CEO

Dear Stakeholder,

I am privileged to present before you the highlights of our Bank's performance during the financial year 2016-17.

The details of the achievements and initiatives taken by us are enclosed in the Annual Report.

Economic Overview

The Financial Year 2016-17 has witnessed continued strong progress on economic reforms covering aspects such as fiscal consolidation, passage of the Goods and Services Tax (GST) Bill, the Insolvency and Bankruptcy Code, infrastructure particularly in building Smart Cities, continued deep progress on renewable energy, record agriculture, focus on outcomes such as doubling farm income, continued ease of doing business, Aadhar enabled payment of direct transfer benefits. Given the expectations of a good monsoon in India and global economic growth, the near term growth opportunities look promising.

The global economy grew by 3.1% in the year 2016, which is marginally lower than 3.2% in 2015. Global trade in consonance with global growth grew at a slower pace of 2.3% in 2016 as compared to 2.6% observed in 2015. Sweeping global order changes and uncertainties notwithstanding - the UK choosing to exit the European Union in the Brexit referendum held in June 2016, a new Government in the US taking charge in January 2017 and making sweeping policy changes and a historic deal between OPEC and non-OPEC countries to curtail production effective January 2017 which has had an impact on crude oil prices. India's macroeconomic indicators reflect stability on both external as well as internal counts. The redemption of FCNR (B) deposits was effected in a smooth manner further contributing to the macroeconomic stability of the Indian economy.

The efforts initiated by the Government on building a cashless economy and giving a fillip to digital modes of payments, that commenced in November 2016 presented a unique 'once in a life-time' opportunity for us to contribute to nation-building. Our staff worked ceaselessly to ease the situation for the people in our country.

The RBI has initiated a slew of measures to address the issue of NPA resolution which would benefit the entire banking system in India. The Bankruptcy Code has provided the architecture for time bound resolution and is expected to preserve the economic value of assets and give an impetus to economic growth.

Our economy has the unique potential to achieve higher growth rates backed by the favourable demographic mix, drive to promote the entrepreneurial spirit and the proactive reform orientation of the Government. The improvement in global growth and trade outlook is also going to support India's growth. Meeting the capital needs of the banking system is one key area which requires focused attention from all stakeholders for achieving higher sustainable growth. The banking system will also have to prepare itself for implementation of Basel–III that would require changes in the applicability of liquidity coverage ratio as well as counter cyclical buffer. The stringent regulations pertaining to risk weighting of the unrated exposures would also have an impact the capital needs of banks. Going forward, the banking sector would have to grapple with technology and accounting challenges emerging from the implementation of GST and IndAS accounting standards. With greater acceptance of digital payment modes, cyber security is another area where banks will have to build deep expertise.

In view of the emerging challenges before us, our Bank is working towards the execution of several strategic initiatives that are expected to give a competitive advantage. I would like to share with you a snap shot of some of the key initiatives currently underway.

Execution of strategic initiatives under Project Navoday, our comprehensive Business Transformation Journey:

During the year, our Bank has embarked on a transformation journey 'Project Navoday' and has made several strides in this journey, the core of which has been around growth through processes, products, platforms and people capability building. The thrust of Project Navoday is building the next generation capabilities and unleashing the organizational talent to make our Bank future ready with the ability to deliver a differentiated world-class customer experience.

We are also preparing for the full fledged launch of our Shared Services Center in GIFT City, Gandhinagar which, through digitization and centralization with seamless scaling-up and standardization of processes, compliance and controls would improve efficiencies and help our staff to address the needs of our customers and deepen our relationship with them. Our Bank-wide Market Research Study on Customer Satisfaction and Brand Health completed in March 2017 has provided us with valuable feedback on customer perceptions and expectations from the Bank. Our Employee Engagement Survey 2016 also provided us with valuable insights on our employee needs and expectations from the Bank, which has formed the basis of the rollout of several employee-centric initiatives. In summary, the two extensive, independent primary research studies undertaken by our Bank in 2016 have been instrumental in helping us define the details of our two-pronged focus on our customers and our employees.

Some of the new business initiatives aligned with the transformation that were undertaken in 2016-17 are as below:

- Building strong product propositions across Retail and Corporate Banking
- Strengthening the Business Origination and Credit Processes for Corporate and Retail Banking
- Alliance-led strategy of ecosystem financing to support innovation and entrepreneurship in Agriculture and Rural Banking and thereby help farmers augment their income
- Integrated Enterprise Risk Management with focus on strengthening risk and compliance self-assessment, internal audit and risk management processes, policies and procedures across the Bank
- Optimisation in the use of capital, risk based pricing and extensive use of bureau data
- Technology enablement as the backbone for all businesses we undertake. The Bank is working on adoption of technology innovations such as Robotics Process Automation, Block Chain Technology and Artificial Intelligence to bring more efficiency and transparency in the business process. Digital transformation, aimed at promoting a cashless economy through efforts such as promotion of digital villages and digital-only branches, early participation in Aadhar enabled banking, UPI, Bharat Bill Payment and comprehensive mobile banking
- People transformation, aimed at increasing employee motivation and engagement
- Societal transformation through Financial Inclusion: Our Bank views financial inclusion as an opportunity to bring about societal transformation while pursuing a beneficial business proposition. We have taken a number of initiatives to ensure that the banking services are extended across the geographic breadth of the country in a sustainable manner by leveraging technology. Some efforts in this direction include Aadhar seeding through alternate delivery channels and organizing camps, creation of dashboards to monitor the performance of BCs, hosting financial literacy camps, organising in-house training and certification programme for Banking correspondents and other innovative propositions

Strengthening our Brand: To attract the youth and instill in them the values of commitment, dedication and hard work to the profession, ace badminton players P V Sindhu and K Srikant endorse our Brand and their youth and zeal inspire our customers to associate with the core strength of these players. In order to increase the Brand recall, our Bank has acquired the naming rights of Sikandarpur and Andheri Metro Stations in the financial year 2016-17. Also, our Bank is a national supporter for FIFA U-17 World scheduled in October 2017 which will help the Bank to reach millions of students through school programs, workshops, football festivals and so on. Further, our Bank has also taken efforts to improve the brand recall by improving the brand visibility at strategic locations as well as in cinemas.

The interplay of the macroeconomic scenario, emerging challenges and the various initiatives underway has made us stronger as revealed from the financial performance this year. Our Bank reported profit in FY 2017 on a net basis as against posting a loss in FY 2016. Our Bank's gross global

business crossed the ₹ 10 trillion milestone. Let me share with you the key highlights of the Bank's performance in FY 2017.

Financial Performance

Deposits

During FY 2017, the deposits in the Banking system increased significantly due to demonetization initiative of Government. This is reflected in the robust growth in the domestic CASA deposits of our Bank that increased from ₹ 1,32,539 crore in FY 2016 to ₹ 1,73,594 crore in FY 2017. Post the demonetization period, our Bank took a number of initiatives to retain the low cost deposits garnered during November 9 to December 31, 2016. As such, the share of CASA in domestic deposits on a terminal basis which had increased from 33.57% as of March 2016 to 40.46% in December 2016 could be retained at 39.44% as of March, 2017. It is noteworthy that on average basis the share of CASA in domestic deposits increased from 30.62% as of March 2016 to 37.08% as of December 2016 and then further to 38.79% as of March 2017. Despite the growth in CASA segment, overall deposits of our Bank grew by 4.81% on a year-on-year (y-o-y) basis to ₹ 6,01, 675 crore. This was due to a conscious effort on our part to shed bulk and high cost deposits in favour of retail term deposits thereby lowering the cost of deposits. Our Bank's domestic deposits grew from ₹ 3,94,844 crore as of March 31, 2016 to ₹ 4,40,092 crore as of March 31, 2017 while its international deposits contracted from ₹ 1,79,194 crore to ₹ 1,61,583 crore over the same period.

Advances

Our Bank sought to consolidate and re-balance its portfolio in favour of high yielding assets while shedding the low yielding portfolios. The Global Advances of our Bank were at ₹ 3,83,259 crore as of March 31, 2017 as against ₹ 3,83,770 crore as of March 31, 2016. While the international loan book contracted from ₹ 1,20,502 crore to ₹ 1,05,735 crore, the outstanding domestic advances increased from ₹ 2,63,268 crore to ₹ 2,77,524 crore, over the same period. Our Bank diversified its portfolio in favour of retail loan portfolio which increased from ₹ 50,850 crore as of March 2016 to ₹ 57,994 crore as of March 2017. Within this, the home loan portfolio registered an increase of 20.80% on y-o-y basis. Our Bank is committed to play a meaningful role in supporting the Government's objective to improve the income of farmers and transform the rural ecosystem. Our Agriculture loan portfolio increased to ₹ 47,297 crore as of March 2017, registering a growth of 28.45% on y-o-y basis.

Stressed Assets

During the year, the banking sector continued to grapple with the problem of stressed assets that saw slow progress in resolution despite several policy initiatives. The limited progress in resolving stressed assets was an industry wide phenomenon as there were challenges associated with consortium lending, excess capacity in many industries, over leveraged borrowers and limited ability of corporates to access the equity markets. Our Bank was also impacted by these challenges, but it sought to limit the growth of fresh slippages by ensuring that its loan origination process is made more efficient and there is a focused approach to recovery. Accordingly, our Bank's Gross Non-Performing Assets (GNPA) slightly increased from ₹ 40,521 crore as of March 2016 to ₹ 42,719 crore as of March 2017. As of March 31, 2017, the Gross NPA and Net NPA ratios were at 10.46% and 4.72% as against 9.99% and 5.06% respectively on the corresponding date of the last financial year. Our Bank preferred prudence over profit and has worked continuously to enhance its intrinsic strength by increasing its Provision Coverage Ratio (PCR). The PCR including technical write offs (TWO) as of March 2017 was 66.83% as against 60.09% as of March 2016. Even excluding TWO, our Bank's PCR stood at 57.68% as of March 2017 as against 52.11% as of March 2016. It is also worth noting that the Standard Restructured Advances of the Bank fell from a level of ₹ 25,905 crore in March 2015 to ₹ 13,735 crore as of March 2016 and further to ₹ 10,785 crore in March 2017.

Profit

Our Bank's Operating Profit registered a growth of 24.49% to touch a level of ₹ 10,975 crore in FY 2017 as against ₹ 8,816 crore in FY 2016 due to an improvement in its core earnings and supported by a 35.19% growth in its other income. The Net Interest Income showed a positive traction by recording a growth of 6.07% on y-o-y basis to touch a level of ₹ 13,513 crore. The Other Income reached a level of ₹ 6,758 crore supported by good growth in trading gains and forex profits during the year. The Total Revenue increased to ₹ 20,271 crore in FY 2017 as against ₹ 17,739 crore in FY 2016.

Total expenses declined by 5.62% driven by the fall in interest expenses and marginal increase in operating expenses. While Interest expenses declined by 8.41%, operating expenses increased by 4.18% on a y-o-y basis in FY 2017. The slow pace of growth in operating expenses helped the Bank to improve upon its cost to income ratio which declined from 50.30% in March 2016 to 45.86% in March 2017, suggesting higher operating efficiency.

During the year, our Bank provided ₹ 7,680 crore as against ₹ 13,766 crore in FY 2016 towards NPAs due to decline in fresh slippages. As a result, our Bank returned to generating profits on a net basis in FY 2017 after having posted net loss in FY 2016. The Net Profit of our Bank for FY 2017 stood at ₹ 1,383 crore.

Capital

Our Bank continues to be well capitalized to meet its growth aspirations on the back of strong franchise it enjoys with our customers and other stakeholders. Capital Adequacy Ratio of our Bank as per Basel III at 12.24% as of March, 2017 continues to be above the regulatory requirement. As of March 31, 2017 the Tier 1 capital ratio of our Bank is 9.93% and Common Equity Tier 1 (CET-1) is 8.98%. The Consolidated group Capital Adequacy Ratio is 12.80% as of March 31, 2017.

In a nutshell, our Bank sought to consolidate its operations and explored profitable business opportunities to return to a high growth trajectory while continuing to build on its internal strengths.

Going forward as these transformation measures get institutionalized, we are confident of providing world class services to our customers as well as generating higher value for all our stakeholders. A strong foundation for a sustainable and better quality of earnings has been put in place.

We are confident that our strategic focus on customers, people, processes, solution offerings enabled by the best in class technology will help us retain the leadership position in the emerging business environment. We believe that the multi-pronged initiatives will provide a strong foundation for the Bank to play a major role in the future growth of our country.

Our Way Forward

Our focus areas as discussed and agreed internally for the financial year 2017-18 include:

- Driving inclusive, high-quality and profitable growth and thereby build our market share
- Continuing to accelerate recovery and collection efforts to minimize the impact of stressed assets
- Enhancing customer and employee satisfaction with increased customer centricity and addressing financial needs through a multi-pronged digital transformation strategy
- Ensuring compliance with all systems, processes and procedures
- Strengthening our Subsidiaries and Associates through technology upgradation, complementary new products, talent and capability upgradation so as to provide alongside with the Bank, a full range of products and services
- Progressing steadily with the execution of our comprehensive transformation Project Navoday

I would like to acknowledge and thank the Chairman of the Board Mr Ravi Venkatesan and all the Board members for their valuable support and inputs to the Management in all our endeavours.

The Management team is confident that our collective effort and teamwork will help us as we channelize our energies to surpass the expectations of all stakeholders – our customers, our people and our shareholders. We look forward to your continued support and goodwill in this journey.

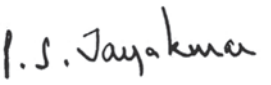

P S Jayakumar

निदेशकों की रिपोर्ट की प्रमुख विशेषताएँ
Highlights of Directors' Report

आपके निदेशकगण बैंक की 109 वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष (वित्तीय वर्ष 2017) के लेखा परीक्षित तुलनपत्र, लाभ-हानि लेखा और व्यवसाय तथा परिचालन संबंधी रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत कर रहे हैं.

वित्तीय कार्यनिष्पादन

वित्तीय कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.16	31.03.17	वृद्धि(%)
जमाराशियां	**5,74,037.87**	**6,01,675.17**	**4.81**
जिसमें से- घरेलू जमाराशियां	3,94,843.97	4,40,092.15	11.46
अंतर्राष्ट्रीय जमाराशियां	1,79,193.90	1,61,583.02	(9.83)
घरेलू जमा राशियां	**3,94,843.97**	**4,40,092.15**	
जिसमें से - चालू खाता जमाराशियां	19,285.57	26,761.77	38.76
बचत बैंक जमाराशियां	1,13,253.07	1,46,831.82	29.65
कासा जमाराशियां	1,32,538.64	1,73,593.59	30.98
घरेलू जमाराशियों में घरेलू कासा (%)	**33.57**	**39.44**	
अग्रिम	**3,83,770.18**	**3,83,259.22**	**(0.13)**
जिसमें से- घरेलू अग्रिम	2,63,268.38	2,77,523.73	5.42
अंतर्राष्ट्रीय अग्रिम	1,20,501.80	1,05,735.49	(12.25)
कुल आस्तियां	**6,71,376.48**	**6,94,875.42**	**3.50**
शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई)	**12,739.85**	**13,513.41**	**6.07**
अन्य आय	**4,998.86**	**6,758.06**	**35.19**
जिसमें से-शुल्क आय	3,599.28	3,813.22	5.95
व्यापारिक लाभ	1,178.86	2,618.01	122.05
पीडब्ल्यूओ से वसूली	220.72	326.83	47.96
एनआईआई + अन्य आय	**17,738.71**	**20,271.47**	**14.27**
परिचालनगत खर्च	**8,923.14**	**9,296.40**	**4.18**
परिचालनगत लाभ	**8,815.58**	**10,975.07**	**24.49**
प्रावधान	**15,513.64**	**8,502.37**	**(45.19)**
जिसमें से: एनपीए एवं बट्टे खाते डाले गए आशोध्य ऋण हेतु प्रावधान	13,765.89	7,679.79	(44.21)
कर पूर्व लाभ	**(6,698.06)**	**2,472.70**	**-**
कर हेतु प्रावधान	**(1,302.53)**	**1,089.56**	**-**
शुद्ध लाभ	**(5,395.54)**	**1,383.14**	**-**
विनियोजन/ अंतरण			
सांविधिक प्रारक्षित निधि	0	345.78	
पूंजीगत प्रारक्षित निधि	0	353.65	
राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधि			
I) सामान्य प्रारक्षित निधि	(5,395.54)	0	
II) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (I) (viii) के अंतर्गत विशेष प्रारक्षित निधि	0	350.92	
III) निवेश प्रारक्षित निधि खाता	0	0	
IV) गत वर्ष के अतिरिक्त नियोजन से अंतरण	7.79	0	
प्रस्तावित लाभांश	0	332.78	
महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन सूचक			
निधियों की औसत लागत	5.08	4.82	
औसत आय (%)	7.09	6.85	
औसत ब्याज अर्जक आस्तियां	6,21,234.89	6,15,834.65	
औसत ब्याज वहन करने वाली देयताएं	6,16,002.63	5,95,249.99	
शुद्ध ब्याज मार्जिन (%)	2.05	2.19	
लागत आय अनुपात (%)	50.30	45.86	
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (आरओएए) (%)	(0.78)	0.20	
इक्विटी पर प्रतिफल (%)	(17.64)	4.53	
प्रति शेयर बही मूल्य (₹)	132.74*	132.46*	
ईपीएस (₹)	(23.89)*	6.00	

*विभाजन के बाद शेयर का अंकित मूल्य ₹ 2/-

वित्तीय वर्ष 2016-17 भी अवसरों और चुनौतियों का मिश्रण रहा. बैंकिंग उद्योग में लगातार आस्ति गुणवत्ता की चुनौतियों के चलते कमजोर कार्पोरेट मांग के कारण वित्त वर्ष 2017 के दौरान ऋण वृद्धि 5.08% के न्यून स्तर पर रही. चुनौतियों के बावजूद भी, बैंक ने अपने खुदरा उत्पादों का लाभ उठाते हुए वर्ष के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया.

बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 6.07% की वृद्धि के साथ 31 मार्च, 2017 को ₹ 13,513.41 करोड़ हो गई जबकि अन्य आय 35.19% की वृद्धि से ₹ 6,758.06 करोड़ हो गई, यह वृद्धि ट्रेजरी आय में 122.05% की वृद्धि के साथ ₹ 2,618.01 करोड़, साथ ही साथ कोर फीस आय में 5.95% की बढ़ोतरी के साथ ₹ 3,813.22 करोड़ की वृद्धि के कारण हुई. परिचालनगत खर्च 4.18% की वृद्धि के साथ ₹ 9,296.40 करोड़ रहा.

हमारे बैंक ने वित्त वर्ष 2017 के दौरान 24.49% की वृद्धि करते हुए रु 10,975.07 करोड़ का परिचालनगत लाभ दर्ज किया है. प्रावधान लागत (करों के अलावा) पिछले वर्ष के ₹ 15,513.64 करोड़ की तुलना में 45.19% की भारी गिरावट के साथ ₹ 8,502.37 करोड़ रही और बैंक ने ₹ 2,472.70 करोड़ का कर पूर्व लाभ दर्ज किया. कर हेतु ₹ 1089.56 करोड़ का प्रावधान करने के बाद, 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष का शुद्ध लाभ ₹ 1,383.14 करोड़ रहा.

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए औसत आस्तियों पर प्रतिफल 0.20% रहा जबकि इक्विटी पर प्रतिफल 4.53% रहा. प्रति शेयर अर्जन (एफवी ₹ 2/-) ₹ 6.00 रहा.

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) :

	31.03.16	31.03.17
पूंजी पर्याप्तता अनुपात - बासेल III	13.17	12.24
सीईटी-I	10.29	8.98
टियर - I	10.79	9.93
टियर - II	2.38	2.31

बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरआर) 31 मार्च, 2017 को बासेल III के अंतर्गत सांविधिक आवश्यकताओं से अधिक 12.24% पर रहा. बासेल III फ्रेमवर्क के अंतर्गत टियर-1 अनुपात 9.93% पर तथा सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी-1) 8.98% पर रहा. बैंक ने दिसंबर 2016 तथा मार्च 2017 दोनों में ₹ 1,000 करोड़ के दो भागों में एटी-1 बॉंड के रूप में ₹ 2,000 करोड़ की ऋण पूंजी जुटायी.

31 मार्च, 2017 को बैंक की शुद्ध मालियत ₹ 30,520 करोड़ रही. इसमें चुकता इक्विटी पूंजी ₹ 462 करोड़ और प्रारक्षित निधि (पुनर्मूल्यांकन निधि तथा एफसीटीआर एवं निवल अमूर्त आस्तियों को छोड़कर) ₹ 30,058 करोड़ शामिल है. शेयर का बही मूल्य (एफवी ₹ 2/-) 132.46 रहा.

लाभांश

आपके बैंक के निदेशकों ने प्रति शेयर ₹ 1.20 के लाभांश की अनुशंसा की है. लाभांश के रूप में कर सहित कुल ₹ 332.79 करोड़ का व्यय होगा. लाभांश का भुगतान अपेक्षित अनुमोदन के अधीन है.

प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण

व्यावसायिक परिवेश

वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2015 में 3.2% के सापेक्ष 2016 में कुछ कम होकर 3.1% रही. वैश्विक ट्रेड वृद्धि धीमी आर्थिक गतिविधियां एवं उत्पादन के साथ, 2015 में 2.6% की तुलना में वर्ष 2016 में 2.3% रही. वित्तीय वर्ष 2017 के ऐसे महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय परिणाम जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार को एक जगह मिली, वे थे ब्रिक्सिट (Brexit), यूएस में नये प्रशासन द्वारा अंतर्देशीय ट्रेड नीति को अपनाना, ओपेक द्वारा ऐतिहासिक सौदा एवं गैर ओपेक सदस्य देशों द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कमी किया जाना, जिससे तेल की कीमत को स्थिर किया जा सके, चीन में धीमी प्रगति तथा भू-राजनीतिक गतिविधियों में वृद्धि आदि. तथापि वैश्विक ट्रेड एवं वैश्विक वृद्धि में सुधार के संकेत वित्तीय वर्ष 2018 में भारतीय अर्थव्यवस्था हेतु बेहतर वृद्धि की संभावना की ओर संकेत करते हैं.

चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण एवं घरेलू अर्थव्यवस्था में क्षणिक व्यवधान के वावजूद वित्तीय वर्ष 17 में भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषता लचीली वृद्धि रही. भारतीय अर्थव्यवस्था को लगातार दो वर्षों के सूखे के बाद सामान्य मानसून, मुद्रास्फीति के अपेक्षाकृत न्यूनतम स्तर, चालू खाते में कम घाटा, मजबूत आरक्षित विदेशी मुद्रा एवं सबसे महत्वपूर्ण, सरकार की सुधारोन्मुखता का सहयोग मिला. एफसीएनआर(बी) जमा का सुचारु रुप से मोचन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा कुशल चलनिधि प्रबंधन की ओर संकेत करता है.

वित्तीय वर्ष 2017 ₹ 500 एवं ₹ 1000 के संचलित मुद्रा के 86% कुल मूल्य के विनिर्दिष्ट बैंक नोटों को वापिस लिए जाने तथा ₹ 500 एवं ₹ 2000 के नये नोटों से पुन:पूर्ति किए जाने का साक्षी रहा. कुछ क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों में अस्थायी कमी के वावजूद इस विमुद्रीकरण की शुरुआत से जीडीपी को मजबूत आधार प्राप्त होने की अपेक्षा है.

अप्रत्यक्ष कर के क्षेत्र में सबसे बड़ा सुधार जीएसटी बिल संसद में पास हुआ और 01 जुलाई 2017 को इसका कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाए गए हैं. जीएसटी को अपनाया जाना संव्यवहार की लागत में कमी, कर के कैस्केडिंग प्रभाव को दूर कराते हुए तथा भारत को "एक भारत-एक बाजार" की ओर ले जाते हुए विकास के लिए गतिवर्धक बनेगा ऐसी अपेक्षा है. इसके अतिरिक्त, विमानन, रक्षा व रेलवे सहित कुछ क्षेत्रों में एफडीआई निवेश की सीमा में छूट, बुनियादी संरचनागत क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था हेतु सरकार द्वारा खर्च में वृद्धि जैसे अनेक उल्लेखनीय कदम उठाए गए, जिसने विकास की गति को बनाए रखने में मदद की है.

एक अन्य प्रमुख सुधार के रूप में मई, 2016 में आस्तियों के अधिकतम मूल्य और निवेशकों एवं ऋण दाताओं के लिए वसूली और निपटान हेतु एक संस्थागत फ्रेमवर्क का प्रावधान करते हुए इंसालवेंसी एंड बैंकरप्सी संहिता, 2016 पारित किया गया.

केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (सीएसओ) द्वारा 28 फरवरी, 2017 को जारी द्वितीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2017 हेतु भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.1% की वृद्धि की संभावना है. वित्तीय वर्ष 2016-17 में खाद्य फसलों का लगभग 270.10 मिलियन टन (एमटी) की भारी मात्रा में उत्पादन हुआ, इस प्रकार विगत वर्ष की तुलना में 6.7% की वृद्धि हुई. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) द्वारा कम निवेश एवं खपत मांग की मिश्रित प्रवृति दर्शायी गयी. अग्रिम संकेतक, समिश्र पीएमआई जो कि अक्तूबर-दिसम्बर 2016 के दौरान 50 से नीचे आ गया था, फरवरी 2017 में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का परामर्श देते हुए पुन: 50 का अंक पार कर गया. मार्च 2017 में समिश्र पीएमआई 52.3 की ऊंचाई पर पहुंचा जिससे निजी क्षेत्रों की गतिविधियों में सुधार का संकेत मिला. सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जो कि विमुद्रीकरण की अवधि के दौरान नकदी की कमी से प्रभावित हुई थीं, उनसे सुधार के संकेत के साथ ही रेलवे ट्रैफिक, दूरभाष ग्राहकों, विदेशी यात्री आगमन, यात्री कार की विक्री में भी उच्च वृद्धि दर्ज हुई.

सुधारों का दौर पूरे वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान जारी रहा, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावित स्थायी वृद्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पडेगा. जीएसटी के अतिरिक्त, कई अन्य महत्वपूर्ण सुधारों की शुरुआत हुई जिसमें दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता 2016 की मंजूरी, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा स्पष्ट मुद्रास्फीति लक्ष्य के साथ मौद्रिक नीति की समिति बनाना, सरकारी राजस्व एवं व्यय की समग्र रुप से प्रस्तुति हेतु रेलवे बजट तथा संघ के बजट का समामेलन, संघ के बजट में योजनागत एवं गैर-योजनागत व्यय के बीच अंतर को हटाना आदि शामिल हैं. इन संरचनागत सुधारों के अतिरिक्त, स्टैन्ड अप इंडिया, प्रधान मंत्री उज्ज्वल योजना, जिसमें बीपीएल परिवार की महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए जाते हैं, आदि नयी शुरुआत की गई जिससे संवृद्धि की प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाया जा सके.

जिस प्रकार भारत उच्च संवृद्धि की ओर बढ़ रहा है, उसके साथ साथ यूएस फेडेरल रि. जर्व द्वारा मौद्रिक नीति सामान्यीकरण के फलस्वरुप वैश्विक वित्तीय बाज़ार में अस्थिरता, यूएस में संरक्षणवादी झुकाव तथा भू-राजनीतिक जोखिम से नकारात्मक जोखिम भी बढ़ रहे हैं. विभिन्न ताकतें जो भारतीय अर्थव्यवस्था को एक स्वरुप प्रदान कर रही हैं, को ध्यान में रखते हुए सरकार, साथ ही साथ अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां जैसे आईएमएफ, विश्व बैंक एवं एडीबी भारत में वित्तीय वर्ष 2018 में 7.5% के आस पास की संवृद्धि की अपेक्षा करते हैं. अभी और उच्च स्थायी वृद्धि दर हासिल करने हेतु वर्तमान परिस्थितियों में समष्टि अर्थशास्त्र की बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था की ओर ध्यान देना होगा. निजी क्षेत्रों में निवेश में गिरावट का रुख, कार्पोरेटस् क़ा कमजोर तुलनपत्र एवं बैंकिंग सेक्टर में उच्च स्तर की दबावग्रस्त आस्तियां जैसी चुनौतियां भारतीय अर्थव्यवस्था की भावी स्थायी वृद्धि को प्रभावित करेंगी.

भारतीय बैंकिंग में विकास

सितंबर 2016 में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के गठन के साथ ही मौद्रिक नीति में भारी परिवर्तन हुए. एमपीसी की स्थापना के साथ ही मुद्रास्फीति के संबंध में अगस्त

2016 से मार्च 2021 तक की अवधि के लिए +/- 2% की रेंज के साथ 4% के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु आरबीआई गवर्नर के बजाए समिति अब नीति ब्याज दर का निर्धारण करती है. एमपीसी व्यवस्था के अंतर्गत पहली नीति की घोषणा 04 अक्टूबर 2016 को की गई. आरबीआई द्वारा अक्टूबर 2016 में रेपो रेट में 25 बीपीएस की कटौती की गई लेकिन उसके पश्चात दर की स्थिति को बनाए रखा गया, क्योंकि कोर मुद्रास्फीति लगभग 4.5% पर स्थिर रही और विमुद्रीकरण के कारण चलनिधि सहज स्थिति में रही. यद्यपि आरबीआई ने 08 फरवरी, 2017 को घोषित 6 ठवीं द्विमासिक मौद्रिक नीति में उदारता से उदासीनता की ओर बदलाव किया. 6 ठवीं द्विमासिक नीति की समीक्षा में आरबीआई ने अप्रैल 2017 की अपनी नीति में रिवर्स रेपो रेट में वृद्धि करते हुए एलएएफ में कटौती की. इसके वावजूद कि आरबीआई ने वर्ष के अधिकांश समय में रेट को एक समान रखा, बैंकों ने सिस्टम में अधिशेष चलनिधि के कारण एमसीएलआर तथा जमा दरों में कटौती की. बैंकिंग सेक्टर ने एसबीएन को वापस लिए जाने के पश्चात उत्पन्न अभूतपूर्व चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया.

08 नवंबर से 31 दिसंबर 2016 की अवधि के दौरान पुराने नोटों को नये नोटों से बदलने की परिचालनगत चुनौतियों के साथ-साथ कुछ समय के लिए आस्ति गुणवत्ता कारणों से बैंकों का कार्य निष्पादन मंदा रहा. इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2017 में बैंकिंग सेक्टर में क्रेडिट संवृद्धि में वर्ष दर वर्ष आधार पर कई वर्षों की तुलना में 5.1% की गिरावट आई.

खेल परिवर्तक पहल के रुप में दिवालियापन संहिता जिसके अंतर्गत 180 दिनों के उल्लंघन के साथ ही समाधान पर विचार हेतु घोषित उद्देश्य द्वारा, समाधान की दिशा में मूल परिवर्तन लाने की संभावना है. यद्यपि दिवालियापन संहिता के प्रयोग को प्रभावी बनाने हेतु संस्थागत बुनियादी संरचनागत आवश्यक्ताओं को पूरा होने में अभी कुछ समय लग सकता है, इसकी एक अच्छी दिशा में शुरुआत हुई है, जैसा कि कुछ मामलों की दिवालियापन संहिता के अंतर्गत सुनवाई भी की गई है. दिवालियापन सम्बंधी विधि विकास के अतिरिक्त, 5:25 एसडीआर, एस4ए की वर्तमान योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु इसे संशोधित किया गया है. आरबीआई ने बड़ी कम्पनियों के मामले में प्रक्रियागत जोखिम को कम करने हेतु बैंक जोखिम को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं तथा ऐसे बॉंड पर कूपन के भुगतान में आरक्षित निधियों के प्रयोग की अनुमति प्रदान कर एटी1 बॉंड को आकर्षित बनाने हेतु इसके प्रतिबंध में ढील दी गई है. बैंकिंग सिस्टम की दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान हेतु बैड बैंक की स्थापना की संभावना पर भी विचार किया गया. एक बैड बैंक द्वारा बैंकिंग सेक्टर की दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान की संभावना है लेकिन उसे तार्किक एवं पूंजीगत चुनौतियों का सामना करना होगा.

विमुद्रीकरण ने वैकल्पिक भुगतान प्रणाली को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए अवसर प्रदान किया जिसे सरकार तथा आरबीआई द्वारा भुगतान पर लगने वाले प्रभार एवं संव्यवहार पर लागू लेवी में कटौती करते हुए प्रोत्साहित किया गया. यूएसएसडी सेवाओं पर प्रभार में भी कटौती की गई. इसके अतिरिक्त 31 दिसंबर, 2016 को भीम (भारत इंटरफेस फॉर मनी) ऐप की शुरुआत की गई जिसका प्रयोग अन्य यूपीआई ऐप एवं बैंक खातों के साथ किया जा सकता है. भीम की विशेषता यह है कि इसमें भुगतान अथवा निधि अंतरण हेतु बैंक खाते अथवा वर्च्यूअल भुगतान पते की आवश्यक्ता नहीं होती. जिस चीज की आवश्यकता होती है वह है सिर्फ पानेवाला का मोबाईल नंबर. यह किसी बैंक विशेष का ऐप नहीं है और इसकी शुरुआत शहर के साथ ही साथ ग्रामीण जनसमुदाय द्वारा नकदी रहित संव्यवहार को बढ़ावा देने हेतु किया गया है.

01 अप्रैल 2017 से एसबीआई के सहयोगी बैंकों एवं भारतीय महिला बैंक के एसबीआई में समामेलन के साथ ही बैंकिंग परिदृश्य में बड़े पैमाने पर बदलाव हुए हैं. ऐसा माना जा रहा है कि बैंकिंग क्षेत्र में समेकन, संबंधित दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान में मदद करेगा, साथ ही सकारात्मक सहक्रिया को मूर्त रुप प्रदान करने में सहायता मिलेगी, जिससे इस क्षेत्र के कार्यनिष्पादन में सुधार आएगा.

नये भुगतान बैंकों जैसे भारतीय पोस्ट भुगतान बैंक लिमिटेड एवं एयरटेल भुगतान बैंक ने वर्ष के दौरान अपना परिचालन शुरु कर दिया है, इसके अतिरिक्त 6 और छोटे फाईनेंस बैंकों ने अपने परिचालन शुरु किए हैं. नये प्रदाताओं के आगमन तथा डिजिटल भुगतान की आदतों को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार द्वारा किए गए लगातार प्रयासों से भारत में बैंकिंग में प्रतिस्पर्धात्मक एवं प्रौद्योगिकी परिदृश्य में तीव्र गति से परिवर्तन हो रहे हैं एवं बैंकों को एक नये अंदाज में व्यवसाय मॉडल विकसित कर प्रतिस्पर्धात्मक बने रहने पर दबाव बना रहे हैं.

व्यवसाय कार्य-निष्पादन

हमारे बैंक के व्यवसाय कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

संसाधन संग्रहण एवं ऋण विस्तार

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.16	31.03.17	वृद्धि(%)
जमाराशियां	**5,74,037.87**	**6,01,675.17**	**4.81**
जिसमें से- घरेलू जमाराशियां	3,94,843.97	4,40,092.15	11.46
अंतर्राष्ट्रीय जमाराशियां	1,79,193.90	1,61,583.02	(9.83)
घरेलू जमाराशियां	**3,94,843.97**	**4,40,092.15**	
जिसमें से - चालू खाता जमाराशियां	19,285.57	26,761.77	38.76
बचत बैंक जमाराशियां	1,13,253.07	1,46,831.82	29.65
कासा जमाराशियां	1,32,538.64	1,73,593.59	30.98
घरेलू जमाराशियों में घरेलू कासा (%)	**33.57**	**39.44**	
अग्रिम	**3,83,770.18**	**3,83,259.22**	**(0.13)**
जिसमें से- घरेलू अग्रिम	2,63,268.38	2,77,523.73	5.42
अंतर्राष्ट्रीय अग्रिम	1,20,501.80	1,05,735.49	(12.25)
कुल आस्तियां	**6,71,376.48**	**6,94,875.42**	**3.50**

हमारे बैंक की कुल जमाराशियां 4.81% की वृद्धि के साथ गत वर्ष के ₹ 5,74,037.87 करोड़ से बढ़कर ₹ 6,01,675.17 करोड हो गई. घरेलू कासा 30.98% की सुदृढ़ वृद्धि के साथ 31 मार्च, 2016 के ₹ 1,32,538.64 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2017 को ₹ 1,73,593.59 करोड़ पर पहुंच गई. इसमें बचत बैंक जमाराशियां 29.65% की वृद्धि के साथ ₹ 1,13,253.07 करोड़ से ₹ 1,46,831.82 करोड़ पर पहुंच गई. 31 मार्च, 2017 को घरेलू जमाराशियों में कासा जमाराशियों का हिस्सा पिछले वर्ष के 33.57% से बढ़कर 39.44% हो गया. एक विवेकपूर्ण देयता प्रबंधन उपाय के रूप में आपका बैंक लगातार रिटेल सावधि जमाराशियों से थोक अधिमान्य सावधि जमाराशियों को कम कर रहा है. घरेलू रिटेल सावधि जमा अनुपात पिछले वर्ष के 73.96% से बढ़कर 31.03.2017 को 77.55% हो गया. वर्ष के दौरान सितंबर-नवंबर 2013 की विशेष एफसीएनआर (बी) योजना जमाओं की लगभग ₹ 11,500 करोड़ की जमाराशियां का भुगतान किया गया.

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान कासा जमाराशियों में उल्लेखनीय वृद्धि आंशिक रूप से विमुद्रीकरण की अवधि के दौरान पुरानी मुद्रा की जमा से हुई. हालांकि विमुद्रीकरण प्रक्रिया से पहले बैंक ने 16% की सुदृढ़ कासा वृद्धि की जो संपूर्ण बैंक में खातों के सक्रियकरण और संबंधों को गहन करने के लिए शुरु किए कासा अभियानों तथा इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म में सुधार कर डिजिटलीकरण कार्यक्रम को मजबूत बनाने और पीओएस संस्थापन में वृद्धि आदि से हुई.

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान अपने बैंक के कुल अग्रिमों में कमी हुई जो प्रमुख रूप से अपनी ऋण बही के पुन: संतुलन पर ध्यान केंद्रित करने और विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय परिचालन में कम आय अर्जन वाली आस्तियों को कम कर उन्हें दीर्घावधि उच्च आय अर्जन वाले स्थानीय क्रेडिट में परिवर्तित करने के कारण हुई. वर्ष के दौरान सितंबर-नवंबर 2013 की विशेष एफसीएनआर (बी) योजना जमाओं के लगभग ₹ 10,000 करोड़ के ऋण पोर्टफोलियो का परिसमापन किया गया. हालांकि, जहां व्यवसाय रूपांतरण कार्यक्रम चल रहे थे और लाभप्रद परिणाम दे रहे थे, मुख्य रूप से ऐसी कॉर्पोरेट और खुदरा आस्तियों में वृद्धि के कारण वर्ष के दौरान घरेलू ऋण में 5.42% की वृद्धि हुई.

कुल आस्तियों में 3.50% की वृद्धि हुई जो 31 मार्च, 2016 के ₹ 6,71,376.48 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2017 को ₹ 6,94,875.42 करोड़ हो गई.

विमुद्रीकरण

भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार - ₹ 500 और ₹ 1000 मूल्यवर्ग के पुराने मुद्रा नोट, जिन्हें विनिर्दिष्ट बैंक नोट (एसबीएन) कहा गया है, 09 नवंबर, 2016 से कानूनी रूप से वैध नहीं रहे. इन नोटों, जो परिचालन में कुल नोटों का 86% थे, को बैंक काउंटरों पर बदलने की अनुमति दी गई और इन्हें 30 दिसंबर, 2016 तक खाते में जमा करने के लिए बैंक में प्रस्तुत करना अनिवार्य था. एसबीएन के विमुद्रीकरण से आपके बैंक की शाखाओं के काउंटरों पर भारी भीड़ रही और इसने परिचालनगत क्षमताओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया. इस अवसर पर बैंक के सभी कर्मचारियों और समग्र मशीनरी को शाखाओं में भारी भीड़ को सेवाएं प्रदान करने तथा उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए लगाया गया. इस दौरान किए गए ट्रांजेक्शनों की संख्या सामान्य वॉल्यूम से बहुत अधिक थी. बैंक की शाखाओं में 10.11.16 से 30.12.16 तक हुए ट्रांजेक्शनों का विवरण निम्नानुसार है:

विवरण	ट्रांजेक्शनों की संख्या (लाख)	राशि (₹ करोड़)
शाखाओं में नकदी जमा	204.48	65,088
शाखाओं में नकदी आहरण	292.77	25,295
एटीएम पर नकदी आहरण	104.35	2,714
बीसी से नकदी आहरण	22.50	354
शाखाओं में पुरानी मुद्रा नोट बदली	30.83	1,078

उपरोक्त अवधि के दौरान 23 मिलियन से अधिक नए ग्राहक बैंक से जोड़े गए और 4 लाख से अधिक निष्क्रिय खाते सक्रिय किए गए.

विमुद्रीकरण की प्रक्रिया ने जहां बैंक की कासा जमाओं को बढ़ाने में मदद की, वहीं इसने डिजिटल और स्व-सेवा चैनलों की ओर ले जाने की आवश्यकता पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया. इसने डेबिट/ क्रेडिट कार्डों के अलावा वैकल्पिक डिजिटल भुगतान प्रणालियों हेतु बाजार में पूर्ण महौल पैदा किया. बैंक ने विभिन्न डिजिटल उत्पादों में वृद्धि की और उन्हें सुदृढ़ बनाया तथा नए उत्पाद भी शुरू किए जिनका अलग से ब्यौरा डिजिटल खंड में दिया गया है.

परिचालन कार्यनिष्पादन:

बैंक के परिचालन कार्यनिष्पादन की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	**31.03.16**	**31.03.17**	वृद्धि **(%)**
अर्जित ब्याज	44,061.27	42,199.92	(4.22)
दिया गया ब्याज	31,321.42	28,686.51	(8.41)
शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई)	**12,739.85**	**13,513.41**	**6.07**
अन्य आय	**4,998.86**	**6,758.06**	**35.19**
जिसमें से-शुल्क आय	3,599.28	3,813.22	5.95
व्यवसायिक लाभ	1,178.86	2,618.01	122.05
पीडब्ल्यूओ से वसूली	220.72	326.83	47.96
एनआईआई + अन्य आय	**17,738.71**	**20,271.47**	**14.27**
परिचालनगत खर्च	**8,923.14**	**9,296.40**	**4.18**
कर्मचारी खर्च	4,978.02	4,637.77	(6.83)
अन्य परिचालनगत खर्च	3,945.12	4,658.63	18.08
परिचालनगत लाभ	**8,815.58**	**10,975.07**	**24.49**
प्रावधान	**15,513.64**	**8,502.37**	**(45.19)**
जिसमें से:			
एनपीए एवं बट्टे खाते डाले गए अशोध्य ऋण हेतु प्रावधान	13,765.89	7,679.79	(44.21)
मानक अग्रिमों हेतु प्रावधान	(258.11)	776.58	-
निवेश पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधान	341.47	19.29	(94.43)
अन्य प्रावधान	1,664.39	26.71	(98.44)
कर पूर्व लाभ	**(6,698.06)**	**2,472.70**	**-**
कर हेतु प्रावधान	**(1,302.53)**	**1,089.56**	**-**
शुद्ध लाभ	**(5,395.54)**	**1,383.14**	**-**
महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन सूचक			
जमाराशियों की औसत लागत (%)	5.05	4.78	
अग्रिमों पर औसत लाभ (%)	7.35	7.27	
शुद्ध ब्याज मार्जिन (%)	2.05	2.19	
लागत-आय अनुपात (%)	50.30	45.86	
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (आरओएए) (%)	(0.78)	0.20	
इक्विटी पर प्रतिफल (%)	(17.64)	4.53	

अग्रिमों में मंद वृद्धि, एमसीएलआर में गिरावट, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के मद्देनजर एसडीआर तथा एस4ए खातों में ब्याज रिवर्सल के कारण बैंक की कुल ब्याज आय में 4.22% की कमी आई जो वित्त वर्ष 2016 के ₹ 44,061.27 करोड़ से घटकर वित्त वर्ष 2017 में ₹ 42,199.92 करोड़ रही. अग्रिमों पर औसत लाभ (दैनिक औसत आधार पर) में मामूली गिरावट हुई जो वित्त वर्ष 2016 के 7.35% की अपेक्षाकृत वित्त वर्ष 2017 में 7.27% रहा.

कुल ब्याज खर्च में भी कमी आई जो वित्त वर्ष 2016 के ₹ 31,321.42 करोड घटकर वित्त वर्ष 2017 में ₹ 28,686.51 करोड़ रहा. वर्ष के दौरान जमाओं पर ब्याज खर्च में भी 8.41% की भारी कमी हुई. जमाओं की औसत लागत (दैनिक औसत आधार पर) वित्त वर्ष 2016 के 5.05% से घटकर वित्त वर्ष 2017 में 4.78% रही.

तदनुसार, बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) संशोधित आस्ति देयता प्रबंधन के कारण 6.07% की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2016 के ₹ 12,739.85 करोड़ के स्तर से बढ़कर वित्त वर्ष 2017 के दौरान ₹ 13,513.41 करोड़ पर पहुंच गई.

ट्रेजरी आय के 122.05% की वृद्धि के साथ ₹ 2,618.01 करोड़ होने तथा कोर शुल्क आय के 5.95% की वृद्धि के साथ ₹ 3,813.22 करोड़ होने के कारण बैंक की अन्य आय 35.19% की वृद्धि के साथ ₹ 6758.06 करोड़ रही. वर्ष के दौरान बैंक कम ब्याज दर परिवेश का लाभ उठाने में सफल रहा और घरेलू परिचालन में संतुलित ऋण वृद्धि

तथा अंतर्राष्ट्रीय परिचालन में पुन: वृद्धि के चलते कोर शुल्क आय में 5.95% की वृद्धि दर्ज की. बट्टे खाते किए गए खातों में ₹ 326.83 करोड़ की वसूली ने 47.96% की वृद्धि दर्ज की.

परिचालन खर्च 4.18% की वृद्धि के साथ ₹ 9,296.40 करोड़ रहा. जबकि वर्ष के दौरान मूल प्रभाव के कारण कर्मचारी खर्च में 6.83% की कमी हुई जो 4,637.77 करोड़ रुपये रहा, अन्य परिचालन खर्च 18.08% की वृद्धि के साथ ₹ 4,658.63 करोड़ रहा जिसमें विमुद्रीकरण प्रक्रिया के दौरान खर्च किया गया अतिरिक्त व्यय भी शामिल है.

बैंक ने वित्त वर्ष 2017 के दौरान 24.49% की वृद्धि करते हुए ₹ 10,975.07 करोड़ का परिचालनगत लाभ दर्ज किया है. प्रावधान लागत (करों के अलावा) गत वर्ष के ₹ 15,513.64 करोड़ की तुलना में 45.19% की उल्लेखनीय कमी के साथ ₹ 8,502.37 करोड़ रही. एनपीए और बट्टे खाते डाले गए अशोध्य ऋण हेतु प्रावधानों में भी 44.21% की कमी हुई जो ₹ 7,679.79 करोड़ रहे.

बैंक ने ₹ 2,472.70 करोड़ का कर पूर्व लाभ दर्ज किया. कर हेतु ₹ 1,089.56 करोड़ के प्रावधान किए जाने के बाद 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु शुद्ध लाभ ₹ 1,383.14 करोड़ रहा.

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए औसत आस्तियों पर प्रतिफल 0.20% रहा जबकि इक्विटी पर प्रतिफल 4.53% रहा.

व्यवसाय रूपांतरण यात्रा - प्रोजेक्ट नवोदय

वर्ष के दौरान हमारे बैंक ने ''प्रोजेक्ट नवोदय" नाम से एक व्यापक व्यवसाय रूपांतरण प्रक्रिया प्रारंभ की है. बैंक का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा के साथ अंतराल को मिटा समयोपरि त्वरित और लाभप्रद संवृद्धि करना है. बैंक समसामयिक पूर्ण-सेवा सर्वव्यापी बैंक बनने तथा वैश्विक स्तर का भारत का प्रमुख बैंक बनने के लिए अलग तरह की कार्यनीति बना रहा है जो:

- 'अंडर सर्व्ड' ग्राहक वर्ग पर ध्यान केंद्रित करना (जैसे कि कृषि एवं वित्तीय समावेशन को मिलाकर समेकित ग्रामीण बैंकिंग, सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम का समर्थन)
- 'वेल - सर्व्ड' वर्ग के लिए ऋण एवं जमाराशिओं से परे समाधान उपलब्ध कराना, नकदी प्रवाह एवं संव्यवहारों को कैप्चर करना, विशेषकर कार्पोरेट, एमएसएमई तथा रिटेल के लिए.
- महत्वपूर्ण परिवर्तक बनने के लिए अंतराष्ट्रीय नेटवर्क बनाना, एकल आरएम का प्रस्ताव, नेटवर्क में प्रतिमोच्य सीमा और बहु मौद्रिक वित्तीय पोषित क्षमता को विकसित करना.
- कोर तकनीनी समर्थन को डिजिटल बनाना तथा एक नया डिजिटल प्लेटफार्म निर्मित करना.

  बैंक ने सभी व्यवसायिक ईकाइयों तथा कार्यालयों में विभिन्न पहलों के माध्यम से इस परिपल्पना को क्रियांवित करने की प्रक्रिया शुरू की है, 5 मूल डायमेंशन्स की संरचना की है.
- दवाबग्रस्त आस्तियों को प्रबंधित करने के दौरान 'कोर' व्यवसाय ईकाइयों (रिटेल, कार्पोरेट, एमएसएमई, ग्रामीण एवं कृषि तथा अंतराष्ट्रीय) का रूपांतरण तथा वृद्धि करना
- भविष्य के लिए क्षमताओं का निर्माण (उदाहरण स्वरूप सप्लाई चेन फाइनेंसिंग जैसे नए उत्पादों नकदी प्रबंधन, डिजिटल, धन संपदा प्रबंधन तथा दक्षता बढ़ाने हेतु परिचालन को केंद्रीकृत करना)
- समर्पित नेतृत्व क्षमता तथा प्रतिभा पहलों के माध्यम से संस्था को 'पोषित' करना तथा प्रतिभा को सामने लाना.
- क्रियान्वयन तथा दक्षता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के माध्यम से 'बड़ा परिवर्तन' तथा 'क्रमबद्ध परिवर्तन' करना.
- नये सहयोगी बनाना तथा नई पहल करना.

बैंक ने सभी व्यवसाय खंडो, कार्यालयों / प्रक्रियाओं में 120 से अधिक नीतिगत पहलों को निर्धारित किया है. इन पहलों कों लागू करने के लिए परियोजना प्रबंधन कार्यालय (पीएमओ) की स्थापना की गई है, जिसकी सहायता 100 चेंज लीडर्स के द्वारा की जा रही है जो कि चेंज मैनेजमेंट के विचारों को निचले स्तर की टीम तक पहुंचाएंगे. इस परियोजना का क्रियान्वयन शुरू हुआ तथा बैंक लगातार इस रूपांतरण की यात्रा पर अग्रसर है. इस दिशा में उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकरी निदेशक रिपोर्ट की संबंधित मद में दी गई है.

कार्पोरेट क्रेडिट

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान लार्ज कार्पोरेट एवं मिड कार्पोरेट विभागों का विलय किया गया. पूरे भारत में 9 कार्पोरेट वित्तीय शाखाएं (सीएफएस) एवं 14 मिड कार्पोरेट शाखाएं कार्य कर रही हैं तथा कार्पोरेट क्रेडिट पोर्टफोलिओ के 85% भाग का प्रबंधन कर रही हैं. कार्पोरेट क्रेडिट बैंक के कुल घरेलू अग्रिमों में 48% का योगदान कर रहा है. वर्ष के दौरान 117 नए कार्पोरेट ग्राहक जोड़े गए.

व्यवसाय रूपांतरण की कड़ी के रूप में आपका बैंक कार्पोरेट बैंकिंग मॉड्यूल को पुन:निर्मित / पुननिर्मित तथा पुन: परिभाषित करने की प्रक्रिया में है. ऋण और जमाओं से परे क्षमताओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया है ताकि बैंक ज्ञान आधारित, संबंधों को प्रमुखता देने वालों कार्पोरेट बैंक बन सके. इसके लिए कई कदम उठाए गए या उठाए जा रहे हैं. बैंक ने मानकीकृत ऋण मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ टीम के साथ केंद्रीकृत क्रेडिट वर्टिकल की स्थापना की है. यह लक्ष्य समूह की पहचान करने तथा बैंक के लिए मार्केट उपलब्ध कराने का अनुपूरक है. सीएफएस एवं मिड कार्पोरेट शाखाओं द्वारा तकनीकी रूप से दक्ष रिलेशनशिप मैनेजर (आरएम) मॉडल अपनाया गया. समर्पित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के द्वारा इन रिलेशनशिप मैनेजर (आरएमएस) का सहयोग किया जाता है. आपके बैंक ने लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मूल्य निर्धारण नीति स्थायी संबंध बनाने हेतु पुननिर्मित किया है तथा अच्छे वॉलेट शेयर एवं प्रक्रियाओं का निर्धारन तथा प्राप्त करने एवं एवं प्रक्रियाओं लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित किया है एवं संस्थागत खातों को नियोजित किया है. बहु - मौद्रिक सुविधाओं के साथ बहु भौगोलिक क्षेत्रों के ग्राहकों को सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के रूप में अंतराष्ट्रीय व्यवसाय का लाभ उठाया गया है.

जहाँ उक्त सभी उपाय का उद्देश्य कार्पोरेट क्रेडिट डिलिवरी की दिशा में पुर्ननिर्माण करना तथा लक्ष्य बाजारों का निर्धारण करना है, वहीं प्रणाली को सशक्त बनाया गया ताकि ऋण पोर्टफोलियो की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जा सके. बैंक ने वाह्य क्रेडिट एजेंसियों को नियुक्त किया है तथा समुचित सावधानी से वित्तीय / बाजार के लिए क्रेडिट ब्यूरो की सेवाओं का उपयोग कर रहा है. इन उपायों के परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान पोर्टफोलियो की ऋण गुणवत्ता में सुधार हुआ है जिसे नीचे दिए गए घरेलू ऋण पोर्टफोलियो की रेटिंग वितरण में भी देखा जा सकता है:

ऋण रेटिंग वितरण	वित्तीय वर्ष 2016	वित्तीय वर्ष 2017
ए एवं अधिक	29.26%	39.27%
बीबीबी	14.14%	15.77%
बीबीबी से नीचे	19.42%	21.80%
रेटिंग नहीं की गई	36.88%	23.16%

* ₹ 5.00 करोड़ एवं उससे ऊपर के अग्रिमों का वाह्य रेटिंग वितरण.

इन कदमों के साथ ही साथ कार्पोरेट ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए नए उत्पाद जैसे सप्लाई चेन फाइनेंसिंग, नकदी प्रबंधन तथा ट्रेड फाइनेंस के लिए इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म को तैयार किया गया है. इन उत्पादों में से एक उत्पाद यथा सप्लाई चेन फाइनेंसिंग शुभारंभ से पूर्व जाँच की अंतिम अवस्था में है.

एमएसएमई ऋण

एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो कृषि के बाद लाखों लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा हैं. हमारा बैंक 54 एसएमई लोन फैक्ट्रियों तथा शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के जरिये इस क्षेत्र को सहयोग प्रदान करता है. बैंक का 31 मार्च, 2017 के अंत में हमारे बैंक का एमएसएमई अग्रिम ₹ 58,090 करोड़ रहा. 31 मार्च, 2017 को हमारे बैंक के सकल घरेलू अग्रिमों में एमएसएमई अग्रिमों का योगदान 19.50% रहा. सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को दिए गए अग्रिम का स्तर ₹ 50,413 करोड़ था. हमारा बैंक प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाय) में सक्रिय रुप से भाग ले रहा है तथा माईक्रो इंटरप्राइजेज श्रेणी में खातों की संख्या में प्रधान मंत्री टास्क़ फोर्स द्वारा निर्धारित 10% के लक्ष्य के सापेक्ष 16% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि हासिल की.

व्यवसाय रूपांतरण की कड़ी के रूप में, बैंक बिक्री तथा संसाधन टीम पर फिनटेक एवं ई कॉमर्स कंपनियों के साथ नीतिगत साझेदारी करते हुए सहवर्ती टाईअप किये हैं. बैंक के एसएमई विभाग की कार्यनीति का मूल तत्व है प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण (गैर - कृषिगत), तथा सरकारी कार्यक्रमों, जैसे कि स्टैंड अप इंडिया पारंपरिक लघु एवं मध्यम उद्यमी ग्राहकों के लिए लक्षित उत्पाद कार्यक्रम (भौगोलिक तथा औद्योगिक विशेष) की रूप - रेखा तैयार करना प्राथमिक माईक्रो तौर पर एंटरप्राइज को लक्ष्य करते हुए ग्राहकों को सहयोग देने के लिए बैंक के डेटा (जैसे कि सीए बैलेंसेस, पीओएस संव्यवहार डेटा, एमएसएमई मालिकों द्वारा लिए गए रिटेल ऋण के पुनर्भुगतान के विवरण) का लाभ उठाकर उत्पाद तैयार करना, पूर्ण रूप से ऑनलाइन एमएसएमई ऋण प्लेटफार्म का निर्माण कर विकासशील डिजिटल ऋण अवसरों का लाभ लेना, सप्लाई चेन फाइनेंस तथा ई - कॉमर्स सेलर फाइनेंस में मौजूदा एवं उभरते हुए इको सिसटम को लक्ष्य करते हुए उत्पादों का विकास करना, एसएमई के लिए समर्पित और वर्टिकल बनाते हुए के द्वारा उच्च मूल्य वाले एमएसएमई संबंधों के निर्माण तथा उन्हे मजबूत करनेपर ध्यान केंद्रित करना, समर्पित बिक्री टीम आदि के माध्यम से एमएसएमई ग्राहकों को एफएक्स की प्रभावी बिक्री करना.

हमारे बैंक ने फिनटेक कंपनियों के साथ टाईअप किया है जिससे एमएसएमई ग्राहकों को बेहतर, त्वरित एवं किफायती सेवाएं प्रदान करने तथा बेहतर व समुचित सावधानी, विपणन के अवसरों एवं त्वरित सेवा प्रदान करने हेतु मूल्यवर्धन करने में बैंक को सहायता प्राप्त हो सके.

खुदरा ऋण

हमारे बैंक में खुदरा ऋण का वितरण मुख्य रुप से 71 स्पेशलाईज्ड मोर्गेज स्टोर (एसएमएस) तथा शाखाओं के विशाल नेटवर्क के माध्यम से किया जाता है. बैंक ने वर्ष के दौरान पणजी, वापी, जबलपुर, उदयपुर तथा गांधीनगर में -5- नये एसएमएस खोले हैं. बैंक ने खुदरा ऋण के उत्पादों जैसे ऋण सीमा में वृद्धि/आय गुणक/एफओआईआर/ आवास ऋण का जोखिम आधारित कीमत निर्धारण/ ऑटो लोन/ क्रेडिट ब्यूरो स्कोर के साथ लिंक मोर्गेज ऋण की समीक्षा और पुनर्संरचना की है, बैंक ने तीन अंचलों के लिए प्रायोगिक आधार पर बड़ौदा (अब गांधीनगर में स्थानांतरित) में केन्द्रीकृत प्रोसेसिंग केन्द्र(सीपीसी) की स्थापना द्वारा रिटेल क्रेडिट प्रक्रिया का केन्द्रीकरण किया है. बैंक ने आवास ऋण की सोर्सिंग/संयुक्त सोर्सिंग के लिए डीएसए नीति को अपनाया गया है. इसके अतिरिक्त बैंक ने गुणवत्तायुक्त आवास ऋण /व्यक्तिक ऋण व शैक्षणिक ऋण प्रस्तावों को प्राप्त करने के उद्देश्य से चार डिजिटल डीएसए को सूचीबद्ध किया है.बैंक ने नकदी प्रवाह का प्रत्यक्ष समनुदेशन एवं अंतर्निहित प्रतिभूतियों द्वारा रिटेल आस्तियों की बिक्री एवं खरीद हेतु नीति भी बनाई गई है. बैंक ने कुछ नये उत्पाद जोड़े हैं, जैसे टॉपअप सुविधा विकल्प के साथ आवास ऋण का टेक ओवर, गैर वैयक्तिक को संपत्ति के बदले में ओडी, वर्तमान आवास ऋण उधारकर्ताओं एवं देयता ग्राहकों आदि को पूर्व अनुमोदित टॉपअप लोन, जिसकी सहायता से वर्ष के दौरान बैंक के रिटेल लोन पोर्टफोलियो में वृद्धि हुई है.

वर्ष के दौरान बैंक ने 25 चयनित शहरों में नये उत्पाद 'डेबिट कार्ड धारकों हेतु डेबिट कार्ड ईएमआई' की शुरुआत की है, जिससे कि ग्राहक विभिन्न ऑन-लाईन ई-कॉमर्स पोर्टल स्टोर्स से उत्पाद खरीद सकते हैं.

रिटेल क्रेडिट के अंतर्गत किए गए तथा किए जा रहे नवोन्मेषी कार्यों में प्रतिस्पर्धात्मक दरों के साथ तैयार की गई सरलीकृत ऋण मूल्य निर्धारण कस्टमाइज क्रेडिट स्कोरिंग मॉडल, ग्राहकों की आवश्यकता की पूर्ति करने के अनुरूप तैयार किए गए उत्पाद, बिक्री सभ्यता को विकसित करने हेतु समर्पित बिक्री दल का गठन, आवास ऋण के लिए पूर्व अनुमोदित ऋण सीमा, विश्लेषकों द्वारा चलाए गए व्यक्तिगत ऋण तथा कार ऋण अभियान, आवास ऋण हेतु टॉप अप एवं सरलीकृत बकाया अंतरण कार्यक्रम, साझेदारियों, प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों को न्यूनतम वित्तीय आवश्यकताओं के साथ एलएपी बढ़ाना, डेबिट कार्ड ईएमआई उत्पाद की शुरूआत तथा व्यवसाय बढ़ाने हेतु डीएसए के साथ साझेदारी शामिल है.

हमारे बैंक की रिटेल ऋण बही में पांच प्रमुख उत्पाद अर्थात आवास ऋण, ऑटो ऋण, शिक्षा ऋण, संपत्ति के पेटे ट्रेडर्स ऋण तथा मार्गेज ऋण शामिल हैं. ये 31 मार्च 2017 को कुल रिटेल ऋणों का 84.71% रहे. 31 मार्च 2017 को गृह ऋण ₹ 5,200 करोड़ (20.83%) की वृद्धि के साथ ₹ 30,168 करोड़ के स्तर पर गया. मार्गेज ऋण ₹ 1,767 करोड़ (92.35 %) की बढ़त के साथ ₹ 3,681 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया. ऑटो ऋण, ट्रेडर्स ऋण तथा शिक्षा ऋण क्रमश: ₹ 4,394 करोड़, ₹ 8,835 करोड़ तथा ₹ 2,054 करोड़ रहे. अन्य खुदरा ऋण उत्पादों में पर्सनल ऋण और अन्य विविध ऋण शामिल हैं.

31 मार्च 2017 को कुल रिटेल ऋण ₹ 57,994 करोड़ रहे जो बैंक के घरेलू अग्रिमों का 19.5% है.

ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र के ऋण :

हमारा बैंक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र एवं कृषि ऋण के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है. इसने अपनी 1812 ग्रामीण शाखाओं एवं 1523 अर्धशहरी शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से ग्रामीण बाज़ार की संभावनाओं पूरा लाभ उठाया है. वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान बैंक द्वारा ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में 62 नई शाखाएं खोली गई.

बैंक के प्राथमिक क्षेत्र के अग्रिम मार्च 2016 के ₹ 1,13,121 करोड़ की तुलना में 31 मार्च, 2017 को ₹ 1,27,672 करोड़ रहे जो कि समायोजित शुद्ध बैंक ऋणों (एएनबीसी) का 41.66% थे. बैंक के प्रत्यक्ष कृषि ऋण वर्ष के दौरान ₹ 1,858 करोड़ (6.61%) की शुद्ध वृद्धि के साथ ₹ 29,952 करोड़ रहे. आपके बैंक के कुल कृषि अग्रिमों में ₹ 10,475 करोड़ की वृद्धि हुई जो 31 मार्च, 2017 को ₹ 47,297 पर पहुंच गए. कुल कृषि अग्रिम एएनबीसी का 18.02% रहे.

व्यवसाय रूपांतरण की कड़ी के रूप में, कृषि एवं ग्रामीण कार्यनीति का केंद्रीकृत क्षेत्र किसानों को समर्थ बनाकर उनकी उत्पादकता को बढ़ाने, क्षतिपूर्ति / उगाही को बढ़ाने तथा भागीदारों के साथ मिलकर काम करने पर है. बैंक की समेकित ग्रामीण कार्यनीति के चार स्तंभ हैं (i) बैंक खाते का अधिकतम उपयोग, आधार सीडिंग के माध्यम से त्वरित खाता खोलना, स्वचालित मशीन के माध्यम से पिन जनरेट करना, तुरंत डेबिट कार्ड जारी करना तथा 20,000 बीसी तथा 04 लाख पीओएस टर्मिनल के माध्यम से नकदी लेन-देन के नेटवर्क को विस्तृत करना, (ii) सामान्य क्रेडिट (जैसे कि फसल ऋण)

से आगे बढ़कर विविध प्रकार की ग्रामीण ऋण कार्यनीति की ओर अग्रसर होना तथा समग्र ग्रामीण ग्राहक वर्ग में नई उत्पाद श्रेणियों अर्थात फार्म मशीनीकरण, बागबानी ऋण, फसल ऋण, वेयरहाऊस रसीद वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित करना और छोटे किसानों एवं समुदायों हेतु समुदाय आधारित ऋण मॉड्यूल अपनाना (iii) ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए वित्तीय सेवाएं प्रदाताओं, कृषि वित्तपोषण कंपनियों, बीमा कंपनियों, प्राइवेट इक्विटी फर्मों, बीज एवं उर्वरक कंपनियों, वेयरहाऊस एवं कोल्ड स्टोरेजों, ग्रामीण विश्वविद्यालयों, ड्रिप सिंचाई कंपनियों आदि जैसी कंपनियों एवं भागीदारों का इकोसिस्टम विकसित करना (iv) बैंक में एकीकृत ग्रामीण बैंकिंग संगठन स्थापित करना जो ग्रामीण एवं वित्तीय समावेशन संबंधी पहलें करेगा.

ग्रामीण इकोसिस्टम बनाने के लिए आरएमएल एजीटीईसीएच, किसानों को फसल के चयन से लेकर मार्केटिंग तक का तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराने वाली तकनीकी कंपनी, सहित प्रमुख एग्री कंपनियों के साथ कार्यनीतिक भागीदारी की गई ताकि किसानों की उत्पादकता एवं लाभप्रदता को सुधारा जा सके, अग्रणी लघु सिंचाई कंपनियों जैसे नेटाफिम इरिगेशन इंडिया प्रा. लि. तथा जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड के साथ समझौता किया ताकि लघु सिंचाई उपकरण खरीदने हेतु किसानों को ऋण उपलब्ध कराया जा सके, पांच कोलेट्रल मैनेजरों जैसे कि ऐडलवेज एग्री वैल्यू चेन लि., श्री शुभम लॉजिस्टिक लिमिटेड, सिद्धिविनायक एग्री प्रोसेसिंग प्रा. लि., सीएक्सएन कोर्पोरेशन लि. तथा आर्य कोलेट्रल वेयरहाउसिंग सर्विसेस प्रा. लि. के साथ समझौता किया गया ताकि डिस्ट्रेस सेलिंग से बचाने के लिए किसानों को वित्तपोषित किया जा सके, दुधारू पशु खरीदने हेतु किसानों को वित्त उपलब्ध कराने हेतु डेयरी कंपनियों अर्थात हेरिटेज फूड लिमिटेड एवं क्वालिटी लिमिटेड के साथ समझौता किया गया, किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए गांव वालों को प्रशिक्षण प्रदान करने और अनुसंधान गतिविधियों के आयोजन के लिए पीएसजी कॉलेज ऑफ़ आर्टस एण्ड साईन्स के साथ समझौता किया गया.

वित्तीय वर्ष 17 के दौरान अ.जा./अ.ज.जा. को अग्रिम अ.जा./अ.ज.जा. समुदाय को दिया गया ऋण 31 मार्च, 2016 के ₹ 5,298 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2017 को ₹ 5,312 करोड़ पर पहुंच गया. बैंक द्वारा कमजोर तबकों को प्रदत्त कुल अग्रिमों में अ.जा./अ.ज.जा. को प्रदान किए गए अग्रिमों का हिस्सा 14.19 % रहा. इसके अलावा आपके बैंक ने सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं जैसे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) आदि के अंतर्गत अ.जा./अ.ज.जा. समुदाय को वित्तपोषित करने पर विशेष बल दिया है.

स्टैण्ड - अप इंडिया : अ.जा./अ.ज.जा. एवं महिला सेगमेंट में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के द्वारा स्टैण्ड - अप इंडिया की पहल की गई. वित्तीय वर्ष 17 के दौरान बैंक ने स्टैण्ड - अप इंडिया योजना के अंतर्गत कुल 1063 ऋण स्वीकृत किया है. 31 मार्च 2017 तक इस योजना के अंतर्गत कुल ₹ 223.59 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया गया.

वित्तीय समावेशन (एफआई)

बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों सहित समाज के सभी वर्गों को अल्प लागत पर सामान्य बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के कार्य को आपके बैंक ने न सिर्फ सामाजिक प्रतिबद्धता के रूप में लिया, बल्कि स्थायी आईसीटी आधारित डिलिवरी चैनलों के माध्यम से व्यवसायिक अवसर तलाशने के रूप में भी लिया.

भारत सरकार के डिजिटल कार्यक्रम के साथ वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने हेतु हमारे बैंक ने कई पहलें की हैं. जैसे कि :-

- आधार सीडिंग द्वारा खातों को त्वरित खोलने, स्वचालित मशीन के माध्यम से पिन जनरेट करने और तुरंत डेबिट कार्ड जारी करने की सुविधा के साथ खाता खोलने की प्रक्रिया का डिजिटलीकरण.
- नकदी को कम करने हेतु समूचे ग्रामीण समुदाय की मदद करने के लिए व्यापक मोबाइल बैंकिंग सोल्यूशन.
- वैकल्पिक डिलिवरी चैनलों जैसे एटीएम, एसएमएस, इंटरनेट बैंकिंग, बीसी प्वाइंट आदि के माध्यम से आधार नंबर दर्ज करना.
- बीसी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सूक्ष्म तथा टेबल - टॉप एटीएम लगाना.
- बीसी मॉडल का अत्यधिक विस्तार
- एसएचजी / जेएलजी – आधारित ऋण वितरण अभियान चलाना
- जमा संग्रहण, एनपीए एवं पीड्ब्लूओ सहित छोटे ऋण खातों में वसूली एवं फॉलोऑफ जैसी बीसी सेवाओं के क्षेत्र को बढ़ाना तथा उन्हें वित्तीय रूप से व्यवहार्य रखने हेतु इसके लिए विशेष प्रोत्साहन देना.
- इंटरनेट बैंकिंग एवं एसएमएस इत्यादि के माध्यम से लघु बीमा योजनाओं जैसे पीएमएसबीवाई तथा पीएमजेजेबीवाई में पंजीकरण.

बीसी केन्द्रों पर जो उत्पाद/सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं, वे इस प्रकार हैं : अंतर्निहित ओडी सुविधा सहित बेसिक बचत जमा खाते खोलना, तत्काल खाते खोलना/ ई-केवाईसी के माध्यम से खाते खोलना, नकद निकासी, नकद जमा व निधि अंतरण, आधार आधारित नकद निकासी, जमा व निधि अंतरण (एईपीएस), कार्ड आधारित नकद निकासी, आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा), चालू खाते में जमा, नकद ऋण खाता, ओडी खाता, ऋण खाता, सावधि जमा खाता, माइक्रो बीमा - पीएमजेजेबीवाई तथा पीएमएसबीवाई, आधार सीडिंग, मोबाईल सीडिंग, अटल पेंशन योजना इत्यादि.

शहरी वित्तीय समावेशन: ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे लोगों के अलावा शहरी क्षेत्र में भी लोगों का एक गरीब तबका है इसमें गावों से शहरी क्षेत्र में आकर बसे वे लोग भी शामिल हैं जो अभी भी सामान्य बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं. इन्हें औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाने हेतु हमारे बैंक ने कियोस्क मॉडल के अंतर्गत पूरे देश भर में विभिन्न स्थानों पर 9177 शहरी बीसी तैनात किए हैं.

प्रधानमंत्री जन-धन योजना प्रधानमंत्री जन-धन योजना एक विस्तृत वित्तीय समावेशन योजना है इसे और अधिक उपयोगी बनाने के लिए इसका दायरा और बढ़ाया गया है. प्रत्येक परिवार जिसका बैंक खाता हो वह बैंकिंग एवं ऋण सुविधाओं का लाभ उठा सकेगा. यह उन्हें उनकी बचत को एक औपचारिक बैंकिंग सिस्टम में बेहतर ढंग से सुरक्षित रखने एवं अनौपचारिक स्रोतों से धन जुटाने की आदत से बाहर आने में सक्षम बनाएगा. प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खाता खुलवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को रूपे डेबिट कार्ड मिलेगा तथा वह ₹ 1 लाख की दुर्घटना बीमा कवर हेतु पात्र होगा. खाते के 6 महीनों तक संतोषजनक संचालन के पश्चात वह ₹ 5000/- की ओवरड्राफ्ट सुविधा हेतु पात्र होगा. जिन खाताधारकों ने 15.08.2014 से 31.01.2015 के बीच खाते खुलवाए हैं, उन्हें भारतीय जीवन बीमा निगम से ₹ 30,000/- का अतिरिक्त मीयादी जीवन बीमा कवर प्राप्त होगा. वित्तीय साक्षरता पीएमजेडीवाई का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है.

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत बैंक के पास 31 मार्च 2016 के कुल 125.29 लाख खाते और ₹ 2500 करोड़ राशि की तुलना में 31 मार्च 2017 को कुल 196.40 लाख खाते हैं, जिनमें ₹ 4747 करोड़ राशि जमा है. खातों की संख्या में 56.76% तथा राशि में 89.88% की वृद्धि हुई है. बैंक ने 31 मार्च 2016 को 118.91 लाख रूपे कार्ड जारी किए थे जबकि 31 मार्च 2017 तक बैंक ने पात्र पीएमजेडीवाई खातों में 184.78 लाख रूपे कार्ड जारी किए हैं. 31 मार्च 2017 तक इन खातों में आधार सीडिंग की स्थिति 72.87% है, जो 31 मार्च 2016 में 44.37% थी. 31 मार्च 2017 तक बैंक ने पीएमजेजेबीवाई (जीवन बीमा) के अंतर्गत 15.57 लाख ग्राहकों तथा पीएमएसबीवाई (दुर्घटना बीमा) के अंतर्गत 44.37 लाख ग्राहकों को पंजीकृत किया है.

बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का कार्यनिष्पादन

हमारे बैंक ने तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक प्रायोजित किए हैं यथा बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक. इन तीन ग्रामीण बैंकों का कुल व्यवसाय 2016 में ₹ 42,347.52 करोड़ के सापेक्ष 17.73% की वृद्धि दर्ज करते हुए मार्च, 2017 में ₹ 49,854 करोड़ हो गया. इन तीनों ग्रामीण बैंकों ने सकल रुप में मार्च, 2017 में ₹ 202.31 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पिछले वर्ष के दौरान ₹ 168.54 करोड़ था. इन तीनों ग्रामीण बैंकों की कुल शुद्ध मालियत ₹ 2,019.56 करोड़ से सुधर कर 31.03.2017 को ₹ 2,221.87 करोड़ हो गई.

अंतर्राष्ट्रीय परिचालन

अंतर्राष्ट्रीय पटल पर हमारा बैंक भारतीय कॉर्पोरेटों की आवश्यकताओं को पूरा कर, भारतीय तथा स्थानीय निगमित कंपनियों/फर्मों के लिए भारत से जुड़े सीमा पार के व्यापार प्रवाह को सेवाएं प्रदान कर प्रवासी भारतीयों/भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए पसंदीदा बैंक बन कर विकास तथा मूल्य संवर्धन की कार्यनीति का अनुसरण कर रहा है. मूल्य का निर्वाह करने हेतु हमारे बैंक ने केंद्रीकृत बैक ऑफ़िस की स्थापना करके आंतरिक परिचालन में सुधार करने की योजना बनाया है, नियंत्रण एवं अनुपालन को सशक्त बनाकर व्यवसाय विकास पर ध्यान केंद्रित करने हेतु भौगोलिक क्लस्टर को अपनाया है, परिचालन के स्थानीय दक्षता में वृद्धि की है तथा लागत दक्षता के लिए डिजिटल क्षमता का निर्माण किया है.

31 मार्च, 2017 तक हमारे बैंक की विदेशी शाखाओं का कुल व्यवसाय ₹ 267,318 करोड़ था जो कि वैश्विक व्यवसाय का 27.14% है. कुल जमाएं ₹ 161,583 करोड़ थी जबकि कुल अग्रिम ₹ 105,735 करोड़ था. यह अंतर्राष्ट्रीय परिचालन के लिए समेकन का वर्ष था. वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय परिचालन का परिचलात्मक लाभ ₹ 2,039 करोड़ तथा कुल लाभ ₹ 560 करोड़ रहा. बैंक ने वैश्विक परिदृश्य में असंशोधित वृद्धि दर्ज की तथा अपने अंतर्राष्ट्रीय परिचालन की रणनीति में सुधार किया. हमारे बैंक ने आस्तियों की गुणवत्ता तथा लाभप्रदता में वृद्धि करने के पोर्टफोलियो में संतुलन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है. इस वर्ष विशेष एफसीएनआर (बी) योजना सितंबर - नवंबर 2013 के अंतर्गत जमाओं के आस्ति पोर्टफोलियो के एवज में लगभग ₹ 10,000 करोड़ का लिक्वीडेशन आया है.

31 मार्च 2017 तक, कुल अंतर्राष्ट्रीय ऋण-बही में 48.14% बायर्स क्रेडिट / बीपी/ बीडी पोर्टफोलियो शामिल था जबकि एक्सपोजर बैंक के पास था. ईसीबी/सिंडिकेटेड ऋण के रूप में 22.53% एक्सपोजर भारत से संबंधित कार्पोरेट के थे. गैर भारतीय एक्सपोजर सिंडिकेटेड ऋण के रूप में 4.62% तथा शेष 25.71% एक्सपोजर स्थानीय ऋण के रूप में थे.

वर्ष के दौरान बैंक ने पूंजी का इष्टतम अभियोजन करने के लिए विदेशी शाखाओं से यूएस $ 138 मिलियन आधिक्य पूंजी निधियों का प्रत्यावर्तन किया.

बैंक की विदेशी अनुषंगियां लगातार बेहतर कार्यनिष्पादन कर रही हैं तथा इनका ध्यान स्वस्थ आस्ति गुणवत्ता और लाभप्रदता में सुधार करने पर केंद्रित रहता है.

बैंक ने अपने अंतर्राष्ट्रीय परिचालन को सुदृढ़ एवं पुनर्गठित करने की दिशा में कदम उठाया है. भावी वैश्विक परिदृश्य में यह अंतर्राष्ट्रीय परिचालन में जोखिमों पर अपना ध्यान केंद्रित करता है. बैंक अपने अंतर्राष्ट्रीय परिचालन, जिसमें वर्तमान परिवेश में सफल नही सिद्ध होने वाले कुछ केंद्रों को बदलना भी शामिल है, पर विचार कर रही है.

यू.के. अनुषंगी

हमारा बैंक यूके में खुदरा व्यवसाय में अपना स्थान बनाने के लिए 100% स्वामित्व वाली अनुषंगी की योजना बना रहा है, जो बैंक के खुदरा व्यवसाय को बढ़ावा देने के साथ ही साथ स्थानीय नियामक के दिशा-निर्देशों का अनुपालन भी करेगी.

ट्रेजरी परिचालन

हमारे बैंक में ट्रेजरी परिचालन कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई स्थित अति आधुनिक डीलिंग रूम से किया जाता है. ट्रेजरी, घरेलू ट्रेजरी परिचालन का कार्य संचालित करता है तथा विभिन्न मार्केट कार्यकलापों जैसे विदेशी विनिमय, ब्याज दरें, सावधि आय, मनी मार्केट, डेरीवेटिव, इक्विटी, करेंसी, फ्यूचर्स ब्याज दर और अन्य वैकल्पिक आस्ति श्रेणियों में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है. बैंक पूरे भारतवर्ष में विदेशी विनिमय हेतु अधिकृत शाखाओं के माध्यम से कई सेवाएं जैसे ब्याज दर स्वैप, मुद्रा स्वैप, मुद्रा विकल्प, एडवांस डीलिंग सिस्टम द्वारा फॉरवार्ड कांट्रैक्ट आदि प्रदान करता है.

31 मार्च, 2017 तक बैंक का घरेलू निवेश बही का आकार कुल ₹ 1,22,169 करोड़ रहा. कुल निवेशों में एसएलआर प्रतिभूतियों का शेयर 89.44% रहा. 31 मार्च, 2017 को एनडीटीएल में एसएलआर प्रतिभूतियों का प्रतिशत 23.57% था.

आपके बैंक ने वर्ष के प्रथम छ: महीने में उच्चतर प्रतिफल के द्वारा उपलब्ध कराए गए अवसर का लाभ उठाया है और पोर्टफोलियो में बॉण्ड को शामिल किया है. बैंक ने अति सक्षम तरीके से पोर्टफोलियो को संभाला है तथा 31.03.2017 को 7.76% का एसएलआर निवेश पर औसत प्रतिफल को कायम रखा है. वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान आपके बैंक ने निवेशों के विक्रय तथा विदेशी विनियम से क्रमश: ₹ 2,618 करोड़ तथा ₹ 976 करोड़ लाभ की उगाही की तथा ब्याज / डिस्काऊंट के रूप में ₹ 12,656 करोड़ अर्जित किए हैं.

बैंक का ट्रेजरी मिड - ऑफिस बाज़ार ऋण जोखिम तथा बैंक के द्वारा तय की गई ऋण सीमा का वास्तविक समय आधार पर निगरानी करता है. जोखिम प्रबंधन पैरामीटर, जिसमें कि वेल्यू – एट रिस्क (वीएआर) भी शामिल है, का उपयोग सभी पोर्टफोलियो पर बाज़ार के जोखिम का निर्धारण करने के लिए किया जाता है. मॉडल की शक्ति का मूल्यांकन करने के लिए नियमित रूप से वीएआर संख्या की जाँच की जाती है. विभिन्न निवेशों एवं मुद्रा स्थिति पर दवाब की जांच की जाती है.

एनपीए प्रबंधन

गैर निष्पादक आस्तियों (एनपीए) एवं अन्य दबावग्रस्त आस्तियों का प्रबंधन भारतीय बैंकिंग उद्योग के समक्ष की सब से बड़ी चुनौतियों में से एक रही, जिसने बैंकों की लाभप्रदता को प्रभावित किया. दबावग्रस्त आस्तियों के जमाव को सम्हालने के लिए आरबीआई ने कई उपाय किए. इन उपायों में प्रत्याशित दबाव के निर्धारण के लिए एक समर्थ संयुक्त नेतृत्व मंच (जेएलएफ) का निर्माण, नीतिगत ऋण पुनर्गठन योजना (एसडीआर) के अंतर्गत पुनर्गठन मेकेनिज़्म का प्रारंभ, 5:25 योजना के अंतर्गत लचीला पुनर्वित्त प्रदान करना, दबावग्रस्त आस्तियों का संधारणीय पुनर्गठन (एस4ए) के मानदंडों को सरल बनाना और उनकी बिक्री के दिशानिर्देशों का संशोधन का समावेश है.

वित्तीय वर्ष 17 दबावग्रस्त आस्तियों की गुणवता के संदर्भ में आपके बैंक के लिए भी चुनौतिपूर्ण रहा. वर्ष के दौरान दबावग्रस्त बही में मूवमेंट निम्नानुसार रही:

(₹ करोड़ में)

	FY' 2016	FY'2017
सकल एनपीए	40,521	42,719
सकल एनपीए अनुपात	9.99%	10.46%
शुद्ध एनपीए	19,407	18,080
शुद्ध एनपीए अनुपात	5.06%	4.72%
एनपीए में वृद्धि	27,828	13,312

वसूली/उन्नयन	2,015	6,766
टीडबल्यूओ सहित बट्टाकृत	1,554	4,348
बट्टाकृत खातों में वसूली	221	327
प्रावधान कवरेज अनुपात (टीडबल्यूओ सहित)	60.09%	66.83%
प्रावधान कवरेज अनुपात (टीडबल्यूओ छोड़ कर)	52.11%	57.68%

आपके बैंक का 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि का अग्रिम पोर्टफोलियो संबंधी आस्तियों के वर्गीकरण के अनुरूप विश्लेषित विवरण निम्नलिखित है:

(₹ करोड़ में)

आस्तियों की श्रेणी (सकल)	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2017
मानक	3,64,996	3,65,792
सकल एनपीए	40,521	42,719
कुल	4,05,517	4,08,511
सकल एनपीए समावेशित:		
अवमानक	11,569	8,804
संदिग्ध	25,766	29,186
हानि	3,186	4,729
कुल सकल एनपीए	**40,521**	**42,719**

हमारे बैंक ने विभिन्न स्तरों पर वसूली एवं ऋण निगरानी के लिए एक व्यापक संगठनात्मक स्ट्रक्चर विकसित किया है और दबावगस्त आस्तियों का प्रबंध करने के लिए प्रणाली एवं प्रक्रियाओं को और सुदृढ़ बनाने के लिए कई उपाय किए हैं, जिनमें निम्नलिखित का समावेश है:

- वसूली कार्यवाही का वास्तविक समय पर ट्रेकिंग के लिए तथा उच्च स्तर के निर्णयन का समर्थन देने के लिए एक लीगल वॉर रूम स्थापित किया है (140 उच्च मूल्य के खातों की निगरानी की जाती है.)
- बाह्य विशेषज्ञों की भर्ती के माध्यम से बैंक की विधिक और धोखाधड़ी अन्वेषण क्षमताओं को मजबूत करना तथा वसूली मामलों को सम्हालने की क्षमता बढ़ाना.
- इंडियन बैंकरप्सी कोड के तहत् कार्रवाई के लिए 39 मामलों का निर्धारण, जिनमें से 13 मामले एनसीएलटी में दर्ज किए गए और वॉर रूम के माध्यम से उन्हें ट्रेक किया गया.
- दबावग्रस्त खातों के लिए रिज़ोल्यूशन नीतियां उपलब्ध कराने के लिए समाधान आपूर्तिकर्ता कक्ष की स्थापना की गई, जिसके पास इस समय समाधान हो रहे 65 बड़े एनपीए खाते हैं, जिनमें कुल एक्सपोज़र ₹ 100 करोड़ है.
- खुदरा ऋणों के लिए ओन ग्राउंड कलेक्शन हेतु बहु-भाषी सपोर्ट के साथ एवं 'फीट ऑन स्ट्रीट' स्टाफ के साथ कलेक्शन कॉल सेंटर (200 एजेंट) स्थापित किए गए.
- एनपीए एवं संभाव्य एनपीए छोटे खातों में वसूली के लिए 900 सदस्यों का सशक्त बैंक कार्यदल नियोजित किया गया.
- फसल ऋण वसूली के लिए व्यवसाय प्रतिनिधियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई.

इसके अलावा बैंक ने गैर निष्पादक आस्तियों की वसूली के लिए निरंतर आधार पर निम्नानुसार प्रयास किए :

- प्रत्येक डीआरटी में विधिक मामलों के दैनिक आधार पर फोलो अप के लिए एक नोडल अधिकारी को निर्धारित किया गया, ताकि डिक्री प्राप्त करने एवं निष्पादित करने तथा वसूलियों में विलम्ब कम से कम हो.
- सभी डीआरटी वाद दायर खातों में वसूली के लिए बैंक को भारित की गई आस्तियों को ई-नीलामी के द्वारा बेचा गया, जिससे कि अच्छा बाज़ार मूल्य प्राप्त हो सके.
- आस्तियों एवं अन्य पूर्व/बाद की बिक्री गतिविधियों को कब्जा लेने हेतु सहायता के लिए वसूली एजेण्ट
- अधिकृत परिसमापक (ओएल) के परामर्श के लिए परामर्शदाता ताकि रिकवरियों को वसूल किया जा सके.
- राष्ट्रीय लोक अदालतों में अधिकतम सहभागिता, ताकि वाद दायर एवं गैर-वाद दायर एनपीए खातों में शीघ्र वसूली हो सके.
- आपके बैंक की शाखाओं द्वारा छोटे खातों में लम्बे समय से पैंडिंग वसूलियों को कम करने तथा वसूलियों को तेज करने के लिए वसूली शिविर नियमित रुप से आयोजित किए गए.
- वर्ष के दौरान ₹ 25 लाख तक की राशि वाले छोटे खातों में वसूली के उपायों को और गहन बनाने के लिए "संकल्प X" नामक नयी प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की गई. इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 17 के दौरान ₹ 116.88 करोड़ की वसूली हुई.
- ₹ 1 करोड़ एवं अधिक राशि के एनपीए खातों की मानिटरिंग सीधे कार्पोरेट कार्यालय से की जाती है.

एक ओर जहां हमारा बैंक दबावग्रस्त आस्तियों के प्रबंधन के लिए प्रणाली एवं प्रक्रिया को सशक्त कर रहा है. वहीं दूसरी ओर अनर्जक आस्तियों के एवज में प्रावधान करने की दिशा में भी सक्रिय है. बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात, जिनमें तकनीकी की दृष्टि से बट्टे खाते डालना (टीडब्ल्यूओ) भी शामिल है, 66.83% था, जबकि पीसीआर को छोड़कर टीडब्ल्यूओ खातो के लिए किया गया प्रावधान 57.68% था. बेहतर प्रावधान कवरेज अनुपात के साथ हमारा बैंक दबावग्रस्त आस्तियों का समाधान करने के लिए दृढ़तापूर्वक कार्रवाई करने की दिशा में बेहतर स्थिति में है

ऋण निगरानी

हमारे बैंक के पास स्लिपेज को रोकने तथा आस्तियों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए समय से सुधारात्मक कार्रवाई करने हेतु विभिन्न स्तरों (शाखा/क्षेत्र/अंचल एवं कार्पोरेट) पर अग्रिम खातों की निगरानी प्रक्रिया है. कॉर्पोरेट कार्यालय स्थित ऋण निगरानी विभाग अग्रिम खातों में कमियां /संभावित चूक/आरम्भिक रूगण्ता को शुरू में ही पहचानकर एवं अग्रिम खातों में हानि/ऋण खातों की ऋण गुणवत्ता में गिरावट को रोकने हेतु समुचित तथा समय से सुधारात्मक कार्रवाई की पहल करने में सहायता प्रदान करता है. आरंभिक दबाव वाले खातों को विशेष उल्लिखित खातों की (एसएमए) श्रेणी के अंतर्गत एसएमए0, एसएमए1 एवं एसएमए2 के रूप में निर्धारित किया गया है.

सारे एसएमए2 खातों के लिए संयुक्त उधारकर्ता फोरम के गठन हेतु फॉलोअप किया जाता है तथा सुधार, पुनर्रचना एवं वसूली के माध्यम से सुधारात्मक कार्रवाई योजना के अंतर्गत दबाव का समाधान करने हेतु विकल्पों पर विचार किया जाता है. यह विभाग पुनर्संरचना/नीतिगत ऋण पुनर्संरचना (एसडीआर)/5:25 पुनर्वित्तपोषण/दबावग्रस्त आस्तियों के अविरत पुनर्संरचना हेतु योजना के तहत उचित मामलों के निर्धारण का कार्य भी करता है.

हमारा बैंक पूर्व चेतावनी संकेतक व्यवस्था कार्यान्वित करने की प्रक्रिया में है जो बैंक की आंतरिक व्यवस्था यथा कोर बैंकिंग व्यवस्था, जोखिम रेटिंग व्यवस्था और इंटरनेट, सोशल मीडिया, क्रेडिट ब्यूरो, रेटिंग एजेंसियों एवं अन्य बाह्य स्त्रोतों से डेटा प्राप्त करके

ऋण की निगरानी एवं समय पर सुधारात्मक कार्रवाई हेतु पूर्व चेतावनी संकेतक उपलब्ध करवाएगी.

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)

हमारे बैंक के पास श्रेष्ठ तकनीकी संरचना एवं स्टेट ऑफ द आर्ट डेटा सेंटर उपलब्ध है जो अपटाइम इंस्टीट्यूट टियर 3 मानक एवं ग्राहकों को अनवरत बैंकिंग सेवाओं की सुपुर्दगी के लिए विभिन्न सिस्मिक जोनों में प्रत्येक असफलता के क्षण में आपदा पुन: स्थापन साईट से समर्थित हैं. आपदा पुन: स्थापन केंद्र के अतिरिक्त आपके बैंक ने अपने व्यवसाय निरंतरता आयोजन एवं आपदा पुनर्स्थापन कार्यनीति के एक भाग के रूप में शून्य डेटा हानि सुनिश्चित करने हेतु आपदा पुनर्स्थापन केंद्र का कार्यान्वयन भी किया है.

बैंक ने ग्राहकों को नए उत्पाद उपलब्ध करवाने एवं कोर परिचालन प्रक्रियाओं की डिजिटाइजिंग के लिए निम्नलिखित सॉल्यूशनों को कार्यान्वित करना शुरू किया है:

- कॉर्पोरेट्स के आपूर्ति एवं वितरण माध्यमों का एकीकृत वाणिज्यिक एवं वित्तीय सॉल्यूशन उपलब्ध करवाने के लिए सप्लाई चेन फायनांस. सप्लाई चेन फायनांसिंग, ग्राहकों एवं उनके आपूर्तिकर्ताओं तथा ग्राहकों के बीच वाणिज्यिक संबंध को सहायता प्रदान करेगा.
- खाता सेवाओं एवं सुपुर्दगी चैनलों में एक नया और व्यापक रिटेल इंटरनेट बैंकिंग सॉल्यूशन जिससे डिजिटल इंडिया पहल में सहायता मिलेगी. यह नया इंटरनेट बैंकिंग समाधान ग्राहकों को नये नवीनतम तकनीक युक्त भुगतान एवं संप्रेषण संरचना हेतु एक्सेस उपलब्ध कराएगा.
- ऋण के आरंभ एवं ट्रैकिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए ऋण प्रबंधन प्रणाली. यह सॉल्यूशन प्रक्रियाओं को डिजिटाइज करने एवं टर्न अराउंड टाइम को सुधारने के लिए इमेज आधारित वर्कफ्लो एवं व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन (बीपीएम) का प्रयोग करके ऋण प्रस्तावों की पूर्ण प्रोसेसिंग करने में सहायक होगा.
- धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रणाली (एफआरएमएस) सॉल्यूशन, जो ऑनलाइन और/या ऑफलाइन तरीकों के अंतर्गत चैनलों और एप्लिकेशनों की संकेतक-सूची से संबद्ध जोखिमों को कवर करते हुए एंटरप्राइज वार व्यापक धोखाधड़ी का पता लगाएगा और उनका निवारण उपलब्ध कराएगा. यह समाधान सभी प्रकार के संव्यवहारों के लिए निम्नलिखित एप्लिकेशनों और चैनलों की प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों पर धोखाधड़ी का पता लगाने और उनके निवारण को शामिल करता है.
- पूर्व चेतावनी संकेतक व्यवस्था (ईडबल्यूएस) जो बैंक की आंतरिक व्यवस्था यथा कोर बैंकिंग व्यवस्था, जोखिम रेटिंग व्यवस्था और बाह्य स्रोत यथा इंटरनेट, सोशल मीडिया, क्रेडिट ब्यूरो, रेटिंग एजेंसियों एवं अन्य बाह्य स्रोतों से डेटा प्राप्त करके ऋण की निगरानी एवं समय पर सुधारात्मक कार्रवाई हेतु पूर्व चेतावनी संकेतक उपलब्ध करवाएगी.
- बैंक मार्केटिंग, आयोजना, खुदरा व्यवसाय, जोखिम, धोखाधड़ी, सुरक्षा एवं अनुपालन जैसी विभिन्न व्यवसाय प्रवृत्तियों में विश्लेषणात्मक क्षमताओं का लाभ उठाने के लिए उत्कृष्टता विश्लेषण केंद्र भी तैयार कर रहा है.
- बैंक ने क्लाउड अंगीकरण की यात्रा का प्रारंभ किया है. इस दिशा में बैंक ने कई संप्रेषणों के लिए पब्लिक एवं हाइब्रिड क्लाउड सेवाओं तथा सहयोग प्रौद्योगिकी सॉल्यूशनों को कार्यान्वित किया है. बैंक ने अनुपालन को मजबूती प्रदान करने के लिए ईमेल संप्रेषण के लिए आर्काइवल समाधान का भी कार्यान्वयन किया है.
- बैंक के ये लगातार प्रयास रहे हैं कि प्रौद्योगिकी नवोन्मेषिता के माध्यम से अपने ग्राहकों को अधिक मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान की जाए. इस दिशा में बैंक व्यवसाय प्रक्रिया में अधिक दक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए रोबॉटिक प्रक्रिया स्वचालन, ब्लॉक शृंखला प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम इंटेलिजेंस जैसी प्रौद्योगिकी नवोन्मेषिता पर कार्य कर रहा है.

उपर्युक्त के अलावा, आपके बैंक ने एकसमान भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) का अनुपालन किया है, जो ऑनलाइन भुगतान संभव बनाने के लिए आर्किटेक्चर और मानक अनुप्रयोग प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) विशिष्टताओं की एक व्यवस्था प्रस्तावित करना है. इसका लक्ष्य सभी एनपीसीआई प्रणालियों को सरल बनाना और एकल इंटरफेस उपलब्ध कराना तथा अंतर-परिचालनात्मकता निर्माण करना और महत्तम ग्राहक अनुभव सृजित करना है.

साइबर सुरक्षा

वर्षों से बैंक ने साइबर सुरक्षा के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है जिसमें साइबर हमलों से बचने के लिए व्यापक सूचना सुरक्षा उपाय शामिल हैं. सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए, बैंक नेटवर्क सुरक्षा, सर्वर सुरक्षा, एप्लिकेशन सुरक्षा और सुरक्षा विश्लेषण के क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी समाधानों को कार्यान्वित करने की प्रक्रिया में है. आपके बैंक का डेटा सेंटर एवं डीआर परिचालन आईएसओ27001 मानक से प्रमाणित है जो सूचना सुरक्षा के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय श्रेष्ठ प्रक्रिया का मंच है और सभी हितधारकों में हमारे प्रति विश्वास उत्पन्न करता है.

बैंक में एक कैप्टिव सुरक्षा परिचालन केंद्र है जो साइबर सुरक्षा घटनाओं की निगरानी करने के लिए उन्नत उपकरणों से युक्त है. सुरक्षा परिचालन केंद्र 24X7 आधार पर कार्य करता है और सुरक्षा मामलों हेतु सर्वर, नेटवर्क यंत्रों, सुरक्षा यंत्रों, जटिल डेटाबेस पर होने वाली गतिविधियों आदि की लगातार निगरानी करता है. आपका बैंक आंतरिक योग्य पेशेवरों के साथ-साथ बाह्य लेखा परीक्षकों द्वारा आवधिक सुरक्षा मूल्यांकन करवाता है. पाए गए जोखिमों को दूर करने के तत्काल प्रयास किए जाते हैं.

डिजिटल रूपांतरण:

हमारे बैंक की डिजिटल बैंकिंग टीम, बैंक के डिजिटल रूपांतरण को आगे ले जाने के लिए हमारे प्रयासों के भागरूप महत्त्वपूर्ण प्रगति कर रही है जो कि सरकार के स्टार्ट अप इंडिया, डिजिटल इंडिया एवं मेक इन इंडिया जैसे अभियानों द्वारा विभिन्न विकास प्रोत्साहनों की पृष्ठभूमि में चल रही हैं. हमारी अनुकूल जनसंख्या एवं मोबाइल प्रयोग की अच्छी समझ ने हमारे देश में डिजिटल क्रांति को संचालित करने वाले कारकों का निर्माण किया है, जिसने बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा परिदृश्य का रूपांतरण किया है. चूंकि ज्यादा से ज्यादा ग्राहक भुगतान की नकदीरहित प्रणाली की ओर बढ़ रहे हैं, आपका बैंक इस यात्रा में ग्राहकों को सहयोग और मार्गदर्शन देना चाहता है.

हमारा बैंक निम्नलिखित के माध्यम से इस नवोन्मेषिता में सबसे आगे खड़ा है:

डिजिटल पोर्टेबल शाखा:

हमारे बैंक ने पूर्व निर्मित बैंकिंग आउटलेट नामक नवोन्मेषी अवधारणा स्थापित की है जो ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप सेल्फ सर्विस मशीनों से युक्त होगी जिसमें प्रत्यक्ष वार्तालाप/व्यवहार के लिए 2-3 अधिकारियों/व्यवसाय प्रतिनिधियों के बैठने के जगह होगी. यह आउटलेट उच्च सुरक्षा युक्त, बदलते मौसम की स्थितियों के अनुकूल हैं एवं 24X7 सुविधाजनक बैंकिंग सुविधाएं देने की अवधारणा पर है. तत्काल खाता खोलना, डेबिट कार्ड प्रदान करना, नकदी आहरण, पासबुक अद्यतनीकरण, निधि अंतरण, उपयोगिता बिल भुगतान, खाता आधारित पूछताछ सेवाएं आदि प्रदान करने के लिए सेल्फ सर्विस मशीनों को बनाया गया है.

हमारे बैंक ने सितम्बर 2016 में उत्तर प्रदेश राज्य के सुल्तानपुर क्षेत्र में प्रतापगढ़ जिले के भागेसरा गांव में पहली डिजिटल पोर्टेबल शाखा का शुभारंभ किया. इस डिजिटल शाखा में आंतरिक इलाकों में रहनेवाले लोगों के लिए नवीनतम तकनीक युक्त स्वचालित

खाता खोलने की मशीन, पासबुक प्रिंटर एवं एक एटीएम उपलब्ध हैं. आपके बैंक की इस नवोन्मेषी पहल को स्थानीय लोगों द्वारा सराहा गया है और इस वित्तीय वर्ष में इस पहल का और विस्तार किया जाएगा. यह उपलब्धि पूर्वी उत्तर प्रदेश के अंचल, क्षेत्र और शाखा कार्यालय के नेतृत्व, डिजिटल बैंकिंग, सुविधा प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग के सहयोग से संयोजित टीम वर्क के कारण हासिल की गई है.

एकाउंट ओपनिंग कियोस्क

प्रौद्योगिकी सुविधा का लाभ उठाकर वैकल्पिक डिलिवरी प्रणाली के माध्यम से ग्राहकों को बाधारहित तथा सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु आपके बैंक ने डेबिट कार्ड प्रदान करने वाले कियोस्क (एओके एवं डीसीडीके) के साथ नवीन सेल्फ सर्विस कियोस्क, जिसे एकाउंट ओपनिंग कियोस्क कहते हैं, की शुरूआत की है. एकाउंट ओपनिंग कियोस्क ग्राहकों को तत्काल खाता खोलने तथा गैर व्यक्तिगत डेबिट कार्ड जारी करने की सुविधा प्रदान करता है. बैंक के मानकीकृत आवेदन प्रारूप के अनुसार कियोस्क खाता खोलने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने में समर्थ बनाता है तथा ग्राहकों को सेल्फ सर्विस विकल्प उपलब्ध कराकर त्वरित खाता खोलने की सुविधा उपलब्ध कराता है. ग्राहक ग्रीन पिन सुविधा के साथ गैर व्यक्तिगत डेबिट कार्ड तुरंत प्राप्त कर सकता है जो कि पूर्ण रूप से डिजिटल प्रक्रिया है.

हमारी डिजिटल बैंकिंग टीम निम्नलिखित माध्यमों द्वारा हमारे उत्पादों को और बेहतर बनाने के माध्यम से ग्राहकों को उपलब्ध करवाए जानेवाले डिजिटल एवं वैकल्पिक डिलिवरी चैनलों को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है:

- एटीएम, जो हमारे ग्राहकों की नकदी आवश्यकताओं को पूरा करना जारी रखेंगे.
- ई-लॉबी जिसे बदलकर अब 'मी लॉबी' कर दिया गया है जिसमें बड़ौदा नॉन-स्टॉप लॉबी का समावेश है, इसमें पांच सेल्फ सर्विस मशीनें यथा कैश रिसाइकलर, एटीएम, मल्टी फंक्शन कियॉस्क, पासबुक प्रिंटर एवं 24X7 बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करवाने हेतु डिजिटल साइनेज सिस्टम उपलब्ध हैं. आपके बैंक ने "बड़ौदा एक्सप्रेस - 24X7 लॉबी" की सेवाओं का आरंभ किया है जो बड़ौदा नॉन स्टाप लॉबी का ही छोटा संस्करण है, जिसमें वर्तमान एटीएम केबिन की आंतरिक संरचना में थोड़ा बदलाव करके एटीएम केबिन में ही एटीएम के साथ – साथ कैश रिसाईकलर तथा पासबुक प्रिंटर लगाकर अतिरिक्त सेवाएं प्रदान की जाती हैं.
- इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म बड़ौदा कनेक्ट के माध्यम से हमारे ग्राहकों को प्रयोग में आसानी एवं बेहतर नियंत्रण उपलब्ध करवाने के लिए इसे कई विशेषताओं से युक्त बनाया गया है.
- मोबाइल बैंकिंग - इस वर्ष एक नए अवतार में ग्राहक खातों के 360 डिग्री ब्यू के साथ हमारे मोबाइल बैंकिंग एप्लीकेशन एम कनेक्ट प्लस का शुभारंभ किया गया जो ग्राहक खातों से संबंधित सारी जानकारी उपलब्ध करवाने के साथ-साथ, ग्राहकों को विकसित, सुरक्षित, स्तरीय एवं विशेषताओं से युक्त अनुभव उपलब्ध करवाता है.
- मोबाइल वॉलेट - ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आपके बैंक ने जुलाई 2016 में बैंक के मोबाइल वॉलेट "बड़ौदा एम-क्लिप" का शुभारंभ किया है. ऑनलाइन खरीददारी करने के लिए यह सरल, सुरक्षित एवं आसान मोबाइल एप्लीकेशन है. इसमें निहित विशेषताएं हैं- व्यक्ति से व्यक्ति धन अंतरण, मोबाइल/ डीटीएच/डाटा रिचार्ज, विभिन्न ब्रांडों के गिफ्ट कार्ड, बिल भुगतान और अन्य ऐसी आवश्यकताएं.
- इंटरनेट पेमेंट गेटवे – क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड एवं नेट बैंकिंग का प्रयोग करते हुए भुगतान संग्रहण द्वारा ई-कॉमर्स व्यवसाय हेतु अपने व्यापारियों को बड़ौदा ई गेटवे नामक इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाने हेतु हमारा बैंक स्वयं की पूरी इंटरनेट पेमेंट गेटवे संरचना तैयार करने की प्रक्रिया में है.
- भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) - यह राष्ट्रीय महत्ता की एक पहल है जो कि भौगोलिक/ जनसांख्यिकी सीमा के परे ग्राहकों/ऐसे वर्ग जो हमारे ग्राहक नहीं है, को त्वरित बिल भुगतान की सुविधा प्रदान करता है. बीबीपीएस एक समेकित प्लेटफार्म है जहां विभिन्न चैनलों के माध्यम से आपका बैंक भारत बिल भुगतान प्रणाली परिचालन इकाई (ग्राहक बीबीपीओयू) के प्रतिभागी के रूप में है. बिल भुगतान प्लेटफार्म का उपयोग करने हेतु भारत बिल भुगतान प्रणाली सरल, सुरक्षित एवं आसान है जो कि ग्राहकों को अंत: प्रचलनीय एवं सुगम बिल भुगतान सेवाएं प्रदान करती है तथा तत्काल भुगतान की पावती की पुष्टि उपलब्ध कराई जाती है.
- रिटेल भुगतान व्यवस्था हेतु यूपीआई – हमारे बैंक ने बड़ौदा एमपे -यूपीआई का शुभारंभ भी किया है जो नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की एक नई पहल है जो भारत में सभी मौजूदा रिटेल भुगतान व्यवस्था के लिए सरलीकृत एवं एक सिंगल इंटरफेस उपलब्ध करवा
- ग्लोबल कॉन्टेक्ट सेंटर - हमारे बैंक ने गिफ्ट सिटी तथा बैंगलुरू में नवीनतम तकनीक युक्त कॉन्टेक्ट सेंटर का शुभारंभ किया है. हमारा कॉन्टेक्ट सेंटर भारत एवं विश्व में कहीं से भी टॉल फ्री नंबर के माध्यम से टेलीफोन माध्यम द्वारा अधिकांश बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करवाता है. प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) और अन्य वित्तीय समावेशन ग्राहकों के लिए एक अलग टॉल फ्री नंबर भी उपलब्ध करवाया गया है.

फिनटेक संधियां

आपके बैंक ने ऋण, भुगतान, संपदा प्रबंधन, तकनीक, ई-कॉमर्स आदि हेतु वित्तीय सेवाएं जगत में 15+ साझेदारियां की हैं जिससे हमारा बैंक फिनटेक फर्मों के लिए एक वरीयत: साझेदार बन सके.

स्टैंड अप इंडिया और स्टार्ट अप इंडिया के समर्थन में फिनटेक, एग्रीटेक, ई-कॉमर्स आदि भिन्न क्षेत्रों में उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए सयाजीराव गायकवाड़ फेलोशिप कार्यक्रम तैयार किया है.

बैक ऑफिस परिचालन

नियंत्रण एवं अनुपालन में सुधार के दौरान बैक ऑफिस समर्थन प्रक्रिया में सेवा सुपुर्दगी एवं गुणवत्ता बेहतर बनाने और भविष्य के लिए क्षमताओं के निर्माण की तरफ एक नीतिगत चरण के रूप में प्रक्रियाओं के डिजिटाइजेशन और बैक ऑफिस परिचालन के केंद्रीकरण के माध्यम से आपके बैंक की परिचालन संरचना परिवर्तित की गई है. इस समय हमारा बैंक गिफ्ट सिटी में कई मंजिलों वाले नवीनतम तकनीक युक्त 'शेयर्ड सर्विस सेंटर' का निर्माण कर रहा है. बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज लिमिटेड के रूप में शामिल अनुषंगी, औद्योगिक विशेषज्ञों एवं आंतरिक एवं बाह्य दोनों श्रेष्ठ प्रतिभाओं द्वारा संचालित होगी.

इस नीतिगत पहल की ओर बढ़ते हुए, गिफ्ट सिटी में घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय परिचालन से संबद्ध 24X7 केंद्रीकृत संपर्क केंद्र की स्थापना पहले ही की जा चुकी है. स्कैन आधारित कार्यप्रणाली के साथ केंद्रीकृत मॉर्गेज प्रोसेसिंग का कार्यान्वयन 3 अंचलों में किया गया है. इसके अतिरिक्त, बैंक ने 8 अंचलों में 1300+ शाखाओं में स्कैन आधारित खाता खोलने की प्रक्रिया को कार्यान्वित किया है. व्यापार एवं धनप्रेषण संव्यवहारों पर अनुपालन नियंत्रण की संवृद्धि के साथ गुजरात की शाखाओं के लिए एक ट्रेड फायनांस बैक ऑफिस भी परिचालित किया गया है.

प्रक्रियाओं को आदर्शतम बनाने और क्षमताओं के निर्माण के साथ धीरे-धीरे और भी परिवर्तन किए जाएंगे. 31 मार्च, 2017 तक 5,375 शाखाओं से जुड़ा मौजूदा रीजनल बैंक ऑफिस (आरबीओ) भी शेयर्ड सर्विस सेंटर में एक केंद्रीय स्थान से परिचालित होगा.

मार्केटिंग :

वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने बैंक के विविध संपर्क स्तरों पर ग्राहक संतुष्टि का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रतिष्ठित स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से ग्राहक संतुष्टि और ब्रांड हेल्थ पर एक सर्वेक्षण करवाया. सर्वेक्षण में सभी स्थानों और उत्पादों जैसे बचत बैंक खाता, कृषि ऋण, व्यापार ऋण, बंधक, एमएसएमई और मिड एवं लार्ज कॉर्पोरेट को शामिल किया गया. आपके बैंक की अभिलाषा बैंकिंग जगत में "सर्वाधिक लोकप्रिय सेवा ब्रांड" बनने की है.

हमारी ब्रांड उपस्थिति को मजबूत बनाने के लिए वर्ष के दौरान निम्नलिखित कदम उठाए गए:

- अन्य उत्पादों एवं सेवाओं के साथ-साथ हमारे डिजिटल उत्पादों के बारे में जागरूकता लाने के लिए एक सुनियोजित मार्केटिंग पहल शुरू की गई. .
- अबव-द-लाइन (एटीएल) गतिविधियों के साथ-साथ बिलो-द-लाइन (बीटीएल) गतिविधियों के लिए विभिन्न मीडिया माध्यमों जैसे कि प्रिंट, इलेक्ट्रानिक (टीवी/ रेडियो) डिजिटल एवं आउट ऑफ होम (ओओएच) का प्रभावी उपयोग.
- प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु एवं के श्रीकांत, द्वारा ब्रांड समर्थन. इन दोनों खिलाड़ियों का कार्यनिष्पादन उत्कृष्ट रहा है तथा इनके पेशे में समर्पण एवं प्रतिबद्धता का विलक्षण मिश्रण है. इन खिलाड़ियों का व्यक्तित्व व्यवसाय के प्रति बैंक के दृष्टिकोण - घरेलू तथा साथ ही साथ अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में जिम्मेदारी, सरोकार एवं सामर्थ्य के समरूप है.
- फीफा अंडर 17 का राष्ट्रीय समर्थनकर्ता - हमारा बैंक देश में पहला ब्रांड है जो कि माह अक्तूबर, 2017 में आयोजित होने वाले फीफा विश्व अंडर 17 के राष्ट्रीय समर्थनकर्ता के रूप में आया है. फीफा वर्ल्ड कप के साथ ही साथ कार्यक्रम, कार्यशाला, फूटबॉल, उत्सवों इत्यादि के माध्यम से XI मिलियन विद्यार्थियों तक पहुंचने के लिए एमएक्सआईएम (मिशन XI मिलियन) गतिविधि भी चलाई गई है. इन कार्यक्रमों में बैंक की उपस्थिति से व्यवसाय को बढ़ाने में तथा भविष्य के ग्राहक वर्ग को तैयार करने के लिए विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, विद्यालयों आदि से सीधे जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है.
- ब्रांड का ऐडेड तथा अन-ऐडेड रीकॉल : बैंक ने ब्रांड की रीकॉल को बढ़ाने के लिए समूचे भारतवर्ष में निम्नलिखित अनुकूल स्थानों पर सुसज्जित बाह्य योजना के तहत ब्रांडिंग किया है :-
  - सिकन्दरापुर तथा अंधेरी मेट्रों स्टेशनों के नामकरण का अधिकार, अमृतसर, चंडीगढ़ तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों में ब्रांड की विजिबिलिटी, आदि ब्रांड हेतु श्रेष्ठ विपणन स्थान हैं. इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमारे बैंक ने प्रमुख हवाई अड्डों पर बड़ी-बड़ी प्रदर्शन इकाइयां भी लगायी हैं.
  - मॉल में ब्रांडिंग : शहरों में आजकल नीतिगत स्थानों पर मॉल बनाए जाते हैं जो नवोन्मेषी ब्रांडिंग के लिए सुअवसर प्रदान करते हैं. पहली बार हमारे बैंक ने 11 केंद्रों पर 27 प्रमुख मॉलों में विजिबिलिटी बढ़ाई है.
  - हमारे बैंक ने ब्रांड बिल्डिंग के लिए सिनेमा विज्ञापन पर भी ध्यान केन्द्रित किया है जहां बड़ी स्क्रीन पर ब्रांड के प्रचार हेतु दर्शकों का बड़ा समूह उपलब्ध हो जाता है.

वित्तीय वर्ष 17 के दौरान, दिनांक 31 अगस्त से 06 सितंबर 2016 को इकोनोमिक टाईम्स द्वारा ब्रांड इक्विटी में भारतीय ब्रांडों के बीच 21 वां स्थान प्राप्त करके हमारा बैंक अग्रणी ब्रांड के रूप में सामने आया.

बैंक का शाखा विस्तार

दिनांक 31 मार्च, 2017 तक बैंक की शाखाओं का विस्तार निम्नानुसार है :

	31.03.2016		31.03.2017	
	शाखाओं की संख्या	कुल शेयर प्रतिशत	शाखाओं की संख्या	कुल शेयर प्रतिशत
घरेलू: क्षेत्र वर्गीकरण (भारत)				
महानगरीय	1008	18.91	1166	21.51
शहरी	933	17.50	921	17.04
अर्द्ध-शहरी	1425	26.74	1523	27.98
ग्रामीण	1964	36.85	1812	33.47
कुल	5330	100.00	5422	100.00
विदेश (अनुषंगियों की शाखाएं एवं प्रतिनिधि कार्यालय सहित)	**106**	**-**	**107**	**-**

* 31 मार्च, 2016 तक के आंकड़े 2001 की जनगणना एवं 31 मार्च, 2017 के आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुरूप हैं.

कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

विभिन्न विकास संबंधी गतिविधियों के माध्यम से समाज के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सक्रिय योगदान देने की हमारे बैंक की पुरानी परम्परा रही है. बैंक का यह मानना है कि समाज के कम भाग्यशाली एवं सुविधाओं से वंचित लोगों के प्रति हमारे कुछ कर्तव्य हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव कल्याण और अन्य सामाजिक गतिविधियां बैंक के प्रमुख केन्द्रित क्षेत्र हैं जिसके माध्यम से अपने लगातार प्रयासों से समाज में बड़ा परिवर्तन लाया जा सका है.

बैंक द्वारा सीएसआर के क्षेत्र में निरंतर आधार पर जो गतिविधियां की जा रही हैं वे निम्नानुसार हैं:

- **बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान -बीएसवीएस (बड़ौदा आर-सेटी)**

  हमारे बैंक ने देश के छ: राज्यों में 49 बीएसवीएस (बड़ौदा आर-सेटी) स्थापित किए हैं. इनमें से 45 हमारे अग्रणी जिलों में तथा 4 गैर-अग्रणी जिलों में हैं. ग्रामीण एवं अर्द्ध-शहरी क्षेत्र के युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करके स्व रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है. अभी तक हमारे बड़ौदा स्वरोजगार संस्थानों ने 10,380 कार्यक्रम आयोजित किए हैं तथा 2,92,939 युवकों को प्रशिक्षण दिया है, जिनमें से 1,97,826 ने या तो रोजगार प्राप्त कर लिया है या अपने उद्यम स्थापित कर लिए हैं. निपटान अनुपात 67.53% है.

- **वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श केन्द्र (एफएलसीसी)**

  सामान्य वित्तीय क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं के बारे में ग्रामीण एवं अर्द्ध-शहरी क्षेत्र के लोगों को शिक्षित करने तथा वित्तीय परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे बैंक ने देश के आठ राज्यों में 51 एफएलसीसी भी स्थापित किए हैं. इन केन्द्रों पर वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सेवाओं के बारे में जागरूकता, वित्तीय योजना तथा किसी व्यक्ति की कर्ज संबंधी परेशानी में सुधार संबंधी गतिविधियां भी की जाती हैं.

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

जोखिम पर ध्यान केंद्रण एवं समर्थक संचालन फ्रेमवर्क में जोखिम से निपटने और उसका प्रबंधन करने हेतु बैंक के विभिन्न भागों की जिम्मेदारियों का निर्धारण करना शामिल है. इसे "रक्षा की तीन पंक्तियां" के रूप में संदर्भित किया जाता है तीनों पंक्तियों की अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका है. वे इसप्रकार हैं:

I. व्यवसाय पंक्ति- रक्षा की प्रथम पंक्ति- में जोखिम की 'जिम्मेदारी' है, जहां अपनी गतिविधियों के द्वारा उत्पन्न जोखिम को समझा और प्रबंधित किया जाता है.

II. प्रथम पंक्ति से भिन्न स्वतंत्र रूप से, रक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में जोखिम प्रबंधन कार्य समग्र उद्यम के आधार पर जोखिम निर्धारण, उसकी मात्रा, निगरानी एवं रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है. अनुपालन कार्य भी रक्षा की दूसरी पंक्ति का भाग मानी जाती है.

III. आंतरिक लेखा परीक्षा रक्षा की तीसरी पंक्ति है जो जोखिम आधारित एवं अन्य लेखा परीक्षा करने का कार्य करती है और निदेशक मंडल को यह आश्वासन देती है कि जोखिम संचालन फ्रेमवर्क सहित समग्रत: संचालन फ्रेमवर्क प्रभावी है और नीतियां और प्रक्रिया उपयुक्त हैं और लगातार लागू हैं.

व्यवसाय में नियंत्रण - रक्षा की पहली पंक्ति

पूरे संस्थान में आंतरिक नियंत्रण एवं अनुपालन संस्कृति को मजबूत बनाने हेतु, हमारे बैंक ने संस्था की संरचना के पुनर्निर्धारण की शुरुआत की है जिससे (1) व्यवसाय एवं नियंत्रण कार्यप्रणाली के विभाजन एवं (2) ग्राहक अनुभव में वृद्धि करते समय कार्यक्षमता बढ़ाने और नियंत्रण को सशक्त करने हेतु निश्चित परिचालन एवं प्रक्रियाओं को शाखाओं से हटाकर उनकों केंद्रीकरण के सिद्धांतों को अपनाने से नियंत्रण एवं अनुपालन मजबूत बनेगा. कॉर्पोरेट स्तर पर, हमारा बैंक ऋण संबंधों एवं ऋण अनुमोदन कार्यप्रणाली को अलग करने की प्रक्रिया में है. कॉर्पोरेट संगठन को कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं कॉर्पोरेट ऋण में विभक्त किया गया है और रिटेल एवं एमएसएमई बैंकिंग में इसी तरह विभाजन करने के कदम उठाए जा रहे हैं.

गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात में स्थित शेयर्ड सर्विस सेंटर (एसएससी) में प्रक्रिया एवं परिचालनों के केंद्रीकरण के माध्यम से अनुपालन आवश्यकताओं का पालन करके बेहतर नियंत्रण करने का कार्य प्रक्रिया में है. इसके अलावा, बैंक ने आपवादिक संव्यवहारों की स्वतंत्र निगरानी एवं एएमएल सिस्टम से आने वाले अलर्ट्स की निगरानी एवं उन्हें बंद करने के लिए संव्यवहार निगरानी इकाई (टीएमयू) की स्थापना की है.

बैंक व्यवसाय इकाइयों द्वारा स्व-मूल्यांकन को सशक्त करने पर जोर देते हुए एक प्रक्रिया का निर्माण करने पर भी विचार कर रहा है.

जोखिम प्रबंधन एवं अनुपालन - रक्षा की दूसरी रेखा

जोखिम प्रबंधन

जोखिम बैंकिंग व्यवसाय का अविभाज्य हिस्सा है और जोखिम एवं प्रतिफल के बीच एक उपयुक्त ट्रेड-ऑफ प्राप्त करने का बैंक का लक्ष्य है. स्थायी एवं निरंतर विकास सुनिश्चित करने के लिए हमारे बैंक ने एक व्यवस्थित जोखिम प्रणाली विकसित की है ताकि बैंक द्वारा अनुमानित जोखिमों का लगातार और व्यवस्थित आकलन व निगरानी की जा सके. बैंक जोखिम सीमाओं एवं बैंक के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के भीतर अपनी व्यवसाय गतिविधियां करता है. विभिन्न जोखिमों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए बोर्ड की एक विशिष्ट समिति का गठन किया गया है. बोर्ड ने अपनी एक जोखिम प्रबंधन समिति भी गठित की है जो विभिन्न प्रकार के जोखिमों के बीच परस्पर संबंध को देखती है. प्रत्येक प्रकार के जोखिम के लिए नियंत्रक रूपरेखा बनाने के प्रयोजन से निदेशक मंडल अथवा निदेशक मंडल की समिति द्वारा समय-समय पर नीतियां अनुमोदित की जाती है.

हमारे बैंक में विभिन्न जोखिमों के निर्धारण, मूल्यांकन तथा प्रबंधन की प्रक्रिया संक्षेप में निम्नानुसार है.

आस्ति देयता प्रबन्धन

हमारे बैंक के आस्ति देयता प्रबन्धन (एएलएम) का लक्ष्य नीतिपरक योजना, कार्यान्वयन तथा नियंत्रण प्रक्रिया पर केन्द्रित है, जो बैंक की आस्तियों एवं देयताओं की मात्रा, मिश्रण, परिपक्वता, दर की संवेदनशीलता, गुणवत्ता तथा तरलता को प्रभावित करती है. आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ), जिसमें महाप्रबन्धक तथा कार्यपालक निदेशक शामिल हैं तथा इसका नेतृत्व प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा किया जाता है, सुनिश्चित करती है कि तरलता एवं ब्याज दर जोखिम की दृष्टि से बैंक का जोखिम प्रोफाइल निदेशक मंडल द्वारा तय की गई जोखिम सीमा के भीतर है.

ऋण जोखिम

ऋण जोखिम की पहचान, उन्हें नापना, उनके निगरानी तथा नियंत्रण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए ऋण देना बैंक की अविरत प्रक्रिया है.

हमारे बैंक में ऋण जोखिम का प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक सुस्थापित फ्रेमवर्क के माध्यम से किया जाता है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम व्यवहारों के अनुरुप नीतियों का निर्धारण, प्रक्रिया और रिपोर्टिंग शामिल है. नीति बनाने वालों की एवं जोखिम उठाने वालों की गतिविधियों को स्वतंत्र रखने पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है. हमारे बैंक में सुनियोजित ऋण अनुमोदन प्रक्रिया है, जो बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऋण नीति के अधीन कार्य करती है.

हमारे बैंक ने सभी ऋण एक्सपोज़रों के लिए पूंजी पर जोखिम समायोजित रिटर्न (आरएआरओसी) फ्रैमवर्क भी क्रियान्वित किया है. आरएआरओसी पूंजी नियोजन के लिए जोखिम समायोजित रिटर्न के अनुपात के रूप में परिभाषित है. इससे हमें इसकी गणना करने में सुविधा मिलेगी कि क्या ऋण जोखिम आस्तियां पर्याप्त लाभ उत्पन्न कर रही हैं, जिससे शेयरधारकों की निधियों के आर्थिक मूल्य में वृद्धि हो.

बाजार जोखिम

मार्केट जोखिम का तात्पर्य बाज़ार दरों अथवा मूल्यों में प्रतिकूल परिवर्तन के कारण आर्थिक मूल्य अथवा अर्जन की हानियों से है. विभिन्न बाज़ार उत्पादों के आर्थिक मूल्यों में परिवर्तन मुख्यत: ब्याज दरों, विनिमय दरों, आर्थिक प्रगति, व्यावसायिक विश्वास आदि में परिवर्तन का कार्य है. आपके बैंक ने अपनी ट्रेजरी गतिविधियों को मॉनीटर एवं नियंत्रण करने की स्पष्ट नीतियां बनायी हैं. इन नीतियों में प्रबंधन व्यवहार, प्रक्रियाएं, विवेकशील जोखिम सीमाएं, समीक्षा प्रणाली और रिपोर्टिंग प्रणाली शामिल हैं.

परिचालन जोखिम

परिचालन जोखिम बैंक की सभी गतिविधियों तथा व्यवसाय का महत्वपूर्ण हिस्सा है. अत: इसका प्रबंधन सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता से किया जाना चाहिए.

बैंक की परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी) की जिम्मेदारी परिचालन जोखिम को नियंत्रण में रखने की है ताकि वे बैंक की कार्यप्रणाली पर ज्यादा प्रभाव न डाल सके. बैंक ने प्रक्रियाओं में संशोधन तथा नियंत्रण प्रणाली को सुधारने हेतु नई प्रणाली स्थापित करने के लिए उपाय किए हैं. महत्वपूर्ण जोखिम सूचक प्रोग्राम, जोखिम नियंत्रण एवं स्वयं मूल्यांकन प्रोग्राम तथा चालू वर्ष के दौरान मूल कारण विश्लेषण की शुरुआत की गई है, जो नियंत्रण प्रकिया को और मजबूत करेंगे.

पिलर 2 जोखिम

बैंक के पास एक व्यापक आतंरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया नीति है. पिलर 2 जोखिम जैसे कि तरलता जोखिम, नकदी जोखिम, बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम,

केंद्रीकरण जोखिम इत्यादि और समग्र जोखिम प्रबंधन अभ्यास साथ ही साथ सामान्य एवं दवाबग्रस्त परिस्थितियों में पूंजी की पर्याप्तता को इस नीति के अंतर्गत मूल्यांकित किया जाता है.

बासल III कार्यान्वयन

भारतीय बैंकों द्वारा 1 अप्रैल, 2013 से बासल III पूंजी विनियमों का कार्यान्वयन किया गया है. इस कार्यान्वयन के लिए एक ओर पूंजी की परिवर्धित गुणवत्ता एवं मात्रा की, वहीं दूसरी ओर अधिक प्रकटीकरण की आवश्यकता है. बैंक की कोर पूंजी में सुधार करने तथा वृद्धि करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मार्च 2016 में एफसीटीआर, डीटीए तथा पुनर्मूल्यन आरक्षित को शामिल करने के लिए नए उपाय किए गए हैं. मार्च 2016 के बाद से बैंक ने चरणबद्ध तरीके से सीसीबी का रखरखाव करना भी शुरु किया है जो नियामक के अनुसार 2.5% पर पहुंचेगा. बैंक लघुतम नियामकीय पूंजी आवश्यकताओं में पर्याप्त कुशन के साथ नियामकीय मानदंडों को पूरा करने के लिए पूरी तरह सुसज्जित है.

हमारे बैंक ने कई पहल की हैं, जैसे कि बैंक के जोखिमों की प्रवृत्ति का आकलन एवं निगरानी के लिए अपेक्षित प्रणाली और प्रक्रियाएं विकसित करने हेतु एंटरप्राइज जोखिम प्रबंधन परियोजनाएं शुरू करना, बैंक के ऋण रेटिंग मॉड्यूल (बॉबरॅम) को संशोधित करना जिससे कि मॉड्यूल के विवेकाधीन अधिकारों में वृद्धि हो सके तथा निर्धारित आवास ऋण ग्राहकों के लिए ऋण गारंटी व्यवस्था को शामिल किया जा सके एवं पोर्टफोलियो के जोखिम को कम किया जा सके.

अनुपालन

एक स्वतंत्र अनुपालन-कार्यकलाप बैंक के संरक्षण की द्वितीय पंक्ति का एक प्रमुख घटक है. यह कार्य अन्य बातों के साथ-साथ, यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी है कि बैंक एकीकृत रुप से और लागू विधियों, विनियमों एवं आंतरिक पॉलिसियों का अनुपालन करते हुए कार्य करता है.

हमारे बैंक ने अपने अनुपालन-दर्शन को रेखांकित करते हुए निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक पालिसी बनाई है. अनुपालन कार्यकलाप बैंक में स्वस्थ अनुपालन संस्कृति द्वारा समर्थित आंतरिक नियंत्रण एवं अनुपालन जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया सहित गवर्नेंस का एक अंतर्निहित भाग है. अनुपालन कार्यकलाप विभिन्न विधि-विधानों यथा बैंकिंग विनियमावली अधिनियम, भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, धनशोधन निवारण अधिनियम में उल्लिखित सांविधिक प्रावधानों तथा विदेशी केन्द्रों में जहां बैंक की शाखाएं/कार्यालय है, उन विभिन्न नियामकों के विनियमों की पालना सुनिश्चित करता है. यह बीसीएसबीआई (भारतीय बैंकिंग संहिता और मानक बोर्ड), आईबीए (भारतीय बैंक संघ), फिडाय (भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ) तथा फिम्डा (भारतीय नियत मुद्रा बाज़ार और व्युत्पन्नी संघ) द्वारा निर्धारित मानकों तथा कोड आदि का पालन भी सुनिश्चित करता है.

बैंक अपने अनुपालन कार्यकलाप को और सुदृढ़ बनाने के लिए एक वेब आधारित अनुपालन प्रबंध प्रणाली अपनाने की प्रक्रिया में है.

अनुपालन कार्य-कलाप वरिष्ठ प्रबंधन एवं निदेशक मंडल को बैंक द्वारा लागू विधियों, नियमों एवं मानकों के अनुपालन के बारे में सूचित करता है तथा इस क्षेत्र में हुई प्रगति से अवगत कराता है. यह व्यवसाय-स्टाफ सदस्यों एवं नामित अनुपालन अधिकारियों के लिए आवधिक रुप से प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन कर उन्हें अनुपालन के बारे में शिक्षित करने में सहायक होता है. इस प्रयोजन से ज्ञान प्रबंधन टूल्स बैंक की साइट पर भी अपलोड किए गए हैं.

अनुपालन कार्य-कलापों की कार्पोरेट मूल्यों, पालिसियों एवं प्रक्रियाओं के समर्थन में एक महत्वपूर्ण भूमिका है, जो कि बैंक जिम्मेदारी से कार्यरत है एवं लागू बाध्यताओं को पूरा कर रहा है, यह सुनिश्चित करने में सहायक बनता है.

केवाईसी/ एएमएल अनुपालन

आपके बैंक के पास सुपरिभाषित केवाईसी - एएमएल – सीएफटी नीति है, यह वह आधारशिला है जिस पर केवाईसी मानदंडों का अनुपालन, ए.एम.एल. मानदंडों, सीएफटी उपायों तथा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के अंतर्गत बैंक के दायित्वों का कार्यान्वयन टिका हुआ है. बैंक वित्तीय अन्वेषण इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) को इलैक्ट्रानिक रूप में भेजने के लिए इलैक्ट्रानिक तरीके से नकद लेनदेन रिपोर्टों (सीटीआर) को जनरेट करता है. ग्राहकों के खातों में संव्यवहारों के आधार पर सिस्टम आधारित एलर्ट्स जनरेट करने के लिए एएमएल समाधान लागू किया गया है. केन्द्रीय लेन-देन निगरानी इकाई (सीटीएमयू) संव्यवहारों/ एएमएल सोल्यूशन में जनरेट एलर्ट्स की पूरी तरह से निगरानी करता है और यदि कुछ संदेहजनक पाया जाए तो एसटीआर को मुख्य अधिकारी को प्रस्तुत करता है. ग्राहकों के खातों का प्रत्येक छ:माही आधार पर सिस्टम आधारित जोखिम वर्गीकरण (ए एम एल उपायों से) किया जाता है. बैंक, एफआईयू-आईएनडी, नई दिल्ली को प्रत्येक माह जाली करेंसी नोटों की रिपोर्ट (सीसीआर) और गैर लाभकारी संगठनों के लेनदेन के बारे में रिपोर्ट (एनटीआर) प्रस्तुत करता है. बैंक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से क्रॉस बॉडर वायर ट्रांसफर रिपोर्ट हर माह तैयार करता है और एफआईयू- आइएनडी, नई दिल्ली को प्रस्तुत करता है. सीबीएस सिस्टम में भी इस प्रकार उपयुक्त रूप से सुधार किया गया है जिससे वह पेन फार्म 60/61 न होने पर ₹ 50,000/- तथा इससे अधिक की नकदी को स्वीकार न करे.

केवायसी अनुपालन को और कड़ा बनाने के लिए एनएसडीएल से पेन कार्ड का ऑनलाइन सत्यापन करने के कार्य को परिचालित किया गया है. बैंक ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सहयोग से आधार आधारित ई-केवायसी को लागू कर दिया है. सीएफटी के रूप में सभी शाखाओं में तत्काल जांच पड़ताल हेतु संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा विनियमावली (यूएनएससीआर) से प्राप्त नामों की सूची उपलब्ध है. पूर्व निर्धारित मानदंडों के आधार पर खाता खोलते समय और एएमएल अलर्ट जनरेट करते समय अल कायदा / तालीबान या भारत सरकार द्वारा ब्लैक लिस्ट में घोषित व्यक्तिगत नामों / संस्थाओं के नामों के साथ ग्राहक के नाम की ऑनलाइन जांच की जाती है. भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरुप बैंक अपने सभी मौजूदा ग्राहकों को यूनिक ग्राहक आईडी आवंटित करने की प्रक्रिया में है.

बैंक ने अपनी सभी घरेलू शाखाओं और छ: विदेशी टेरीटरीज़ (यूके, यूईए, दक्षिण अफ्रीका, मोरिशस, होंगकोंग एवं बहमास) के लिए अपनी केवायसी, एएमएल एवं सीएफटी पालिसी एवं प्रेक्टिस की स्वतंत्र प्रतिष्ठित फर्म के माध्यम से स्वतंत्र समीक्षा करवाई है और जहां आवश्यक हो, समस्त प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के कदम उठाए हैं.

आंतरिक लेखापरीक्षा - संरक्षण की तीसरी पंक्ति

संरक्षण की तीसरी पंक्ति में एक स्वतंत्र एवं प्रभावी आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य का समावेश होता है. अन्य बातों के साथ-साथ यह बैंक की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली, संरक्षण की प्रथम एवं द्वितीय पंक्ति तथा जोखिम गवर्नेंस फ्रेमवर्क एवं नीतिगत और व्यवसाय आयोजन व निर्णयन की गुणवत्ता एवं प्रभावोत्पादकता के संबंध में स्वतंत्र समीक्षा और निष्पक्ष आश्वासन उपलब्ध कराती है. आंतरिक लेखापरीक्षक जोखिम प्रबंधन कार्यों को विकसित करने, अनुपालन करने या संचालित करने अथवा संरक्षण कार्य-कलापों की प्रथम या द्वितीय पंक्ति के अन्य कार्यों से जुड़े हुए नहीं होते हैं.

हमारा बैंक आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य एक केन्द्रीय आंतरिक लेखापरीक्षा प्रभाग (सीआईएडी) के माध्यम से करता है. सीआईएडी शाखाओं एवं कार्यालयों की जोखिम आधारित लेखापरीक्षा (आरबीआईए) के साथ ही, विभिन्न प्रकार की लेखापरीक्षाएं करता है. निदेशक मंडल की लेखापरीक्षा समिति बैंक के आंतरिक लेखापरीक्षा

संबंधी कार्यकलापों की समग्र निगरानी करती है. यह समिति प्रभावी आंतरिक जोखिम आधारित लेखापरीक्षा, संगामी लेखापरीक्षा, आई.एस. लेखापरीक्षा तथा अन्य निरीक्षण व लेखापरीक्षा कार्यों के प्रभावी विकास के लिए मार्गदर्शन देती है. यह समिति बैंक में कार्यपालकों की लेखापरीक्षा समिति तथा आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग के कार्यों की देखरेख करती है.

जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा नीति द्वारा निर्धारित आवधिकता के अनुसार 13 अंचल निरीक्षण केन्द्रों द्वारा शाखाओं/कार्यालयों के निरीक्षण के माध्यम से सीएआईडी अपना संचालन करता है. बैंक की सभी शाखाएं जोखिम आधारित लेखापरीक्षा (आरबीआईए) में शामिल की गई हैं. वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान कुल 4,566 शाखाओं का निरीक्षण किया गया जिनमें से 3,669 शाखाएं (80.35%) कम जोखिम में, 851 शाखाएं (18.64%) मध्यम जोखिम में तथा 46 शाखाएं (1.01%) उच्च जोखिम श्रेणी में थीं.

वर्ष के दौरान बैंक ने प्रौद्योगिकी, समाधान देने की परिकल्पना तथा डिजिटलाइजेशन का उपयोग करते हुए लेखापरीक्षा संबंधी कार्यों को केंद्रीकृत प्रक्रिया की समीक्षा करने के लिए नॉलेज पार्टनर के रूप में एक स्वतंत्र फर्म की सेवाएं ली है. प्रौद्यौगिकी का समुचित प्रयोग करके, विश्लेषणात्मक, सरलीकृत तथा उन्नत लेखापरीक्षा कार्य-प्रणाली के माध्यम से समूची लेखा-प्रणाली में बदलाव किया जाएगा. इस प्रकार आंतरिक लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को प्रौद्योगिकी के माध्यम से पुनर्व्यवस्थित किया जा रहा है.

संगामी लेखापरीक्षा कार्यों को बेहतर अंतर्दृष्टि एवं निरंतरता के दृष्टिकोण के साथ सुव्यवस्थित करने के लिए बैंक ने संगामी लेखापरीक्षा तंत्र को पुनर्स्थापित किया है जिसके अंतर्गत अंचल की सभी शाखाओं में लेखापरीक्षा करने हेतु एक ही फर्म को नियुक्त किया गया है. एक ही फर्म से लेखापरीक्षा करवाए जाने के कारण यह अपेक्षा की गई है कि उनके एक जैसे दृष्टिकोण का लाभ मिलेगा तथा इसकी जवाबदेही अधिक होगी. नियंत्रण एवं अनुपालन, अनियमिताओं के संबंध में टिप्पणी एवं प्रक्रिया, यदि कोई हो, में एकीकृत विचार का लाभ मिलेगा.

ग्राहक सेवा

हमारा बैंक ग्राहकों की आवश्यकताओं और संतुष्टि के प्रति सदैव संवेदनशील एवं तत्पर रहा है और उसका यह विश्वास रहा है कि प्रौद्योगिकी, प्रक्रियाएं, उत्पाद एवं मानव संसाधन को अपने ग्राहकों को उत्तम बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाना चाहिए.

वर्ष के दौरान बैंक द्वारा एक प्रतिष्ठित एजेंसी के माध्यम से समग्र भौगोलिक क्षेत्रों में बचत बैंक, चालू खाता, संपदा प्रबंधन उत्पाद, आवास ऋण, वाहन ऋण, कृषि ऋण, ट्रेडर्स ऋण, मोर्गेज, एमएसएमई एवं मध्यम-लार्ज कार्पोरेट जैसे सभी उत्पादों के संबंध में ग्राहक संतोष एवं ब्रांड स्वास्थ्य पर एक स्वतंत्र अध्ययन करवाया गया है. इस सर्वेक्षण ने समग्र भौगोलिक क्षेत्रों और सभी उत्पादों के संबंध में ग्राहक संतोष का स्तर, निष्ठा-स्तरों एवं अनुभव स्तरों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि उपलब्ध कराई. बैंक बैंकिंग उद्योग में एक "सर्वाधिक लोकप्रिय ग्रहाक सेवा" बनने की प्रेरणा के साथ ग्राहक-संतोष के स्तर में और सुधार करने हेतु आवश्यक कदम उठा रहा है.

निदेशक मंडल के स्तर पर ग्राहक सेवा संबंधी मामलों के लिए निदेशक मंडल की उप समिति, नीति निर्धारण तथा उनके अनुपालन से संबंधित मुद्दों को देखती है जिससे ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो.

बैंक ने ग्राहक सेवा पर पद्धति एवं कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षा संबंधी स्थायी समिति का गठन किया है जिसमें बैंक के सभी कार्यपालक निदेशक और सात महाप्रबंधकों के अलावा दो प्रतिष्ठित जन प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं. यह समिति भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ग्राहक सेवा पर दिए गए निर्देशों का समय पर तथा प्रभावशाली अनुपालन का कार्य देखती है तथा बैंक में प्रवर्तमान ग्राहक सेवा की कार्यप्रणाली एवं प्रक्रिया का भी मूल्यांकन करती है एवं ग्राहक सेवा के स्तर को सुधारने हेतु नियमित रूप से सुधारात्मक कार्रवाई करती है. बैंक के प्रधान कार्यालय द्वारा तिमाही आधार पर शाखा स्तरीय ग्राहक सेवा समिति की बैठकों से सुझाव प्राप्त किए जाते हैं और उन्हें ग्राहक सेवाओं संबंधी प्रणालियों एवं पद्धतियों की लेखा परीक्षा की स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है. इसके पश्चात समिति की बैठक का फीडबैक निदेशक मंडल की ग्राहक सेवा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है.

ग्राहकों की शिकायतों के निवारण के लिए हमारे बैंक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीति है और इसे बैंक की वेबसाइट पर रखा गया है. बैंक में ग्राहकों की शिकायतों के निवारण के लिए एक सुगठित ग्राहक शिकायत निवारण व्यवस्था है जिसके कारण बकाया शिकायतों की संख्या में उल्लेखनीय कमी हुई है. बैंक से संबंधित ग्राहक शिकायतों के संबंध में परिचालन एवं सेवाएं के महाप्रबंधक को नोडल अधिकारी बनाया गया है. अंचल तथा क्षेत्रीय स्तरों पर संबंधित क्षेत्रीय व अंचल प्रमुख नोडल अधिकारी बनाए गए हैं. बैंक की सभी शाखाओं में प्रत्येक नोडल अधिकारी का नाम व पता प्रदर्शित किया गया है.

हमारे बैंक प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से देखता है और शिकायत के मूल कारण का पता लगाने पर बल देता है तथा शिकायतों के उचित निपटान हेतु सुधारात्मक उपाय करता है, जिनमें प्रणाली एवं प्रक्रिया को अपडेट करना तथा ग्राहक सेवा को सुधारने के प्रति स्टाफ सदस्यों को जागरूक करना आदि शामिल हैं. आपके बैंक में मानकीकृत लोक शिकायत निवारण प्रणाली (एसपीजीआरअस) के नाम से एक वेब आधारित ऑन लाइन शिकायत पंजीकरण एवं निवारण प्रणाली है. इसके माध्यम से ग्राहक अपनी शिकायत ऑन लाइन दर्ज कर सकता है. एसपीजीआरएस में सुझाव / फीडबैक स्वीकार करने की भी सुविधा उपलब्ध है.

बैंक ने मुख्य ग्राहक सेवा अधिकारी (सीसीएसओ) के रुप में एक आंतरिक लोकपाल को नियुक्त किया है. बैंक के आंतरिक लोकपाल के रुप में ग्राहकों को अपनी शिकायतों के निवारण के लिए बैंकिंग लोकपाल से संपर्क करने पहले एक मंच उपलब्ध होता है. बैंक द्वारा अस्वीकृत या आंशिक रुप से स्वीकृत सभी शिकायतों की आंतरिक लोकपाल द्वारा जांच की जाती है. यह ग्राहकों का बैंक की प्रणालियों पर विश्वास को बढ़ाता है और शिकायत निवारण को अधिक पारदर्शी बना कर उस प्रक्रिया को त्वरित बनाता है.

हमारा बैंक भारतीय बैंकिंग संहिता एवं मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई) का सदस्य है और बैंक ने बीसीएसबीआई द्वारा निर्धारित "ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता संहिता" तथा "माईक्रो एवं लघु उद्यमियों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता संहिता" को अपनाया है. इन्हें बैंक की वेबसाइट पर प्रस्तुत किया गया है और ग्राहकों हेतु बैंक शाखाओं में भी उपलब्ध कराया गया है. बीसीएसबीआई द्वारा संहिता के अनुपालन की निगरानी के साथ-साथ संहिता के मूलभूत स्तर पर अनुपालन की स्थिति का पता लगाने के लिए शाखाओं के दौरे किए जाते हैं और ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों तथा बैंकिंग लोकपाल/अपील प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए आदेशों/अवार्ड का अध्ययन किया जाता है, ताकि यह पता लग सके कि क्या कोई प्रणालीगत कमी तो नहीं है. आपके बैंक को 2016 में रेटिंग प्रक्रिया में सभी पीएसबी श्रेणी में "औसत से उपर" की रेटिंग प्राप्त हुई है.

मानव संसाधन

हमारे बैंक का वास्तव में मानना है कि हमारा मानव संसाधन हमारे लिए एक बड़ा निर्णायक बल है जिसका हमारे बैंक के वर्तमान और भावी, दोनों दृष्टि से समग्र कार्यनिष्पादन पर प्रत्यक्ष और महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है. हमारे बैंक के पास मानव संसाधन का एक समृद्ध भंडार है, जिसमें 51,000 कर्मचारी हैं. हम जब हमारे हितधारकों की बढ़ती हुई अपेक्षाओं को महसूस करने की दिशा में बढ़ते हैं, तो हम पाते हैं कि ये हमारे लोग हैं, जो मौजूदा गतिशील और प्रतिस्पर्धात्मक परिवेश में अत्यधिक प्रेरित और प्रतिबद्ध हैं. बैंक में काफी बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त हो रहे अनुभवी बैंकरों की कमी को पूरा करने के लिए

प्रतिभावान कर्मचारियों की भर्ती और ओनबॉर्डिंग, परियोजना स्पर्श प्लस के माध्यम से कार्यनिष्पादन प्रबंधन को सुदृढ़ करने पर ध्यान केन्द्रित करना, प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना, बैंक में मानव संसाधन संबंधी चुनौतियों का सामना करने के लिए नेतृत्व विकास, उत्तराधिकार आयोजन एवं पहली बार आयोजित कर्मचारी जुड़ाव सर्वेक्षण "वाईस ऑफ बड़ौदियन्स" द्वारा समर्थित कर्मचारी जुड़ाव का उच्च स्तर आदि विभिन्न कई पहलों के माध्यम से एचआर टीम परिश्रम से कार्यरत है. हमारा बैंक मानव संसाधन रुपांतरण के प्रयासों की अवधारणा और उन्हें निष्पादित करने हेतु अग्रणी हो कर निरंतर कार्यरत है, जिनमें से कई प्रयासों का वर्ष 2017 के दौरान प्रारंभ करने वाला देश का सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक है.

"वाईस ऑफ बड़ौदियन्स" सर्वेक्षण, 2016 से कई सकारात्मक तथ्य सामने आये, वहीं कुछ ऐसे क्षेत्र भी पाये गए जहां कई कार्ययोजनाओं के माध्यम से उन्हें और बेहतर बनाने की आवश्यकता थी. इन उपायों में बैंक की रुपांतरण-यात्रा में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए उच्च स्तर की क्षमता निर्माण की पहलें भी शामिल हैं. बैंक का आशय यह सुनिश्चित करना है कि सभी स्तरों पर कर्मचारियों के अनुभव में और सुधार हो, ताकि अधिक आनंददायी कार्य-स्थल का निर्माण किया जा सके. इस दिशा में बैंक ने कर्मचारियों, कि जो बैंक के व्यवसाय के मुख्य वाहक हैं और बैंक के लिए मुख्य ब्रांड एम्बेसेडर हैं, उनके लिए श्रृंखलाओं में कई उपाय प्रारंभ किए, जिनमें निम्नलिखित का समावेश है:

बड़ौदा अनुभूति कार्यक्रम

यह कार्यस्थल पर कर्मचारी अनुभव को बेहतर बनाने और उनके जुड़ाव के स्तर को और बढ़ाने के लिए तैयार किया गया कार्यक्रम है, जिसमें कई पहलें प्रारंभ की गईं हैं, जैसे कि माह का कर्मचारी, स्पॉट पर मान्यता- "वॉव क्षण" हेतू समय, शाखा/कार्यालय में फन-ऑवर, कर्मचारियों द्वारा अनिवार्य स्थानीय सामुदायिक सेवा/ सामाजिक गतिविधियां एवं खेलकूद और स्वास्थ्य गतिविधियां आदि.

वी-लीड - एक व्यापक नेतृत्व कार्यक्रम

हमारे बैंक ने भविष्य के लीडरों का भरपूर और निरंतर सिलसिला बनाए रखने के उद्देश्य के साथ आचरणगत क्षमताओं के आधार पर समग्र नेतृत्व विकास पहल "वी-लीड" का प्रारंभ किया. यह पहल निम्नलिखित -4- विशिष्ट कार्यक्रमों के माध्यम से की गई :

बड़ौदा वरिष्ठ नेतृत्व कार्यक्रम: वेतनमान VI एवं VII के अधिकारियों के लिए

बड़ौदा उभरते हुए लीडर कार्यक्रम: वेतनमान V के अधिकारियों के लिए

बड़ौदा राइसिंग स्टार्स कार्यक्रम: वेतनमान IV के अधिकारियों के लिए

सयाजीराव गायकवाड स्कॉलर्स कार्यक्रम: वेतनमान I, II, एवं III के अधिकारियों के लिए

प्रशिक्षण की लाईफ साइकल परिकल्पना का प्रारंभ

प्रशिक्षण की लाईफ साइकल परिकल्पना के प्रारंभ का उद्देश्य कर्मचारी के करियर के विभिन्न स्तर पर विभिन्न भूमिकाओं के साथ सुसंगत विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करना है. उसी प्रकार प्रत्येक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम की आवश्यकता के प्रारंभ के साथ प्रशिक्षण को विशिष्ट जॉब की भूमिका के साथ सुसंगत बनाया गया है. हमारा बैंक लर्निंग और विकास के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं के निरंतर उन्नयन के लिए प्रयास करता रहा है और इसके लिए कई नवोन्मेषी प्रयास अपनाता रहा है.

"स्पर्श प्लस" का प्रारंभ

हमारे बैंक में कार्यनिष्पादन एवं प्रतिभा प्रबंधन को सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल टूल्स से समर्थित बनाते हुए उसे पुनर्व्यवस्थित करने के उद्देश्य से 'स्पर्श-प्लस का प्रारंभ किया गया है. हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारी लोगों संबंधी प्रक्रियाएं और प्रणालियां हमारे स्टाफ सदस्यों को भूमिका की स्पष्टता उपलब्ध कराए और उन्हें अपनी भूमिका अधिक प्रभावी ढंग से निभाने में सक्षम बनाए, कर्मचारियों को उनके विकास के लिए सहायता करें तथा उनके समग्र योगदान को और उत्कृष्ट बनाने में उन्हें समर्थ बनाए.

प्रतिभा की कमी और कार्यदक्षता के बीच के अंतर को भरना

हमारा बैंक अपनी व्यवसाय संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष दर वर्ष निरंतर भर्ती करता रहा है. बैंक की जन-बल की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस वर्ष के दौरान भी विभिन्न भर्ती प्रक्रिया की गई, जैसे कि अन्य के साथ-साथ विशेषज्ञ अधिकारियों तथा परीविक्षाधीन अधिकारियों की भर्ती.

हमारे बैंक ने भविष्य के लिए तथा बाज़ार/उद्योग की उत्कृष्ट प्रैक्टिस को अपनाने के लिए विभिन्न नीतिगत क्षेत्रों में हमारी आंतरिक टीम की क्षमताएं बढ़ाने हेतु बैंक में विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों के लिए कार्यदक्षता, ज्ञान एवं क्षमताएं रखने वाले विशेषज्ञों को बाज़ार से भर्ती किया.

सयाजीराव गायकवाड फेलोशिप कार्यक्रम

हमारे बैंक ने स्टार्ट अप इंडिया तथा स्टैन्ड अप इंडिया पहलों का समर्थन करते हुए मार्च, 2017 में सयाजीराव गायकवाड फेलोशिप कार्यक्रम की स्थापना की. इस फेलोशिप कार्यक्रम में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा उद्योग में एक वर्ष का अनुभव लेने और अपने स्टार्ट अप आइडिया के विकास के लिए संगठनात्मक समर्थन प्राप्त करने के लिए उद्यमी विचारधारा रखने वाले युवा व्यावसायिकों को प्रोत्साहन दिया जाता है. इसके अतिरिक्त चयनित फेलो वर्तमान में बैंक में मार्गस्थ हो ऐसी कई नीतिगत पहलों के कार्यनिष्पादन के लिए समर्थन कर रहे हैं.

कर्मचारी हेल्प लाइन (एचआर हेल्प लाइन)

हमारे बैंक ने सभी कर्मचारियों के लिए एचआर विषयक उनके प्रश्नों/मामलों के निवारण के लिए, उनके निजी जीवन या व्यावसायिक जीवन संबंधी किसी भी आपात्कालीन स्थितियों या अन्य कठिनाइयों में उनको सहयोग देने और सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक केन्द्रीय हेल्प लाइन प्रारंभ की है. कार्पोरेट कार्यालय में एक समर्पित टीम है, जो वास्तविक समय आधार पर हर समय कर्मचारी हेल्प लाइन की निगरानी करती है और से कर्मचारियों के प्रश्नों/शिकायतों/समस्याओं का शीघ्रता से निवारण करती है.

कैरियर की प्रगति

आपके बैंक ने अपने कर्मचारियों को उनके कार्यनिष्पादन के लिए रिवार्ड देने और साथ ही, कार्पोरेट सीढ़ियों पर चढ़ते हुए संगठन की तथा उनकी निजी- दोनों की अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने हेतु करियर-प्रगति के अवसर उपलब्ध कराने के सघन उपाय किए. आपका बैंक न केवल पदक्रम में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि कार्मचारियों को व्यापक कार्य-अनुभव उपलब्ध कराने और उनके लिए सुनिश्चित करियर मार्ग बनाने के लिए विभिन्न कार्यों में उनकी समांतर मूवमेंट भी सुनिश्चित करता है.

विविधता को महत्व

हमारा बैंक सभी कर्मचारियों के लिए भेदभाव मुक्त एवं समान अवसर नीतियों का अनुसरण करता है. संगठन के प्रत्येक कर्मचारी की उपलब्ध अवसरों पर समान पहुंच है, चाहे वे करियर में प्रगति, अनुलाभ एवं लाभ हो, कल्याण योजनाएं हों, प्रशिक्षण हों, शिकायत निवारण या अन्य कोई सुविधाएं हों. पदोन्नति, करियर-पथ, नियोजन एवं स्थानांतरण नीतियों को खुला एवं पारदर्शी बनाया गया है और इसके समान अनुपालन के लिए बैंक के सभी कर्मचारियों को इससे अवगत कराया गया है.

कार्य स्थानों में और अधिक विभिन्नता लाने के लिए बैंक पिछले कुछ वर्षों से उत्तरोतर अधिक संख्या में महिला कर्मचारियों की भर्ती कर रहा है. समग्र स्टाफ कंपोज़िशन में

महिला कर्मचारियों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 16 के 22.05% से बढ़ कर वित्तीय वर्ष 2017 में 22.70% हो गया है.

सभी स्तर पर महिला कर्मचारियों को बनाए रखने और कार्य,परिवार एवं घर के प्रति महिलाओं के सहगामी उत्तरदायित्वता को मान्यता देने के लिए बैंक ने उनको सहयोग देने हेतु विभिन्न कई सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, जैसे कि विराम अवकाश, स्वास्थ्य-निदान कार्यक्रम इत्यादि.

राजभाषा नीति का अनुपालन

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान बैंक ने हमारे भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन में उत्कृष्ट प्रगति की. संघ सरकार की राजभाषा नीति के अंतर्गत विभिन्न सांविधिक आवश्यकताओं तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुपालन के साथ-साथ हमारे बैंक ने हिंदी को व्यवसाय वृद्धि तथा ग्राहकों के साथ जुड़ने के एक साधन के रुप में प्रवर्तित किया.

वर्ष 2016-17 के लिए भारत सरकार के वार्षिक कार्यान्वयन कार्यक्रम के तहत निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों तथा हमारी बैंक की विभिन्न शाखाओं/कार्यालयों के निरीक्षण दौरों के समय संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के लिए सुव्यवस्थित वार्षिक कार्ययोजना तैयार की गयी है. बैंक ने वार्षिक कार्यान्वयन कार्यक्रम के अधिकांश लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है. आपके बैंक ने संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए सभी आश्वासनों को निर्धारित समयावधि में पूरा किया है.

वर्ष के दौरान, हमारे बैंक ने नई दिल्ली में **"विमुद्रीकरण और डिजिटल इंडिया"** विषय पर अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया जिसमें विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको से प्रतिनिधियों/वक्ताओं /प्रतिभागियों ने भाग लिया. कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई में **"डिजिटल युग में भाषा का महत्व एवं चुनौतियां"** विषय पर एक अंतर बैंक सेमिनार का भी आयोजन किया गया जिसमें मुंबई स्थित विवध सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको /वित्तीय संस्थाओं से राजभाषा एवं आईटी विभाग के प्रमुखों/प्रतिनिधियों ने सहभागिता की. भारतीय रिज़र्व बैंक, भारत सरकार एवं राजभाषा की संसदीय समिति द्वारा इस पहल की सराहना की गई. हमारे बैंक ने जनवरी 2017 में बैंक की ओवरसीज़ टेरीटरीज में 'विश्व हिंदी दिवस' का आयोजन किया, जिसमें हिंदी साहित्य से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों, महत्वपूर्ण ग्राहकों एवं भारतीय दूतावासों के अधिकारियों ने भाग लिया .

हमारे बैंक ने अपने संस्थापक महाराजा सर सयाजीराव गायकवाड़-III की स्मृति में 'महाराजा सयाजीराव भाषा सम्मान' की शुरूआत की है. इस सम्मान के अंतर्गत एक प्रशस्ति पत्र/स्मृति चिह्न तथा ₹ 1.51 लाख की नकद राशि शामिल है. वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने यह सम्मान प्रतिष्ठित अभिनेता एवं कवि, श्री आशुतोष राणा को प्रदान किया.

बैंक ने अपने कर्मचारियों के लिए क्षेत्रीय भाषा प्रशिक्षण की महत्वाकांक्षी पहल को विभिन्न भाषायी क्षेत्रों तक विस्तार किया है ताकि वे संबंधित क्षेत्रीय भाषा की बुनियादी बातों को सीख सकें, जो उन्हें स्थानीय ग्राहकों के साथ संवाद करते समय अपने कर्तव्य का अच्छी तरह से निर्वहन में मदद करेगा.

घरेलू अनुषंगियां एवं संयुक्त उद्यम

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान आपके बैंक की घरेलू अनुषंगियों एवं संयुक्त उद्यमों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा.

बॉबकार्ड्स लिमिटेड बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है तथा यह क्रेडिट कार्ड जारी करने एवं मर्चेंट एक्वायरिंग व्यवसाय में है. धीरे-धीरे यह लंबे समय तक भुगतान कार्ड उद्योग में अपने प्राप्त कौशल एवं सुविज्ञता के आधार पर अपने कार्य क्षेत्र का विस्तार कर रहा है. बॉब कार्डस लिमिटेड ने, आपके बैंक के डेबिट कार्ड परिचालन में सहायक सेवाएं प्रदान करने की अनुषंगी गतिविधियों का दायित्व ले लिया है.

भारत में कार्ड एवं डिजिटल भुगतान हेतु अवसरों में बडे पैमाने पर वृद्धि को देखते हुए, कम्पनी, वर्तमान व्यवसाय में सुधार के अतिरिक्त, एनबीएफसी प्रभाव क्षेत्र के अंतर्गत नये व्यवसायिक चरणों का शुभारम्भ करते हुए विकसित बाजार परिदृश्य में उपभोक्ता क्रेडिट एवं भुगतान में अग्रणी बनने जा रही है. बॉबकार्ड्स लिमिटेड का उद्देश्य, क्रेडिट कार्ड (सीसी) तथा वैयक्तिक ऋण (पीएल) व्यवसाय हेतु उपभोक्ता वित्त कम्पनी बनना है. इसके अतिरिक्त, यह उत्पाद एवं पीओएस व्यवसाय हेतु सेवा क्षमताएं प्रदान करेगा तथा बैंक के लिए खुदरा/एसएमई उत्पादों का स्रोत उपलब्ध कराएगा.

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान अपने सम्पूर्ण विकास के लिए कम्पनी द्वारा अनेक पहलें की गई हैं. विमुद्रीकरण के दौर में नकदी रहित संव्यवहार को बढ़ावा देने की दिशा में बैंक द्वारा नवंबर एवं दिसंबर 16 माह के दौरान नये व्यापारियों को पीओएस हेतु नामांकन का राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत 60,000 से अधिक नये पीओएस का स्थापन किया गया तथा पीओएस का आधार बढ़कर 85,000 हुआ. विमुद्रीकरण के उपरांत, पीओएस संव्यवहार की मात्रा, पहले के रु 8 करोड़ के सापेक्ष रु 30 करोड़ प्रति दिन पर पहुंचा. संव्यवहारों की संख्या भी 25,000 प्रति दिन से बढ़कर 2 लाख संव्यवहार प्रति दिन हुई. मासिक संव्यवहार की मात्रा रु 244 करोड़ से बढ़कर ₹ 700 करोड़ हुई. बॉबकार्डस ने एम-पीओएस (मोबाइल पीओएस टर्मिनल्स) एवं क्यूआर आधारित एक्वायरिंग (एम-वीजा एवं भारत क्यूआर कोड) का योग करते हुए पीओएस उत्पाद की अनुकुलता का सफलतापूर्वक का विस्तार किया. कम्पनी का ध्यान गुणवत्तायुक्त कार्डों को लगातार जारी करने पर है, जिसके परिणामस्वरुप क्रेडिट कार्ड व्यवसाय के द्वारा संव्यवहार की मात्रा में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई. ट्रेवल व्यवसाय खंड में और अधिक ऐसे एजेंटों को जोड़ने के लिए संभावितों के साथ सम्पर्क की प्रक्रिया शुरु की गई है. विमुद्रीकरण के पश्चात पीओएस स्थापन हेतु जोर के बावजूद फरवरी 2017 तक कुल 24,770 नये कार्ड जारी किए जा चुके हैं. बड़े पैमाने पर विपणन पहल के रुप में, बॉबकार्डस ने एक्सएलआरआई, जमशेदरपुर के साथ उनके भूतपूर्व छात्रों को सह-ब्रांडेड कार्ड जारी करने हेतु ताल-मेल स्थापित किया.

ग्राहकों को तत्काल एवं शिष्टतापूर्ण सेवा प्रदान करना लगातार कम्पनी की मुख्य शक्ति रही है, जिसने न सिर्फ इसे ग्राहक मित्रवत् संगठन के रुप में स्थापित होने में समर्थ बनाया है बल्कि गुणवत्तायुक्त ग्राहकों को बनाए रखने में मदद भी की है. त्वरित शिकायत निवारण प्रक्रिया उच्च स्तर की ग्राहक संतुष्टि एवं प्रतिक्रिया में परिणत हुई.

बैंक द्वारा 1996 में स्थापित **बॉब कैपिटल मार्केट लिमिटेड** पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है. बॉबकैप्स का मुख्य व्यवसाय निवेश बैंकिंग (डेब्ट पुनर्रचना, प्रोजेक्ट वित्त, एम एवं ए, डेब्ट कैपिटल मार्केट एवं इक्विटी कैपिटल मार्केट), संस्थागत एवं खुदरा इक्विटी ब्रोकिंग तथा वित्तीय उत्पादों का वितरण है. कंपनी के पास पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं (पीएमएस) का भी लाइसेंस है. वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान, कंपनी ने अपने मुख्य व्यवसाय में महत्वपूर्ण स्तर पर नयी शुरुआत की है. कंपनी ने आपके बैंक की लीवरेज शक्ति को समर्थ बनाने तथा बॉबकैप्स को अग्रणियों में से एक बनाने एवं व्यवसाय में सबसे सम्मानित इकाई के रुप में स्थापित करने हेतु अपनी टीम को व्यवसाय यथा निवेश बैंकिंग, ब्रोकिंग एवं धन प्रबंधन/वितरण में सफलतापूर्वक सुदृढ किया है.

नैनीताल बैंक लिमिटेड को स्वर्गीय भारत रत्न पं गोविन्द वल्लभ पंत और अन्यों द्वारा प्रवर्तित किया गया था जो कि वर्ष 1973 में बैंक ऑफ़ बड़ौदा का सहयोगी बैंक बना. नैनीताल बैंक में आपके बैंक की शेयरधारिता 98.57% है. बैंक का कुल व्यवसाय जो 31/03/2016 को रु 8049.22 करोड़ था, जो बढ़कर 31/03/2017 को रु 10,132.66 करोड़ हो गया, इस प्रकार 25.88% की संवृद्धि हुई. बैंक ने -11- नयी शाखाएं खोली हैं तथा नैनी लोन प्वाइंट्स (एनएलपीएस)के नाम से -5- लोन प्रोसेसिंग ईकाईयां स्थापित की हैं. बैंक ने टीसीपीएसएल के साथ सहयोग स्थापित करते हुए 13 व्हाइट लेवेल एटीएम भी स्थापित किए हैं. बैंक ने वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान अपने ग्राहकों को 22,688 डेबिट कार्ड जारी किए हैं.

बडौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड, पायोनियर ग्लोबल एसेट मैनेजमेंट एसपीए के साथ एक संयुक्त उद्यम है और यह परिचालन के 8वें वर्ष में है. म्युचुअल फंड इंड्स्ट्री के लिए अच्छे वर्षों को देखते हुए, बडौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कम्पनी भी अपने एयूएम में वृद्धि करने में सक्षम रहा है. वित्तीय वर्ष 2017 हेतु कम्पनी का औसत एयूएम भारतीय रु में ₹ 10,535 करोड़ था. इसके अतिरिक्त कम्पनी ने अर्थसुलभ कटौती के शेयर तथा उसमें भी जारी स्थायी आय के साथ अपने मिश्रित आस्ति में सुधार किया है. इससे कम्पनी को वर्ष के दौरान अपने बजट मार्जिन को बनाए रखने में मदद मिली है. कम्पनी का ध्यान, वितरण हेतु बैंकिंग एवं आईएफए चैनलों के विकास पर जारी है. इससे स्थायी आय तथा इक्विटी व्यवसाय खंडों को गति देने में मदद मिली है. कम्पनी की एसआईपी बही में भी लगातार संवर्धन हो रहा है तथा देश के 15 से अधिक टॉप शहरों से अंत: प्रवाह देखा गया है. इक्विटी फंड में आस्ति संग्रहण एवं स्थायी आय व्यवसाय खंड में तेजी, कम्पनी के लिए लगातार टॉप एजेंडा रहे हैं. अपनी सेवा में निरंतर सुधार हेतु कम्पनी की वर्धित तकनीकी समाधान सम्बन्धी खोज जारी है.

इंडियाफर्स्ट लाईफ इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, आन्ध्रा बैंक एवं लीगल तथा जनरल ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसने अपना व्यवसाय परिचालन 16 नवंबर 2009 को शुरु किया एवं पूरे देश में अपने उत्पादों के लिए अच्छा प्रतिसाद प्राप्त कर रही है. इंडियाफर्स्ट सबसे तेज प्रगति करनेवाली जीवन बीमा कम्पनी है जिसने अपने 5 वें वर्ष के परिचालन में अच्छी प्रगति की है एवं मार्च 2017 में 4.5% के बाजार शेयर एवं ₹ 9061 करोड़ के एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) के साथ निजी प्रतिस्पर्धियों में 8वां स्थान प्राप्त किया है.

इंडिया इंफ्राडेब्ट लिमिटेड (इंफ्राडेब्ट), यह नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी संरचना सेटअप के अंतर्गत प्रथम इंफ्रास्ट्रक्चर डेब्ट फंड (आईडीएफ) है और इसका प्रवर्तन आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, बैंक ऑफ बडौदा, सिटीकॉर्प फाईनेंस (इंडिया) लिमिटेड तथा भारतीय जीवन बीमा निगम के द्वारा किया गया था, जिसमें बैंक की 30% हितधारिता है. कंपनी की प्रमुख गतिविधि इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना की ऋण देयताओं का आंशिक पुनर्वित्त उपलब्ध कराना है, जिसने अपने वाणिज्यिक परिचालन के एक वर्ष पूरे कर लिए हैं. कंपनी ने 31 मार्च, 2017 तक पीपीपी फॉर्मेट के अंतर्गत एनएचएआई द्वारा प्रदत्त 22 सडक परियोजनाओं, 18 नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं तथा दो अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं (हॉस्पिटल) को ₹ 4,712 करोड़ का सकल संवितरण किया है. इंडिया इंफ्राडेब्ट लिमिटेड ने 31 मार्च, 2017 तक अपरिवर्तनीय डिबेंचर्स के माध्यम से कुल ₹ 4205 करोड़ की निधि वर्धित की है.

बडौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेस लिमिटेड, हमारे बैंक की नयी स्थापित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है. इस अनुषंगी की स्थापना बैक ऑफिस की कुछ प्रक्रियाओं का अंतरण कर केंद्रीकृत माध्यम से इन्हें हैंडल करने के उद्देश्य से की गई है. यह कम्पनी अभी परिचालित होनी है.

घरेलू अनुषंगियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नानुसार है:

(₹ लाख में)

इकाई (पंजीकरण की तारीख के साथ)	स्वाधिकृत निधियां	कुल आस्तियां	शुद्ध लाभ	कार्यालय	स्टाफ
बॉब कैपिटल मार्केट लि. (11.03.1996)	16,317	16,554	560	1	57
बॉबकार्ड्स लि. (29.09. 1994)	23,647	35,651	2,644	38	135
बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि. (05.11.1992)	4,864	6,150	107	3	75
बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी लि. (23.12.2011)	8	11	1	1	0
इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. (05 .11.2009)	55,061	1,11,248	3,517	24	1,294
नैनीताल बैंक लि. (31.07.1922)	56,969	7,699	4,846	353	922
इंडिया इन्फ्राडेट लि. (31.10.2012)	42,006	4,93,942	4,810	1	17
बॉब शेयर्ड सर्विसेस लिमिटेड (15.03.2017) अभी परिचालित होनी है	12	-	-	1	-

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट, शेयर अंतरण सिस्टम तथा निवेशकों की शिकायतों का निवारण

बैंक ने निवेशक सेवाएं विभाग की स्थापना की है, जिसके प्रमुख कार्पोरेट कार्यालय, मुम्बई के कम्पनी सचिव हैं, जिसमें समाधान हेतु शेयरधारक नीचे दिए गए पते पर अपने अनुरोध/शिकायत मेल कर सकते हैं. वे अपनी शिकायत एसपीजीएसआर के माध्यम से भी ऑन लाईन दर्ज कर सकते हैं.

लाभांश वितरण नीति

जैसा कि सेबी (सूचीकरण बाध्यता एवं प्रकटीकरण अनिवार्यता), 2015 के विनियम 43ए के अंतर्गत आवश्यक है, हमारे बैंक के पास लाभांश वितरण नीति है, जो उन मानदंडों एवं परिस्थितियों को तय करती है, जिसका निदेशक मंडल द्वारा शेयरधारकों को लाभांश के वितरण का निर्धारण करते समय ध्यान रखा जाता है. यह नीति इस वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है तथा बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.com/download/Dividend.pdf पर भी उपलब्ध है.

निदेशक मंडल (वर्ष के दौरान निदेशकों की नियुक्ति/विराम)

नियुक्तियां

श्री बिजू वर्क्की को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970/1980 की धारा 9 (3) (एच) एवं धारा 9 के (3-ए) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 25.04.2016 से तीन वर्षों के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अंशकालिक गैर-कार्यकारी निदेशक के रुप में नामांकन किया गया.

श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970/1980 की धारा 9 (3) (जी) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 26.07.2016 से तीन वर्षों के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, सनदी लेखाकार श्रेणी के अंतर्गत अंशकालिक गैर-कार्यकारी निदेशक के रुप में नामांकन किया गया.

श्री अशोक कुमार गर्ग को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970/1980 की धारा 9 (3) (ए) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 09 अगस्त, 2016 से 30.06.2018 तक की अवधि अर्थात् उनकी अधिवर्षिता की तारीख तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है.

श्रीमती पापिया सेनगुप्ता को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970/1980 की धारा 9 (3) (ए) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 01 जनवरी, 2017 से 30.09.2019 तक की अवधि अर्थात् उनकी अधिवर्षिता की तारीख तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है.

श्री अजय कुमार को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970/1980 की धारा 9 (3) (सी) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 13 जनवरी, 2017 से आगामी आदेशों तक निदेशक के रुप में नामांकन किया गया है.

कार्यकाल समाप्ति

श्री भुवनचन्द्र बी जोशी, कार्यपालक निदेशक, बैंक की सेवा में अधिवर्षिता की आयु पूरी करने के फलस्वरुप 01 जनवरी, 2017 से कार्यपालक निदेशक नहीं रहे.

श्रीमती सुरेखा मरांडी, निदेशक की जगह श्री अजय कुमार की नियुक्ति हो जाने के फलस्वरुप 13 जनवरी, 2017 से कार्यपालक निदेशक नहीं रहीं.

निदेशक मंडल का मूल्यांकन

बैंक ने निदेशक मंडल की समग्र प्रभावशीलता की स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन एवं समीक्षा करने में सहयोग के लिए एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ परामर्शी की सेवाएं ली है. इस उद्देश्य से निदेशक मंडल की समीक्षा हेतु इसकी फार्म्स वैश्विक पद्धति को अपनाया गया. इसके अंतर्गत निदेशक मंडल के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रभावी मूल्यांकन शामिल रहा (ए) बोर्ड की कार्यनीति एवं संरेखन, (बी) अध्यक्ष द्वारा बोर्ड का प्रबंधन, (सी) निदेशक मंडल की समिति की कार्य प्रणाली, (डी) बोर्ड एवं प्रबंधन टीम के बीच सम्बंध, (ई) बोर्ड प्रक्रिया की गुणवत्ता, (एफ) बोर्ड का विन्यास तथा (जी) मुख्य क्षेत्रों जैसे जोखिम प्रबंधन, प्रतिभा आदि के संबंध में बोर्ड के विचार-विमर्श / निर्णय की गुणवत्ता. इसके अतिरिक्त, व्यक्तिगत स्तर पर, बोर्ड के सदस्यों का क्षेत्रों जैसे (ए) सभी प्रकार से सहभागिता तथा संरेखन, (बी) उनके योगदान की गुणवत्ता, (सी) फीडबैक लेने एवं सुनने में स्पष्टता, (डी) कठिन निर्णयों आदि को चुनौती देने एवं स्वीकार/विरोध करने संबंधी सक्षमता का मूल्यांकन किया गया.

मूल्यांकन करने के लिए कुल मिलकार तीन पद्धतियों को अपनाया गया. इसमें निदेशक मंडल के सभी सदस्यों के साथ एक-एक कर गहन साक्षात्कार शामिल थे. इसके अतिरिक्त बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रमुख व्यक्तियों जैसे सीएफओ और कंपनी सचिव के भी साक्षात्कार लिए गए. द्वितीय, प्रत्यक्ष रूप से निदेशक मंडल की गतिविधियों का अवलोकन एवं अध्ययन करने के लिए समीक्षा करने वाली टीम ने निदेशक मंडल की बैठकों तथा समिति की बैठकों में भाग लिया. बैंक ऑफ बड़ौदा के निदेशक मंडल तथा समिति की पिछली बैठकों के कार्यवृत्तों तथा नीतियों को प्रस्तुत करने और निर्णयों का समर्थन करने के लिए उपयोग की गई निदेशक मंडल की सामग्री का भी विश्लेषण किया गया.

समीक्षा परिणामों को एक दिवसीय सत्र के दौरान अध्यक्ष तथा निदेशक मंडल सदस्यों के साथ साझा किया गया. इस सत्र के दौरान उन महत्वपूर्ण पहलों के निर्धारण एवं क्रियान्वयन के लिए सितम्बर 2016 में एक कार्यशाला आयोजित की गई जिन्हें निदेशक मंडल की समीक्षा में से अपनाने के लिए प्रबंधन ने मंजूरी दी थी. कार्रवाई की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए अप्रैल 2017 में एक फॉलो-ऑन सत्र आयोजित किया गया. सभी ने इस बात को स्वीकार किया कि यह कम समय में की गई महत्त्वपूर्ण प्रगति है.

कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर लेखा परीक्षकों का अनुपालन प्रमाणपत्र

सेबी (सूचीकरण बाध्यता एवं प्रकटीकरण अनिवार्यता) विनियमन, 2015 की अनुसूची V के भाग 'ई' के अनुसरण में इस रिपोर्ट के साथ वर्ष 2015-16 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन के संबंध में लेखा परीक्षकों का अनुपालन प्रमाण पत्र संलग्न है.

व्यवसाय दायित्व संबंधी रिपोर्ट

सेबी द्वारा आवश्यक, व्यवसायिक दायित्व रिपोर्ट बैंक की वेबसाइट (www.bankofbaroda.co.in) पर उपलब्ध है. यदि कोई सदस्य उसकी भौतिक प्रति चाहते हैं तो वे बैंक के कंपनी सचिव को लिख सकते हैं .

निदेशकों का दायित्व संबंधी अभिकथन

निदेशक गण, इस आशय की पुष्टि करते हैं कि 31 मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु वार्षिक लेखों को तैयार करते समय :

ए) सामग्री विसंगतियाँ, यदि कोई हो, से संबंधित समुचित स्पष्टीकरण सहित लागू लेखा मानकों का पूर्णत: पालन किया गया है;

बी) भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशानुसार तैयार की गई लेखा नीतियों का पालन किया गया तथा निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया और उन्हें विवेकपूर्ण, तर्कसंगत एवं न्यायोचित बनाया गया ताकि वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बैंक की सत्य एवं वास्तविक स्थिति तथा उस अवधि हेतु बैंक के लाभ और हानि की वास्तविक एवं सुस्पष्ट स्थिति प्रस्तुत हो सके;

सी) निदेशकों ने, बैंक की आस्तियों की सुरक्षा एवं विभिन्न प्रकार की जालसाजी तथा अन्य अनियमितताओं से बचने एवं उनका पता लगाने हेतु बैंक के लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुरुप लेखा-अभिलेखों के रखरखाव में समुचित एवं प्रर्याप्त सावधानी बरती है;

डी) निदेशकों ने, लेखों को उत्तरोत्तर प्रगति के आधार पर तैयार किया है; और

ई) निदेशकों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि बैंक द्वारा अपनायी जा रही आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अनुसरण इस संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशा-

निर्देशों के अनुसार किया गया एवं इस प्रकार का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त एवं प्रभावी ढंग से परिचालित हो रहा है.

स्पष्टीकरण. इस खंड के उद्देश्यों के अनुरुप, टर्म "आंतरिक वित्तीय नियंत्रण" का अर्थ बैंक द्वारा अपने व्यवसाय का व्यवस्थित एवं कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपनायी गई नीतियों और प्रक्रियाओं से है, इसमें बैंक की नीतियों का अनुपालन, इसकी आस्तियों को सुरक्षित रखना, धोखाधडी और त्रुटियों का पता लगाना तथा उन्हें रोकना, लेखा रिकार्डों की शुद्धता और संपूर्णता तथा समय पर विश्वसनीय वित्तीय सूचना तैयार करना शामिल है;

एफ) निदेशकों द्वारा, वैधानिक रुप से लागू सभी पर्याप्त एवं प्रभावी प्रावधानों के साथ अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली अपनाने का सुझाव दिए गए थे तथा इस प्रकार के सिस्टम पर्याप्त थे एवं प्रभावी ढंग से परिचालित हो रहे हैं.

आभार

निदेशकगण, निर्गामी निदेशकों अर्थात श्री भुवनचन्द्र बी जोशी एवं श्रीमती सुरेखा मरांडी द्वारा किए गए योगदान हेतु उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं.

निदेशकगण, भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड, अन्य विनियामक प्राधिकारियों, तथा विदेशी विनियामकों द्वारा निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं.

बैंक इस अवसर पर अपने मूल्यवान क्लाइंट्स एवं ग्राहकों को उनके निरंतर संरक्षण एवं समर्थन हेतु हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता है.

निदेशकगण, बैंक के देश-विदेश स्थित समस्त हितधारकों, शेयरधारकों, बैंक तथा वित्तीय संस्थानों, रेटिंग एजेंसियां, स्टॉक एक्सचेंज एवं शुभचिंतकों के द्वारा प्रदत्त सहायता एवं सहयोग की सराहना करते हैं.

निदेशकगण, हमारे बैंक के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत एवं समर्पण की सराहना करते हैं जिसके कारण बैंक को आर्थिक चुनौतियों के बावजूद वर्ष दर वर्ष उच्च गुणवत्तापूर्ण व्यवसाय अर्जित करने में सफलता हासिल हुई और बैंक ने देश के अग्रणी बैंक के रुप में अपनी स्थिति को मजबूत किया.

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से,

पी. एस. जयकुमार

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

निदेशक की रिपोर्ट की प्रमुख विशेषताएँ
Highlights of Directors' Report

Your Directors have pleasure in presenting the One Hundred and Ninth Annual Report of your Bank with the audited Balance Sheet, Profit & Loss Account and the Report on Business and operations for the year ended March 31, 2017 (FY 2017)

Financial Performance

A snapshot of our Bank's financial performance is as below:

₹ in crore

Particulars	31.03.16	31.03.17	Growth (%)
Deposits	**5,74,037.87**	**6,01,675.17**	**4.81**
of which- Domestic Deposits	3,94,843.97	4,40,092.15	11.46
International Deposits	1,79,193.90	1,61,583.02	(9.83)
Domestic Deposits	**3,94,843.97**	**4,40,092.15**	
of which - Current Account Deposits	19,285.57	26,761.77	38.76
Savings Bank Deposits	1,13,253.07	1,46,831.82	29.65
CASA Deposits	1,32,538.64	1,73,593.59	30.98
Domestic CASA to Domestic Deposits (%)	**33.57**	**39.44**	
Advances	**3,83,770.18**	**3,83,259.22**	**(0.13)**
of which- Domestic Advances	2,63,268.38	2,77,523.73	5.42
International Advances	1,20,501.80	1,05,735.49	(12.25)
Total Assets	**6,71,376.48**	**6,94,875.42**	**3.50**
Net Interest Income (NII)	**12,739.85**	**13,513.41**	**6.07**
Other Income	**4,998.86**	**6,758.06**	**35.19**
of which-Fee Income	3,599.28	3,813.22	5.95
Trading Gains	1,178.86	2,618.01	122.05
Recovery from PWO	220.72	326.83	47.96
NII + Other Income	**17,738.71**	**20,271.47**	**14.27**
Operating Expenses	**8,923.14**	**9,296.40**	**4.18**
Operating Profit	**8,815.58**	**10,975.07**	**24.49**
Provisions	**15,513.64**	**8,502.37**	**(45.19)**
of which: Provisions for NPAs & Bad debts written off	13,765.89	7,679.79	(44.21)
Profit Before Tax	**(6,698.06)**	**2,472.70**	**-**
Provision for Tax	**(1,302.53)**	**1,089.56**	**-**
Net Profit	**(5,395.54)**	**1,383.14**	**-**
Appropriations/ Transfers			
Statutory Reserve	0	345.78	
Capital Reserve	0	353.65	
Revenue and Other Reserves			
I) General Reserve	(5,395.54)	0	
II) Special Reserve u/s 36 (I) (viii) of the Income Tax Act 1961	0	350.92	
III) Investment Reserve Account	0	0	
IV) Transfer from Excess Appropriation of previous year	7.79	0	
Proposed Dividend	0	332.78	
Key Performance Indicators			
Average Cost of Funds	5.08	4.82	
Average Yield (%)	7.09	6.85	
Average Interest Earning Assets	6,21,234.89	6,15,834.65	
Average Interest Bearing Liabilities	6,16,002.63	5,95,249.99	
Net Interest Margin (%)	2.05	2.19	
Cost-Income Ratio (%)	50.30	45.86	
Return on Average Assets (ROAA) (%)	(0.78)	0.20	
Return on Equity (%)	(17.64)	4.53	
Book Value per Share (₹)	132.74*	132.46*	
EPS (₹)	(23.89)*	6.00	

**Post split of face value of the share to Rs 2/-*

The financial year 2016-17 had been a mix of opportunities and challenges. With asset quality challenges in the banking industry continuing, credit growth has been at multi decade low of 5.08% during FY 2017 on account of weak corporate demand. Despite the challenges, Bank performed well during the year leveraging its retail franchise.

The net interest income (NII) of the Bank increased by 6.07% to ₹13,513.41 crore as of March 31,2017 while other income increased by 35.19% to ₹ 6,758.06 crore backed by 122.05% rise in treasury income to ₹ 2,618.01 crore as well as 5.95% growth in core fee income to ₹ 3,813.22 crore. Operating expenses increased by 4.18% to ₹9,296.40 crore.

Our Bank posted an operating profit of ₹ 10,975.07 crore during FY 2017 registering a growth of 24.49%. The provision cost (other than taxes) declined significantly by 45.19% to ₹ 8,502.37 crore compared to ₹ 15,513.64 crore last year and Bank posted a profit before tax of ₹ 2,472.70 crore. After making provision for tax of ₹ 1,089.56 crore, net profit for the year ended March 31, 2017 was ₹ 1,383.14 crore.

For the year ended March 31, 2017, the return on average assets was 0.20% while return on equity was 4.53%. The earnings per share (FV ₹ 2/-) were ₹6.00.

Capital Adequacy Ratio (CAR)

Ratios in %

	31.03.16	31.03.17
Capital Adequacy Ratio – Basel III	13.17	12.24
CET-I	10.29	8.98
Tier - I	10.79	9.93
Tier - II	2.38	2.31

Capital Adequacy Ratio of the Bank under Basel III was well above the regulatory requirements at 12.24% as of March 31, 2017. Tier 1 ratio was at 9.93% and common equity Tier 1 (CET-1) was at 8.98% under Basel III framework. Bank raised ₹ 2,000 crore of debt capital by way of AT-1 bonds in two tranches of ₹ 1,000 crore each in December 2016 and March 2017.

Bank's Net Worth as of March 31, 2017 was ₹ 30,520 crore comprising paid-up equity capital of ₹ 462 crore and reserves (excluding revaluation reserves, FCTR & Net of Intangible assets) of ₹ 30,058 crore. The book value of share (FV ₹ 2/-) was ₹ 132.46.

Dividend

Board of Directors of the Bank has recommended a dividend of ₹ 1.20 per share for the financial year ended March 31, 2017. The total outgo in the form of dividend, including taxes, will be ₹ 332.79 crore. The payment of dividend is subject to requisite approvals.

Management Discussion and Analysis

Business Environment

Global economic growth at 3.1% was slightly lower in 2016 compared to 3.2% in 2015. In consonance with the sluggish economic activity and production, global trade growth in 2016 at 2.3% was lower than the 2.6% observed in 2015. The significant international developments which had ramifications for the Indian economy in FY 2017 were Brexit, new administration in US favouring inward looking trade policies, a historic deal by OPEC and non-OPEC members to cut crude oil production so as to stabilize oil price, slowing of China and increased geo-political concerns. However, indications of improvement in global trade and global growth in FY 2018 augur well for the growth prospects for Indian economy.

The defining feature of Indian economy in FY 2017 was resilient growth despite challenging global economic environment and transient disruptions in the domestic economy. India's economic growth was supported by normal monsoon after two consecutive years, relatively low levels of inflation, low current account deficit, robust forex reserves and most significantly, the reform orientation of the government. The smooth redemption of FCNR(B) deposit pointed to the deft liquidity management by the Reserve Bank of India.

FY 2017 witnessed withdrawal of ₹ 500 and ₹ 1000 currency notes (Specified Bank Notes - SBNs) as legal tender, which accounted for 86% of the total value of currency in circulation and its replenishment with new notes of ₹ 500 and ₹2000 denomination. The demonetization initiative is expected to have a base broadening impact for GDP notwithstanding the transient dip in economic activity in certain sectors.

The biggest reform in the area of indirect tax, the GST Bill, was passed in the Parliament and steps have been taken to ensure its implementation on July 1, 2017. Adoption of GST is expected to be a growth booster by reducing transaction cost, removing the cascading impact of taxes and taking India closer to a 'One India-One market'. In addition, major initiatives were taken to relax FDI investment limits in a host of sectors including aviation, defence and railways, stepping up government expenditure to promote infrastructure and the rural economy, which have helped to sustain the growth momentum.

In another major reform, in May 2016, the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 was enacted providing an institutional framework for recovery and resolution in a time bound manner; for maximization of value of assets and for protection of investors and creditors.

As per second advance estimates of central statistical organization (CSO) released on February 28, 2017, the Indian economy is estimated to have grown by 7.1% for FY 2017. Food grains production is estimated at 270.10 million tonnes in 2016-17 registering growth of 6.7% over the previous year. The index of industrial production (IIP) showed a mixed trend reflecting weak investment and consumption demand. The lead indicator, composite PMI which had dropped below 50 during the period from October-December 2016 again crossed the 50 mark suggesting expansion of economic activity in February 2017. The composite PMI touched a high of 52.3 in March 2017 suggesting improvement in private sector activity. The services sector activity which was affected by the cash crunch during demonetization period, showed signs of improvement corroborated by high frequency indicators relating to railway traffic, telephone subscribers, foreign tourist arrivals, passenger car sales.

The pace of reforms was sustained throughout FY 2017 which is expected to have a significant bearing on the sustainable growth prospects of Indian economy. Apart from the passage of GST and Insolvency and Bankruptcy Code, there were many other significant reform initiatives that were undertaken which introduction of the Monetary Policy Committee with explicit inflation targeting by the Reserve Bank of India, the merger of Railway Budget with Union Budget for holistic treatment of government's revenue and expenses, removing the distinction between plan and non plan expenditure in the Union Budget. Apart from these structural reforms, new initiatives such as Stand-up India, Pradhan Mantri Ujjwala Yojana where free LPG connections are provided to women from BPL families were launched to make the growth process more inclusive.

As India charts the path of higher growth, there are downside risks from the volatility in global financial markets owing from Monetary Policy normalization by US Federal Reserve, the protectionism tilt in US, and geo-political risks. Taking into account the various forces that are shaping Indian economy, both the government as well as international agencies such as IMF, World Bank and ADB expect the country to grow by around 7.5% in FY 2018. Achieving still higher sustainable growth rate would require addressing the major macroeconomic challenges facing the Indian economy at the current juncture. These challenges including declining trend in private sector investments, weak balance sheets of corporates and high level of stressed assets in the banking sector will have a bearing on the sustainable growth prospects of Indian economy.

Developments in Indian Banking

Monetary policy making underwent a major transformation with the constitution of the Monetary Policy Committee (MPC) in September 2016. With the institution of MPC, a committee rather than the RBI governor determines the policy interest rate required to achieve the inflation target of 4% with a range of +/- 2% for the period August 2016 to March 2021. The first policy under the MPC dispensation was announced on October 4, 2016. RBI reduced the policy repo rate by 25 bps in October 2016 but there after maintained a status quo on rates as core inflation remained stubborn at around 4.5% and the liquidity remained comfortable due to the demonetization. However, RBI changed its policy stance from accommodative to neutral in the Sixth Bi monthly monetary policy announced on February 8, 2017. In the sixth bimonthly policy review, RBI reduced the LAF corridor by increasing the reverse repo rate in its April 2017 policy. Despite the RBI maintaining a status quo on rates for the most part of the year, the banks reduced their MCLR and deposit rates on the back of surplus liquidity in the system. The banking sector successfully managed the challenges thrown by the unprecedented withdrawal of the SBNs.

The performance of the banks in general continued to remain subdued as it grappled with the operational challenge of exchanging old currency notes with new ones during demonetization period November 8, 2016 - December 31, 2016 as well as the asset quality concerns observed for quite some time. Besides, the credit growth from the banking sector in FY 2017 declined to multi year low of 5.1% on y-o-y basis.

On the asset quality issues of banks, a game changer initiative in the form of passage of the Bankruptcy Code which has the avowed objective of striking a resolution with 180 days of default is expected to bring about a fundamental change in the approach to resolution. Though it may take some time to get the requisite institutional infrastructure to make effective use of the Bankruptcy Code, the beginning has been made in right earnest as a number of cases have already been referred under the Bankruptcy Code. Apart from the developments on the Bankruptcy law, the existing schemes of 5:25, SDR, S4A were modified to make them more effective. RBI issued guidelines on banks' exposure to large corporates to reduce systemic risks, relaxing restriction on AT-1 bonds to make them attractive by allowing utilization of reserves to pay coupon on these bonds. The possibility of instituting a bad bank was also debated to address the stressed assets of the banking system. A bad bank is expected to resolve stressed assets of the banking sector but would face logistical and capital challenges.

Demonetization offered an opportunity for widespread adoption of alternate payment channels which was incentivized by the government and RBI by reducing the charges on payments and levies applicable on transactions. The charges on USSD services were also reduced. Further, the BHIM (Bharat Interface for Money) app was launched on December 31, 2016 which is interoperable with other UPI apps and bank accounts. The unique feature of BHIM is that a bank account or virtual payment address is not required for payments or fund transfers. What is required is only the mobile number of the payee. The app is not bank specific and has been launched to promote cashless transaction across the urban as well as the rural population.

The banking landscape also underwent a change with SBI merging with its Associate Banks and Bharatiya Mahila Bank with effect from April 1, 2017. It is being considered that consolidation in the banking space would help address the stressed asset concerns as well as help to realise positive synergies that would improve the sector's performance.

New payments banks like Indian Post Payments Bank Ltd and Airtel Payments Bank began operations during the year. Further, six small finance banks also commenced their operations. With the introduction of the new players and government's incessant effort to promote digital payment habits, the competitive and technology landscape of banking in India is going through a phase of rapid transformation and forcing banks to reinvent their business models to remain competitive.

Business Performance

The highlights of business performance of our Bank is as below:

Resource Mobilization and Credit Expansion

₹ in crore

Particulars	31.03.16	31.03.17	Growth (%)
Deposits	**5,74,037.87**	**6,01,675.17**	**4.81**
of which- Domestic Deposits	3,94,843.97	4,40,092.15	11.46
International Deposits	1,79,193.90	1,61,583.02	(9.83)
Domestic Deposits	**3,94,843.97**	**4,40,092.15**	
of which - Current Account Deposits	19,285.57	26,761.77	38.76
Savings Bank Deposits	1,13,253.07	1,46,831.82	29.65

Particulars	31.03.16	31.03.17	Growth (%)
CASA Deposits	1,32,538.64	1,73,593.59	30.98
Domestic CASA to Domestic Deposits (%)	**33.57**	**39.44**	
Advances	**3,83,770.18**	**3,83,259.22**	**(0.13)**
of which- Domestic Advances	2,63,268.38	2,77,523.73	5.42
International Advances	1,20,501.80	1,05,735.49	(12.25)
Total Assets	**6,71,376.48**	**6,94,875.42**	**3.50**

Total Deposits of Bank rose from ₹5,74,037.87 crore to ₹6,01,675.17 crore, posting a growth of 4.81% over the previous year. Domestic CASA showed a robust growth of 30.98% to a level of ₹ 1,73,593.59 crore as of March 31, 2017 from ₹ 1,32,538.64 crore as of March 31, 2016. Of this, Savings Bank Deposits grew by 29.65 % from ₹ 1, 13,253.07 crore to ₹ 1,46,831.82 crore. The share of CASA deposits in domestic deposits as of March 31, 2017 increased to 39.44% from 33.57% last year. As a prudent liability management measure, Bank continues to shed bulk preferential rate term deposits in favour of retail term deposits. Domestic retail term deposits ratio improved to 77.55% as of March 31, 2017 from 73.96% last year. During the year, deposits of around ₹ 11,500 crore of special FCNR (B) deposit scheme of September - November 2013 were paid off.

Significant increase in CASA deposits during FY 2017 was partly driven by deposit of old currency cash during period of demonetization. Even before demonetization exercise, Bank had a healthy CASA growth of 16% driven by launch of a focused CASA campaign for account activation and deepening relationships across the Bank and strengthening of digitization programme by improving internet banking and mobile banking platform, increasing POS penetration, etc.

Total Advances of the Bank marginally declined during FY 2017 mainly on account of focus on re-balancing of its loan book and shedding off low yielding assets particularly in international operations to replace them longer term higher yielding local credit. The year also saw liquidation of around ₹ 10,000 crore of loan portfolio built against special FCNR (B) deposit scheme of September-November 2013. However, domestic credit grew by 5.42% during the year mainly on account of growth in corporate and retail assets where business transformation programme progressed and started yielding results.

Total assets grew by 3.50% from ₹ 6,71,376.48 crore as of March 31, 2016 to ₹ 6,94,875.42 crore as of March 31, 2017.

Demonetization

In terms of notification issued by Government of India, old currency notes ₹ 500 and ₹ 1000 denominations called Specified Bank Notes (SBNs) ceased to be legal tender with effect from November 09, 2016. These notes, which constituted 86% of notes in circulation, were allowed to be exchanged at bank counters subject to a ceiling or deposited in banks for credit to accounts upto December 30, 2016. The demonetization of SBNs led to unprecedented rush at counters of branches of our Bank and put a severe test on the operational capabilities. All the employees and entire machinery of Bank rose to the occasion in extending service to large footfalls in the branches as well as extending handholding support to them. The number of transactions carried was manifold to the normal volumes. Details of cash transactions undertaken at Bank's branches from 10.11.16 to 30.12.16 are as under:

Particulars	No. of Transactions (lakh)	Amount (₹ crore)
Cash Deposited at the Branches	204.48	65,088
Cash Withdrawn at Branches	292.77	25,295
Cash Withdrawn at ATMs	104.35	2,714
Cash Withdrawn from BCs	22.50	354
Old Currency Notes Exchanged at Branches	30.83	1,078

During the above period, over 23 million new customers were added to Bank's fold and over 4 lakh dormant accounts were activated.

While demonetization exercise helped increase CASA deposits of the Bank, it also brought into sharp focus, the need for moving to digital and self-service channels. It has created perfect market conditions for alternative digital payment systems, in addition to debit/credit cards. Bank accelerated and strengthened its presence in various digital product offerings and also added new products separately detailed under digital section.

Operating Performance:

The highlights of operating performance of Bank are as below:

(₹ in crore)

Particulars	31.03.16	31.03.17	Growth (%)
Interest Earned	44,061.27	42,199.92	(4.22)
Interest Expended	31,321.42	28,686.51	(8.41)
Net Interest Income (NII)	**12,739.85**	**13,513.41**	**6.07**
Other Income	**4,998.86**	**6,758.06**	**35.19**
of which-Fee Income	3,599.28	3,813.22	5.95
Trading Gains	1,178.86	2,618.01	122.05
Recovery from PWO	220.72	326.83	47.96
NII + Other Income	**17,738.71**	**20,271.47**	**14.27**
Operating Expenses	**8,923.14**	**9,296.40**	**4.18**
Employee Expenses	4,978.02	4,637.77	(6.83)
Other Operating expenses	3,945.12	4,658.63	18.08
Operating Profit	**8,815.58**	**10,975.07**	**24.49**
Provisions	**15,513.64**	**8,502.37**	**(45.19)**
of which:			
Provisions for NPAs & Bad debts written off	13,765.89	7,679.79	(44.21)
Provision for Standard Advances	(258.11)	776.58	-

Particulars	31.03.16	31.03.17	Growth (%)
Provision for Depreciation on Investment	341.47	19.29	(94.43)
Other Provisions	1,664.39	26.71	(98.44)
Profit Before Tax	**(6,698.06)**	**2,472.70**	**-**
Provision for Tax	**(1,302.53)**	**1,089.56**	**-**
Net Profit	**(5,395.54)**	**1,383.14**	**-**
Key Performance Indicators			
Average Cost of Deposits (%)	5.05	4.78	
Average Yield on Advances (%)	7.35	7.27	
Net Interest Margin (%)	2.05	2.19	
Cost-Income Ratio (%)	50.30	45.86	
Return on Average Assets (ROAA) (%)	(0.78)	0.20	
Return on Equity (%)	(17.64)	4.53	

Total Interest income of the Bank decreased by 4.22% from ₹ 44,061.27 crore in FY 2016 to ₹ 42,199.92 crore in FY 2017 mainly on account of almost flat growth in advances, reduction in MCLR, and reversal of interest in SDR and S4A accounts in view of RBI guidelines. The average yield on advances (based on daily average) slightly decreased from 7.35 % in FY 2016 to 7.27% in FY 2017

Total interest expenses also decreased from ₹ 31,321.42 crore in FY 2016 to ₹ 28,686.51crore in FY 2017. Interest expenses on deposits during the year declined by a higher percentage of 8.41%. The average cost of deposits (based on daily average) decreased from 5.05% in FY 2016 to 4.78% in FY 2017

Accordingly, net interest income (NII) of the Bank increased by 6.07% to ₹13,513.41 crore during FY 2017 from a level of ₹ 12,739.85 crore in FY 2016 on improved asset liability management.

Other income of the Bank increased by 35.19% to ₹ 6,758.06 crore backed by 122.05% rise in treasury income to ₹ 2,618.01 crore as well as 5.95% growth in core fee income to ₹ 3,813.22 crore. During the year, Bank has been able to capitalize on the benign interest rate environment and also registered 5.95% growth in core fee income in the background of moderate credit growth in domestic operations and de-growth in international operations. Recovery from written off accounts was ₹ 326.83 crore registering increase of 47.96%.

Operating expenses increased by 4.18% to ₹9,296.40 crore. While employee cost decreased by 6.83% during the year to Rs, 4,637.77 crore due to base effect, other operating expenses increased by 18.08% to ₹ 4.658.63 crore which included additional expenses incurred during demonetization exercise.

Bank posted an operating profit of ₹ 10,975.07 crore during FY 2017 registering a growth of 24.49%. The provision cost (other than taxes) declined significantly by 45.19% to ₹ 8,502.37 crore compared to ₹ 15,513.64 crore last year. Provisions for NPAs & Bad debts written off also decreased by 44.21% to ₹ 7,679.79 crore.

Bank posted a profit before tax of ₹ 2,472.70 crore. After making provision for tax of ₹ 1,089.56 crore, net profit for the year ended March 31, 2017 was ₹ 1,383.14 crore.

For the year ended March 31, 2017, return on average assets was 0.20% while return on equity was 4.53%.

Business Transformation Journey- Project Navoday

During the year, our Bank embarked upon a comprehensive Business Transformation Exercise christened "Project Navoday". Bank aims to drive accelerated and profitable growth by bridging the gap with competition and over time, leapfrog past them. Bank is pursuing a differentiated strategy to build a contemporary full-service universal bank and become India's premier Bank with global standing which:

- Provide a thrust to the 'under-served' customer segments (e.g. integrated rural banking comprising agriculture and financial inclusion, supporting government-sponsored programs)
- Offer solutions beyond credit & deposits for the 'well-served' segments, capturing the cash flows & transactions, especially for Corporates, MSME and Retail
- Build the international network to be a significant differentiator, offering single RMs, fungible limits across the network and multi-currency financing capability
- Digitize the core technology backbone and building new digital platforms

Our Bank has undertaken to execute this vision through initiatives across business units and functions, structured along 5 key dimensions:

- Transform and grow 'core' business units (Retail, Corporate, MSME, Agri & rural and the international), while managing the stressed assets
- Building the capabilities for the future (e.g. new products like Supply chain financing, Cash Management, Digital, Wealth Management and centralization of operations to improve efficiency)
- 'Nurture' the organization and 'unleash' the talent pool through dedicated leadership and talent initiatives
- 'Embed change' and 'sequence' change through focused efforts on execution and capability building
- Building new alliances and undertaking new acquisitions

Bank has identified over 120 strategic initiatives cutting across all segments of businesses, functions/processes. To drive these initiatives Project Management Office (PMO) has been set up supported by 100 Change Leaders for cascading the Change Management to the ground level team. The execution of the project started during the year and Bank is progressing steadily on course in this transformation journey. Details of the steps taken are mentioned at the respective item of this Directors Report.

Corporate Credit

Large Corporate and Mid Corporate departments were merged during FY 2017. -9- Corporate Financial Branches (CFS) and 14 Mid Corporate branches are functioning pan India and are managing 85% of Corporate Credit portfolio of your Bank. Corporate credit contributes 48% of the total domestic advances of the Bank. During the year, 117 new corporate customers were added.

As a part of business transformation, our Bank is in the process of revamping and re-defining the Corporate Banking model. The approach has been on building capabilities beyond credit and deposits to become a knowledge-based, relationship-led corporate Bank. For this, number of measures have been undertaken or are underway. Bank has established centralized corporate credit vertical with specialist teams to standardize credit assessment. This is supplemented with identification of target sectors and markets for the Bank. A tech-enabled Relationship Manager (RM) model was adopted at CFS and Mid-Corporate branches. These RMs are supported by dedicated capability building programs. Bank also revamped the pricing policy and processes to focus on profitability and institutionalized account planning to identify and capture greater wallet share and deep relationships. International business is being leveraged as competitive advantage to serve clients in multiple geographies with multi-currency facilities.

While the above measures aim towards revamp in approach towards corporate credit delivery and identification of target markets, systems are strengthened to ensure improvement in the quality of loan portfolio. The Bank has onboarded external agencies and also utilized the services of credit bureau for financial / market due diligence. As a result of these measures, the credit quality of the portfolio improved during the year as observed by the rating distribution of domestic credit portfolio as detailed below:

Credit Rating distribution*	FY 2016	FY 2017
A & above	29.26%	39.27%
BBB	14.14%	15.77%
Below BBB	19.42%	21.80%
Unrated	36.88%	23.16%

*External rating distribution of advances above ₹ 5.00 crore.

Along with steps, new products like supply chain financing, cash management and electronic platform for trade finance are being designed to meet the needs of corporate customers. One of these products viz. supply chain financing is under final stage of testing before final rollout.

MSME Credit

MSME is a vital sector to the nation's economy in providing employment to millions of people. Our Bank supports credit to this sector through 54 SME Loan factories and wide network of branches. MSME advances of Bank were ₹ 58,090 crore as of March 31, 2017. The MSME advances as of March 31, 2017 contributed 19.50% to the gross domestic advances of our Bank. The advances to Micro & Small enterprises were at the level of ₹ 50,413 crore. Our Bank is participating actively in the Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) scheme and has achieved 16% YOY growth in number of accounts under Micro Enterprises category as against the target of 10% stipulated by Prime Minister's Task force.

As a part of business transformation, Bank is in the process of revamping the structure of SME credit with clear focus on Sales and Processing teams, concomitantly tied up strategic partnership with Fin-tech and e-commerce players for end to end solutions and credit. Key elements of our Bank's strategy are MSME vertical to focus on priority sector loans (non-agriculture) and handle Government programs such as Stand Up India; design targeted product programs (specific to particular geographies and industries) for traditional small and medium enterprise customers; build products leveraging the Bank's data (e.g. CA balances, POS transaction data, repayment history of retail loans taken by MSME owners) to underwrite clients primarily targeting micro enterprises; tap into the growing digital lending opportunity by building a completely online MSME lending platform; develop products to specifically target current and emerging ecosystem-based opportunities in the space of supply chain finance and e-commerce seller finance; focus on acquisition of and deepening of high-value MSME relationships by creating a dedicated RM vertical for MSME; driving FX sales to MSME clients through dedicated sales teams etc.

Our Bank has entered into tie up with Fintech companies as these partnerships will help Bank to create better, faster, cheaper services to the MSME customers and open windows for value additions in terms of better due diligence, marketing opportunities and speedier service delivery.

Retail Credit

Retail Credit of our Bank is primarily dispensed through 71 Specialized Mortgage Stores (SMSs) and wide network of branches. During the year, the Bank opened -5-new SMSs at Panaji, Vapi, Jabalpur, Udaipur and Gandhinagar. Bank carried out review and redesign of Retail Loan Products such as increase in loan limits/Income Multiplier/FOIR/Risk based pricing of home loan/auto loan/mortgage loans linked to Credit Bureau score, Centralization of Retail credit process through setting up a Centralized Processing Center (CPC) at Baroda (since relocated at Gandhinagar) on Pilot basis for three Zones of the Bank. The Bank has put in place a policy for sourcing / joint sourcing of home loans through DSAs. In addition, Bank empanelled four Digital DSAs for purpose of canvassing quality home loan/ personal loan & educational loan proposals. The Bank also put in place a policy for sale & purchase of retail assets through direct assignment of cash flows & underlying Securities. Bank also added few more products like takeover of home loans with an option of top up facility, Overdraft against Property to non-individuals, pre-approved top up loan to existing home loan borrowers as well as liability customers etc. which has helped in increasing the retail loan portfolio of the Bank during the year.

During the year, Bank also launched new product 'Debit Card EMI for Debit Card Holders' in 25 identified cities under which customers can purchase products from various online e-commerce portal stores.

Major innovations thus undertaken and underway under retail credit were building customized credit scoring models, supported by simplified loan pricing policy designed with competitive rates; tailored products launched to cater to customer needs; dedicated sales team being deployed to build sales culture; pre-approved limits for home loans, personal loans and car loans driven by analytics; top-up and simplified balance transfer program for Home Loans; LAP extended to partnerships, private limited companies with minimum financial requirements; Debit Card EMI product being rolled out and partnerships being forged with DSAs to drive business

Our Bank's retail loan book consists of five key products viz. home loan, auto loan, education loan, traders loan against property and mortgage loan. These constituted 84.71% of total retail loans portfolio as of March 31, 2017. Home loans grew by ₹ 5,200 crore (20.83%) reaching a level of ₹ 30,168 crore and mortgage loans grew by ₹ 1,767 crore (92.35%) reaching a level of ₹ 3,681 crore as of March 31, 2017. Auto loan, traders loans and education loans were at a level of ₹ 4,394 crore, ₹ 8,835 crore and ₹ 2,054 crore respectively. The other retail loan products included personal loan and other miscellaneous loans.

Total Retail Loans stood at ₹ 57,994 crore as of March 31, 2017 and constituted 19.5% of the Bank's domestic advances.

Rural and Agricultural Lending

Our Bank has always been a front runner in the area of Priority Sector and Agriculture lending. It has been harnessing the potential of the rural market through its wide network of 1,812 rural branches and 1,523 semi-urban branches. During FY 2017, our Bank has opened 62 new branches in rural and semi urban areas.

Priority Sector Advances of our Bank increased from ₹ 1,13,121 crore as of March 2016 to ₹ 1,27,672 crore as of March 31, 2017 and formed 41.66% of the Adjusted Net Bank Credit (ANBC). The Direct Agriculture advances of Bank increased to ₹ 29,952 crore with an absolute growth of ₹ 1,858 crore (6.61%) during the year. The total agriculture advances of Bank has grown by ₹ 10,475 crore and reached ₹ 47,297 crore as at March 31, 2017. The Total Agricultural Advances were at 18.02% of ANBC.

As a part of business transformation, the focus areas under the Agriculture and Rural Strategy are to enable farmers to increase their productivity, increased remuneration/ realization and to work with full set of alliance partners. Four Pillars of our Bank's Integrated Rural Banking Strategy are (i) Enable increased utilization of bank accounts; Instant account opening enabled by Aadhar seeding, PIN generation through automated machines and spot debit card issuance and Expansive cash-in cash-out network comprising 20,000 BCs and 4 lakh POS terminals (ii) Move beyond simple credit (e.g., crop loans) to a more diversified rural lending strategy and focus on new product categories across rural customer segments, namely, farm mechanization, horticulture loans, crop loans, warehouse receipt financing and adopting a community based lending model for the small farmers and communities (iii) developing an ecosystem of alliances and partnerships to better serve the rural economy like financial services providers: Agri finance companies, insurance companies, private equity firms; seed and fertilizer companies, warehouses and cold-storages, Agri universities, drip irrigation companies etc. and (iv) set-up an integrated rural banking organization within the Bank, that caters to the agri and financial inclusion initiatives

Strategic partnerships entered with key agri players for building the rural ecosystem include RML AGTECH, a technology company for providing technical knowledge to the farmers right from crop selection to marketing, so as to improve the productivity and profitability of the farmers; leading micro irrigation companies viz. Netafim Irrigation India Pvt. Ltd and Jain Irrigation Systems Limited to provide credit to farmers to purchase micro irrigation equipments; tie-up with five collateral managers viz. Edelweiss Agri. Value Chain Ltd, Shree Shubham Logistics Limited, Sidhivinayak Agri Processing Pvt. Ltd, CNX Corporation Ltd and Arya Collateral Warehousing Services Pvt. Ltd to finance farmers to prevent distress selling; tie-up with dairy companies viz. Heritage Foods Limited & Kwality Limited to finance the farmers for purchase of milch animals, tie-up with PSG College of Arts & Science for conducting research activities and also providing training to the villagers for increasing productivity of the farmers.

Advances to SC/ST Communities during FY 2017: The outstanding advances to SC/ST communities went up from ₹ 5,298 crore as of March 31, 2016 to ₹ 5,312 crore as of March 31, 2017. SC/ST communities accounted for a share of 14.19% in the total advances granted to weaker sections by the Bank. Furthermore, a special thrust is laid by our Bank in financing SC/ST under various government sponsored schemes namely National Rural Livelihood Mission (NRLM) etc.

Stand-Up India: The Stand-Up India initiative of the Government is aimed at promoting entrepreneurship among SC/ST and Women segment. In FY 2017, the Bank sanctioned a total number of 1,063 loans under "Stand-Up India" scheme. Total amount sanctioned under the scheme as of March 31, 2017 was ₹ 223.59 crore.

Financial Inclusion (FI)

To provide universal banking services to all sections of the society including deprived ones at an affordable cost, our Bank has taken it as not just a social commitment, but also to tap the business opportunities through sustainable ICT based delivery channels.

Towards promoting financial inclusion along with digital programme of the Government, our Bank has taken a number of initiatives which include among others:

- Digitized account opening by instant opening of accounts enabled by Aadhar seeding, with PIN generation through automated machines and spot debit card issuance;
- A comprehensive mobile banking solution supporting the entire rural community to eliminate cash;
- Seeding of Aadhaar through alternative delivery channels like ATM, SMS, Internet, BC points;
- Deployment of micro and table-top ATMs in rural areas through BCs;
- Massive expansion of the BC model;
- Driving SHG/ JLG-based lending;
- Expanding the scope of services of BCs like mobilizing deposits, follow up & recovery in small loan accounts including NPA & PWO accounts and providing special incentives for same to enable them to remain financially viable;
- Enabling enrolment of micro insurance schemes viz. PMSBY & PMJJBY through internet banking and SMS etc.

The products/services offered at BC Points are basics savings bank deposit account opening with in-built Overdraft facility, instant account opening / E-KYC account opening, cash withdrawal, cash deposit and funds transfer, Aadhaar based cash withdrawal, deposits and fund transfer (AEPS), Card based cash withdrawals, IMPS (Immediate Payment Service), deposit in current account, cash credit account, overdraft account, loan account, term deposit account, micro insurance – PMJJBY and PMSBY, Aadhaar Seeding, Mobile Seeding, Atal Pension Yojana etc.

Urban Financial Inclusion: Besides people living in rural areas, large population of urban poor including migrants from villages to urban areas who have no access to formal banking services. In order to bring them under the purview of formal banking system, our Bank has deployed 9,177 urban BCs under Kiosk Model at various locations across the country.

Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY): PMJDY is a comprehensive financial inclusion plan wherein the ambit of financial inclusion is enlarged to make it more meaningful. Every household having a bank account gets access to banking and credit facilities which helps in enabling them to secure their savings in a formal banking system and also to come out from the habit of raising funds from informal sources. Every person who opens the account under PMJDY gets a RuPay debit card and is eligible for accidental insurance cover of ₹1,00,000/-. After six months of satisfactory conduct of account, the account holder becomes eligible for an overdraft facility up to ₹ 5000/-. The account holders who opened account between 15.08.2014 to 31.01.2015 got additional term life insurance of ₹ 30,000/- from LIC. Financial Literacy is another important aspect of PMJDY.

Bank has 196.40 lakh accounts under PMJDY as of March 31, 2017 with deposit balance of ₹4,747 crore as against 125.29 lakh accounts with balance of ₹2,500 crore as of March 31, 2016, showing an increase of 56.76% in number of accounts and 89.88% in deposit balances. Bank has issued 184.78 lakh RuPay cards to eligible PMJDY account holders as of March 31, 2017 as against 118.91 lakh card issued as of March 31, 2016. The position of Aadhaar seeding of such accounts as of March 31, 2017 was 72.87% as against 44.37% on March 31, 2016. As of March 31, 2017, Bank has enrolled 15.57 lakh customers under PMJJBY (life insurance) and 44.37 lakh under PMSBY (accidental insurance).

Performance of RRBs Sponsored by Bank of Baroda

Our Bank has sponsored three Regional Rural Banks (RRBs) viz. Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank, Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank, and Baroda Gujarat Gramin Bank. The aggregate business of these three RRBs rose to ₹ 49,854 crore as of March 31, 2017 from ₹ 42,347 crore as of March 31, 2016, registering a growth of 17.73%. The three RRBs together posted a Net Profit of ₹ 202.31 crore during FY 2017 against ₹ 168.54 crore the previous year. The Net Worth of these RRBs put together improved from ₹ 2,019.56 crore as of March 31, 2016 to ₹2,221.87 crore as of March 31, 2017.

International Operations

In the international arena, our Bank pursues strategy of driving growth and value by meeting the international banking requirements of Indian corporates; catering to India-linked cross-border trade flows for Indian and locally incorporated companies/firms and being preferred Bank for NRIs/ persons of Indian origin. To drive value, our Bank has plans to improve internal operations by initiatives such as setting up of a centralized back-office; realigning the structure into geographic clusters focused on business development while strengthening controls and compliance; boost local talent in geographies of operations and building digital capabilities for cost efficiency

As of March 31, 2017, our Bank's total business from international branches was ₹ 2,67,318 crore and constituted 27.14% of the global business. Total deposits were ₹ 1,61,583 crore while net advances were ₹ 1,05,735 crore. It was a year of consolidation for the international operations. The operating profit of international operations stood at ₹ 2,039 crore and net profit at ₹ 560 crore in FY 2017. Bank has calibrated the growth and reoriented its strategy of its international operations in line with the new global environment. It focused on rebalancing the portfolio with a view to shed the low yielding assets and increasing profitability. The year also saw liquidation of around ₹ 10,000 crore of asset portfolio built against special FCNR (B) deposit scheme in the period from September to November 2013.

As of March 31, 2017, of the total International loan-book, 48.14% comprised of Buyers' Credit/BP/BD portfolio where the exposure was on the banks. 22.53% of the exposure was India related corporate by way of ECB/ Syndicated Loans.

Exposure to non-Indian entities by way of syndicated loans was at 4.62% and remaining 25.71% exposure was by way of local credit.

During the year, Bank repatriated surplus capital funds to the tune of US$ 138 million from the overseas branches for optimum deployment of the capital.

Bank's overseas subsidiaries continued to perform well and have focused on sustaining healthy asset quality and improved profitability.

The Bank has initiated steps for consolidating and re-organizing its International operations. It continued to sharpen its focus on managing the risks in international operations in the emerging global environment. Bank is also considering rationalizing its overseas operations including exiting from some centres which are not strategic in the current environment.

UK Subsidiary

Our Bank is planning to carve out retail business in UK in the form of a 100 % owned subsidiary, which will give boost to the retail business of the Bank as well as comply with the local regulatory guidelines.

Treasury Operations

Our Bank operates its Treasury operations from state of art dealing room at its Corporate Office in Mumbai. Treasury handles domestic treasury operations and is a prominent player in various markets e.g. Foreign Exchange, Interest rates, Fixed Income, Money Market, Derivative, Equity, Currency and Interest Rate Futures and other alternate asset classes. Bank is offering various services like interest rate swaps, currency swaps, and currency options, forward contracts through advanced dealing systems and through Authorized branches dealing in foreign exchange across India.

Total size of the Bank's Domestic Investment Book as of March 31, 2017 stood at ₹ 1,22,169 crore. The share of SLR securities in total investments was 89.44%. The per cent of SLR Securities to NDTL at March 31, 2017 was at 23.57%.

Bank has been able to capitalize on the opportunity offered by higher yields in the first half of the year and has added bonds to the portfolio. Bank managed its portfolio efficiently and maintained average yield on SLR investment as of March 31, 2017 at 7.76 %. During FY 2017, Bank's realized profit on Sale of Investment and foreign exchange earnings are ₹ 2,618 crore and ₹ 976 crore respectively and earned ₹ 12,656 crore as Interest/ Discount.

Bank's Treasury mid-office monitors market exposures and limits fixed by the Bank on real time basis. The Risk management parameters, including Value-at Risk (VAR) are used to measure market risk on all portfolios. The VAR numbers are regularly back tested for evaluating the strength of the model. Stress testing is done on various investments and currency positions.

NPA Management

Management of non performing assets (NPAs) and other stressed assets continues to be one of the biggest challenges facing the Indian banking industry impacting the profitability of the banks. To tackle the mounting stressed assets, RBI has undertaken several initiatives. These include creating an empowered Joint Lenders' Forum (JLF) for identification of incipient stress, introducing restructuring mechanism under the Strategic Debt Restructuring (SDR) scheme, enabling flexible refinancing under 5:25 scheme, easing norms around sustainable structuring of stressed assets (S4A), and revising guidelines for their sale.

FY 2017 had been a challenging year for our Bank also in terms of stress in asset quality. The movement in stressed book of the Bank during the year was as under:

(₹ in crore)

	FY 2016	FY 2017
Gross NPA	40,521	42,719
Gross NPA Ratio	9.99%	10.46%
Net NPA	19,407	18,080
Net NPA Ratio	5.06%	4.72%
Additions to NPAs	27,828	13,312
Recovery / Upgradations	2,015	6,766
Write offs including TWOs	1,554	4,348
Recoveries in Written off Accounts	221	327
Provision Coverage Ratio (Including TWO)	60.09%	66.83%
Provision Coverage Ratio (Excluding TWO)	52.11%	57.68%

The breakup of advances portfolio of our Bank as per asset classification as of March 31, 2017 was as under-

(₹ in crore)

Asset Category(Gross)	March 31, 2016	March 31, 2017
Standard	3,64,996	3,65,792
Gross NPA	40,521	42,719
Total	4,05,517	4,08,511
Gross NPA comprising:		
Sub-Standard	11,569	8,804
Doubtful	25,766	29,186
Loss	3,186	4,729
Total Gross NPA	**40,521**	**42,719**

Our Bank has developed a comprehensive organizational structure for recovery and credit monitoring across different levels and taken a number of measures to strengthen systems and processes to manage stressed assets which include:

- Set up of legal war-room for real-time tracking of recovery proceedings and to aid accelerated decision making (~140 high value suit-filed accounts being monitored)

- Strengthening Bank's legal/ fraud investigation capabilities and ability to handle recovery cases enhanced through onboarding of external experts
- 39 accounts identified for action under Indian Bankruptcy Code (IBC), of which, 13 cases have been filed in NCLT and tracked through war-room
- 'Solution provider' cell setup to provide resolution strategies for stressed accounts, with currently 65 large NPA accounts with exposure above ₹ 100 crore under process of being resolved
- Collections call center setup (~200 agents) for retail loans with multi-lingual support and augmented with feet-on-street staff to drive on-ground collections
- 900-member strong Bank taskforce deployed for NPA and potential NPA recovery in small accounts
- Business Correspondents incentivized for crop loan collections

In addition Bank has in place the following measures on ongoing basis towards recovery of non performing assets:

- Assigning Nodal Officer at each of DRT for follow-up of legal cases on daily basis so as to minimize the delay in obtaining decrees and execution and maximize recoveries.
- For recoveries in all DRT Suit filed NPA accounts, the assets charged to the Bank are sold through e-auction to get fair market value.
- Recovery Agents for assisting in taking possession of assets & other pre/post sale activities
- Consultants to liaise with Official Liquidators (OL) to get the recoveries realized by OLs.
- Maximum participation in National Lok Adalats is ensured to expedite recovery in suit filed & non suit filed NPA accounts.
- Recovery Camps were regularly conducted by our Bank's branches to recover & reduce long pending cases and expedite recoveries in small accounts.
- Special incentive scheme named "Sankalp-X" Scheme was launched during the year to intensify recovery efforts of smaller value accounts with an outstanding up to ₹ 25 lakh. Cash recovery made during FY 2017 under the scheme was at ₹ 116.88 crore.
- Monitoring of large value of NPA accounts of ₹ 1 crore and above directly from the Corporate Office.

While our Bank has taken steps to strengthen systems and processes to manage stressed assets, it has been pro-active in providing against non performing assets. Provision Coverage Ratio (PCR) of the Bank including provision held for technically written off (TWO) accounts was 66.83% while PCR excluding provision for TWO accounts was 57.68%. With better provision coverage ratios, our Bank is better positioned to take decisive actions for resolution of stressed assets issue.

Credit Monitoring

Our Bank has the system of monitoring of advance accounts at various levels (Branch/Region/Zone and Corporate) to prevent slippages and to take timely corrective actions to improve asset quality. Credit Monitoring vertical at the Corporate Office enables early identification of weakness/ potential default/incipient sickness in the advance accounts for initiating suitable and timely corrective actions for preventing impairment in advance accounts / deterioration in credit quality. Accounts with incipient stress are identified under Special Mention Accounts (SMA) categories of SMA0, SMA1 and SMA2.

All SMA2 accounts are followed up for the formation of the Joint Lenders Forum (JLF) and options to resolve stress under Corrective Action Plan are explored by way of rectification, restructuring and recovery. The vertical also undertakes identification of suitable cases under restructuring/ Strategic Debt Restructuring (SDR)/ 5:25 refinancing/Scheme for Sustainable Structuring of Stressed Assets (S4A).

Bank is in the process of implementing Early Warning Signals System solution which would receive data from Bank's internal systems viz. core banking system, risk rating system as well as external sources like internet, social Media, credit bureaus, rating agencies and other external sources to provide early warning signals for monitoring of credit and taking timely remedial actions.

Information Technology (IT)

Our Bank has best of technology infrastructure and a state-of-the-art Data Centre conforming to Uptime Institute Tier-3 standard and a Disaster Recovery Site in different seismic zone with redundancy built in every single point of failure to ensure uninterrupted banking service delivery to customers. In addition to the Disaster Recovery Centre, Bank has also implemented the Near Disaster Recovery Centre to ensure Near Zero Data Loss as part of its Business Continuity Planning and Disaster Recovery strategy.

Bank has initiated implementation of following solutions to provide new products to the customers and digitizing the core operating processes:

- Supply chain finance solution to provide integrated commercial and financial solutions to the supply and distribution channels of corporates. Supply chain financing would support to the commercial relationship between the clients and their suppliers and customers.
- A new and comprehensive retail Internet Banking Solution across account services and delivery channels which will help in driving the Digital India initiative. The solution would provide the customers with access to the new state-of-the-art payment and communication infrastructure.

- Loan Management System to streamline loan origination and tracking process. The solution will enable end to end processing of loan proposals using image based workflow and Business Process Management (BPM) to digitize the processes and improve TAT.
- Fraud Risk Management System (FRMS) solution which will provide enterprise wide fraud detection and prevention covering the risks associated with indicative list of channels and applications under online and/ or offline mode. The solution covers prevention and detection of frauds at different process stages of the below mentioned applications and channels for all types of transactions.
- Early Warning Signals System (EWS) solution which would receive data from Bank's internal systems viz. core banking system, risk rating system as well as external sources like internet, social Media, Information from credit bureaus, rating agencies and other external sources to provide early warning signals for monitoring of credit and taking timey remedial actions.
- Bank is also creating analytics center of excellence to reap benefits of analytics capabilities across various line of businesses such as marketing, planning, retail business, risk, fraud, security and compliance.
- Bank has embarked upon the journey of cloud adoption. In this direction, Bank has implemented public and hybrid cloud services for many communication and collaboration technology solutions. Bank has also implemented archival solution for email communication to strengthen the compliance.
- Bank has continuous endeavor to bring more value to its customers by way of implementing technology innovations. In this direction, Bank is working with technology innovations such as Robotics Process Automation, Block Chain Technology and Artificial Intelligence to bring more efficiency and transparency in the business process.

In addition to the above, Bank implemented Unified Payments Interface (UPI) which offers architecture and a set of standard Application Programming Interface (API) specifications to facilitate online payments. It aims to simplify and provide a single interface across all NPCI systems besides creating interoperability and superior customer experience.

Cyber Security

Over the years, Bank has built a strong foundation of cyber security comprising a comprehensive set of information security measures to counter against cyber-attacks. To further strengthen security posture, Bank is in process of implementing advanced technology solutions in the area of Network Security, Server Security, Application Security and Security Analytics. Bank's Data Centre and DR operations are certified to ISO27001 standard which is a set of international best practices in the field of information security and provides assurance to all the stakeholders.

Bank has captive Security Operations Centre, which is equipped with advanced tools to monitor Cyber security events. Security operations centre operates on 24X7 basis and continuously monitors activities on Servers, Network devices, Security devices, Critical databases etc. for security violations. Periodic security assessments are conducting through in-house qualified professionals as well as outside auditors. Identified vulnerabilities are quickly closed.

Digital Transformation

Our Bank's Digital Banking team has been making significant progress as part of our efforts to take forward the Bank's Digital Transformation which is taking place against the backdrop of several growth stimuli being driven by the Government such as Start up India, Digital India and Make in India. Our favourable demographic dividend along with deepening of mobile penetration has created the enabling factors to usher in the Digital Revolution in our country, which has disrupted the banking and financial services landscape. As more and more of our customers look to transition to cashless modes of payment, your Bank seeks to handhold and guide the customers through this journey.

Our Bank has been at the forefront of innovation through the following:

Digital Portable Branch

Our Bank has evolved an innovative concept of pre-fabricated banking outlet equipped with Self Service machines to meet routine customer requirements and space for 2-3 officials/ BCs for a face to face interaction/ handholding. These outlets are highly secure, conducive to varying weather conditions and are conceptualized to offer 24x7 convenient banking facilities. Self Service machines are designed to offer Instant Account opening, Debit Card dispensation, Cash withdrawal, Passbook updation, Funds transfer, Utility Bill payment, Account based enquiry services etc.

Bank opened the First Digital Portable Branch in September 2016 at Bhagesara Village in Pratapgarh District, located in the Sultanpur Region in the state of Uttar Pradesh. This Digital Branch has the state-of-the art digital technology available for usage of the residents in the hinterland - an Automatic Account Opening Machine, a Pass Book Printer and an ATM. This innovative initiative of our Bank has been lauded by the local people and is being expanded further in this financial year. This was achieved on the back of well co-ordinated team work given the leadership of our Zonal, Region and Branch office in Eastern UP, supported by the Corporate Office departments including Digital Banking, Facilities Management and Technology.

Account Opening Kiosk

In order to provide hassle free and convenient banking services through alternate delivery channels to our customers by leveraging technology, our Bank has launched an innovative Self Service Kiosk called Account Opening Kiosk with a Debit Card Dispensing Kiosk. Our Account Opening Kiosk is a complete digital process which facilitates instant

account opening and issuance of Non personalized debit card to our customers. The Kiosk enables digitization of the account opening process as per our standard application format with a self-service option provided to our customers to open the account instantly and thereafter avail of the non-personalized debit card instantly with Green PIN facility.

Our Digital Banking team continues to focus on strengthening digital and alternate delivery channels to our customers through the revamp of our proposition through the following channels:

- ATMs, which will continue to support the cash needs of our customers
- E-Lobbies which are being christened as 'Me Lobby' having upgraded facilities, which includes Baroda Non-Stop Lobby comprising five self-service machines viz. Cash Recycler, ATM, Multi-Function Kiosk, Passbook Printer and Digital Signage System for providing 24x7 banking services. Our Bank has also introduced "Baroda Express – 24X7" lobby, which is a lean version of the Baroda Non-Stop Lobby for smaller centers by refurbishing the existing ATMs and providing additional services such as Cash Recycler and Passbook Printer
- Internet Banking platform Baroda Connect, which has been enriched with multiple features to provide ease of use and better control for our customers
- Mobile Banking - Our completely revamped Mobile Banking application M-connect Plus with a 360 Degree view of Customer Accounts, has been launched this year which provides a robust, secure, scalable and feature rich innovative experience to our customers.
- Mobile Wallet - In our pursuit to enhance customer convenience, our Bank has launched "Baroda M-CLIP", our Bank's Mobile Wallet in July 2016. This is a simple, secure and easy to use mobile application for Online Purchases. Features are Person to Person (P2P) fund transfer, Mobile/DTH/Data Recharge, Gift cards of various brands, bill payments and other such needs.
- Internet Payment Gateway - Our Bank is in the process of owning the entire Internet Payment Gateway infrastructure, to provide an electronic payment platform Baroda E Gateway to its merchants for e-commerce business by enabling payment collection using credit card/ debit card and net banking.
- Bharat Bill Payment System (BBPS) - This is an initiative of national importance which offers real time bill payment service to customers/ non customers across geographic and demographic lines. BBPS is a tiered platform wherein our Bank participates as Customer Bharat Bill Payment Operating Units (Customer BBPOU) through various channels. BBPS is a simple, secure and easy to use bill payment platform which offers interoperable and accessible bill payment services to customers with instant confirmation of receipt of payment.
- UPI for retail payment systems – Our Bank has also launched Baroda MPAY- UPI, which is a new initiative of National Payments Corporation of India (NPCI) that aims to simplify and provide a single interface across all existing retail payment systems in India.
- Global Contact Center - Our Bank has also operationalized state-of-the-art Contact Centers at GIFT City as well as at Bengaluru. Our Contact Centre provides most of the banking services through the telephone channel through a Toll Free Number from anywhere in the country and globe. A dedicated Toll free number has been provided for Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) and other Financial Inclusion customers.

Fintech Alliances

Our Bank has forged 15+ partnerships across the financial services spectrum: Lending, payments, wealth management, technology, e-commerce etc., with the intent to make our Bank the preferred partner for Fintech firms.

The Sayajirao Gaekwad Fellowship Program instituted by our Bank seeks to promote Entrepreneurs in diverse fields of Fintech, Agritech, E- Commerce etc. in support of Standup India and Startup India initiatives

Back Office Operations

To improve its service delivery and quality in the back office support processes while improving controls and compliance and as a strategic step towards building capabilities for the future, our Bank's operating architecture is being revamped through digitization of processes and centralization of back-office operations. Our Bank is currently building a state-of-the-art 'Shared Services Centre' at GIFT City with multiple floors. Incorporated as a subsidiary Baroda Global Shared Services Limited, it is led by industry experts and top-notch talent both in-house and external.

Towards this strategic initiative, a 24x7 centralized contact center catering to domestic & international operations has already been established in GIFT City. Centralized mortgage processing with scan-based workflow has also been implemented for 3 zones and operational. In addition, Bank has implemented scan-based account opening process across 1,300+ branches in 8 zones. A Trade Finance Back Office for Gujarat branches is also operational with enhanced compliance controls on trade and remittance transactions.

More geographies would be added gradually with the optimization of processes and building up of capabilities. Existing Regional Back Offices (RBOs) mapped to 5,375 branches of your Bank as of March 31, 2017 would also operate from a central place at Shared Service Centre.

Marketing

During the year, our Bank carried out a survey on Customer Satisfaction and Brand Health through a reputed independent agency to assess the customer satisfaction level at different touch points of the Bank. The survey covered all the

geographies and products like savings bank accounts, current accounts, wealth management products, home loans, auto loans, agri loans, trader's loan, mortgages, MSME and mid and large corporates. Our Bank's aspiration is to be the "Most admired Service Brand" in the banking Industry.

Steps undertaken during the year to strengthen our brand presence are:

- A well designed marketing initiative rolled out to increase the awareness about our digital products along with different other products and services.
- Effective utilization of different media vehicles such as Print, Electronic (TV / Radio), Digital and Out of Home (OOH) for Above-The-Line (ATL) activities as well as to support the Below-The-Line (BTL) activities.
- Brand endorsements by Ms. P V Sindhu and Mr. K Srikanth, well known badminton players. These two players symbolize performance and bring a rare combination of dedication and commitment to their profession. The personality of these players is in close sync with Bank's approach to business – Care, Concern and Competence in domestic as well as International markets.
- National Supporter of FIFA U-17: Our Bank is the first Brand in the country to come onboard as the National Supporter of FIFA U-17 World scheduled to be organized in the month of October 2017. Along with the FIFA World Cup a MXIM (Mission XI Million) activity has been rolled out to reach XI Million students through school program, workshops, football festivals etc. Bank's presence in these programs provides an opportunity to tap business and future mind space as it creates direct connect with students, parents, teachers, schools etc.
- Aided and Un-aided Recall of the Brand: In order to increase the Brand recall, Bank has put in place well designed outdoor medium plan at strategic locations across India which are as under:
    - o The naming rights of Sikandarpur & Andheri Metro Stations, brand visibility at Amritsar, Chandigarh and other international airports, are high end marketing properties created for the brand. Keeping this objective into consideration, our Bank is also having visibility at prominent Airports with large number of display units.
    - o Branding in Malls: Malls in the city today are strategically located and provide good opportunity for innovative branding and for the first time your Bank has visibility at 27 prominent malls in 11 Centres.
    - o Cinema Advertising has also been explored by our Bank for brand building wherein a captive set of audience is available for the Brand communication on the big screen.

During FY 2017, our bank was recognized as a leading brand when it was ranked 21st amongst best Indian Brands 2016 in Brand Equity by Economic Times dated 31st August to 6th September, 2016.

Branch Network of the Bank

As of March 31, 2017, the branch network of our Bank was as under:

	31.03.2016		31.03.2017	
	No. of Branches	% Share in Total*	No. of Branches	% Share in Total*
Domestic: Area Classification (India)				
Metro	1008	18.91	1166	21.51
Urban	933	17.50	921	17.04
Semi-urban	1425	26.74	1523	27.98
Rural	1964	36.85	1812	33.47
Total	5330	100.00	5422	100.00
Overseas(including branches of subsidiaries and one representative office)	**106**	**-**	**107**	**-**

* Data as of March 31, 2016 is as per 2001 census while data as of March 31, 2017 is as per 2011 census

Corporate Social Responsibility (CSR)

Our Bank has a legacy and tradition of contributing actively to the social and economic development of the community through various developmental activities. Bank believes that we owe a solemn duty to the less fortunate and underprivileged members of the society to make sustainable social change in their lives. Education, health, human welfare and other social activities are Bank's main focus areas in its continued efforts to make a difference to the society at large.

Some of the activities undertaken by the Bank under CSR on ongoing basis are:

- **Baroda Swarojgar Vikas Sansthan - BSVS (Baroda R-SETI):** Our Bank has established 49 BSVS in six states of the country. 45 of these BSVSs are in our lead districts and 4 are in non- lead districts. By imparting vocational skills training to youth from rural and semi urban areas, they help in generating self employment among them. Till date these BSVSs have conducted 10,380 training programmes and imparted training to 2,92,939 youth, out of which 1,97,826 have already secured either employment or setup their own venture. The settlement ratio is at 67.53%.
- **Financial Literacy & Credit Counseling Centres (FLCC):** Our Bank has set up 51 FLCCs in eight states of the country for providing financial counseling services and to educate the people in rural and urban area to various financial products and services available from the formal financial sector. These centers also take up activities that promote financial literacy, awareness about banking services, financial planning and amelioration of debt-related distress of an individual.

Internal Control Systems

The increased focus on risk and the supporting governance framework includes identifying the responsibilities of different parts of the Bank for addressing and managing risk. Often referred to as the "three lines of defence", each of the three lines has an important role to play. These are:

i. The business line – the first line of defence – has "ownership" of risk, whereby it acknowledges and manages the risk that it incurs in conducting its activities.

ii. The risk management function is responsible for further identifying, measuring, monitoring and reporting risk on an enterprise-wide basis as part of the second line of defence, independently from the first line of defence. The compliance function is also deemed part of the second line of defence.

iii. The internal audit function is charged with the third line of defence, conducting risk-based and other audits and reviews to provide assurance to the Board that the overall governance framework, including the risk governance framework, is effective and that policies and processes are in place and consistently applied.

Controls in Business - The First Line of Defence

For strengthening internal controls and improving compliance culture across the organization, our Bank has initiated the realignment of structure of the organization to sharpen the controls and compliance following principle of (i) segregation of business and control functions and (ii) centralization of certain operations and processes which could be taken out of branches to increase efficiency and strengthen controls while enhancing customer experience. At corporate level, our Bank is in the process of segregating credit relationship and credit approval functions. The corporate organization has been segregated into corporate banking and corporate credit and steps have been initiated for similar segregation in retail and MSME banking.

The centralization of processes and operations at Shared Service Center (SSC) at GIFT City, Gandhinagar, Gujarat enabling better controls over adherence to compliance requirements is in progress. Besides, Bank has set up a Transaction Monitoring Unit (TMU) for independent monitoring of exceptional transactions and monitoring and closure of alerts thrown out of AML system.

Bank is also considering building a process with emphasis on strengthening self-assessment by the business units.

Risk Management and Compliance - The Second Line of Defence

Risk Management

Risk is an integral part of the banking business and the Bank aims at achieving an appropriate trade-off between risk and returns. To ensure sustainable and consistent growth, our Bank has developed a sound risk management framework so that the risks assumed by the Bank are properly assessed and monitored. Bank undertakes business activities within the risk appetite limits and policies approved by the Board of Directors of the Bank. Specific committees of the Board have been constituted to facilitate focused oversight on various risks. The Board has also constituted a Risk Management Committee of Board which oversees the inter linkages between different type of risks. Policies approved from time to time by the Board of Directors or committees of the Board form the governing framework for each type of risk.

A brief outline of the mechanism for identifying, evaluating and managing various risks within our Bank is as follows.

Asset Liability Management

Our Bank's Asset Liability Management (ALM) is aimed at strategic planning, implementation, and control processes that affect the volume, mix, maturity, rate sensitivity, quality and liquidity of the Bank's assets and liabilities. Asset Liability Management Committee (ALCO), which comprises of functional heads and Executive Directors and is headed by the Managing Director & CEO, ensures that the risk profile of the Bank, in terms of Liquidity Risk and Interest Rate Risk, is within the risk tolerance limits.

Credit Risk

Lending is a continuous activity in the Bank with due focus on identification, measurement, monitoring and control of credit risk.

Credit Risk is managed in our Bank through a Board approved framework that sets out policies, procedures and reporting which are in line with international best practices. Adequate attention is given to the independence of the risk evaluators and policy framers for addressing sound credit process culture. Our Bank has a well structured credit approval process, which functions within the defined Board approved credit policy.

Our Bank has also implemented the Risk Adjusted Return on Capital (RAROC) Framework for corporate credit exposures. RAROC is defined as the ratio of risk adjusted return to capital employed. It facilitates us to evaluate whether the credit risk asset generates adequate profit to add economic value to shareholders' funds.

Market Risk

Market Risk implies the "risk" of loss of earnings or economic value due to adverse changes in market rates or prices. The change in economic value of different market products is largely a function of change in interest rates, exchange rates, economic growth, business confidence etc. Our Bank has clearly articulated policies to control and monitor its treasury functions which undertake Market Risk positions. These policies comprise management practices, procedures, prudential risk limits, review mechanisms and reporting systems.

Operational Risk

Operational Risk is integral part of all activities and business of the banks. Hence it is required to be managed with active engagement from all stakeholders.

Operational Risk Management Committee (ORMC) of our Bank has the responsibility of controlling the operational risk losses so that they do not cause material impact to the banks functioning. Bank has initiated measures to modify the processes and install new systems to improve the control environment. Roll out of Key Risk Indicators programme, Risk Control and Self Assessment Programme and Root cause analysis during the current year will further strengthen the control environment.

Pillar 2 Risk

The Bank has a comprehensive Internal Capital Adequacy Assessment Process Policy. The Pillar 2 risks, such as Liquidity Risk, Interest Rate Risk in Banking Book, Concentration Risk etc and overall Risk Management practices as well as adequacy of Capital under both normal and stressed conditions are assessed as per the Policy.

Basel III Implementation

The Basel III capital regulations have been implemented by Indian banks with effect from April 1, 2013. This implementation requires enhanced quality and quantity of capital on one side and more elaborate disclosure on the other. For augmenting and improving Core Capital of Bank, new measures for the inclusion of FCTR, DTA and Revaluation Reserves were introduced by RBI in March 2016. Also from March 2016 onwards Bank has started maintaining Capital Conservation Buffer (CCB) in a phased manner and will reach 2.5% as per the regulations. Bank is fully equipped to comply with all regulatory norms with reasonable cushion over the minimum regulatory capital requirements.

Our Bank has taken several initiatives such as driving an Enterprise wide Risk Management project for development of required system and processes for measuring and monitoring the trends of the risks of the Bank, engaging in the development of application scorecard of retail advances portfolios and Implementation of centralized decision management system for program lending, recalibrating Bank's Credit Rating Model (BOBRAM) to include parameters which would further increase the discrimination power of the model and entering into a credit guarantee arrangement for certain pool of home loan borrowers, reducing the risk of default of the portfolio.

Compliance

An independent compliance function is a key component of the Bank's second line of defence. This function is responsible for, among other things, ensuring that the Bank operates with integrity and in compliance with applicable, laws, regulations and internal policies. The Board of Directors of the Bank oversees the management of the Bank's compliance risk.

Our Bank has put in place a Board approved compliance policy outlining the compliance philosophy of the Bank. Compliance function in the Bank is an integral part of governance along with internal control and compliance risk management process. It ensures observance of regulatory / statutory provisions contained in various legislations viz. Banking Regulation Act, Reserve Bank of India Act, Foreign Exchange Management Act, Securities and Exchange Board of India Act and Prevention of Money Laundering Act and also the regulations of the various regulators where the Bank is having its offices / branches in overseas centers. It also ensures standards and codes prescribed by BCSBI (Banking Codes and Standard Board of India, IBA (Indian Banks Association), FEDAI (Foreign Exchange Dealers Association of India), FIMMDA (Fixed Income Money Market and Derivatives Association of India).

Bank is in the process of putting up a web based compliance management system to further strengthen the compliance function in the Bank.

The compliance function advises senior management and the Board on the Bank's compliance with these applicable laws, rules and standards as well as keeping them informed of developments in the area. It also helps educating employees about compliance issues by conducting periodic trainings and workshops for business staff as well as designated compliance officers. Knowledge management tools for this purpose have also been uploaded on the Bank's site.

Compliance function has an important role in supporting corporate values, policies and processes that help ensure that the Bank acts responsibly and fulfils all applicable obligations.

KYC/ AML Compliance

Our Bank has well defined KYC-AML-CFT Policy, which is the foundation on which the Bank's "Implementation of KYC norms, AML standards, CFT measures and obligation of the Bank under Prevention of Money Laundering Act (PMLA) 2002" is based. Bank electronically generates Cash Transaction Reports (CTRs) for submission to Financial Intelligence Unit-India (FIU-IND). AML Solution for generating system-based alerts on the basis of transactions in the accounts of the customers is in place. A central transaction monitoring unit (CTMU) also monitors of the transactions/ alerts generated in AML Solution and escalation of STRs, if found suspicious, to the Principal Officer. System-based risk categorization of Bank's customers' accounts is done on half yearly basis. Bank files Counterfeit Currency Reports (CCRs) and Non Profit Organizations Transaction Reports (NTRs) to FIU-IND, New Delhi every month. It generates cross border wire transfer reports every month through electronic mode for submission to FIU-IND, New Delhi. CBS system has been modified suitably so as not to accept cash deposits of ₹ 50,000/- and above in absence of PAN / Form No. 60/61.

For further strengthening KYC compliance, online verification of PAN from NSDL has been operationalised. Bank has implemented Aadhaar based e-KYC in collaboration with

UIDAI. Real-time checking of names from UNSCR list is available in all the branches as a step towards CFT. Online scanning of the customer's name with the names of the individuals/ entities appearing in the sanctions list or any other blacklist issued by Govt. Authorities, while opening of accounts has been put in place which generates the AML Alerts on predefined criteria. The Bank is in the process of allotting Unique Customer Identification Code (UCIC) to all its existing customers as per the RBI guidelines.

Bank has also carried out an independent review of its KYC, AML, & CFT policy and practices for the domestic branches and six overseas territories (UK, UAE, South Africa, Mauritius, Hong Kong and Bahamas) through independent reputed consultancy firms and taken steps to stream line the processes where required.

Internal Audit – The Third Line of Defence

The Third Line of Defence consists of an independent and effective internal audit function. Among other things, it provides independent review and objective assurance on the quality and effectiveness of the Bank's internal control system, the first and second lines of defence and the risk governance framework as well as strategic and business planning and decision-making processes. The internal auditors are not involved in developing, implementing or operating the risk management function or other first or second line of defence functions.

Our Bank carries internal audit function through a Central Internal Audit Division (CIAD). CIAD administers various streams of audits besides Risk Based Internal Audit (RBIA) of branches and offices. Audit Committee of the Board oversees overall internal audit function of the Bank. The committee guides in developing effective internal audit, concurrent audit, IS Audit and all other audit functions of the Bank. The committee monitors the functioning of the Audit Committee of Executives and internal audit department in the Bank.

CIAD operates through thirteen Zonal Internal Audit Divisions to carry out internal audit of branches/offices as per the periodicity decided by the Risk Based Internal Audit Policy. All branches of the Bank are covered under Risk Based Internal Audit. Out of 4,566 branches audited during 2016-17, 3,669 branches (80.35%) were in Low Risk, -851-branches (18.64%) were in Medium Risk and 46 branches (1.01%) were in High Risk category.

During the year, Bank engaged an independent firm as a knowledge partner for comprehensive review of the Audit function in line with the processes focusing on centralization of activities by use of technology, imaging solutions and digitization. The whole gamut of audit approach will undergo a change with extensive use of technology, analytics, sampling and advanced audit methodology. Internal audit processes thus are being revamped aided by technology.

For streamlining the concurrent audit function with the objective of improved oversight and consistency in approach, Bank has revamped this mechanism whereby a single firm is appointed to conduct concurrent audit of all branches in a Zone. A single audit firm would bring in the benefits of uniformity of approach and with more accountability. It will bring in benefits of unified view on control & compliances, observations of irregularities and patterns if any.

Customer Service

Our Bank is sensitive and responsive to the customer needs and believes that technology, products, processes and human resources must be leveraged for delivering superior banking experience to its customers.

During the year, an independent study on Customer Satisfaction and Brand Health across all products lines was commissioned by the Bank through an independent reputed agency. The survey covered all the geographies across products like savings bank, current account, wealth management products, home loans, auto loans, agri loan, traders loan, mortgages, MSME and mid-large corporates. The findings of the survey provided valuable insights on customer satisfaction levels, loyalty levels and experience levels across the product lines and geographies. Bank is taking necessary steps to further improve the customer satisfaction levels with an aspiration to be the "Most Admired Service Brand" in the banking Industry.

At the Board level, the sub-committee of Board for customer service addresses the issues relating to the formulation of policies and assessment of their compliance with the aim of consistent improvement in the quality of customer service.

Our Bank has also set up a Standing Committee on Procedures and Performance Audit on Customer Services, comprising of two eminent public personalities as members along with all the Executive Directors and seven General Managers of Bank. This Committee oversees timely and effective compliance of the RBI instructions on Customer Service and also reviews the practices and procedures prevalent in Bank and takes necessary corrective steps on an ongoing basis. The suggestions emanating from the Branch Level Customer Service Committee meetings, which are held every month, are placed before the Standing Committee on Procedure and Performance Audit on Customer Services on quarterly basis. The feedback of the committee meetings is then put up to the Customer Service Committee of the Board of Directors.

For redressal of customer complaints, our Bank has a policy in place on customer grievance redressal and the same is placed on the Bank's website. Bank is also having a well structured Customer Grievance Redressal Mechanism, due to which the outstanding complaints have also come down significantly. The General Manager, Operations & Services, is designated as Principal Nodal Officer for customer complaints in our Bank. Moreover, all Zonal Heads and Regional Heads are designated as Nodal Officers for their respective Zones and Regions. Further, the names of all Nodal Officers along with their contact numbers are displayed in all the branches of our Bank.

Our Bank views each complaint seriously and undertakes root cause analysis of the complaints for suitable remedial measures including updation of the systems, procedures and sensitization of employees. Our Bank has a web based

online complaint registration and redressal portal named as Standardized Public Grievance Redressal System (SPGRS) for lodgment of complaint by the customers online. SPGRS also has a facility to capture suggestions/ feedbacks.

Our Bank has appointed an Internal Ombudsman designated as Chief Customer Service Officer (CCSO). The Bank's internal ombudsman is a forum made available to customers for grievance redressal before they approach the Banking Ombudsman. All complaints, which are rejected or partially accepted by the Bank, are examined by the Internal Ombudsman. It enhances the confidence of the customers in the Bank's systems and hastens the process of grievance redressal, making it more transparent.

Our Bank is also a member of the Banking Codes and Standards Board of India (BCSBI) and has adopted the "Code of Commitment to the Customers" and the "Code of Bank's Commitment to MICRO and Small Enterprises" prescribed by the BCSBI. These have been placed on our Bank's website and also made available to customers at the branches. BCSBI monitors the implementation of the codes inter-alia by visits to branches to find out the status of ground-level implementation of codes and studies complaints received from customers and orders / awards issued by Banking Ombudsmen / Appellate Authority to find out whether there is any system-wide deficiency. During the rating exercise in 2016, our Bank has been rated "above average" in overall PSB category.

Human Resources

Our Bank truly believes that our human resources is our biggest differentiator having a direct and significant impact on our Bank's overall performance, both current and future. Our Bank has a rich reservoir of human resources comprising over 51,000 employees. As we march forward to realize the rising expectations of our stakeholders, it is imperative that our employees are motivated and fully engaged in the present dynamic and competitive environment. Bank's HR team has been working hard to address the challenges from a human resources standpoint through a plethora of initiatives viz. recruitment and onboarding of talent in the wake of a large number seasoned bankers who are superannuating, focus on strengthening performance management through Project SparshPlus, addressing training needs, leadership development across the Bank, succession planning and higher levels of employee engagement aided by our first ever formally conducted employee engagement survey *"Voice of Barodians"*. Our Bank continues to take the lead in the conceptualization and execution of various HR transformation efforts, many of which have begun during FY 2017 and mark a first for Public Sector Banks in the country.

There were several positives that emerged from the "Voice of Barodians" Survey 2016 and also some areas that need to be strengthened further through a variety of action plans. These measures also include capability building initiatives to take on higher order challenges in the Bank's transformation journey. Bank's intent is to ensure that the employee experience across all levels is further enhanced so as to create a fun and happy place to work in. Towards this end, the Bank launched a series of initiatives for the employees, who are the main drivers for the Bank's Business and the chief brand ambassadors for the Bank. These include:

Baroda Anubhuti Programme

This is an Employee Engagement programme for enhancing the employee experience at the workplace with initiatives such as Employee of the Month, Spot recognition – capturing "WoW" moments, "Zero Hour" (Fun hour) at all our branches/ offices, local "community service / social activity" by employees, sports and wellness activities

WELEAD – A comprehensive Leadership Programme

Our Bank has introduced a comprehensive Leadership Development Initiative 'WeLead', based on behavioural competencies with the objective of building a robust and sustainable pipeline of leaders for the future. This is through the following 4 distinctive programmes:

- Baroda Senior Leadership Programme – for Officers in Scales VI & VII
- Baroda Emerging Leaders Programme – for Officers in Scales V
- Baroda Rising Stars Programme – for Officers in Scales IV
- Sayaji Rao Gaekwad Scholars Programme – for Officers in Scales I, II & III

Introduction of the Life Cycle Concept of Training

The Bank has introduced the Life Cycle Concept of Training which aims at imparting specific training programs at different levels which are aligned to the role requirements of employees at different stages of their career. Training has been aligned to specific job roles by introducing the concept of mandatory courses required for each critical role. Our Bank has been continuously upgrading our capabilities in the area of Learning and Development and has adopted several innovative efforts for this.

Launch of 'Sparsh Plus'

The Bank has also unveiled 'Sparsh Plus' with the objective of revamping the performance and talent management systems in our Bank, aided by the best-in-class technology and digital tools. Our intent is to ensure that our people processes and systems provide our staff with role clarity and empower them to perform their role more effectively, help employees in their development and enable them to enhance their overall contribution.

Bridging the talent deficit and augmenting skillsets

While our Bank has been undertaking hiring on a sustained basis year on year, to cater to business requirements, various recruitment exercises were undertaken during the year to address the emerging manpower needs of our Bank such as recruitment of specialist officers and probationary officers among others.

Our Bank has also on-boarded specialists from the market having skill sets, knowledge and competencies for various critical positions in the Bank with the objective of augmenting our internal team's capabilities in various strategic areas for the future and for adopting the best practices in the Market/Industry.

Sayajirao Gaekwad Fellowship Programme

Our Bank has instituted the Sayajirao Gaekwad Fellowship Programme in March 2017 in support of Startup India and Standup India initiatives. The Fellowship Programme seeks to encourage young professionals with entrepreneurial ideas to gain a one year experience in the banking and financial services industry and obtain organizational support in development of their start up idea. In addition, the selected Fellows are supporting the execution of several strategic initiatives currently underway in the Bank.

Employee Helpline (HR-Helpline)

Our Bank has launched a central HR helpline for all the employees for resolving their queries/ issues on HR matters, support them in times of distress and help them tide over any emergency situation or any other hardship, which may impede their personal or professional life. There is a dedicated team at corporate office which monitors the Employee Helpline on real time basis and resolves the issues/grievances/queries promptly.

Career Progression

Concerted efforts have been taken by our Bank for fostering career progression of employees to reward them for their performance and also to motivate them further to progress in their careers by fulfilling both the organizational as well as personal aspirations. Our Bank not only provides opportunities for upward movement in the hierarchy but also ensures horizontal movement of Officers across different functions to provide them wider exposure and carve out a definite career path for them.

Thrust on Diversity

Our Bank follows non-discriminatory and equal opportunity policies for all employees. Every employee in the organization has equal access to the available opportunities – whether they concern career progression, perquisites and benefits, welfare schemes, training, grievance redressal or other amenities. Promotion, career path, deployment and transfer policies are made open and transparent and all employees in the Bank are made aware of the same for uniform implementation.

In order to create a more diverse workplace, our Bank has been progressively increasing its recruitment of women employees over the last few years. The percentage of women in the overall staff composition has increased to 22.70% in FY 2017 from 22.05% in FY 2016.

In order to retain women employees at all levels and in recognition of the concomitant responsibilities of women, our Bank has put in place various facilities to support women employees such as sabbatical leave, health check program for women employees and other initiatives.

Implementation of Official Language (OL) Policy

During the year FY 2017, our Bank made outstanding progress in implementing the Official Language Policy of Government of India. Besides compliance of various statutory requirements under Official Language Policy of the Union Government and directives issued by Reserve Bank of India, our Bank promoted Hindi as a tool for business development and connecting with the customers.

Our Bank adopted a well-structured Annual Action Plan for Official Language in order to achieve various targets set by the Government of India under its Annual Action Plan 2016-17 and the assurances given to the Committee of Parliament on Official Language during its visits to various offices/branches of the Bank. Bank has made significant progress in achieving many of the major targets of the Annual Action Plan. Our Bank has fulfilled all the assurances given to the Committee of Parliament on Official Language within the stipulated time frame.

During the year, our Bank organized an All India Seminar on **"Demonetization and Digital India"** in New Delhi wherein representatives/speakers/participants from different Public Sector Banks took part. An Inter Bank Seminar was organized at Corporate Office, Mumbai on **"Importance and Challenges of Language in Digital Era"**, which was attended by the Heads/representatives of OL and IT Departments of various PSBs/FIs in Mumbai. This initiative earned accolades from the RBI and Government of India and Parliamentary Committee on Official language. Our Bank celebrated **World Hindi Day** in January, 2017 at its overseas territories which was attended by eminent personalities related to Hindi Literature and valued customers and officials of Indian Embassies.

Our Bank has instituted an award namely "Maharaja Sayajirao Bhasha Samman" in memory of its founder Maharaja Sir Sayaji Rao Gaekwad-III. The award consists of a Citation/ Memento and cash award of ₹ 1.51 lac. During the year, your Bank honoured Shri Ashutosh Rana, the eminent Actor and poet with this award.

Bank has expanded the ambitious initiative of regional language training to its employees across various linguistic regions so that they learn the basics of the concerned regional languages which would help them in discharging their duties well while dealing with the local customers.

Domestic Subsidiaries and Joint Ventures

The performance of the Bank's Domestic Subsidiaries and Associates was satisfactory during FY 2017.

BOB CARDS Limited is a wholly owned subsidiary of the Bank and is into the business of issuance of Credit Cards and Merchant Acquiring. Gradually, widening its scope of work based on the skill-sets and expertise acquired in the payment card industry over a period of time, Bobcards Ltd. undertook ancillary activity of providing support services to our Bank's debit card operations.

Envisaging huge growth opportunities for cards and digital payments in India, the Company is gearing up to be a consumer credit and payment leader in the evolving market landscape by introducing new business lines under the NBFC domain besides revamping the existing businesses. Bobcards Ltd. aims to be a consumer finance company for Credit Card (CC) and Personal Loans (PL) business. In addition, it will provide product and servicing capabilities for POS business and sourcing of Retail/SME products for the Bank.

FY 2017 witnessed various initiatives undertaken by the company for its overall growth. In the wake of demonetization, in order to promote cashless transactions, Bank launched a nationwide campaign for enrollment of new POS merchants during November and December 16 whereby more than 60,000 new POS installations were carried out and POS base increased to over 85,000. Post-demonetization, the POS transaction volumes scaled up to ₹30 crore per day as against earlier volume of ₹8 crore. The number of transactions also increased from 25,000 per day to 2 lakh transactions per day. The monthly transaction volume increased from ₹244 crore to ₹700 crore. Bobcards has successfully expanded its POS Product Suite by adding m-POS (Mobile POS Terminals) and QR based acquiring (m-VISA& Bharat QR Code). The company continued to focus on issuance of quality cards, resultant to which transaction volumes through Credit Card Business increased significantly. The process of tapping the potential in the travel segment has been initiated to bring more such agents to our fold. Total 24,770 new cards have been issued till February 2017 despite the shift in thrust for POS installation after de-monetization. As a mass marketing initiative, Bobcards has tie-up with XLRI, Jamshedpur for issuance of Co-branded cards to its alumni.

Providing prompt and courteous service to customers continued to be the major strength of the Company, which not only enabled it to emerge as a customer friendly organization but also helped in retaining quality customers. Quick grievance redressal approach resulted in high level of customer satisfaction and response.

BOB Capital Markets Limited is a wholly owned subsidiary established by Bank in 1996. Main businesses of BOBCAPS are Investment Banking (Debt Restructuring, Project Finance, M&A, Debt Capital Markets and Equity Capital Markets), Institutional & Retail Equity Broking and Distribution of Financial Products. The Company also has a license for Portfolio Management Services (PMS).During FY 2017, the Company has embarked on a significant scale up in its key businesses. The company has successfully strengthened its teams in businesses such as Investment Banking, Broking and Wealth Management / Distribution- to be able to leverage strengths of our Bank and establish BOBCAPS as one of the leading and most respected player in its businesses.

The Nainital Bank Limited was promoted by Late Bharat Ratna Pandit Govind Ballabh Pant and others became an Associate Bank of Bank of Baroda in the year 1973. Shareholding of our Bank in Nainital Bank Ltd. is 98.57%. The Total Business of Bank which was ₹ 8,049.22 crore as of March 31, 2016 has increased to ₹ 10,132.66 crore as of March 31, 2017, showing growth of 25.88%. Bank has opened 11 new branches & established -5–Loan processing units by the name Naini Loan Points (NLPs). Bank also installed 13 white label ATMs with collaboration with TCPSL. Bank issued 22,688 debit cards to its customers during FY 2017.

Baroda Pioneer Asset Management Company Limited, a Joint Venture with Pioneer Global Asset Management SpA, is in its eighth year of operation. In light of a good year for the Mutual Fund Industry, Baroda Pioneer Asset management Company has also been able to increase its AUM. The average AUM of the company for FY 2017 was ₹ 10,535 crore. Further, the company has improved its asset mix, with share of liquid reducing and that of fixed income going up. This helped the company to maintain its budgeted margins during the year. The company continued to focus on developing the banking and IFA channels for distribution. This helped in getting the flows in the fixed income and equity segments. The company's SIP book is also growing steadily and has seen inflows from beyond the top 15 towns of the country. Gathering assets in equity funds and building the momentum in fixed income segment continues to be the top agenda for the company. The company continues to explore enhanced technological solutions to continuously improve its service delivery.

IndiaFirst Life Insurance Company Ltd a joint venture company with Andhra Bank and Legal & General group, commenced its business operations on 16th November 2009 and has received an overwhelming response for its products across the country. IndiaFirst is amongst the fastest Life Insurance Company to break even in the 5th year of operation and its industry ranking is 8th among the private players with market share of 4.5% and AUM (Asset under Management) at ₹ 9,061 crores as of March 31, 2017.

India Infradebt Limited (Infradebt) It is the first Infrastructure Debt Fund (IDF) under a non-banking finance company structure set up and was promoted by ICICI Bank Limited, Bank of Baroda, Citicorp Finance (India) Limited and Life Insurance Corporation of India in which Bank is holding 30% stake. The Company's principal activity is to re-finance part of the debt liabilities of the Infrastructure Projects which have completed one year of commercial operations. The Company has made aggregate disbursements of ₹ 4,712 crore to 22 road projects under PPP format awarded by NHAI, 18 renewable energy projects and two other Infrastructure projects (Hospitals) as of March 31, 2017. As of March 31, 2017, India Infradebt Ltd. has raised a total of ₹ 4,205 crore of funds through Non-Convertible Debentures.

Baroda Global Shared Services Ltd. It is a newly formed wholly owned subsidiary of your Bank. The subsidiary is formed with the objective of migrating some of the back-office processes to handle through a centralized set up. The Company is yet to be operationalised.

A brief synopsis of domestic subsidiaries, associates and Joint Ventures is as below:

(₹in lakh)

Entity (with date of registration)	Owned Funds	Total Assets	Net Profit	Offices	Staff
BOB Capital Markets Ltd. (11.03.1996)	16,317	16,554	560	1	57
BOBCARDS Ltd. (29.09.1994)	23,647	35,651	2,644	38	135
Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd. (05.11.1992)	4,864	6,150	107	3	75
Baroda Pioneer Trustee Co Pvt Ltd. (23.12.2011)	8	11	1	1	0
IndiaFirst Life Insurance Co. Ltd. (05.11.2009)	55,061	1,11,248	3,517	24	1,294
The Nainital Bank Ltd. (31.07.1992)	56,969	7,699	4,846	353	922
India Infradebt Ltd. (31.10.2012)	42,006	4,93,942	4,810	1	17
BOB Shared Services Ltd.(15.03.2017) Operations yet to be started	12	-	-	1	-

Registrar & Share Transfer Agent, Share Transfer System and Redressal of Investors' Grievances

Bank has established Investors' Services Department, headed by the Company Secretary at Corporate Office, Mumbai wherein Shareholders can mail their requests / complaints for resolution at the address given below. They can also lodge their complaints online through SPGSR.

Dividend Distribution Policy

As required under Regulation 43A of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements), 2015, our Bank has a dividend distribution policy in place which sets out the parameters and circumstances that will be taken into account by Board in determining distribution of dividend to its shareholders. The policy is given in this Annual Report and is also available on the Bank's website at www.bankofbaroda.com/download/Dividend.pdf

Board of Directors (Appointment /Cessation of Directors during the year)

Appointments

Prof. Biju Varkkey was nominated as a Part Time Non-Official Director w.e.f. 25.04.16 by the Central Government u/s 9(3)(h) and (3-A) of section 9 of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, for a period of 3 years or until further orders, whichever is earlier.

Shri Gopal Krishan Agarwal was nominated as Part-time Non-Official Director w.e.f. 26.07.16 by the Central Government u/s 9(3)(g) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, under Chartered Accountant category for a period of three years or until further orders, whichever is earlier.

Shri Ashok Kumar Garg was appointed as Executive Director by the Central Government u/s 9(3)(a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, w.e.f.9th August, 2016 for a period upto 30.06.2018 i.e. the date of his superannuation or until further orders, whichever is earlier.

Smt. Papia Sengupta was appointed as Executive Director by the Central Government u/s 9(3)(a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, w.e.f. 1st January, 2017 for a period upto 30.09.2019 i.e. the date of her attaining the age of superannuation or until further orders, whichever is earlier.

Shri Ajay Kumar was nominated as Director by the Central Government u/s 9(3)(c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, w.e.f. 13th January, 2017 to hold the post until further orders.

Cessations

Shri Bhuwanchandra B Joshi, Executive Director, ceased to be Executive Director w.e.f. 1st January, 2017 on his attaining the age of superannuation from the Bank's service.

Smt. Surekha Marandi, Director, ceased to be a Director w.e.f. 13th January, 2017 on the appointment of Shri Ajay Kumar in her place.

Board Evaluation

Bank engaged the services of a reputed external specialist firm to conduct an independent Board evaluation and review of overall effectiveness of the Board. The firm's global methodology for conducting board reviews was followed for this purpose. This entailed effectiveness assessment of the following areas of the Board - a) board strategy and alignment, b) management of the Board by the Chairperson, c) functioning of the Board committees, d) relationship between the Board and the management team, e) quality of the Board processes, f) Board composition and g) quality of discussions/decisions taken by the Board in key areas like risk management, talent etc. In addition, at an individual level, members of the Board were assessed in areas like a) overall engagement and alignment, b) quality of their contribution, c) openness in listening and receiving feedback, d) ability to challenge and take/oppose tough decisions etc.

For conducting the assessment a combination of three methods was followed. This included in depth structured one on one interviews with all members of the Board. In addition, key personnel of the Bank such as the CFO and

Company Secretary were also interviewed. The review team attended Board meetings and committee meetings to observe and study the Board dynamics in a live environment. The minutes of the previous Board and committees meetings and the Board materials used to present policies and support decisions were analyzed.

The results of the review were shared with the Chairman and the Board members in a daylong session. As part of this session a workshop was conducted in September 2016 to determine and align on key next steps and actions that the Board and management agreed to undertake following from the Board review. A follow on session was conducted in April 2017 to assess the effectiveness of the actions. It was unanimously concluded that significant progress had been made in a short span of time.

Auditors' Compliance Certificate on Corporate Governance:

The Auditors Compliance Certificate regarding the compliance of the conditions of Corporate Governance for the year 2015-16 is annexed with this report pursuant to "Part "E" of Schedule V of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

Business Responsibility Report

Business Responsibility Report as required by SEBI has been hosted on the website of the Bank (www.bankofbaroda.co.in). Any member interested in obtaining a physical copy of the same may write to the Company Secretary of the Bank.

Directors' Responsibility Statement

The Directors confirm that in the preparation of the annual accounts for the Financial Year ended March 31, 2017:

a) the applicable accounting standards had been followed along with proper explanation relating to material departures if any;

b) the accounting policies framed in accordance with the guideline of Reserve Bank of India were followed and the directors had selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Bank at the end of the financial year and of the profit and loss of the Bank for that period;

c) the directors had taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of applicable laws to the Bank for safeguarding the assets of the Bank and for preventing and detecting fraud and other irregularities;

d) the directors had prepared the annual accounts on a going concern basis; and

e) the directors had ensured that internal financial controls followed by the Bank are in accordance with guidelines issued by Reserve Bank of India in this regard and that such internal financial controls are adequate and were operating effectively.

Explanation. For the purposes of this clause, the term "internal financial controls" means the policies and procedures adopted by the Bank for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Bank's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information;

f) the directors had devised proper systems to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

Acknowledgements

The Directors place on record their appreciation for the contributions made by the outgoing Directors viz. Shri Bhuwanchandra B Joshi and Smt. Surekha Marandi.

The Directors express their sincere thanks to the Government of India, Reserve Bank of India, Securities and Exchange Board of India, other regulatory authorities and overseas regulators for their continued co-operation, guidance and support.

Bank would like to take this opportunity to express sincere thanks to its valued clients and customers for their continued patronage and support.

The Directors acknowledge with deep appreciation of the cooperation extended by all shareholders, banks and financial institutions, rating agencies, stock exchanges and all the well wishers in India and abroad.

The Directors also take this opportunity to place on record deep appreciation for the hard work and dedication of the employees of our Bank which enabled our Bank to record growth with quality year after year despite economic challenges and consolidate its position as one of the premier banks in the country.

For and on behalf of the Board of Directors,

P. S. Jayakumar

P. S. Jayakumar
Managing Director & CEO

कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट की शर्तों के अनुपालन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र- 2016-17 :

प्रति

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सदस्यगण,

हमने सेबी (सूचीयन दायित्व करार एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 के अंतर्गत बैंक द्वारा 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी अनुपालन स्थिति की जांच की है.

कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन का दायित्व है. हमारी जांच, कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी बाध्यताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु बैंक अपनायी गई प्रक्रियाओं और कार्यान्वयन तक ही सीमित थी. यह न तो कोई लेखा-परीक्षा है और न ही बैंक की वित्तीय विवरणियों के बारे में हमारा अभिमत है.

हम अपनी राय तथा सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर प्रमाणित करते हैं कि बैंक ने उपरोक्त सूचीबद्ध करार में विनिर्दिष्ट कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी बाध्यताओं का अनुपालन किया है.

हमारा यह भी अभिकथन है कि उक्त अनुपालन का अभिप्राय बैंक की भविष्य की सक्षमता के प्रति यह कोई आश्वासन नहीं है और न ही यह बैंक के कार्यपालकों के संचालन में प्रबंधन की कुशलता एवं प्रभावपूर्णता के बारे में आश्वासन है.

Auditors' Certificate on Compliance of Conditions of Corporate Governance – 2016-17 :

To:

The Members of Bank of Baroda,

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance by Bank of Baroda, for the year ended 31st March 2017, as stipulated in SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

The compliance of conditions of Corporate Governance is the responsibility of management. Our examination was limited to procedures and implementation thereof, adopted by the Bank for ensuring the compliance of the conditions of the Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion on the financial statements of the Bank.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, we certify that the Bank has complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in the above mentioned Listing Regulations.

We state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the Bank nor the efficiency or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Bank.

कृते वाही एण्ड गुप्ता सनदी लेखाकार एफआरएन: 002263N For Wahi & Gupta Chartered Accountants FRN : 002263N	कृते एस आर गोयल एण्ड कं. सनदी लेखाकार एफआरएन: 001537C For S R Goyal & Co Chartered Accountants FRN : 001537C	कृते रोडी दबीर एण्ड कं. सनदी लेखाकार एफआरएन: 108846W For Rodi Dabir & Co. Chartered Accountants FRN : 108846W	कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी सनदी लेखाकार एफआरएन: For Kalyaniwalla & Mistry LLP Chartered Accountants FRN : 104607W/W100166
वाय. के. गुप्ता भागीदार एम नं. 016020 Y. K. Gupta Partner M No. : 016020	ए. के. अटोलिया भागीदार एम नं. 077201 A. K. Atolia Partner M No.: 077201	आशीष बाडगे भागीदार एम नं.121073 Aashish Badge Partner M No.: 121073	डेराइस फ्रेजर भागीदार एम नं. 042454 Daraius Fraser Partner M No.: 042454

स्थान: मुंबई
दिनांक: 18 मई, 2017
Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं 2016-17
Highlights of Corporate Governance Report 2016-17

1. गवर्नेंस संहिता के बारे में बैंक का दर्शन

बैंक, उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु संसाधनों के इष्टतम उपयोग के साथ अधिकतम प्रतिफल प्राप्त करने तथा सभी स्तरों पर कार्यनिष्पादन सुनिश्चित करते हुए, शेयरधारकों के हितों की रक्षा करते हुए तथा उनके मूल्यों में अभिवृद्धि के लिए अपने सतत् प्रयास जारी रखेगा. बैंक न केवल सांविधिक आवश्यकताओं का अनुपालन करेगा बल्कि स्वेच्छापूर्वक कड़ी कार्पोरेट गवर्नेंस पद्धतियों को निष्पादित करते हुए उनका पालन भी करेगा. बैंक प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए नैतिक मूल्यों के उच्च मानकों, पारदर्शिता तथा, अनुशासित दृष्टिकोण अपनाने में विश्वास रखता है. बैंक उत्कृष्ट अंतर्राष्ट्रीय मानदण्डों के अनुपालन के प्रति भी प्रतिबद्ध है. बैंक अपने सभी हितधारकों, जिसमें शेयरधारक, ग्राहक, सरकार, कर्मचारी, लेनदार और व्यापक तौर पर जनता भी शामिल है, को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए सघन प्रयास करता रहेगा.

बैंक एक सूचीबद्ध निकाय है, जो एक कम्पनी नहीं है, अपितु बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 अर्थात् बैंककारी कंपनी अर्जन अधिनियम के तहत निकाय कार्पोरेट है तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित होता है. अत: बैंक सेबी (सूचीयन करार एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 के प्रावधानों का उस सीमा तक पालन करेगा, जहां तक बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 के प्रावधानों और इस संबंध में भारतीय रि. जर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं होता है.

2. निदेशक मंडल

(ए) निदेशक मंडल का स्वरूप

31 मार्च 2017 की स्थिति के अनुरूप निदेशक मण्डल का स्वरूप निम्नानुसार है:

1. BANK'S PHILOSOPHY ON CODE OF GOVERNANCE

The Bank shall continue its endeavor to enhance its shareholders' value by protecting their interest by ensuring performance at all levels and maximizing returns with optimal use of resources in pursuit of excellence. The Bank shall comply with not only the statutory requirements but also voluntarily formulate and adhere to a set of strong Corporate Governance practices. The Bank believes in setting high standards of ethical values, transparency and disciplined approach to achieve excellence in all its sphere of activities. The Bank is also committed to follow the best international practices. The Bank shall strive hard to serve the interests of its stakeholders comprising shareholders, customers, government, employees, creditors and society at large.

The Bank is a listed entity, which is not a company but body corporate under The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and is regulated by Reserve Bank of India. Therefore, the Bank shall comply with the provisions of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 to the extent it does not violate the provisions of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and the Guidelines issued by Reserve Bank of India in this regard.

2. BOARD OF DIRECTORS

(a) Composition of the Board

The composition of Board of Directors of the Bank as on 31st March, 2017 is as under:

क्र. सं Sr. No.	नाम Name	श्रेणी / पदनाम Category / Position Held	31.03.2017 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के धारित इक्विटी शेयरों की संख्या No. of equity shares of the Bank held as on 31.03. 2017	बैंक की उप समितियों की सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	बैंक के अलावा अन्य कम्पनियों / संस्थाओं की संख्या जिनमें निदेशक के रूप में हैं No. of Directorship held in other Companies / entities i.e. Other than the Bank	अन्य कंपनियों के बोर्ड की उप- समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता की संख्या No. of Membership / Chairmanship held in Sub - Committees of the Board in other Companies	टिप्पणियां (अन्य कंपनियों में नियुक्ति का स्वरूप) (31.03.2017 को) Remarks (Nature of appointment in other Entities) (As on 31.03.2017)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्री रवि वेंकटेसन Shri Ravi Venkatesan	अध्यक्ष (गैर-कार्यपालक) Chairman (Non-Executive)	1750	5	6	-	वह निम्नलिखित निदेशक मंडलों में भी हैं- 1 इंफोसिस लि. 2 यूएसएफ एडवाइजर एलएलपी 3 रॉकफेलर फाउंडेशन 4 एसवीपी फिलांथ्रोपी इंडिया फाउंडेशन - संस्थापक अध्यक्ष 5 सीआरईएटीई.ओआरजी (सेंटर फॉर रेस्पोन्सीबल एन्टरप्राइज एण्ड ट्रेड)- वाशिंगटन डीसी 6 अलाएंस फॉर पीसबिल्डिंग- वाशिंगटन डीसी He is also on the Board of: 1. Infosys Ltd. 2. USF Advisors LLP 3. Rockefeller Foundation 4. SVP Philanthropy India Foundation – Founder Chairman 5. CREATe.org. (Centre for Responsible Enterprise and Trade) –Washington DC 6. Alliance for Peacebuilding – Washington DC
2	श्री पी एस जयकुमार Shri P S Jayakumar	प्रबंध निदेशक एवं मु.का.अ. (कार्यपालक) Managing Director & CEO (Executive)	14500	12	4	-	वह निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी हैं- 1 बॉब कैपिटल मार्केट्स लि. 2 इण्डिया फर्स्ट लाइफ इंश्यूरेंश कं. लि. 3 बॉबकार्ड्स लि. 4 इंडिया इन्टरनेशनल बैंक मलेशिया बेरहद (जेवी) He is also on the Board of: 1. BOB Capital Markets Ltd. 2. India First Life Insurance Co. Ltd. 3. BOBCARDS Ltd. 4. India International Bank Malaysia Berhad (JV)

क्र. सं Sr. No.	नाम Name	श्रेणी / पदनाम Category / Position Held	31.03.2017 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के धारित इक्विटी शेयरों की संख्या No. of equity shares of the Bank held as on 31.03. 2017	बैंक की उप समितियों की सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	बैंक के अलावा अन्य कम्पनियों / संस्थाओं की संख्या जिनमें निदेशक के रूप में हैं No. of Directorship held in other Companies / entities i.e. Other than the Bank	अन्य कंपनियों के बोर्ड की उप- समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता की संख्या No. of Membership / Chairmanship held in Sub - Committees of the Board in other Companies	टिप्पणियां (अन्य कंपनियों में नियुक्ति का स्वरूप) (31.03.2017 को) Remarks (Nature of appointment in other Entities) (As on 31.03.2017)
1	2	3	4	5	6	7	8
3	श्री मयंक के मेहता Shri Mayank K. Mehta	कार्यपालक निदेशक (कार्यपालक) Executive Director (Executive)	शून्य NIL	8	6	शून्य Nil	वे निम्नलिखित निदेशक मंडलों में भी हैं- 1. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि. 2. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि. 3. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि. 4. इंडो जाम्बिया बैंक लि. 5. बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कं. लि. 6. नेशनल पेमेंट कार्पोरेशन ऑफ़ इंडिया He is also on the Board of: 1. Bank of Baroda (Ghana) Ltd. 2. Bank of Baroda (Botswana) Ltd. 3. Bank of Baroda (Tanzania) Ltd. 4. Indo Zambia Bank Ltd. 5. Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd. 6. National Payment Corporation of India
4	श्री अशोक कुमार गर्ग Shri Ashok Kumar Garg *पत्नी के नाम पर *Held in spouse name	कार्यपालक निदेशक (कार्यपालक) Executive Director (Executive)	250*	8	3	शून्य NIL	वे निम्नलिखित निदेशक मंडलों में भी हैं- 1. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गयाना) लि. 2. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो) लि. 3. बड़ौदा ग्लोबल शेयर्स सर्विसेज लि. He is also on the Board of: 1. Bank of Baroda (Guyana) Ltd. 2. Bank of Baroda (Trinidad & Tobago) Ltd. 3. Baroda Global Shares Services Ltd
5	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता Smt. Papia Sengupta	कार्यपालक निदेशक (कार्यपालक) Executive Director (Executive)	शून्य Nil	12	NIL	शून्य NIL	-
6	श्री मोहम्मद मुस्तफा Shri Mohammad Mustafa	निदेशक (गैर कार्यपालक) केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि Director (Non Executive) Representing Central Government	शून्य NIL	7	1	शून्य NIL	वे निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी हैं- 1. द न्यू इंडिया एश्यूरेंस कं. लि. He is also on the Board of: 1. The New India Assurance Company Ltd.
7	श्री अजय कुमार Shri Ajay Kumar	निदेशक (गैर कार्यपालक) भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि Director (Non Executive) Representing Reserve Bank of India	शून्य NIL	5	शून्य NIL	शून्य NIL	-

क्र. सं Sr. No.	नाम Name	श्रेणी / पदनाम Category / Position Held	31.03.2017 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के धारित इक्विटी शेयरों की संख्या No. of equity shares of the Bank held as on 31.03. 2017	बैंक की उप समितियों की सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	बैंक के अलावा अन्य कम्पनियों / संस्थाओं की संख्या जिनमें निदेशक के रूप में हैं No. of Directorship held in other Companies / entities i.e. Other than the Bank	अन्य कंपनियों के बोर्ड की उप- समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता की संख्या No. of Membership / Chairmanship held in Sub - Committees of the Board in other Companies	टिप्पणियां (अन्य कंपनियों में नियुक्ति का स्वरूप) (31.03.2017 को) Remarks (Nature of appointment in other Entities) (As on 31.03.2017)
1	2	3	4	5	6	7	8
8	श्री प्रेम कुमार मक्कड Shri Prem Kumar Makkar	निदेशक (गैर कार्यपालक) गैर वर्कमैन कर्मचारियों के प्रतिनिधि Director (Non Executive) Representing Non-Workmen employees	5	6	शून्य NIL	शून्य NIL	-
9	श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल Shri Gopal Krishan Agarwal	निदेशक (गैर कार्यपालक) Director (Non-Executive)	शून्य NIL	3	5	2	वे निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी हैं- 1. प्रोफेशनल डाटा सिस्टम प्रा. लि. 2. गंगोत्री ओवरसीज प्रा. लि. 3. जेनुयिन क्रिएसंस प्रा. लि. 4. नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पॉवर कार्पोरेशन लि. 5. जलाधिकार फॉउन्डेशन He is also on the Board of: 1. Professional Data System Pvt. Ltd. 2. Gangotri Overseas Pvt. Ltd. 3. Genuine Creations Pvt. Ltd. 4. North Eastern Electric Power Corporation Ltd. 5. Jaladhikar Foundation
10	श्री बिजू वर्क्की Shri Biju Varkkey	निदेशक (गैर कार्यपालक) Director (Non-Executive)	शून्य NIL	4	3	3	वे निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी हैं- 1. पश्चिम गुजरात विज कंपनी लि. 2. कॉनेक्ट सीएसआर इंपैक्टर्स प्रा. लि. 3. हसीस कंसलटिंग लि. He is also on the Board of: 1. Paschim Gujarat Vij Company Ltd. 2. Konnect CSR Impactors Pvt. Ltd. 3. Husys Consulting Ltd.
11	डॉ. आर. नारायणस्वामी Dr. R. Narayanaswamy	निदेशक (गैर कार्यपालक) केन्द्र सरकार से भिन्न शेयर धारकों में से निर्वाचित	500	4	1	शून्य NIL	वे निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी हैं- 1. मेंबर ऑन द बोर्ड ऑफ़ रिसर्च स्टडीज ऑफ़ इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नै.
		Director (Non Executive) Elected from amongst Shareholders, other than Central Government					He is also on the Board of: 1. Member on the Board of Research Studies of the Indian Maritime University, Chennai

क्र. सं Sr. No.	नाम Name	श्रेणी / पदनाम Category / Position Held	31.03.2017 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के धारित इक्विटी शेयरों की संख्या No. of equity shares of the Bank held as on 31.03. 2017	बैंक की उप समितियों की सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	बैंक के अलावा अन्य कम्पनियों / संस्थाओं की संख्या जिनमें निदेशक के रूप में हैं No. of Directorship held in other Companies / entities i.e. Other than the Bank	अन्य कंपनियों के बोर्ड की उप- समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता की संख्या No. of Membership / Chairmanship held in Sub - Committees of the Board in other Companies	टिप्पणियां (अन्य कंपनियों में नियुक्ति का स्वरूप) (31.03.2017 को) Remarks (Nature of appointment in other Entities) (As on 31.03.2017)
1	2	3	4	5	6	7	8
12	श्री भरतकुमार डी. डांगर Shri Bharatkumar D. Dangar	निदेशक (गैर कार्यपालक) केन्द्र सरकार से भिन्न शेयर धारकों में से निर्वाचित Director (Non Executive) Elected from amongst Shareholders, other than Central Government	500	7	2	-	वे निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी हैं- 1. इन्टरनेशनल एंड डोमेस्टिक आरबीट्रेशन सेंटर 2. विश्वामित्री रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. He is also on the Board of: 1. International and Domestic Arbitration Centre 2. Vishwamitri River Front Development Corporation Ltd.
13	श्रीमती उषा ए. नारायणन Smt. Usha A. Narayanan	निदेशक (गैर कार्यपालक) केन्द्र सरकार से भिन्न शेयर धारकों में से निर्वाचित Director (Non Executive) Elected from amongst Shareholders, other than Central Government	500	4	1	शून्य NIL	वे निम्नलिखित निदेशक मंडल में भी हैं: 1. सोशल वेंचर एसवीपी फिलांथ्रोपी फाउंडेशन She is also on the Board of: 1. Social Ventures SVP Philanthropy Foundation.

(बी) 20वीं वार्षिक सामान्य बैठक

वि.व. 2015-16 के लिए बैंक की शेयरधारकों की 20वीं वार्षिक सामान्य बैठक शुक्रवार, 24 जून, 2016 को वडोदरा में आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित निदेशक मौजूद थे.

(b) 20th ANNUAL GENERAL MEETING

The 20th Annual General Meeting of the shareholders of the Bank for FY 2015-16 was held on Friday, 24th June 2016 at Vadodara, where the following Directors were present.

1	श्री रवि वेंकटेसन	गैर- कार्यपालक निदेशक- बैठक की अध्यक्षता की.	Shri Ravi Venkatesan	Non - Executive Director – Chaired the Meeting
2	श्री पी.एस. जयकुमार	कार्यपालक निदेशक (प्रबंध निदेशक एवं मु.का.अ.)	Shri P. S. Jayakumar	Executive Director (Managing Director & CEO)
3	श्री बी.बी. जोशी	कार्यपालक निदेशक	Shri B. B. Joshi	Executive Director
4	श्री मयंक के. मेहता	कार्यपालक निदेशक	Shri Mayank K. Mehta	Executive Director
5	श्री प्रेम कुमार मक्कड़	निदेशक (गैर-वर्कमैन)	Shri Prem Kumar Makkar	Director (Non-workmen)
6	डॉ. आर. नारायणस्वामी	निदेशक (शेयरधारक) - एसीबी के अध्यक्ष	Dr. R. Narayanaswamy	Director (Shareholder)-Chairman ACB
7	श्री भारतकुमार डी. डांगर	निदेशक (शेयरधारक)	Shri Bharatkumar D Dangar	Director (Shareholder)
8	श्री बिजू वर्क्की	निदेशक	Shri Biju Varkkey	Director
9	श्रीमती उषा ए. नारायणन	निदेशक (शेयरधारक)	Smt. Usha A Narayanan	Director (Shareholder)

(सी) निदेशक मंडल की बैठकें :

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान निदेशक मंडल की -15- बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गई, जबकि राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970 के खण्ड 12 के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम -6- बैठकें आयोजित करना अनिवार्य है.

(c) Board Meetings

During the Financial Year 2016-17, total -15 - Board Meetings were held on the following dates as against minimum of -6- meetings prescribed under Clause 12 of The Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970.

12.05.2016	13.05.2016	24.06.2016	20.07.16	10.08.2016
11.08.2016	21.09.2016	18.10.2016	11.11.2016 (11.30 a.m.)	11.11.2016 (4.30 p.m.)
21.12.2016	17.01.2017	23.01.2017	10.02.2017	16.03.2017

निदेशक मण्डल की उपयुक्त बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है, जो उनके कार्यकाल से संबद्ध है:

The details of attendance of the Directors at the aforesaid Board Meetings held during their respective tenure are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	अवधि Period	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें Meetings Held During Their Tenure	बैठकें जिनमें भाग लिया Meetings Attended
श्री रवि वेंकटेसन	Shri Ravi Venkatesan	01.04.2016 to 31.03.2017	15	15
श्री पी.एस. जयकुमार	Shri P. S. Jayakumar	01.04.2016 to 31.03.2017	15	15
श्री बी.बी. जोशी	Shri B.B. Joshi*	01.04.2016 to 31.12.2016	11	10
श्री मयंक के. मेहता	Shri Mayank K. Mehta	01.04.2016 to 31.03.2017	15	13
श्री अशोक कुमार गर्ग	Shri Ashok Kumar Garg	09.08.2016 to 31.03.2017	11	9
श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	Smt. Papia Sengupta	01.01.2017 to 31.03.2017	4	4
श्री मोहम्मद मुस्तफा	Shri Mohammad Mustafa	01.04.2016 to 31.03.2017	15	3
श्रीमती सुरेखा मरांडी*	Smt. Surekha Marandi*	01.04.2016 to 12.01.2017	11	10
श्री अजय कुमार	Shri Ajay Kumar	13.01.2017 to 31.03.2017	4	4
श्री प्रेम कुमार मक्कड	Shri Prem Kumar Makkar	01.04.2016 to 31.03.2017	15	14
डॉ. आर. नारायणस्वामी	Shri R Narayanaswamy	01.04.2016 to 31.03.2017	15	15
श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	01.04.2016 to 31.03.2017	15	15
श्रीमती उषा ए. नारायणनन	Smt. Usha A. Narayanan	01.04.2016 to 31.03.2017	15	15
श्री बिजू वर्की	Shri Biju Varkkey	25.04.2016 to 31.03.2017	15	14
श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल	Shri Gopal Krishan Agarwal	26.07.2016 to 31.03.2017	11	11

*वर्ष के दौरान सदस्य नहीं रहे.

*Ceased to be member during the year.

(डी) आचार संहिता :

निदेशक मण्डल तथा वरिष्ठ प्रबन्धन कार्मिक अर्थात कोर प्रबन्धन टीम, जिसमें सभी महाप्रबन्धक तथा विभाग प्रमुख शामिल हैं, के लिए सेबी (सूचीयन करार एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 के अनुपालन में, आचार संहिता निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित कर दी गई है. उक्त आचार संहिता बैंक की बेबसाइट www.bankofbaroda.co.in पर भी देखी जा सकती है. निदेशक मण्डल के सभी सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबन्धन कार्मिकों ने वर्ष 2016-17 के लिए आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि कर दी है और उसका अनुपालन सतत करने के लिए वचनबद्ध हैं.

(d) Code of Conduct

The Code of Conduct for Board of Directors and Senior Management Personnel i.e. Core Management Team comprising all General Managers and Departmental Heads, has been approved by the Board of Directors in compliance of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The said Code of Conduct is posted on Bank's website i.e. www.bankofbaroda.co.in. All the Board Members and Senior Management Personnel have since affirmed the compliance of the Code for the year 2016-17 and undertaken continued compliance of the same.

3. निदेशकों / कार्यपालकों की समिति/ उपसमिति

बैंक के निदेशक मण्डल ने कार्पोरेट गवर्नेंस तथा जोखिम प्रबन्धन प्रणाली पर बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अन्तरण) अधिनियम 1970, तथा राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970 यथा

3. COMMITTEE / SUB-COMMITTEE OF DIRECTORS / EXECUTIVES

The Board of Directors of the Bank has constituted various Committees of Directors and / or Executives to look into

संशोधित, के अनुसार तथा भारतीय रिजर्व बैंक / सेबी / भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार निम्नानुसार कार्यनीति के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर निगरानी रखने हेतु निदेशकों और/या कार्यपालकों की विभिन्न समितियों का गठन किया है. निदेशक मण्डल द्वारा गठित महत्त्वपूर्ण समितियां निम्नानुसार हैं:

3.1 निदेशक मण्डल की प्रबन्धन समिति (एमसीबी)
3.2 निदेशक मण्डल की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी)
3.3 निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)
3.4 निदेशक मण्डल की जोखिम प्रबंधन समिति
3.5 हितधारक संबंधपरक समिति
3.6 नामांकन समिति
3.7 ग्राहक सेवा समिति
3.8 बड़ी राशि की धोखाधड़ी सम्बन्धी समिति
3.9 निदेशक मण्डल की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति संबंधी समिति
3.10 मानव संसाधन पर नीतिपरक सलाहकार समिति
3.11 निदेशकों की समिति
3.12 वसूली निगरानी समिति
3.13 शेयर/ बांड अंतरण समिति
3.14 पारिश्रमिक समिति
3.15 बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं में शेयरधारक निदेशकों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों को समर्थन देने संबंधी समिति

3.1 निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति (एमसीबी)

ए. गठन: यह समिति वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए संशोधनों के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970 (यथा संशोधित) के क्लॉज 13 के तहत गठित की गई है.

बी. प्रयोजन: व्यवसाय संबंधी महत्वपूर्ण मामलों जैसे उच्च मूल्य के ऋण प्रस्ताव, समझौता/बट्टे खाते वाले प्रस्ताव पूंजीगत एवं राजस्व संबंधी खर्चे, परिसर, निवेश, दान आदि पर विचार करने के लिए.

सी. संरचना: इस समिति में सरकार द्वारा धारा 9(3) (सी) के तहत नामित प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) की उप धारा (ई) (एफ) (एच) तथा (आई) के तहत नियुक्त किए गए निदेशकों में से तीन निदेशक होते हैं.

डी. 31.03.2017 को समिति के सदस्य

क्र.सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1.	श्री पी. एस. जयकुमार	अध्यक्ष
2.	श्री मयंक के. मेहता	सदस्य
3.	श्री अशोक कुमार गर्ग	सदस्य
4.	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
5.	श्री अजय कुमार	सदस्य
6.	श्री प्रेम कुमार मक्कड़	सदस्य
7.	श्री भरत कुमार डांगर	सदस्य

different areas of strategic importance in terms of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, The Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, as amended and guidelines from Reserve Bank of India / SEBI / Government of India from time to time. The important Committees are as under:

3.1 Management Committee of the Board (MCB)
3.2 Credit Approval Committee of the Board (CACB)
3.3 Audit Committee of the Board (ACB)
3.4 Risk Management Committee of the Board
3.5 Stakeholders Relationship Committee
3.6 Nomination Committee
3.7 Customer Service Committees
3.8 Committee on High Value Frauds
3.9 IT Strategy Committee
3.10 Strategic Advisory Committee of the Board on HR
3.11 Committee of Directors
3.12 Committee for Monitoring of Recovery
3.13 Shares/Bonds Transfer Committee
3.14 Remuneration Committee
3.15 Committee to support candidates for election of Shareholder Directors for Banks & FIs

3.1 Management Committee of the Board (MCB)

a. Constitution: Constituted under Clause 13 of The Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 (as amended) read with the amendments made by the Ministry of Finance, Government of India from time to time.

b. Purpose: To consider various business matters of material significance like sanction of high value credit proposals, compromise / write-off proposals, sanction of capital and revenue expenditure, premises, investments, donations etc.

c. Composition : The Committee consists of Managing Director & CEO, Executive Director (s) and Directors nominated by Government of India under Section 9 (3) (c) and three Directors from amongst those appointed under sub section (e) (f) (h) and (i) of section 9(3) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970.

d. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/Chairman
1	Shri P. S. Jayakumar	Chairman
2	Shri Mayank K. Mehta	Member
3	Shri Ashok Kumar Garg	Member
4	Smt. Papia Sengupta	Member
5	Shri Ajay Kumar	Member
6	Shri Prem Kumar Makkar	Member
7	Shri Bharat Kumar Dangar	Member

ई. बैठकें:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति (एमसीबी) की 33 बैठकें निम्नलिखित तारीखों में आयोजित की गई

e. Meeting :

During the Financial Year 2016-17, the Management Committee of the Board (MCB) met on -33- occasions on the following dates:

11.04.2016	09.05.2016	18.05.2016	22.06.2016	27.06.2016
08.07.2016	28.07.2016	05.08.2016	25.08.2016	15.09.2016
21.09.2016	26.09.2016	28.09.2016	15.10.2016	22.11.2016
30.11.2016	03.12.2016	07.12.2016	15.12.2016	21.12.2016
28.12.2016	04.01.2017	11.01.2017	16.01.2017	27.01.2017
04.02.2017	15.02.2017	28.02.2017	06.03.2017	14.03.2017
23.03.2017	27.03.2017	30.03.2017		

3.2 निदेशक मंडल की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी)

ए. गठन: इसका गठन भारत सरकार के दिनांक 5 दिसंबर 2011 के गजट अधिसूचना सं. 13/1/2006 के नियमानुसार किया गया है.

बी. प्रयोजन: समिति रु. 400/- करोड़ तक के ऋण प्रस्तावों के संबंध में निदेशक मंडल की शक्तियों का प्रयोग करेगी. ऐसे ऋण प्रस्ताव जो प्रबंध निदेशक व सीईओ की प्रायोजित शक्तियों से अधिक है तथा अब तक जो निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति द्वारा मंजूर किए जाते थे, उन्हें अब सीएसीबी द्वारा मंजूर किया जाएगा.

सी. 31.03.2017 तक समिति के सदस्य

क्र.सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1.	श्री पी. एस. जयकुमार	अध्यक्ष
2.	श्री मयंक के. मेहता	सदस्य
3.	श्री अशोक कुमार गर्ग	सदस्य
4.	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
5.	श्री संजय कुमार - सीएफओ	सदस्य
6.	प्रमुख/ महाप्रबंधक/कों- संबंधित क्रेडिट/ट्रेजरी कार्यों को देखने वाले	सदस्य
7.	प्रमुख/ महाप्रबंधक- जोखिम प्रबंधन	सदस्य

डी. बैठकें:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान निदेशक मंडल की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी) की निम्नलिखित तारीखों में 30 बैठकें हुई:

3.2 Credit Approval Committee of the Board (CACB)

a. Constitution: Constituted in terms of Government of India Gazette Notification No.13/1/2006 dated 5th December, 2011.

b. Purpose: The Committee shall exercise the powers of the Board with regard to credit proposals upto Rs 400.00 crores. The credit proposals which exceed the powers delegated to Managing Director & CEO and which were hitherto considered by the Management Committee of the Board, will now be sanctioned by the CACB.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri P. S. Jayakumar	Chairman
2	Shri Mayank K. Mehta	Member
3	Shri Ashok Kumar Garg	Member
4	Smt. Papia Sengupta	Member
5	Shri Sanjay Kumar - CFO	Member
6	Head /General Manager/s – Dealing with respective credit / treasury functions	Member
7	Head/ General Manager – Risk Management	Member

d. Meeting :

During the Financial Year 2016-17, the Credit Approval Committee of the Board (CACB) met -30- times on the following dates:

29.04.2016	19.05.2016	23.05.2016	23.06.2016	08.07.2016
02.08.2016	09.08.2016	16.08.2016	23.08.2016	14.09.2016
27.09.2016	04.10.2016	20.10.2016	08.11.2016	19.11.2016
28.11.2016	05.12.2016	15.12.2016	22.12.2016	29.12.2016
04.01.2017	11.01.2017	20.01.2017	27.01.2017	04.02.2017
15.02.2017	27.02.2017	17.03.2017	27.03.2017	31.03.2017

3.3 निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)

ए. गठन: इसका गठन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिनांक 26.09.1995 तथा 20.01.1997 और समय-समय पर भारतीय रिज़र्व बैंक/भारत सरकार द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों के तहत किया गया है.

3.3 Audit Committee of the Board (ACB)

a. Constitution: Constituted under RBI guidelines issued vide Circulars dated 26.09.1995 and 20.01.1997 and further instructions from RBI/GOI from time to time.

बी. प्रयोजन: लेखा परीक्षा समिति का मुख्य कार्य अन्य बातों के साथ-साथ बैंक के वित्तीय रिपोर्टिंग पद्धति का निर्धारण एवं समीक्षा करना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त एवं साखयोग्य है. यह तिमाही/वार्षिक वित्तीय विवरणों की समीक्षा करती है तथा अनुमोदन हेतु बोर्ड को उनके प्रस्तुतीकरण से पहले प्रबंधन को संस्तुत करती है.

लेखा परीक्षा समिति निदेश प्रदान करती है तथा समग्र बैंक के लेखा परीक्षा संबंधी कार्यों का परिचालन देखती है जिसमें आन्तरिक लेखा परीक्षा का संगठन, परिचालन एवं गुणवत्ता नियंत्रण तथा बैंक के अंदर आंतरिक नियंत्रण कमजोरियां तथा निरीक्षण एवं बैंक के सांविधिक/बाहरी लेखा परीक्षा को तथा भारतीय रिज़र्व बैंक निरीक्षणों के सुझाव तथा फॉलो-अप शामिल है.

समिति आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता, आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग की संरचना, इसकी स्टाफ पद्धति की समीक्षा करती है तथा आंतरिक लेखा परीक्षकों/निरीक्षकों के साथ महत्वपूर्ण निष्कर्षों तथा उन पर फॉलो-अप कार्रवाई पर विचार विमर्श करती है. यह फिर बैंक की वित्तीय एवं जोखिम प्रबंधन नीतियों की समीक्षा करती है.

सांविधिक लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षा समिति तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणाम तथा रिपोर्टों को अंतिम रूप देने से पहले सांविधिक लेखा परीक्षकों से विचार विमर्श करती है. यह लॉंग फॉर्म ऑडिट रिपोर्ट (एलएफएआर) में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर फॉलो अप करती है.

सी. संरचना: कुल पांच सदस्य हैं जिसमें शामिल हैं (i) भारत सरकार के निदेशक (ii) भारतीय रिज़र्व बैंक के नामित निदेशक (iii) बैंक के कार्यपालक निदेशक- आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यों के प्रभारी (iv) सीए निदेशक तथा (v) एक गैर कार्यपालक निदेशक.

डी. 31.03.2017 तक समिति के सदस्य

क्र.सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1.	श्रीमती उषा ए. नारायणन	अध्यक्ष
2.	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
3.	श्री मोहम्मद मुस्तफ़ा	सदस्य
4.	श्री अजय कुमार	सदस्य
5.	श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल	सदस्य

ई. बैठकें:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी) की 12 बैठकें निम्नलिखित तारीखों पर आयोजित की गईं-

b. Purpose: The main functions of Audit Committee, inter-alia, include assessing and reviewing the financial reporting system of the Bank to ensure that the financial statements are correct, sufficient and credible. It reviews and recommends to the Management the quarterly / annual financial statements before their submission to the Board for approval.

The Audit Committee provides directions and oversees the operations of total audit functions of the Bank including the organization, operation and quality control of internal audit, internal control weaknesses and inspection within the Bank and follow-up of the suggestions of Statutory/External Auditors of the Bank and RBI inspections.

The Committee also reviews the adequacy of internal control systems, structure of internal audit department, its staffing pattern and hold discussions with the internal auditors / inspectors on any significant finding and follow-up action thereon. It further reviews the financial and risk management policies of the Bank.

As for Statutory Audit, the Audit Committee interacts with the Statutory Central Auditors before finalization of Quarterly / Year to date / Annual Financial Results and Reports. It also maintains follow up on various issues raised in the Long Form Audit Report (LFAR).

c. Composition: Total 5 Members comprising of (i) GOI Director, (ii) RBI Nominee Director, (iii) Bank's Executive Director – In charge of Internal Audit Function (iv) CA Director and (v) One Non-Executive Directors.

d. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Smt. Usha A Narayanan	Chairperson
2	Smt. Papia Senguputa	Member
3	Shri Mohammad Mustafa	Member
4	Shri Ajay Kumar	Member
5	Shri Gopal Krishan Agarwal	Member

e. Meetings:

During the Financial Year 2016-17, the Audit Committee of the Board (ACB) met on -12- occasions on the dates given below:

12.05.2016	12.05.2016	13.06.2016	28.07.2016	10.08.2016	22.08.2016
17.10.2016	11.11.2016	06.12.2016	30.12.2016	10.02.2017	15.03.2017

एफ.उपस्थिति:

की उनके कार्यकाल के दौरान समिति की आयोजित समिति की उक्त बैठकों में उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्नानुसार है:

f. Attendance :

The details of attendance of the Directors at the Meetings of the Committee held during their respective tenure are as under:

निदेशक का नाम	Name of The Director	Period	Meetings Held During Their Tenure	Meetings Attended
डॉ. आर नारायणस्वामी*	Dr. R. Narayanaswamy*	01.04.2016 से / to 06.01.2017	10	10
श्री बी.बी. जोशी*	Shri B.B. Joshi*	01.04.2016 से / to 13.06.2016	3	2
श्री मयंक के. मेहता*	Shri Mayank K. Mehta*	01.04.2016 से / to 22.08.2016	6	6
श्री अशोक कुमार गर्ग*	Shri Ashok Kumar Garg*	17.10.2016 से / to 30.12.2016	4	4
श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	Smt.Papia Sengupta	10.02.2017 से / to 31.03.2017	2	2
श्री मोहम्मद मुस्तफ़ा	Shri Mohammad Mustafa	01.04.2016 से / to 31.03.2017	12	1
श्रीमती सुरेखा मरांडी*	Smt. Surekha Marandi*	01.04.2016 से / to 30.12.2016	10	10
श्री अजय कुमार	Shri Ajay Kumar	13.01.2017 से / to 31.03.2017	2	2
श्रीमती उषा ए नारायणन	Smt. Usha A. Narayanan	01.04.2016 से / to 31.03.2017	12	11
श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल	Shri Gopal Krishan Agarwal	10.08.2016 से / to 31.03.2017	8	5

*वर्ष के दौरान सदस्य नहीं रहे /रहीं.

*Ceased to be member during the year.

3.4 निदेशक मंडल की जोखिम प्रबंधन समिति:

ए. गठन: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वर्ष 2002/ सेबी (एलओडीआर) विनियमन के विनियम 21, में ऋण जोखिम प्रबंधन पर जारी किए गए दिशानिर्देश नोट के तहत गठन किया है.

बी. प्रयोजन: बैंक द्वारा पूर्वानुमानित संपूर्ण जोखिम की समीक्षा एवं मूल्यांकन करना. बैंक ने जोखिम प्रबंधन संगठनात्मक ढांचा, जोखिम सिद्धांत, जोखिम प्रक्रिया, जोखिम नियंत्रण और जोखिम लेखा परीक्षा को शामिल कर समुचित जोखिम प्रबंधन सभी के लिए संरचना इस दृष्टि से तैयार की है कि विभिन्न श्रेणियों के जोखिमों पर अर्थात् ऋण जोखिम, बाजार जोखिम तथा परिचालनात्मक जोखिमों का निर्धारण, प्रबंधन, निगरानी तथा नियंत्रण किया जा सके. इसका निहित उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंक के परिचालन में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय रूप में सतत स्थायित्व तथा दक्षता बनी रहे.

सी. 31.03.2017 तक समिति के सदस्य

क्र.सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1.	श्री रवि वेंकटेसन	अध्यक्ष
2.	श्री पी. एस. जयकुमार	सदस्य
3.	श्री मयंक के. मेहता	सदस्य
4.	श्री अशोक कुमार गर्ग	सदस्य
5.	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
6.	श्रीमती उषा नारायणन	सदस्य

डी. बैठकें:

वित्तीय वर्ष के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर 4 बैठकें आयोजित की गईं-

3.4 Risk Management Committee of the Board:

a. Constitution: Constituted under RBI's guidance note on Credit Risk Management issued in the year 2002 / Regulation 21 of SEBI (LODR) Regulations.

b. Purpose: To review and evaluate the overall risks assumed by the Bank. The Bank has set up an appropriate risk management architecture comprising Risk Management Organizational Structure, Risk Principles, Risk Processes, Risk Control and Risk Audit, all with a view to identify, manage, monitor and control various categories of risks, viz. Credit Risk, Market Risk and Operational Risk. The underlying objective is to ensure continued stability and efficiency in the operations of the Bank, nationally and internationally.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri Ravi Venkatesan	Chairman
2	Shri P. S. Jayakumar	Member
3	Shri Mayank K. Mehta	Member
4	Shri Ashok Kumar Garg	Member
5	Smt. Papia Sengupta	Member
6	Smt. Usha Narayanan	Member

d. Meeting :

The Committee met – 4 - times during the Financial Year on the following dates:

12.05.2016	03.08.2016	10.11.2016	17.01.2017

3.5 हितधारक संबंधपरक समिति

ए. गठन: सेबी (एलओडीआर) नियामक, 2015 के विनियम 20 के अनुपालन में गठित.

बी. उद्देश्य: समिति इस आशय की मॉनिटरिंग करती है कि अंतरण, उपविभाजन, समेकन, नवीकरण, विनिमय अथवा मांग/आवंटन राशि के परांकन की प्रस्तुति तारीख से -15- दिनों के भीतर सभी शेयर प्रमाण पत्र जारी कर दिए जाएं. समिति निवेशकों की शिकायतों के निवारण के लिए समयबद्ध रूप से निगरानी भी करती है.

सी. संरचना: इस समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

(i) कार्यपालक निदेशक (गण) एवं

(ii) दो गैर कार्यपालक निदेशक इसके सदस्य तथा एक गैर कार्यपालक निदेशक इसके अध्यक्ष हैं.

डी. 31 मार्च, 2017 को समिति के सदस्य :

क्र. सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1.	श्री भरत कुमार डी डांगर	अध्यक्ष
2.	श्री मयंक के. मेहता	सदस्य
3.	श्री अशोक कुमार गर्ग	सदस्य
4.	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
5.	श्री प्रेम कुमार मक्कड़	सदस्य

ई. बैठक: वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -04- बैठकें आयोजित की गईं:

13.05.2016	10.08.2016	11.11.2016	16.03.2017

एफ. अन्य विवरण: वर्ष के दौरान प्राप्त एवं निवारण की गई शिकायतों / निवेदनों की संख्या का सारांश नीचे दिया गया है:

01.04.2016 को लंबित Pending as on 01.04.2016	वर्ष के दौरान प्राप्त Received during the year	वर्ष के दौरान निवारण Resolved during the year	31.03.2017 को लंबित Pending as on 31.03.2017
2	4528	4530	0

श्री एम. एल. जैन, उप महाप्रबन्धक- बोर्ड सचिव एवं कम्पनी सचिव को सेबी (सूचीयन करार और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियमन , 2015 के नियम 6 के तहत बैंक के "अनुपालन अधिकारी" के रूप में नामित किया गया है.

3.6 नामांकन समिति

ए. गठन: भारतीय रिज़र्व बैंक की अधिसूचना सं. डीबीओडी सं. बीसी सं. 46 और 47/29.03.001/2007-08 दिनांक 01.11.2007 के साथ पठित सं. डीबीओडी.बीसी.सं. 95/29.39.001/2010-11 दिनांक 23.05.2011 में जारी दिशानिर्देशों के तहत गठित.

बी. उद्देश्य: बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(आई) के प्रावधानों के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक मंडल में चयन किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए तथा इस श्रेणी के अंतर्गत मौजूदा निदेशकों हेतु वार्षिक आधार पर 'फिट एण्ड प्रोपर' स्टेटस सुनिश्चित करना.

सी. 31 मार्च, 2017 को समिति के सदस्य :

क्र. सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री रवि वेंकटेसन	अध्यक्ष
2	श्री मोहम्मद मुस्तफा	सदस्य
3	श्री प्रेम कुमार मक्कड	सदस्य
4	श्री बिजू वर्क्की	सदस्य

3.5 Stakeholders Relationship Committee

a. Constitution: Constituted pursuant to Regulation 20 of SEBI (LODR) Regulations, 2015.

b. Purpose: The Committee monitors the issuance of share certificates within a period of -15- days of the date of lodgment for transfer, sub-division, consolidation, renewal, exchange or endorsement of calls / allotment money. The Committee further monitors the redressal of investors' complaints in a time bound manner.

c. Composition : The Committee includes following members :

(i) Executive Director (s) and

(ii) Two Non-Executive Directors as its members with a Non-Executive Director as its Chairman.

d. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri Bharatkumar D. Dangar	Chairman
2	Shri Mayank K. Mehta	Member
3	Shri Ashok Kumar Garg	Member
4	Smt. Papia Sengupta	Member
5	Shri Prem Kumar Makkar	Member

e. Meeting : The Committee met – 4 - times during the Financial Year 2016-17 on the following dates

f. Other Details: The summary of number of requests/ complaints received and resolved during the year are as under:

Shri M. L. Jain, Deputy General Manager – Secretary to Board & Company Secretary has been designated as the "Compliance Officer" of the Bank under Regulation 6 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirement) Regulations, 2015.

3.6 Nomination Committee

a. Constitution: Constituted in terms of the guidelines issued by Reserve Bank of India, Notification No. DBOD No. BC No 46 and 47/29.03.001/2007-08 dated 01.11.2007 read with No. DBOD.BC.No.95/29.39. 001/2010-11 dated 23.05.2011.

b. Purpose: To ascertain 'Fit and Proper' status of persons to be elected as directors on the Boards of the Nationalized Banks under the provisions of Section 9(3)(i) of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and also on annual basis for existing directors under this category.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/Chairman
1	Shri Ravi Venkatesan	Chairman
2	Shri Mohammad Mustafa	Member
3	Shri Prem Kumar Makkar	Member
4	Shri Biju Varkkey	Member

डी. बैठक: मौजूदा शेयरधारक निदेशकों अर्थात् श्री आर. नारायणस्वामी, श्री भरतकुमार डी. डांगर और श्रीमती उषा नारायणन के 'फिट एण्ड प्रोपर' स्थिति की पुष्टि करने के लिए वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 13.05.2016 तथा 20.07.2016 को समिति की दो बैठकें आयोजित की गईं.

3.7 ग्राहक सेवा समितियां

(ए) निदेशक मंडल की ग्राहक सेवा समिति

ए. गठन: समिति का गठन भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुसार किया गया है (संदर्भ मास्टर परिपत्र : सं.डीबीआर सं.लीग.बीसी. 21/09.07.006/2015-16 दिनांक 1 जुलाई, 2015).

बी. उद्देश्य: समिति के कार्यों में ग्राहक सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए सुझाव तथा नवोन्मेषी उपायों के लिए प्लेटफॉर्म का सृजन करना तथा सभी संवर्ग के ग्राहकों के लिए ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में वृद्धि करना तथा संतुष्टि स्तर में सुधार करना शामिल है जिसमें अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित का समावेश है:

i. सार्वजनिक सेवाओं की प्रक्रिया एवं कार्यनिष्पादन लेखा परीक्षा सम्बन्धी स्थायी समिति के कार्यों की देखरेख करना तथा ग्राहक सेवाओं की स्थायी समिति की सिफारिशों के अनुपालन को सुनिश्चित करना.

ii. अधिनिर्णय की तारीख से तीन महीने से अधिक बीत जाने पर भी लागू न किए गए बकाया अधिनिर्णयों तथा बैंकिंग लोकपाल द्वारा बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में पाई गई कमियों की स्थिति की समीक्षा करना.

iii. मृत जमाकर्ताओं / लॉकर किराएदारों / सुरक्षित अभिरक्षा में रखी गई वस्तुओं के जमाकर्ताओं से सम्बन्धित निपटान हेतु 15 दिनों की अवधि से अधिक समय से बकाया दावों की संख्या की स्थिति सम्बन्धी समीक्षा करना.

सी. 31 मार्च, 2017 को समिति के सदस्य :

क्र. सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री पी. एस. जयकुमार	अध्यक्ष
2	श्री मयंक के. मेहता	सदस्य
3	श्री अशोक कुमार गर्ग	सदस्य
4	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
5	श्री प्रेम कुमार मक्कड	सदस्य
6	श्री बीजू वर्क्की	सदस्य

डी. बैठकें:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -04- बैठकें आयोजित की गईं:

13.05.2016	10.08.2016	17.10.2016	09.02.2017

(बी) ग्राहक सेवा सम्बन्धी स्थायी समिति

समिति का गठन भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुसार किया गया है (संदर्भ मास्टर परिपत्र : सं.डीबीआर सं.लीग.बीसी. 21/09.07.006/2015-16 दिनांक 1 जुलाई, 2015). इस समिति का

d. Meeting : During the Financial Year 2016-17, the Committee met twice on 13.05.2016 & 20.07.2016 to confirm the 'Fit and Proper' status of the existing shareholder directors i.e. Shri R Narayanaswamy and Shri Bharatkumar D. Dangar and Smt. Usha Narayanan

3.7 Customer Service Committees

(A) Customer Service Committee of the Board

a. Constitution: The Committee is set up as per the directives of RBI. (Ref: Master Circular : No.DBR No.Leg. BC. 21/09.07. 006/ 2015-16 dated July 1, 2015)

b. Purpose: The functions of the Committee include creating a platform for making suggestions and innovative measures for enhancing the quality of customer services and improving the level of satisfaction for all categories of clientele at all times, which inter-alia comprises the following:

i. Oversee the functioning of the Standing Committee on Procedure and Performance Audit on Public Services and also compliance with the recommendation of the Standing Committee on Customer Services.

ii. Review the status of the Awards remaining unimplemented for more than 3 months from the date of Awards and also deficiencies in providing Banking services as observed by the Banking Ombudsman.

iii. Review the status of the number of deceased claims remaining pending / outstanding for settlement beyond 15 days pertaining to deceased depositors / locker hirers / depositor of safe custody articles.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri P. S. Jayakumar	Chairman
2	Shri Mayank K. Mehta	Member
3	Shri Ashok K.Garg	Member
4	Smt. Papia Sengupta	Member
5	Shri Prem Kumar Makkar	Member
6	Shri Biju Varkkey	Member

d. Meeting :

During the Financial Year 2016-17, the Committee met -4- times on the following dates:

(B) Standing Committee on Customer Service

The Committee is set up as per the directives of RBI. (Ref: Master Circular : No.DBR No.Leg.BC. 21/09.07. 006/ 2015-16 dated July 1, 2015).This Committee has

गठन विशेष रूप से जन समान्य को उपलब्ध बैंकिंग सुविधाओं पर ध्यान केन्द्रित करने तथा (i) सेवा के मौजूदा स्तर के बैंचमार्क (ii) आवधिक प्रगति की समीक्षा (iii) समयबद्धता एवं गुणवत्ता को बढ़ाने (iv) प्रौद्योगिकी उन्नयन के मद्देनजर प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाने (v) क्रमिक आधार पर परिवर्तन को सुचारू बनाने के लिए समुचित सुझाव देने हेतु किया गया है.

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -02- बैठकें आयोजित की गईं:

been set up to focus on the banking services available to the public at large and focusing on the need to (i) benchmark the current level of service, (ii)review the progress periodically,(iii) enhance the timelines and quality,(iv) rationalize the processes taking into account technological developments,(v) suggest appropriate initiatives to facilitate change on an ongoing basis.

During the Financial Year 2016-17, the Committee met -2- times on the following dates:

08.07.2016	02.02.2017

3.8 बड़ी राशि की धोखाधड़ी संबंधी समिति

ए. गठन: भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्रांक आरबीआई/2004.15/ डीबीएस.एफजीवी(एफ) नं.1004/23.04.01ए/ 2003-04 दिनांक 14 जनवरी, 2004 के अनुसार गठन किया गया है.

बी. उद्देश्य: हमारे बैंक में रू. 1.00 करोड़ और उससे अधिक की राशि के धोखाधड़ी सम्बन्धी मामलों की मॉनिटरिंग करना ताकि:

- धोखाधड़ी के आपराधिक कृत्य में प्रणालीगत खामियों का पता लगाने और उन पर नियंत्रण करने के लिए उपाय किए जा सकें
- धोखाधड़ी के पता लगाने में विलम्ब के कारणों की पहचान तथा बैंक तथा भारतीय रिजर्व बैंक के उच्च प्रबन्धकों को उसकी रिपोर्टिंग
- सीबीआई / पुलिस जांच पड़ताल की प्रगति तथा वसूली की स्थिति

यह सुनिश्चित करना कि धोखाधड़ी के सभी मामलों में सभी स्तरों पर स्टाफ उत्तरदायित्व का परीक्षण हो और स्टाफ पर कार्रवाई, यदि अपेक्षित हो, अविलम्ब हो

- धोखाधड़ी की पुनरावृति के निवारण के लिए की गई सुधारात्मक कार्यवाही की प्रभावोत्पादकता की समीक्षा यथा आंतरिक नियंत्रण को सशक्त करना और
- धोखाधड़ी के खिलाफ निवारक उपायों को सुदृढ़ करने के लिए यथावश्यक अन्य उपाय करना.

सी. 31.03.2017 को समिति के सदस्य

क्र. सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री रवि वेंकटेसन	अध्यक्ष
2	श्री पी. एस. जयकुमार	सदस्य
3	श्री मोहम्मद मुस्तफा	सदस्य
4	डॉ. आर. नारायणस्वामी	सदस्य
5	श्री प्रेम कुमार मक्कड़	सदस्य
6	श्रीमती उषा नारायणन	सदस्य

डी. बैठकें:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -05- बैठकें आयोजित की गईं:

3.8 Committee on High Value Frauds

a. Constitution: Constituted as per RBI circular no. RBI/2004.15/.DBS.FGV(F) No.1004/23.04.01A/2003-04 dated 14th January, 2004.

b. Purpose: To monitor high value frauds of Rs.1.00 crore and above in our Bank so as to:

- identify the systemic lacunae if any that facilitated perpetration of the fraud and put in place measures to plug the same
- identify the reasons for delay in detection, if any, reporting to top management of the Bank and RBI

monitor progress of CBI/Police investigation and recovery position

- ensure that staff accountability is examined at all levels in all the cases of frauds and staff side action, if required, is completed quickly without loss of time
- review the efficacy of the remedial action taken to prevent recurrence of frauds, such as strengthening of internal controls and
- put in place other measures as may be considered relevant to strengthen preventive measures against frauds.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri Ravi Venkatesan	Chairman
2	Shri P. S. Jaya Kumar	Member
3	Shri Mohammad. Mustafa	Member
4	Dr. R. Narayanaswamy	Member
5	Shri Prem Kumar Makkar	Member
6	Smt. Usha A Narayanan	Member

d. Meeting :

The Committee met - 5- times during the Financial Year 2016-17 as per the details below:-

12.05.2016	03.08.2016	16.09.2016	10.11.2016	08.02.2017

3.9 बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी नीति समिति

ए. गठन: भारतीय रिज़र्व बैंक की सूचना सुरक्षा / इलैक्ट्रोनिक बैंकिंग, तकनीकी जोखिम प्रबन्धन तथा साईबर फ्रॉड पर वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के अनुरूप बैंक ने 27 फरवरी, 2012 को आयोजित बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी नीति समिति का गठन किया है.

बी. 31.03.2017 को समिति के सदस्य:

क्र. सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री रवि वेंकटेसन	अध्यक्ष
2	श्री पी. एस. जयकुमार	सदस्य
3	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
4	श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल	सदस्य
5	श्री कृष्ण सुदर्शन (बाह्य विशेषज्ञ)	सदस्य
6	डॉ. दीपक बी. फाटक (बाह्य विशेषज्ञ)	**आमंत्रित**

सी. बैठकें:
वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर पांच बैठकें आयोजित की गईं:

3.9 IT Strategy Committee of the Bank

a. Constitution: In accordance with the recommendations of Reserve Bank of India Working Group on Information Security, Electronic Banking, Technology Risk Management & Cyber Frauds, the Bank at its Board meeting held on 27th February, 2012, constituted an IT Strategy Committee.

b. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri Ravi Venkatesan	Chairman
2	Shri P. S. Jayakumar	Member
3	Smt. Papia Sengupta	Member
4	Shri Gopal Krishna Agarwal	Member
5	Shri Krishna Sudarshan (External Expert)	Member
6	Dr. Deepak B. Phatak (External Expert)	Invitee

c. Meeting:
The Committee met five times during the Financial Year 2016-17 as per the details below:

01.06.2016	03.08.2016	10.11.2016	20.12.2016	08.02.2017

3.10 मानव संसाधन पर बोर्ड की नीतिपरक सलाहकार समिति

ए. गठन: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मानव संसाधन संबंधी मामलों पर खंडेलवाल समिति की सिफारिशों के अनुरूप बैंक ने वर्ष 2012 में ''मानव संसाधन पर बोर्ड की संचालन समिति" का गठन किया था. (13.02.2016 को नाम बदल कर ''मानव संसाधन पर बोर्ड की नीतिपरक सलाहकार समिति" कर दिया गया).

बी. उद्देश्य: मानव संसाधन से संबंधित विभिन्न मामलों/मुद्दों पर चर्चा करना.

सी. 31.03.2017 को समिति सदस्य:

क्र. सं.	निदेशक/ सदस्य का नाम	सदस्य/ अध्यक्ष
1	श्री बिजू वक्कीं	अध्यक्ष
2	श्री पी. एस. जयकुमार	सदस्य
3	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
4	श्री प्रेम कुमार मक्कड	सदस्य
5	श्री संजीव सचर (बाह्य विशेषज्ञ)	सदस्य
6	श्री कृष शंकर (बाह्य विशेषज्ञ)	सदस्य

डी. बैठक:
वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर चार बैठकें आयोजित की गईं:

3.10 Strategic Advisory Committee of the Board on HR

a. Constitution: Constituted in terms of recommendations of Khandelwal Committee on HR Issues of PSBs, the Bank constituted a “Steering Committee of the Board on HR” in the year 2012. (renamed as “Strategic Advisory Committee of the Board on HR” on 13.02.2016).

b. Purpose: To discuss various matters/issues related to Human Resources.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/ Member	Member/Chairman
1	Shri Biju Varkkey	Chairman
2	Shri P. S. Jayakumar	Member
3	Smt. Papia Sengupta	Member
4	Shri Prem Kumar Makkar	Member
5	Shri Sanjeev Sachar (External Expert)	Member
6	Shri Krish Shankar (External Expert)	Member

d. Meeting :
This committee met on four times during the year 2016-17 as per details given below:

20.07.2016	15.10.2016	20.12.2016	08.02.2017

3.11 निदेशकों की समिति

ए. गठन: भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार गठित की गई है.

बी. उद्देश्य: वित्त मंत्रालय के पत्र दिनांक 24.10.1990 के अनुरूप यह समिति सतर्कता सम्बन्धी अनुशासनिक मामलों और विभागीय जांचों की समीक्षा का कार्य करती है.

सी. 31.03.2017 को समिति के सदस्य:

क्र.सं.	निदेशक/ सदस्य का नाम	सदस्य/ अध्यक्ष
1	श्री पी. एस. जयकुमार	अध्यक्ष
2	श्री मोहम्मद मुस्तफा	सदस्य
3	श्री अजय कुमार	सदस्य

डी. बैठक:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -05- बैठकें आयोजित की गईं:

3.11 Committee of Directors

a. Constitution: Constituted as per GOI guidelines.

b. Purpose: This Committee deals with review of vigilance / non-vigilance disciplinary cases and departmental enquiries vide MOF letter dated 24.10.1990.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri P. S. Jayakumar	Chairman
2	Shri Mohammad Mustafa	Member
3	Shri Ajay Kumar	Member

d. Meeting :

The Committee met -5-times during the Financial Year 2016-17 on the following dates :

13.05.2016	16.05.2016	10.08.2016	10.12.2016	16.03.2017

3.12 वसूली की मॉनिटरिंग के लिए समिति

ए. गठन: वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक एफ.नं.7/2/2015-रिकवरी दिनांक 1 जनवरी, 2016 के माध्यम से जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है.

बी. उद्देश्य: वसूली कार्यनिष्पादन की निगरानी करना

सी. 31.03.2017 को समिति सदस्य:

क्र. सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री पी. एस. जयकुमार	अध्यक्ष
2	श्री मयंक के. मेहता	सदस्य
3	श्री अशोक कुमार गर्ग	सदस्य
4	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
5	श्री मोहम्मद मुस्तफा	सदस्य
6	श्री भरत कुमार डांगर	सदस्य
7	श्री नागेश श्रीवास्तव	सदस्य
8	श्री एन के सिंघल	सदस्य
9	श्री एम एल शर्मा	संयोजक

डी. बैठक :

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -07- बैठकें आयोजित की गईं:

3.12 Committee for Monitoring of Recovery

a. Constitution: As per guidelines issued by Ministry of Finance, Government of India, Dept of Financial Services, New Delhi, vide letter no.F.No.7/2/2015 Recovery dated 01.01.2016.

b. Purpose: Monitoring of Recovery Performance

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri P. S. Jayakumar	Chairman
2	Shri Mayank Mehta	Member
3	Shri Ashok Kumar Garg	Member
4	Smt. Papia Sengupta	Member
5	Shri Mohammad Mustafa	Member
6	Shri Bharat Kumar Dangar	Member
7	Shri Nagesh Srivastava	Member
8	Shri N. K. Singhal	Member
9	Shri M. L. Sharma	Convener

d. Meeting :

This committee met on seven times during the year 2016-17 as per details given below:

07.04.2016	01.06.2016	27.07.2016	27.09.2016
30.11.2016	03.02.2017	27.02.2017	

3.13 शेयर / बांड अंतरण समिति

ए. गठन: सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अनुपालन में गठित की गई है.

बी. उद्देश्य: शेयरों/ बांडों के अंतरण/ हस्तांतरण का अनुमोदन तथा अन्य मामलों जैसे डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करना, नाम हटाना, स्टेटस बदलना आदि पर विचार करना.

3.13 Shares/Bonds Transfer Committee:

a. Constitution: Constituted pursuant to SEBI (LODR) Regulations, 2015.

b. Purpose: To consider and approve transfer / transmission of Shares / Bonds and other issues like issue of duplicate share certificate, deletion of name, change of status, etc.

सी. 31.03.2017 को समिति सदस्य:

क्र.सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री पी. एस. जयकुमार	अध्यक्ष
2	श्री मयंक के. मेहता	सदस्य
3	श्री अशोक कुमार गर्ग	सदस्य
4	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
5	श्री एस के चौधरी	सदस्य
6	श्री कमल के महाजन	सदस्य
7	श्री एन वेणुगोपाल	सदस्य

डी. बैठकें:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -50- बैठकें आयोजित की गईं:

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri P. S. Jayakumar	Chairman
2	Shri Mayank K Mehta	Member
3	Shri Ashok Kumar Garg	Member
4	Smt. Papia Sengupta	Member
5	Shri S. K. Choudhury	Member
6	Shri Kamal K. Mahajan	Member
7	Shri N. Venugopal	Member

d. Meeting :
The Committee met on fifty times during the Financial Year 2016-17, on the following dates:

07.04.2016	18.04.2016	25.04.2016	03.05.2016	10.05.2016	17.05.2016
24.05.2016	01.06.2016	10.06.2016	20.06.2016	21.06.2016	23.06.2016
02.07.2016	11.07.2016	14.07.2016	26.07.2016	02.08.2016	08.08.2016
16.08.2016	24.08.2016	02.09.2016	12.09.2016	15.09.2016	19.09.2016
27.09.2016	03.10.2016	07.10.2016	21.10.2016	28.10.2016	07.11.2016
17.11.2016	24.11.2016	03.12.2016	08.12.2016	16.12.2016	22.12.2016
28.12.2016	05.01.2017	13.01.2017	23.01.2017	30.01.2017	03.02.2017
09.02.2017	14.02.2017	22.02.2017	28.02.2017	06.03.2017	14.03.2017
18.03.2017	27.03.2017				

3.14 पारिश्रमिक समिति

क. गठन: भारत सरकार ने अपनी अधिसूचना सं. एफ नं. 20/1/2005-बीओआई दिनांक 9 मार्च, 2007 के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पूर्णकालिक निदेशकों के लिए कार्यनिष्पादन सह प्रोत्साहन की घोषणा की जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया तथा दिनांक 18.08.2015 के अंतिम पत्र ने पिछले पत्रों का स्थान ले लिया है. यह प्रोत्साहन विगत वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न अनुपालन रिपोर्टों पर आधारित लक्ष्यों एवं बैंचमार्क के अनुरूप कार्यनिष्पादन मूल्यांकन, जिसमें गुणवत्ता व मात्रा दोनों का समावेश है, पर आधारित है. उक्त दिशानिर्देशों के अनुपालन में निदेशक मंडल की पारिश्रमिक समिति का गठन किया गया.

बी. उद्देश्य: बैंक के पूर्णकालिक निदेशकों के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करना और निर्णय लेना.

सी. 31.03.2017 को समिति सदस्य:

क्र.सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री रवि वेंकटेसन	अध्यक्ष
2	श्री मोहम्मद मुस्तफा	सदस्य
3	श्री अजय कुमार	सदस्य
4	डॉ. आर. नारायणस्वामी	सदस्य
5	श्री भरत कुमार डांगर	सदस्य

3.14 Remuneration Committee

a. Constitution: Government of India announced Performance Linked Incentives for Whole Time Directors of Public Sector Banks vide Notification No.F No.20/1/2005-BO.I dated 9th March, 2007 and amended from time to time, the last letter dated 18.08.2015 in supersession of the earlier letters. The incentive is based on certain qualitative as well as quantitative parameters fixed for Performance Evaluation Matrix on the basis of the Statement of Intent (SOI) on goals and benchmarks based on various compliance reports during the previous financial year. In compliance of the said directives, a Remuneration Committee of the Board was constituted.

b. Purpose: To evaluate and decide upon the performance of Whole Time Directors of the Bank.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri Ravi Venkatesan	Chiarman
2	Shri Mohammad Mustafa	Member
3	Shri Ajay Kumar	Member
4	Dr. R. Narayanaswamy	Member
5	Shri Bharat Kumar Dangar	Member

डी. बैठक:

विगत वित्तीय वर्ष 2015-16 के लाभ की अपर्याप्तता को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान पारिश्रमिक समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं की गई.

3.15 बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं में शेयर धारक निदेशकों के चुनाव के लिए प्रत्याशियों के समर्थन संबंधी समिति

ए. गठन: वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक एफ.नं.16/11/2012-बीओ-आई दिनांक 03 अप्रैल, 2012 के माध्यम से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार गठित की गई है.

बी. उद्देश्य : वित्तीय संस्थाओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कम्पनियों में शेयरधारक निदेशकों के चुनाव के लिए प्रत्याशियों को सहयोग प्रदान करना.

सी. 31.03.2017 को समिति के सदस्य:

क्र.सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री पी. एस. जयकुमार	अध्यक्ष
2	श्री मयंक के. मेहता	सदस्य
3	श्री अशोक कुमार गर्ग	सदस्य
4	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	सदस्य
5	डॉ. आर. नारायणस्वामी	सदस्य
6	श्री भरत कुमार डांगर	सदस्य

डी. बैठक:

समिति को वर्ष के दौरान कोई भी मामला नहीं भेजा गया.

4. निदेशकों का पारिश्रमिक

गैर कार्यपालक निदेशकों की यात्रा तथा ठहरने पर होने वाले व्यय सहित पारिश्रमिक का भुगतान राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 (यथा संशोधित) की धारा 17 में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप समय - समय पर केन्द्र सरकार द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के परामर्श से यथा निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जा रहा है. प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा कार्यपालक निदेशकों (पूर्णकालिक निदेशकों) को पारिश्रमिक का भुगतान वेतन के रूप में भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप किया जाता है. इस समय बैंक में कोई स्टॉक ऑप्शन योजना नहीं है. प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा कार्यपालक निदेशक/कों को भुगतान किए गए पारिश्रमिक का ब्यौरा निम्नानुसार है:

ए. वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान वेतन का भुगतान

क्र.सं.	नाम	पदनाम	राशि (रू.)
1	श्री पी. एस. जयकुमार	प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	30,78,225
2	श्री बी. बी.जोशी*	कार्यपालक निदेशक	21,65,205
3	श्री मयंक के. मेहता	कार्यपालक निदेशक	26,20,322
4	श्री अशोक कुमार गर्ग (09.08.2016 से प्रभावी)	कार्यपालक निदेशक	16,01,143
5	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता (01.01.2017 से प्रभावी)	कार्यपालक निदेशक	6,04,537

* 31.12.2016 से सेवा में नहीं रहे.

d. Meeting:

During the Financial Year 2016-17, no meeting of Remuneration Committee was held in view of inadequacy of profit for preceding F. Y. 2015-16.

3.15 Committee to support candidates for election of Shareholder Directors for Banks & FIs

a. Constitution: Constituted under the guidelines received from Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India, New Delhi, vide letter No.16/11/2012-BO-I dated 3rd April, 2012

b. Purpose: For supporting candidates for election of Share Holder Directors in Financial Institutions and Public sector Insurance Companies.

c. Members as on 31.03.2017:

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri P. S. Jayakumar	Chairman
2	Shri Mayank K Mehta	Member
3	Shri Ashok Kumar Garg	Member
4	Smt. Papia Sengupta	Member
5	Dr. R. Narayanaswamy	Member
6	Shri Bharatkumar D. Dangar	Member

d. Meeting :

No case was referred to the Committee during the year.

4 REMUNERATION OF DIRECTORS

The remuneration including travelling and halting expenses to Non-Executive Directors are being paid as stipulated by the Central Government in consultation with Reserve Bank of India from time to time in terms of Clause 17 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 (as amended).

The Managing Director & CEO and Executive Directors (whole time directors) are being paid remuneration by way of salary as per rules framed by the Government of India. At present the Bank has no Stock Option Scheme. The details of remuneration paid to the Managing Director & CEO and Executive Director/s are detailed below:

A. Salary paid during the Financial Year 2016-17:

Sr. No.	Name	Designation	Amount (Rs.)
1	Shri P. S. Jayakumar	Managing Director & CEO	30,78,225
2	Shri B.B. Joshi *	Executive Director	21,65,205
3	Shri Mayank K. Mehta	Executive Director	26,20,322
4	Shri Ashok Kumar Garg (w.e.f. 09.08.2016)	Executive Director	16,01,143
5	Smt. Papia Sengupta (w.e.f. 01.01.2017)	Executive Director	6,04,537

*Ceased on 31.12.2016

बी. वर्ष 2016-17 के दौरान कार्यनिष्पादन सहबद्ध प्रोत्साहन का भुगतान: (वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए): शून्य

सी. गैर-कार्यपालक निदेशकों को बैठक सहभागिता शुल्क का भुगतान: राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970, सरकारी दिशानिर्देशों के साथ पठित, के प्रावधानों के अनुसार निदेशक मंडल एवं निदेशक मंडल समितियों में सहभागिता करने हेतु गैर कार्यपालक निदेशकों को बैठक सहभागिता शुल्क दिया गया. वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान दिए गए बैठक सहभागिता शुल्क का विवरण निम्नानुसार है: (पूर्णकालिक निदेशकों तथा भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नामित निदेशकों को किसी प्रकार का बैठक सहभागिता शुल्क देय नहीं है) :

क्र.सं.	निदेशक का नाम	राशि (रू.)
1	श्री रवि वेंकटेसन	4,60,000
2	श्री प्रेम कुमार मक्कड़	5,60,000
3	श्री भरतकुमार डी डांगर	6,60,000
4	डॉ. आर. नारायणस्वामी	4,70,000
5	श्रीमती उषा ए. नारायणन	5,20,000
6	श्री बीजू वर्क्की	4,70,000
7	श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल	2,80,000

B. Performance Linked Incentives paid during 2016-17: (for FY 2015-16): Nil

C. Sitting Fee paid to Non-executive Directors:
The Sitting Fee is paid to the Non-Executive Directors as per the provisions of Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme 1970, read with government guidelines for attending Board and Board Committee meetings. Details of sitting fee paid during the Year 2016-17 are as under (No sitting fee is payable to Whole Time Directors and Directors representing Government of India & RBI):

Sr. No.	Name of the Director	Amount (Rs.)
1	Shri Ravi Venkatesan	4,60,000
2	Shri Prem Kumar Makkar	5,60,000
3	Shri Bharatkumar D. Dangar	6,60,000
4	Shri R. Narayanaswamy	4,70,000
5	Smt. Usha A. Narayanan	5,20,000
6	Shri Biju Varkkey	4,70,000
7	Shri Gopal Krishan Agarwal	2,80,000

5. सामान्य सभा की बैठकें

सामान्य सभा की गत तीन वर्षों के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण निम्नानुसार है:

5. GENERAL BODY MEETINGS

The details of General Body Meetings held during the last three years are given below:

बैठक का स्वरू प Nature of Meeting	दिनांक एवं समय Date & Time	स्थान Venue	विशेष संकल्प पारित Special Resolution Passed
18वीं वार्षिक सामान्य बैठक 18th Annual General Meeting	25 जून, 2014 प्रात: 10.30 बजे 25th June, 2014 at10.30 a.m	सर सयाजीराव नगर गृह, वड़ोदरा महानगर सेवा सदन, बैंक ऑफ बड़ौदा टी.पी.-1 एफ.पी.549/1 जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड़, अकोटा, वडोदरा - 390020 Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, Bank of Baroda T.P.-1, F.P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020	-
असाधारण सामान्य बैठक Extra Ordinary General Meeting	26 मार्च, 2015 प्रात: 10.00 बजे 26th March, 2015 at 10.00 a.m.		इक्विटी शेयरों का अधिमानी निर्गम Preferential issue of equity shares
19 वीं वार्षिक सामान्य बैठक 19th Annual General Meeting	24 जून, 2015 प्रात: 10.30 बजे 24th June, 2015 at10.30 a.m		-
असाधारण सामान्य बैठक Extra Ordinary General Meeting	28 सितम्बर, 2015 प्रात: 10.30 बजे 28th September 2015 at 10.30 a.m.		इक्विटी शेयरों का अधिमानी निर्गम Preferential issue of equity shares
20 वीं वार्षिक सामान्य बैठक 20th Annual General Meeting	24 जून, 2016 दोपहर 12.00 बजे 24th June, 2016 at 12.00 Noon		-

6. संप्रेषण के साधन

बैंक मौजूदा संचार साधनों के माध्यम से अपने सदस्यों और हितधारकों को उनके हितों से सम्बद्ध जानकारियों के बारे में सूचित करने की आवश्यकता समझता है.

बैंक के वित्तीय परिणामों को निदेशक मण्डल की बैठक में उनके अनुमोदन के पश्चात बैठक की समाप्ति पर तत्काल उन स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत किया जाता है जहां पर बैंक की प्रतिभूतियां सूचीबद्ध हैं. ये परिणाम कम से कम एक अंग्रेजी भाषा के राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र, जिसका प्रसार पूरे भारत में हो और दूसरा समाचार पत्र उस राज्य की भाषा, जहां बैंक का प्रधान कार्यालय स्थित है अर्थात् गुजरात (गुजराती में), में प्रकाशित करवाए जाते हैं. बैंक छमाही आधार पर अपने शेयरधारकों को परिणामों की प्रति प्रेषित करता है. बैंक अपने वित्तीय परिणामों तथा भावी योजनाओं की घोषणा करने के लिए एनेलिस्ट बैठकें, प्रेस कॉंफ्रेंस इत्यादि भी आयोजित करता है.

बैंक के तिमाही / ईयर टू डेट/ वार्षिक वित्तीय परिणामों के साथ-साथ एनेलिस्ट को दी गई प्रेजेंटेशन की प्रति तथा अन्य आधिकारिक समाचार बैंक की वेबसाइट http://www.bankofbaroda.co.in पर उपलब्ध रहते हैं. एनेलिस्ट बैठक में की गई प्रस्तुति के वेबकास्ट का सीधा प्रसारण देखने हेतु वेबसाइट में लिंक उपलब्ध कराया जाता है और संग्रहित वेबकास्ट भी 30 दिनों तक वेबसाइट पर उपलब्ध रहती है.

6. MEANS OF COMMUNICATION

The Bank recognizes the need for keeping its members and stakeholders informed of the events of their interests through present means of communication.

The financial results of the Bank are submitted to the stock exchanges, where the securities of the Bank are listed, immediately after the conclusion of the Board Meeting approving the same. The results are also published in at least one English language national daily newspaper circulating in the whole or substantially the whole of India and in one daily newspaper published in the language of the region, where the registered office of the Bank is situated i.e. Gujarat (in Gujarati). The Bank furnishes results to the Shareholders on Half Yearly basis. The Bank also organizes analysts'-meets, press conferences etc. for announcing Bank's financial results and its future plans.

The Quarterly / Year to Date / Annual Financial Results of the Bank as well as the copy of presentation made to Analysts and other official news are posted on the Bank's Website – http://www.bankofbaroda.co.in. The live web cast of presentation made to Analysts' Meet is made accessible from links uploaded in the website and the archived webcast is also available in the website for 30 days.

7. वित्तीय कैलेण्डर

7. FINANCIAL CALENDAR

वित्तीय वर्ष Financial Year	1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 1st April, 2016 to 31st March, 2017
खातों (एकल एवं समेकित) पर विचार विमर्श करने हेतु निदेशक मंडल की बैठक Board Meeting for considering of Accounts (Standalone & Consolidated)	18 मई, 2017 18th May, 2017
21 वीं वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख, समय एवं स्थान Date, Time & Venue of the 21st AGM	दिनांक 30 जून, 2017 सुबह 10.15 बजे Date 30th June 2017 At 10.15 a.m. सर सयाजीराव नगर गृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, टी.पी.-1 एफ. पी.549/1, जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड, अकोटा, वडोदरा - 390020 Sir Sayaji Rao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, T. P. – 1, F. P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020
बहियां बन्द करने की तारीख Book Closure Dates	24 जून, 2017 से 30 जून 2017 (दोनों दिवस शामिल) 24th June 2017 to 30th June 2017 (Both days Inclusive)
प्रॉक्सी फार्म प्राप्त करने की अंतिम तारीख Last Date for receipt of Proxy Forms	25 जून, 2017 25th June 2017
लाभांश भुगतान की तारीख Dividend Payment Date	10 जुलाई, 2017 10th July 2017

8. शेयरधारकों से संबद्ध सूचना

बैंक के शेयर भारत में निम्नलिखित प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं:

बीएसई लिमिटेड,
फिरोज जीजीभाई टॉवर्स,
25 वां तल,
दलाल स्ट्रीट, फोर्ट,
मुंबई 400 001
बीएसई कोड : 532134

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.
''एक्सचेंज प्लाजा''
बान्द्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स,
बान्द्रा (पूर्व),
मुंबई - 400 051
एनएसई कोड : BANKBARODA

एक्सचेंजों में सूचीबद्ध सभी प्रतिभूतियों के संबंध में 31.03.2017 तक के वार्षिक सूचीयन शुल्क का भुगतान कर दिया गया है.

8. SHAREHOLDERS' INFORMATION

The Bank's shares are listed on the following major Stock Exchanges in India:

B S E Ltd.,
Phiroze Jeejeebhoy Towers
25th Floor,
Dalal Street, Fort,
Mumbai - 400 001
BSE CODE : 532134

National Stock Exchange of India Ltd.,
"Exchange Plaza"
Bandra Kurla Complex,
Bandra,(East),
Mumbai - 400 051
NSE CODE : BANKBARODA

The annual listing fees in respect of all the securities listed with the exchange(s) have been paid till 31.03.2017.

9. स्टॉक एक्सचेंजों में शेयरों के सौदों की मात्रा तथा शेयर मूल्य और इंडेक्स डाटा

ए. स्टॉक एक्सचेंजों में शेयरों के सौदों की मात्रा तथा शेयर मूल्य (01.04.2016 से 31.03.2017 तक) (प्रत्येक रू. 2/- के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर)

9. SHARE PRICE, VOLUME OF SHARES TRADED IN STOCK EXCHANGES AND INDEX DATA

a. Share Price, Volume of Shares Traded in Stock Exchanges (From 01.04.2016 to 31.03.2017) (Equity Share of the Face Value of Rs.2/- each)

		नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (एनएसई) National Stock Exchange of India Limited (NSE)			बीएसई लि. (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) BSE LTD. (Bombay Stock Exchange)		
		उच्चतम (₹) Highest (₹)	न्यूनतम (₹) Lowest (₹)	सौदों की मात्रा (संख्या) Volume Traded (Nos.)	उच्चतम (रू .) Highest (₹)	न्यूनतम (रू .) Lowest (₹)	सौदों की मात्रा (संख्या) Volume Traded (Nos.)
अप्रैल 2016	APR 2016	163.90	141.60	15,50,82,572	163.70	141.75	1,50,58,638
मई 2016	MAY 2016	160.15	128.25	22,40,23,708	160.15	128.40	2,24,05,367
जून 2016	JUN 2016	156.00	137.45	17,80,47,141	156.05	137.10	1,90,13,878
जुलाई 2016	JUL 2016	168.80	148.90	15,86,04,251	168.70	149.05	2,94,16,157
अगस्त 2016	AUG 2016	165.70	144.55	22,62,79,907	165.55	144.70	3,31,03,828
सितंबर 2016	SEP 2016	177.65	159.55	14,36,33,633	177.40	159.80	1,60,19,338
अक्तूबर 2016	OCT 2016	173.20	150.10	11,77,33,463	173.10	150.25	1,97,24,794
नवंबर 2016	NOV 2016	179.60	135.25	28,78,52,194	179.30	136.00	3,19,02,515
दिसंबर 2016	DEC 2016	165.80	146.00	13,97,98,082	165.80	146.00	1,58,34,310
जनवरी 2017	JAN 2017	170.30	146.70	14,34,79,571	170.25	146.80	1,63,23,484
फरवरी 2017	FEB 2017	191.70	162.75	23,85,30,103	191.65	162.60	2,34,60,621
मार्च 2017	MAR 2017	176.20	157.35	23,23,63,181	176.20	157.45	6,02,70,346

बी. अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक इंडेक्स डेटा (मासिक अंतिम मूल्य)

b. Index Data from April 2016 to March 2017 (Monthly Closing Values)

दिनांक Date	निफ्टी/ NIFTY 50	बैंक निफ्टी NIFTY BANK	बीओबी एनएसई (प्रत्येक 2 रुपए के एफवी की इक्विटी शेयर BOB NSE (Equity Share of FV of ₹ 2/- each)	एस एंड पी बीएसई सेन्सेक्स S & P BSE SENSEX	एस एंड पी बीएसई बैंकेक्स S & P BSE BANKEX	बीओबी बीएसई (प्रत्येक 2 रुपए के एफवी की इक्विटी शेयर BOB BSE (Equity Share of FV of ₹ 2/- each)
29.04.2016	7849.80	16795.00	157.90	25606.62	19114.83	158.00
31.05.2016	8160.10	17620.90	142.80	26667.96	20111.74	142.70
30.06.2016	8287.75	17935.40	153.95	26999.72	20531.2	154.00
29.07.2016	8638.50	18953.15	151.70	28051.86	21678.51	152.20
31.08.2016	8786.20	19787.60	162.95	28452.17	22656.58	162.85
30.09.2016	8611.15	19285.70	167.40	27865.96	22045.62	167.30
30.10.2016	8625.70	19523.55	155.65	27930.21	22368.28	155.75
30.11.2016	8224.50	18627.80	164.15	26652.81	21316.01	164.25
30.12.2016	8185.80	18177.20	153.40	26626.46	20748.74	152.85
31.01.2017	8561.30	19515.15	165.15	27655.96	22311.97	165.10
28.02.2017	8879.60	20607.25	165.30	28743.32	23482.44	165.05
31.03.2017	9173.75	21444.15	172.95	29620.50	24420.77	172.95

10. रजिस्ट्रार व शेयर ट्रांसफर एजेंट, शेयर ट्रांसफर पद्धति तथा निवेशकों की शिकायतों का निपटान

बैंक ने कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा.लि. को अपने रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट (आरटीए) के रूप में नियुक्त किया है जिसका कार्य शेयर/बॉण्ड अंतरण, लाभांश/ब्याज भुगतान को प्रोसेस करना, शेयरधारकों के अनुरोध दर्ज करना, निवेशकों की शिकायतों का समाधान तथा शेयर/बॉण्ड जारी करने संबंधी अन्य गतिविधियों/कार्यों को सुनिश्चित करना है. निवेशक अपने अंतरण विलेख/ अनुरोध/ शिकायतें निम्नलिखित पते पर आरटीए को भेज सकते हैं :-

कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा.लि.
(यूनिट:बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टॉवर बी,प्लॉट नं. 31 एवं 32
गचिबोवली, फायनैंसियाल डिसिट्रक्ट, नानाक्रमगुडा,
सेरिलिंगमपल्ली, हैदराबाद - 500008
फोन:- (040) 67161500
फैक्स :- (040) 23420814
ई मेल :- einward.ris@karvy.com

निजी रूप से रखे गए बॉंडों के लिए बैंक ने डिबेंचर न्यासी की भी नियुक्ति की है जिसका पता नीचे दिया गया है :-

आईडीबीआई ट्रस्टशीप सर्विसेस लि.
एशियन बिल्डिंग, भू - तल,
17, आर कमानी मार्ग, बेलार्ड एस्टेट मुंबई - 400001
टेलीफोन :- (022) 40807000
फैक्स :- (022) 66311776 / 40807080
ई मेल :- itsl@idbitrustee.com

10. REGISTRAR & SHARE TRANSFER AGENT, SHARE TRANSFER SYSTEM AND REDRESSAL OF INVESTORS' GRIEVANCES

The Bank has appointed Karvy Computershare Private Limited as its Registrars and Share Transfer Agent (RTA) with a mandate to process transfer of Shares / Bonds, dividend / interest payments, recording of Shareholders' requests, solution of investors' grievances amongst other activities connected with the issue of Shares / Bonds. The Investors may lodge their transfer deeds / requests / complaints with the RTA at following address:

Karvy Computershare Private Limited
(Unit: Bank of Baroda)
Karvy Selenium Tower B, Plot No.31 & 32
Gachibowli, Financial District
Nanakramguda, Serilingampally,
Hyderabad - 500 008
Phone: (040) 67162222; Fax: (040) 23420814
E Mail: einward.ris@karvy.com

For privately placed Bonds, the Bank has also appointed Debenture Trustee as follows:

IDBI Trusteeship Services Ltd.
Asian Building, Ground Floor,
17, R Kamani Marg, Ballard Estate
Mumbai – 400 001
Tel: (022) 40807000; Fax: (022) 66311776 / 40807080
Email: itsl@idbitrustee.com

बैंक ने कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई में निवेशक सेवाएं विभाग की स्थापना भी की है, जिसके प्रभारी उप महाप्रबंधक स्तर के कंपनी सचिव हैं, जहां शेयरधारक अपने अनुरोधों / शिकायतों को समाधान हेतु निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं. वे अपनी शिकायतें / अनुरोध प्रधान कार्यालय, बड़ौदा को निम्नलिखित पते पर भी भेज सकते हैं.

बैंक ऑफ़ बडौदा
निवेशक सेवा प्रभाग
सातवीं मंजिल, बड़ौदा कॉर्पोरेट सेंटर
सी-26, जी-ब्लॉक, बांद्रा कुला कॉम्प्लेक्स
बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051
दूरभाष : (022) 6698 5812/5846
ई-मेल: investerservices@bankofbaroda.com
(उपरोक्त ई-मेल विशेष रूप से सेबी सूचीयन करार एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम 2015 के नियम 6(2)(डी) के आधार पर निवेशकों की शिकायतों के लिए स्थापित की गई है.
जो शेयरधारक निदेशक मंडल से किसी प्रकार का प्रश्न पूछना चाहते है वे अपने प्रश्न निम्नलिखित मेल आईडी पर मेल कर सकते है - shareholderdirectors@bankofbaroda.com

बैंक ऑफ़ बडौदा
उप महाप्रबंधक,
ग्राहक सेवा
पहली मंजिल, सूरज प्लाजा - 1, सयाजीगंज
वड़ोदरा 390 005
टेलीफोन : (0265) 2307880
फैक्स : (0265) 2362914
ई-मेल: cmcs.ho@bankofbaroda.com

बैंक सुनिश्चित करता है कि सभी शेयरों के स्थानांतरण, जारी किये जाने के 15 दिन की अवधि के भीतर प्रभावी होते है. बोर्ड ने साधारण शेयरधारकों एवं निवेशको की समास्याओं की निगरानी एवं त्वरित समाधान की प्रगति की समीक्षा हेतु हितधारक सम्पर्क समिति का गठन किया है और शेयर / बॉन्ड स्थानांतरण एवं अन्य विषयों के लिए शेयर / बॉन्ड स्थानांतरण समिति का गठन किया गया है. समितियों की बैठकें नियमित रूप से होती हैं और निवेशकों की समस्याओं के समाधान की समीक्षा की जाती हैं.

11. शेयरधारिता का वितरण

ए. 31 मार्च 2017 तक का शेयरधारिता का पैटर्न:

The Bank has also established Investors' Services Department, headed by the Company Secretary in the rank of Dy. General Manager at Corporate Office, Mumbai wherein Shareholders can mail their requests / complaints for resolution at the address given below. They can also send their complaints/requests at the address given below at Head Office, Vadodara:

Bank of Baroda
Investors' Services Department
7th Floor, Baroda Corporate Centre
C-26, G-Block, Bandra-Kurla Complex
Bandra (East), Mumbai – 400 051
Telephone : (022) 6698 5812/5846
E – mail : investorservices@bankofbaroda.com
(The aforesaid e-mail ID is exclusively designated for investors' complaints pursuant to Regulation 6(2)(d) of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015.

Further, Shareholders who wish to ask questions to the Board of Directors of the Bank can mail their questions at – shareholderdirectors@bankofbaroda.com

Bank of Baroda
Deputy General Manager,
Customer Service,
1st Floor, Suraj Plaza – I, Sayajiganj,
Vadodara 390 005
Telephone : (0265) 2307880
Fax No. : (0265) 2362914
E–mail: cmcs.ho@bankofbaroda.com

The Bank ensures that all transfers of Shares are duly affected within a period of -15- days from the date of their lodgment. The Board has constituted Stakeholders' Relationship Committee to monitor and review the progress in redressal of general shareholders' and investors' grievances and Shares/ Bonds Transfer Committee to consider transfer of Shares and Bonds and other related matters. The Committees meet at regular intervals and review the status of Investors' Grievances.

11. DISTRIBUTION OF SHAREHOLDING

a. Shareholding Pattern as on 31st March 2017

क्रमांक Sr. No.	विवरण	Description	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयर Shares	इक्विटी का प्रतिशत % to Equity
1	भारत सरकार	GOVERNMENT OF INDIA	1	1,36,49,40,578	59.24%
2	बीमा कम्पनियां	INSURANCE COMPANIES	43	24,60,96,128	10.68%
3	म्यूचुअल फंड / यूटीआई	MUTUAL FUND & UTI	202	22,47,72,557	9.76%
4	एफआईआई / एफपीआई	FII & FPI	214	27,20,47,194	11.81%
5	निवासी वैयक्तिक	RESIDENT INDIVIDUALS	299131	11,47,33,667	4.97%
6	कॉर्पोरेट निकाय	BODIES CORPORATES	1981	3,47,61,589	1.51%
7	समाशोधन सदस्य	CLEARING MEMBERS	320	2,32,09,284	1.01%
8	न्यास	TRUSTS	33	1,01,14,346	0.44%
9	अनिवासी भारतीय	NON RESIDENT INDIANS	4659	96,25,637	0.42%
10	बैंक, एनबीएफसी एवं इंडिया फिनांसियल इंस्टीट्यूट	BANKS, NBFC & India Financial Insti.	33	36,24,432	0.16%
11	वैकल्पिक निवेश फंड	ALTERNATIVE INVESTMENT FUND	1	1,19,186	0.00%
12	विदेशी कॉर्पोरेट निकाय	OVERSEAS CORPORATE BODIES	3	1,10,000	0.00%
13	विदेशी नागरिक	FOREIGN NATIONALS	1	5,000	0.00%
			306622	2,30,41,59,598	100.00%

बी. शेयरधारकों का वितरण -31 मार्च 2017 तक का श्रेणीवार

b. Distribution of Shareholders – Category Wise as on 31st March 2017

क्रम संख्या Sr. No.	श्रेणी Category	मामलों की संख्या No. of Cases	मामलों का प्रतिशत % of Cases	राशि No. of Shares	राशि का प्रतिशत Percentage (%)
1	1 - 5000	304666	99.36	10,76,01,810	4.67
2	5001 - 10000	861	0.28	64,75,068	0.28
3	10001 - 20000	391	0.13	56,87,114	0.25
4	20001 - 30000	123	0.04	30,92,635	0.13
5	30001 - 40000	71	0.02	24,73,375	0.11
6	40001 - 50000	55	0.02	25,92,268	0.11
7	50001 - 100000	121	0.04	88,55,191	0.38
8	100001 and above	334	0.11	216,73,82,137	94.07
	कुल: TOTAL:	306622	100.00	230,41,59,598	100.00

सी. प्रतिभूतियों का अभौतिकीकरण

बैंक के शेयर अनिवार्य रूप से सेबी की डीमेट लिस्ट के अंतर्गत आते है एवं बैंक ने नेशनल सिक्यूरिटी डिपॉजिटरी लि. (एनएसडीएल) एवं सेंट्रल डिपॉजिटरी सिक्यूरिटी लि.(सीडीएसएल) के साथ बैंक के शेयरों के अभौतिकीकरण के लिए समझौता किया है. शेयरधारक अपने अभौतिकीकृत शेयर एन.एस.डी.एल अथवा सी.डी.एस.एल. से प्राप्त कर सकते हैं.

31 मार्च 2017 तक बैंक के पास निम्नलिखित संख्या के इक्विटी शेयर भौतिक एवं अभौतिक रूप से हैं -

c. Dematerialization of Securities:

The shares of the Bank are under compulsory demat list of SEBI and the Bank has entered in to Agreements with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) for dematerialization of Bank's shares. Shareholders can get their shares dematerialized with either NSDL or CDSL.

As on March 31, 2017 the Bank has following number of Equity Shares in physical and dematerialized form, as per the detail given below:

क्रम संख्या Sr. No.	धारिता का प्रकार	Nature of holding	मामलों की संख्या No. of Cases	शेयरों की संख्या No. of Shares	प्रतिशत Percentage %
1	भौतिक	Physical	43,678	3,37,23,547	1.46
2	एन.एस.डी.एल.	NSDL	1,70,551	87,55,15,891	38.00
3	सी.डी.एस.एल.	CDSL	92,393	1,39,49,20,160	60.54
	कुल	Total:	3,06,622	2,30,41,59,598	100.00

बैंक ने वर्ष 2003 में 1,36,91,500 इक्विटी शेयर जब्त किए (27,38,300 इक्विटी शेयर उप-विभाजन से पूर्व) जिनमें से 24000 शेयर (4800 उप-विभाजन से पूर्व) 31 मार्च 2017 तक रद्द कर दिये गए.

The Bank had forfeited 1,36,91,500 equity shares (27,38,300 shares before sub-division) in the year 2003 and out of the same 24000 equity shares (4800 shares before sub-division) were annulled up to 31st March 2017.

12. 31 मार्च 2017 तक एस्क्रो / उचंत खातें में उपलब्ध शेयरों की स्थिति:

ए) उचंत खाते में उपलब्ध शेयरों की स्थिति (भौतिक शेयर - बिना सुपुर्दगी के वापस किए गए)

12. STATUS OF SHARES LYING IN ESCROW/SUSPENSE ACCOUNT AS ON 31st MARCH, 2017

a. Status of shares lying in Suspense A/c (Physical Shares – returned undelivered)

प्रारम्भिक शेष 01.04.2016 को Opening Balance as on 01.04.2016		वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त अनुरोधों की संख्या No. of requests received during the Financial Year 2016-17	वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान नामे किए गए शेयर Shares debited during the Financial Year 2016-17		31 मार्च 2017 को उपलब्ध अंतिम शेष Closing Balance as on 31st March 2017	
शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares
70	86000	0	0	0	70	86000

बी) एस्क्रो / उचंत खातें में उपलब्ध शेयरों की स्थिति (डीमेट शेयर - बिना सुपुर्दगी के वापस किए गए)

b. Status of shares lying in Escrow / Suspense A/c (Demat Shares – returned undelivered)

दि. 01.04.2016 को प्रारम्भिक शेष Opening Balance as on 01.04.2016		वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त अनुरोधों की संख्या No. of requests received during the Financial Year 2016-17	वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान जमा किए गए शेयर Shares credited during the Financial Year 2016-17		31 मार्च, 2017 को उपलब्ध अंतिम शेष Closing Balance as on 31st March 2017	
शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares
159	94100	1	1	150	158	93950

जब तक उक्त शेयरों के वास्तविक दावेदार इनके लिए दावा नहीं करते तब तक अंतिम कॉलम (ए) तथा (बी) के शेयरों के लिए मताधिकार पर रोक जारी रहेगी.

The voting rights on the shares stated at the last column of table (a) and (b) above shall remain frozen till the rightful owner of such shares claims the shares.

13. लाभांश / ब्याज का इलेक्ट्रोनिक मोड के माध्यम से भुगतान:

बैंक निवेशकों को, जहां निवेशकों द्वारा मैंडेट दिए गए हैं, शेयरों पर लाभांश / बॉण्डों पर ब्याज का भुगतान विभिन्न इलेक्ट्रोनिक माध्यमों से कर रहा है, इस उद्देश्य के लिए बैंक नेशनल ऑटोमेटेड क्लीयरिंग हाउस (एनएसीएच), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (एनईसीएस), इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (ईसीएस), आरटीजीएस, एनईएफटी तथा सीधे जमा आदि की सेवाओं का प्रयोग कर रहा है.

निवेशक अपने मैंडेट बैंक के रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट अर्थात कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्रा. लि. के पास इस रिपोर्ट में दिए पते पर दर्ज करा सकते हैं.

13. DIVIDEND / INTEREST PAYMENT THROUGH ELECTRONIC MODES

The Bank is paying Dividend on Shares / Interest on Bonds to the Investors through various electronic modes, wherever mandate is given by the investors. For the purpose, the Bank is using the services of National Automated Clearing House (NACH), National Electronic Clearing Services (NECS), RTGS, NEFT & Direct Credit etc.

Investors may lodge their mandate with Bank's Registrar & Share Transfer Agent i.e. Karvy Computershare Pvt. Ltd., at the address given in this report.

14. प्रकटीकरण :

1. यहां भौतिक रूप से किसी भी प्रकार का कोई महत्वपूर्ण पार्टी संव्यवहार नहीं होता है जिसका बड़े रूप में बैंक के हितों के साथ कोई टकराव हो, इस सम्बंध में पार्टी सम्बंधी सभी संव्यवहारों का खुलासा भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों का अनुपालन करते हुए खाते के विवरणों में किया गया है.
2. बैंक पर पिछले 3 वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से सम्बद्ध किसी भी मामले में किसी भी विनियामक प्राधिकारी अर्थात स्टॉक एक्सचेंज और / अथवा सेबी द्वारा किसी नियम, निर्देशों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन न करने के लिए न तो कोई दंड लगाया गया और न ही किसी प्रकार की कोई भर्त्सना की गई है.
3. बैंक भारत सरकार के जनहित प्रकटीकरण एवं सूचना प्रदाता की सुरक्षा सम्बंधी संकल्प (पीआईडीपीआई) की ''सचेतक नीति'' का पालन करता है, इस (विह्सिल ब्लोअर पॉलिसी) के दिशा निर्देश बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं. इस सम्बंध में किसी भी कार्मिक को लेखा परीक्षा समिति से अलग नहीं किया गया है.
4. हम सेबी द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस सूचीबद्ध नियमों की अनुसूची V के उपभाग (2) से (10) के अनुपालन की पुष्टि करते हैं.
5. सभी निदेशकों द्वारा ये घोषणा की गई है कि 31 मार्च 2017 तक उनका परस्पर किसी भी प्रकार का कोई सम्बंध नहीं है.

14. DISCLOSURES

1. There is no materially significant Related Party Transaction that has potential conflict with interests of the Bank at large. The Related Party Transactions are disclosed in the Notes on Accounts in compliance with RBI Guidelines in this regard.
2. There is no non-compliance by the Bank in respect of Regulations/ Guidelines issued by SEBI / Stock Exchanges / any Statutory Authority on any matter related to capital markets during the last 3 years and as such no penalties / strictures imposed on the Bank.
3. The Bank follows "Whistle Blower Policy Guidelines" of Govt. of India Resolution on Public Interest Disclosure & Protection of Informer (PIDPI). The said Policy Guidelines are available on the Bank's website. No personnel has been denied access to the audit committee.
4. We confirm the compliance of the requirement of Corporate Governance Report of sub-paras (2) to (10) of Schedule V of SEBI Listing Regulations
5. All the Directors have disclosed that they have no relationship inter-se as on 31st March 2017.

6 बैंक ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान कॉमोडिटी में व्यापार नहीं किया है, अत: ''कॉमोडिटी कीमत जोखिम एवं कॉमोडिटी बचाव गतिविधियां'' शून्य हैं.

7. निम्नलिखित घोषणाएं सेबी (सूचीयन करार तथा प्रकटीकरण आवश्यकताएं) के विनियम , 2015 के अनुसार हैं अर्थात सेबी सूचीयन करार शेयरधारकों द्वारा निम्नलिखित लिंक पर देखे जा सकते हैं - http://www.bankofbaroda.com/fin/SEBI.asp

I. स्वतंत्र निदेशकों के लिए परिचय कार्यक्रम की घोषणा

II. सचेतक नीति (विस्ल ब्लोअर पॉलिसी)

III. महत्वपूर्ण अनुषंगियों एवं पार्टी लेनदेन सम्बंधी पॉलिसी

15. अनिवार्य एवं गैर-अनिवार्य आवश्यकताएं

बैंक द्वारा सेबी (सूचीयन करार तथा प्रकटीकरण आवश्यकताएं) के विनियमन, 2015 के तहत उपलब्ध कराई गई सभी लागू अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन किया गया है.

गैर अनिवार्य आवश्यकताओं के कार्यान्वयन का विवरण निम्नानुसार हैं :

6. The Bank has not traded in commodities during the F. Y. 2016-17 and hence the information on "Commodity price risks and commodity hedging activities" is NIL.

7. Following disclosures pursuant to Schedule V of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 i.e. SEBI Listing Regulations, can be viewed by the shareholders at the link: http://www.bankofbaroda.com/fin/SEBI.asp

i. Disclosures about familiarization programme for the Independent Directors

ii. Whistle Blower Policy

iii. Policy on Related Party Transactions and Material Subsidiaries

15. MANDATORY AND NON-MANDATORY REQUIREMENTS

The Bank has complied with all the applicable mandatory requirements as provided in SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

The extent of implementation of non-mandatory requirements is as under:

क्रम संख्या Sr. No.	गैर- अनिवार्य आवश्यकताएं Non-mandatory requirements	कार्यान्वयन की स्थिति Status of Implementation
1	**बोर्ड** सूचीबद्ध कम्पनी के खर्च पर अध्यक्ष का कार्यभार सम्भालने के लिए गैर कार्यपालक अध्यक्ष अधिकृत किए जा सकते हैं और उनके ड्यूटी सम्बन्धी खर्च की प्रतिपूर्ति की अनुमति दी जा सकती है. **The Board** A non-executive chairperson may be entitled to maintain a chairperson's office at the listed entity's expense and also allowed reimbursement of expenses incurred in performance of his duties.	**अनुपालन किया गया.** Complied with. भारत सरकार ने (रिपोर्ट के पैरा 2 (ए) देखें) श्री रवि वेंकटेसन की नियुक्ति बोर्ड के गैर-कार्यपालक अध्यक्ष के रूप में दिनांक 14.08.2015 से की है. बैंक इस संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करता है. The Government of India has appointed Shri Ravi Venkatesan as Non-Executive Chairman of the Board w.e.f.14.08.2015. (Ref Para 2(a) of the Report). The GOI has also issued guidelines in this regard which Bank complies with.
2	**शेयरधारकों के अधिकार** गत छ: माह के दौरान महत्वपूर्ण घटनाओं के सारांश सहित वित्तीय कार्यनिष्पादन की छमाही घोषणा प्रत्येक शेयरधारक को भेजी जाए. **Shareholder Rights** A half-yearly declaration of financial performance including summary of the significant events in last six-months, may be sent to each household of shareholders	**अनुपालन किया गया.** Complied with. 30.09.2016, (वित्तीय वर्ष 2016-17) को समाप्त छमाही के लिए बैंक ने गत छ: माह के दौरान महत्वपूर्ण घटनाओं के सारांश सहित वित्तीय कार्य निष्पादन के छमाही परिणाम प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पत्र के साथ डाक / ई-मेल से प्रत्येक शेयरधारक को भेज दिये हैं, इसके अतिरिक्त बैंक के वित्तीय परिणाम बैंक की वेबसाइट पर प्रस्तुत किए गए हैं. The Bank has already sent communication of MD & CEO along with the copy of half-yearly financial results for the half year ended 30.09.2016 (FY 2016-17) including summary of significant developments during last six months to each shareholder by post / e-mail. The financial results are also posted on Bank's website.

क्रम संख्या Sr. No.	गैर- अनिवार्य आवश्यकताएं Non-mandatory requirements	कार्यान्वयन की स्थिति Status of Implementation
3	**लेखा परीक्षा अहर्ता** कम्पनी को अनक्वालिफाईड वित्तीय विवरणों की व्यवस्था को अपनाना चाहिए. **Audit Qualifications** Company may move towards a regime of unqualified financial statements.	बैंक की लेखा रिपोर्ट में इस सम्बंध में कोई अहर्ता नहीं है. There is no qualification in Auditors report of the Bank.
4	**अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अलग अलग पद** सूचीबद्ध कम्पनी अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पदों पर अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त कर सकती है. **Separate posts of chairperson and chief executive officer** The listed entity may appoint separate persons to the post of chairperson and managing director or chief executive officer.	**अनुपालन किया गया.** Complied with. बैंक के निदेशक मंडल की सरंचना बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 के माध्यम से नियंत्रित की जाती है. जैसा कि पैरा - 1 में कहा गया है, भारत सरकार ने (रिपोर्ट के पैरा 2 (ए) देखें) दिनांक 14.08.2015 से श्री रवि वेंकटेसन, मंडल के गैर कार्यपालक अध्यक्ष तथा दिनांक 13.10.2015 से श्री पी.एस. जयकुमार, प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (पूर्ण कालिक निदेशक) के रूप में नियुक्त किया है.
		The composition of the Board of Directors of the Bank is governed through "Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970, as stated above at Sr.No.-1. The Government of India has appointed Shri Ravi Venkatesan as Non-Executive Chairman of the Board w.e.f.14.08.2015 and Shri P. S. Jayakumar as MD & CEO (Whole-time Director) w.e.f. 13.10.2015. (Ref Para 2(a) of the Report.
5	**आंतरिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्टिंग** आंतरिक लेखा परीक्षक सीधे लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट कर सकते हैं . **Reporting of Internal Auditor** The Internal Auditor may report directly to the Audit Committee.	बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति की संरचना एवं इसकी संदर्भ शर्तें सदैव विनियामकों अर्थात रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किये गए निर्देशों एवं परिपत्रों के माध्यम से नियमित की जाती है , जिनका बैंक अनुपालन करता है. The composition & terms of reference of the Audit Committee of the Board inter-alia covering Internal Audit function is governed through the guidelines / circulars issued by the Regulator i.e. Reserve Bank of India, which the Bank comply.

16. कॉर्पोरेट गवर्नेंस की आवश्यकताओं के अनुपालन की घोषणा :

16. DISCLOSURE OF THE COMPLIANCE WITH CORPORATE GOVERNANCE REQUIREMENTS

नियम क्र. Regu No.	संक्षिप्त विवरण Title / Brief description	अनुपालन स्थिति Compliance Status
17	निदेशक मंडल Board of Directors	बैंक के निदेशक मंडल की सरंचना बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 के अधीन है. यहां कम्पनी एक्ट 1956/2013 में किया गया संशोधन इस सम्बंध में लागू हीं होता है. शेयरधारकों द्वारा चयनित तीन निदेशकों के अतिरिक्त सभी निदेशकों की नियुक्ति / नामांकन, केंद्र सरकार द्वारा एक्ट में सेक्शन 9(3) में किए गए संशोधन के मुताबिक किया जाता है. बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक विनियमित है. **(संदर्भ. रिपोर्ट का पैरा 2 (ए))** बोर्ड का मूल्यांकन: बैंक ने बोर्ड की समग्र प्रभावशीलता की स्वतंत्र समीक्षा करने के लिए सलाहकार फर्म मेसर्स इगोन झेन्डर की सेवाएं ली है. इगोन झेन्डर की बोर्ड की समीक्षा संबंधी वैश्विक पद्धति का प्रयोग बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बोर्ड की समीक्षा के लिए किया गया. इससे बोर्ड के निम्नलिखित कार्यक्षेत्र की प्रभावशीलता का मूल्यांकन आवश्यक हो गया- (क) बोर्ड की कार्यनीति एवं सुनियोजन (ख) अध्यक्ष द्वारा बोर्ड का प्रबंधन (ग) समितियों की कार्यप्रणाली (घ) बोर्ड तथा प्रबंधन टीम के बीच संबंध (ड़) बोर्ड प्रक्रिया की गुणवत्ता (च) बोर्ड का गठन एवं (छ) जोखिम प्रबंधन, प्रतिभा इत्यादि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णय पर की गई चर्चा की गुणवत्ता. इसके अलावा व्यक्तिगत स्तर पर, बोर्ड के सदस्यों का मूल्यांकन, (क) समग्र सहभागिता एवं सुनियोजन, (ख) उनके योगदान की गुणवत्ता (ग) सुनने और अभिमत प्राप्त करने में खुलापन, (घ) चुनौती देने तथा कठिन निर्णयों को स्वीकार करने/उनका विरोध करने की क्षमता आदि प्रमुख क्षेत्रों के अन्तर्गत, किया गया. इगोन झेन्डर टीम के सदस्यों ने बोर्ड के सभी सदस्यों का 1-2 घंटे का गहन व सुव्यवस्थित साक्षात्कार लिया. बोर्ड के सदस्यों के अलावा प्रमुख प्रबंधन कर्मी जैसे सीएफओ तथा कंपनी सचिव का भी साक्षात्कार लिया गया.

नियम क्र. Regu No.	संक्षिप्त विवरण Title / Brief description	अनुपालन स्थिति Compliance Status
		The Composition & terms of reference of Board of Directors of Bank of Baroda is governed through "Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970" i.e. the Act, meaning thereby the provision of the Companies Act, 1956/2013 in this regard are Not Applicable. All the Directors, except 3 directors elected amongst the Shareholders' other than Central Government pursuant to Section 9(3)(i) of the Act, are appointed / Nominated by Government of India pursuant to the provisions under Section 9(3) of the Act. The Bank is regulated by Reserve Bank of India. (Ref. para 2(a) of the Report). **Evaluation of Board:** The Bank has engaged the services of the consultancy firm M/s Egon Zehnder to conduct an independent review of overall effectiveness of the Board. Egon Zehnder's global methodology for conducting board reviews was followed for reviewing Bank of Baroda board. This entailed effectiveness assessment of the following areas of the board – a) board strategy and alignment, b) management of the board by the chairperson, c) functioning of the committees, d) relationship between the board and the management team, e) quality of the board processes, f) board composition and g) quality of discussions/decisions taken by the board in key areas like risk management, talent etc. In addition, at an individual level, members of the board were assessed in areas like a) overall engagement and alignment, b) quality of their contribution, c) openness in listening and receiving feedback, d) ability to challenge and take/oppose tough decisions etc. The members of the EZ team conducted 1-2 hour in depth structured 1-1 interviews with all members of the board. In addition to the board members key management personnel like the CFO and Company Secretary were also interviewed.
18	लेखा परीक्षा समिति Audit Committee	बैंक ऑफ़ बड़ौदा के निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति के गठन एवं इसके संदर्भ की शर्तें भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशानुसार अधिशासित होती है, जिनका अनुपालन किया गया है. (रिपोर्ट का पैरा 3.3 देखें) The composition & terms of reference of the Audit Committee of the Board of Bank of Baroda is governed through RBI's directives / guidelines, which are complied with. (Ref. para 3.3 of the Report).
19	नामांकन एवं पारितोषिक समिति Nomination and remuneration committee	बैंक में दो अलग-अलग समितियां, नामांकन समिति एवं पारितोषिक समिति है, जिनकी सरंचना एवं संदर्भ शर्तें क्रमश: भारत सरकार के निर्देशों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशानुसार अधिशासित होती हैं. (नामांकन समिति तथा पारितोषिक समिति के सम्बन्ध में रिपोर्ट का पैरा क्रमश: 3.6 तथा 3.14 देखें) The Bank has 2 separate committees namely Nomination Committee and Remuneration Committee, the composition and terms of reference of which are governed through RBI directives and GOI directives respectively. (Ref. para 3.6 and 3.14 of the Report for Nomination Committee and Remuneration Committee respectively)
20	हितधारक सम्बंध समिति Stakeholders Relationship Committee	अनुपालन किया गया है. Complied with

नियम क्र. Regu No.	संक्षिप्त विवरण Title / Brief description	अनुपालन स्थिति Compliance Status
21	जोखिम प्रबंधन समिति Risk Management Committee	अनुपालन किया गया है. Complied with
22	सतर्कता प्रणाली Vigil Mechanism	अनुपालन किया गया है. Complied with
23	सम्बंधित पार्टी लेनदेन Related party transactions	अनुपालन किया गया है. Complied with
24	सूचीबद्ध इकाइयों की सब्सिडी के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस की आवश्यकता Corporate governance requirements with respect to subsidiary of listed entity	**अनुपालन किया गया है.** Complied with
25	स्वतंत्र निदेशकों के सम्बंध में कर्तव्य Obligations with respect to independent directors	विनियम 17 के अनुसार - यथा उपर्युक्त As per Regulation 17, as above.
26	निदेशक एवं वरिष्ठ प्रबंधन के सम्बंध में कर्तव्य Obligations with respect to directors and senior management	अनुपालन किया गया है. Complied with
27	अन्य कॉर्पोरेट गवर्नेंस आवश्यकताएं Other corporate governance requirements	अनुपालन किया गया है. Complied with
46 (2) (b) से/ to(i)	वेबसाइट Website	अनुपालन किया गया है. Complied with

17. पर्यावरण संरक्षण - भारत सरकार की नवोन्मेषी पहल को समर्थन

(ए) भारत सरकार की पर्यावरण संरक्षण संबंधी पहल को समर्थन देने के लिए सभी शेयरधारकों से, जिनके पास शेयर भौतिक रूप में हैं, अनुरोध है कि वे अपना ई-मेल आईडी हमारे पास या हमारे रजिस्ट्रार के पास जिसका पता इस रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया है, के पास पंजीकृत करवा दें ताकि हम दस्तावेज, नोटिस, सम्प्रेषण, वार्षिक रिपोर्ट आदि ई-मेल के माध्यम से भेज सकें.

ऐसे शेयरधारकों से यह भी अनुरोध है कि वे भौतिक शेयरधारिता को डीमैट में रुपांतरित करवा लें ताकि हम उनके द्वारा धारित शेयरों के संबंध में उन्हें बेहतर सेवा, संबंधित सुरक्षा तथा त्वरित सेवा दे सकें.

(बी) इसके अलावा वे शेयरधारक जिनके पास शेयर अभौतिक रूप में हैं और जिन्होंने अभी तक अपनी ई-मेल आईडी पंजीकृत नहीं कराई है, उनसे अनुरोध है कि वे उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपने ई-मेल आईडी सम्बन्धित डिपोजिटरी प्रतिभागी के पास पंजीकृत करवा दें.

18. कार्पोरेट गवर्नेंस रेटिंग

बैंक ऑफ़ बड़ौदा सार्वजनिक क्षेत्र का पहला ऐसा बैंक है जिसे रेटिंग एजेंसी, आईसीआरए लि. द्वारा बैंक की कार्पोरेट गवर्नेंस कार्य पद्धति को रेटिंग प्रदान की

17. GREEN INITIATIVE – A CALL TO SUPPORT GOI INITIATIVES

a. To support GOI's green initiatives, shareholders having shares in physical form are requested to register their e-mail ids with us or our Registrars, at the address given elsewhere in this report, to enable us to serve any document, notice, communication, annual reports etc. through e-mail.

Such shareholders are also requested to convert their physical holdings in Demat form to enable us to serve them better and provide enhanced security and prompt service in respect of their holdings.

b. Further the shareholders holding shares in Demat form and not yet registered their email IDs are requested to register their e-mail ID with their respective Depository Participant to support GOI's green initiatives..

18. CORPORATE GOVERNANCE RATING

Bank of Baroda is the first Public Sector Bank having been assigned a rating to its Corporate Governance Practices by ICRA Limited. The ICRA had assigned the rating of 'CGR2'

गई है. आईसीआरए ने जुलाई 2004 में सीजीआर 1 से सीजीआर 6 के मापदंड पर 'सीजीआर2' (सीजीआर 2 के रुप में उच्चरित) की रेटिंग प्रदान की जहां सीजीआर 1 सर्वोच्च रेटिंग मानी जाती है. बैंक को यही रेटिंग अर्थात सीजीआर 2 रेटिंग पुन: क्रमश: फरवरी 2006, सितंबर 2007, अप्रैल 2010, मार्च 2011, अप्रैल 2013 , मार्च 2014, जून 2015 एवं जून 2016 में भी प्रदान की गई और अभी लागू है. सीजीआर 2 रेटिंग से अभिप्राय है कि रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की राय में बैंक ने उन पद्धतियों, परंपराओं एवं संहिताओं को अपनाया है तथा उनका पालन कर रहा है जो बैंक के हितधारकों एवं जमाकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण कार्पोरेट गवर्नेंस का आश्वासन प्रदान करता है. यह रेटिंग बैंक की पारदर्शी स्वामित्व संरचना , सुव्यस्थित कार्यपालक प्रबंधन पद्धतियों , बोर्ड एवं वरिष्ठ प्रबंधन की नियुक्तियों में पारदर्शिता , विस्तृत एवं परिष्कृत लेखा कार्यविधि, जो निरीक्षण प्रभाग तथा स्वतंत्र लेखा फर्मों द्वारा अपनाई जाती है, को दर्शाती है.

19. वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान नियुक्त निदेशकों का परिचय

1 (प्रो.) श्री बिजू वर्क्की

(pronounced as CGR 2) on a rating scale of CGR1 to CGR6 where CGR1 denotes the highest rating, in July 2004, which has been reaffirmed in February 2006, September 2007, April 2010, March 2011, April 2013, March 2014, June 2015 and June 2016 respectively and presently is in force. The CGR2 rating implies that in ICRA's current opinion, the Bank has adopted and follows such practices, convention and codes as would provide its financial stakeholders including the depositors, a high level of assurance on the quality of Corporate Governance. The rating reflects Bank's transparent ownership structure, well-defined executive management structure, satisfactory risk management practices, transparency in appointment and functioning of the Board and Senior Management and an elaborate audit function, carried out both by its Inspection Division and independent audit firms.

19. PROFILE OF DIRECTORS APPOINTED DURING THE FINANCIAL YEAR 2016-17

1. (Prof.) Shri Biju Varkkey

नाम	श्री बिजू वर्क्की	Name	Shri Biju Varkkey
पता	हाउस नं. 303, आईआईएम कैंपस, वस्त्रापुर,अहमदाबाद	Address	House No.303,IIM Campus,Vastrapur Ahmedabad
जन्म तिथि	22 दिसंबर , 1965 -	Date of Birth	22nd December, 1965
आयु	51 वर्ष		51 years
योग्यता	1. एमए (पीएमआईआर) 2. एनआईबीएम, पुणे से प्रबंधन में फेलोशिप	Qualifications	1. MA (PMIR) 2. Fellowship in Management from NIBM, Pune
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	केंद्र सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9 (3) (एच) तथा धारा 9 के (3-ए) तहत दिनांक 25.04.2016 से 03 वर्षों या अगले आदेश, जो भी पहले हो, तक के लिए अंशकालिक गैर - सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है.	Nature of appointment as Director	Nominated as a Part Time Non-official director w.e.f. 25.04.16 by the Central Government u/s 9(3)(h) and (3-A) of section 9 of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years or until further orders, whichever is earlier.
अनुभव	प्रो. बिजू वर्क्की महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल से मानव संसाधन प्रबंधन में मास्टर डिग्री प्राप्त की और साथ ही एनआईबीएम, पुणे से प्रबंधन में उपाधि प्राप्ति की है. उनका व्यावसायिक अनुभव उद्योग, सलाहकार तथा प्रमुख प्रबंधन स्कूलों का रहा है. उन्होने आईआईएम, लखनऊ और एमडीआई, गुड़गांव में अध्यापन कार्य किया है. आपने बहुपक्षीय जैसे आईएलओ, आईओएम, यूएनडीपी तथा संगठनों यूएनआईटीईएस और आईटीयूसी जैसे संस्थानों के साथ घनिष्ठता से कार्य किया है. वर्तमान में आप आईआईएम, अहमदाबाद के मानव संसाधन प्रबंधन में संकाय सदस्य हैं. इसके अतिरिक्त आप आईआईएमए की ई-पीजीपी टास्क फोर्स के प्रमुख रहे हैं जिसे जल्द ही आईआईएम में लंबी अवधि के लिए वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम के लिए अनिवार्य किया जा रहा है.	Experience	Prof. Biju Varkkey obtained masters degree in Human Resource Management from Mahatma Gandhi University, Kerala and Fellow title in Management from NIBM, Pune. His professional experience spans industry, consulting and leading management schools, having taught at IIM Lucknow and MDI Gurgaon. He works closely with multilateral organizations like ILO, IOM, UNDP and organizations like UNITES and ITUC. Currently he is faculty member at IIM Ahmedabad with the Human Resource Management. Additionally he heads the e-PGP task force of IIMA, which is mandated to lounge long duration virtual learning programs from IIMA soon.

	आपकी शैक्षणिक अभिरुचि के क्षेत्रों में शामिल है- नीतिपरक मानव संसाधन प्रबंधन, परिवर्तन प्रबंधन, नए सार्वजनिक प्रबंधन, नेतृत्व विकास, संस्थाओं के लिए एचआर संरचना, कार्यनिष्पादन प्रबंधन और सुधार, लचीला कार्य स्थल, रोजगार संबंध, स्टार्टअप और पारिवारिक व्यवसाय रूपांतरण आदि. आपने राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क की कोर समिति - दिल्ली चैप्टर (1998-1999), भारत युवा मानव संसाधन सम्मेलन की आयोजन समिति में मनोनीत सदस्य के रूप में सेवा की है और आप एनआईपीएम केरल(2015) के वार्षिक मानव संसाधन कॉन्क्लेव के लिए तकनीकी समिति के अध्यक्ष और भारत की नीतिपरक प्रबंधन फोरम के संस्थापक शासी निकाय के सदस्य रहे हैं.		Areas of academic interest include Strategic Human Resource Management, Change Management, New Public Management, Leadership Development, HR Architecture for firms, Performance Management & Improvement, Flexible Work places, Employment Relations, Startups and Family Business transformation. He has served as nominated member in the Core Committee of the National HRD Network – Delhi Chapter (1998-1999), organizing committee for India Young HR Conference, Chair of Technical Committee for Annual HR Conclave of NIPM Kerala (2015) and was member of the founding governing body of the Strategic Management Forum of India.
अन्य कम्पनियों में निदेशक अथवा समिति पदों पर कार्य	1. पश्चिम गुजरात विज़ कंपनी लि. 2. कॉनेक्ट सीएसआर इंपैक्टर्स प्रा.लि. 3. हसिज़ कंसलटिंग लि.	Directorship or Committee positions held in other Companies	1. Paschim Gujarat Vij Company Ltd. 2. Konnect CSR Impactors Pvt. Ltd. 3. Husys Consulting Ltd.
बैंक ऑफ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	शून्य	No. of shares of Bank of Baroda held	- Nil

2 श्री अशोक कुमार गर्ग

2. Shri Ashok Kumar Garg

नाम	श्री अशोक कुमार गर्ग	Name	Shri Ashok Kumar Garg
पता	बी - 303 प्रेरणा, प्लॉट नं. 13, सेक्टर- 10, द्वारका, नई दिल्ली- 110075	Address	B-303 Prerana, Plot No.13, Sector 10, Dwaraka New Delhi - 110075
जन्म तिथि	14 जून, 1958	Date of Birth	14th June, 1958
आयु	58 वर्ष	Age	58
योग्यता	एम. कॉम, एलएलबी, सीएआईआईबी	Qualifications	M.Com LLB CAIIB
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	केंद्र सरकार द्वारा बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (ए) के तहत दिनांक 9 अगस्त, 2016 से 30 जून, 2017 तक अर्थात् उनकी अधिवर्षिता की तारीख तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्ति की गई है.	Nature of appointment as Director	Appointed as Executive Director by the Central Government u/s 9(3)(a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, w.e.f. 9th August, 2016 for a period upto 30.06.2018 i.e. the date of his superannuation or until further orders, whichever is earlier

अनुभव	श्री अशोक कुमार गर्ग को 09 अगस्त, 2016 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा का कार्यपालक निदेशक नियुक्त किया गया है. इससे पहले वे बैंक के यूएस परिचालन के मुख्य कार्यपालक थे. श्री गर्ग का जन्म 1958 में हुआ.आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक डिग्री तथा वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है. आप श्री राम कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स (एसआरसीसी) के छात्र रहे हैं. आपने भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान से सीएआईआईबी भी की है. श्री गर्ग ने 1979 में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा की सेवा ग्रहण की. अपने साढ़े तीन दशक से अधिक के पूरे कार्यकाल में आपने विभिन्न प्रकार के बैंकिंग परिचालनों, ऋण प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन, अनुपालन, प्रशिक्षण एवं विकास, अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों आदि में गहन अनुभव प्राप्त किया है. श्री गर्ग अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी बैंकर है जिन्होंने बैंक ऑफ़ बड़ौदा की भारत में स्थित शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों, अंचल कार्यालयों तथा कार्पोरेट कार्यालय में तथा तीन महाद्वीपों यूरोप (लन्दन), अफ्रीका (कम्पाला) एवं उत्तरी अमेरिका (न्यूयार्क) में फैले बैंक के कार्यालयों/ अनुषंगियों में कार्य किया है. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (युगांडा) लि. के प्रबंध निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान श्री गर्ग बड़ौदा कैपिटल मार्केट (युगांडा) लि. के अध्यक्ष तथा युगांडा सिक्यूरिटीज़ एक्सचेंज (यूएसई) एवं युगांडा बैंकिंग एण्ड फायनैंसियल सर्विसिज लि. के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में भी कार्य किया है. श्री गर्ग बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गुयाना) आईएनसी., जॉर्ज टाउन तथा बैंक ऑफ़ बड़ौदा (त्रिनिदाद एवं टोबेगो) लि., पोर्ट ऑफ स्पेन के निदेशक मंडल में भी निदेशक हैं .	Experience	Shri Ashok Kumar Garg has been appointed as Executive Director of Bank of Baroda on 09th August 2016. Prior to this, he was the Chief Executive of the Bank's US Operations. Born in 1958, Shri Garg holds a Masters Degree in Commerce and a Bachelor's Degree in Law from Delhi University. He is an alumini of Shri Ram College of Commerce (SRCC). He is also a certified Associate of Indian Institute of Banking & Finance (CAIIB). Shri Garg joined Bank of Baroda as a Probationary Officer in 1979. During his career spanning over three and half decades, he acquired rich experience of diverse Banking Operations, Credit Management, Project Management, Compliance, Training & Development, International Operations, etc. Shri Garg is an internationally accomplished banker having worked in Bank of Baroda Branches, Regional Office, Zonal Office and Corporate Office in India and with Bank's offices / Subsidiary spread over three continents, Europe (London), Africa (Kampala) & North America (New York). During his tenure as the Managing Director of Bank of Baroda (Uganda) Ltd., Shri Garg also served as the Chairman of Baroda Capital Markets (Uganda) Ltd., and as a Director on the Board of Uganda Securities Exchange (USE) and Uganda Banking and Financial Services Ltd. Shri Garg is also a Director on the Board of Bank of Baroda (Guyana) Inc., George Town and Bank of Baroda (Trinidad & Tobago) Ltd., Port of Spain.
अन्य कम्पनियों में निदेशक अथवा समिति पदों पर कार्य	1. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गयाना) लि. 2. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (त्रिनिदाद एवं टोबेगो) लि. 3. बड़ौदा ग्लोबल शेयर्स सर्विसेज लि.	Directorship or Committee positions held in other Companies	1. Bank of Baroda (Guyana) Ltd. 2. Bank of Baroda (Trinidad & Tobago) Ltd. 3. Baroda Global Shares Services Ltd
बैंक ऑफ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	250 (पत्नी के नाम पर हैं)	No. of shares of Bank of Baroda held	250 (held in spouse name)

3 श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल

3. Shri Gopal Krishan Agarwal

नाम	श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल	Name	Shri Gopal Krishan Agarwal
पता	डी- 109, सेक्टर- 36,नोएडा - 201303	Address	D-109, Sector-36 Noida – 201303

जन्म तिथि	01 जून , 1962	Date of Birth	1st June, 1962
आयु	54 वर्ष	Age	54 years
योग्यता	बी. कॉम (ऑनर्स) सीए	Qualifications	B.Com (H) CA
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (जी) के तहत 26.07.2016 से 3 वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक सनदी लेखाकार की श्रेणी में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित किए गए है.	Nature of appointment as Director	Nominated as Part-time Non-official Director w.e.f. 26.07.16 by the Central Government u/s 9(3)(g) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, under Chartered Accountant category for a period of three years or until further orders, whichever is earlier
अनुभव	श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया (आईसीएआई) के सहयोगी सदस्य हैं, जिन्हें वित्तीय बाजार और आर्थिक मामलों में व्यापक अनुभव है. वह पीएचडी चेम्बर ऑ. फ कॉमर्स की प्रबंधन समिति के सदस्य भी हैं. वे भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की केंद्रीय परिषद (आईसीएसआई) के सरकारी नामित और उत्तर पूर्वी इलैक्ट्रिक पॉवर कॉर्पोरेशन (नीपको) के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक हैं. वह भारत सरकार, वित्त मंत्रालय द्वारा स्थापित एमएसएमई क्षेत्र की वित्तीय संरचना पर गठित कार्य-दल के भी सदस्य हैं. अपने पूर्व कार्यदायित्वों में वे एसोचेम की विभिन्न समितियों, इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउन्टेंट की सार्वजनिक वित्तीय समिति और सेबी की द्वितीयक बाजार सलाहकार समिति के सदस्य थे.श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने विभिन्न सार्वजनिक परियोजनाओं जैसे जलाधिकार, नागरिक मंच, श्री जी गौसदन और दुग्ध सहकारी आंदोलन के साथ अन्य परियोजनाओं की शुरूआत की है. वे समाचार पत्रों, वित्तीय पत्रिकाओं में बड़े पैमाने पर लिखते हैं तथा इन विषयों पर सेमिनारों और सम्मेलनों में भाषण करते हैं. वे टीवी चैनलों पर आर्थिक हित के विभिन्न विषयों पर विचार रखते हुए भी देखे जा सकते हैं. वे देश के दो प्रमुख अनुसंधान संस्थानों डॉ. मुखर्जी स्मृति न्यास और इंडिया पॉलिसी फाउंडेशन (आईपीएफ) के ट्रस्टी और कोषाध्यक्ष हैं.	Experience	Shri Gopal Krishan Agarwal is a fellow member of the Institute of Chartered Accountant of India (ICAI) having vast experience in financial markets and economic issues. He is a Member of the Managing Committee of PHD Chamber of Commerce. He is govt nominee of the Central Council of Institute of Company Secretaries of India (ICSI) and Independent Director on the Board of North Eastern Electric Power Co. (NEEPCO). He is also a member of the Task Force on Financial Architecture of MSME Sector set up by the Ministry of Finance, Government of India. In his previous roles he was member of various committees of Assocham, Public Finance Committee of the Institute of Chartered Accountant (ICAI) and Secondary Market Advisory Committee (SMAC) of SEBI. Shri Gopal Krishan Agarwal has initiated various public welfare projects like Jaladhikar, Nagrik Manch, Shree Ji Gausadan and Milk Cooperative Movement among many others. He extensively writes for newspaper, financial journals and delivers lectures in seminars & conferences on these subjects. He is also seen on television channels holding forth on different topics of economic interest. He is Trustee and Treasurer of Dr Mookherjee Smruti Nyas and India Policy Foundation (IPF), two premier research organizations in the country.
अन्य कम्पनियों में निदेशक अथवा समिति पदों पर कार्य	1. प्रोफेशनल डाटा सिस्टम प्रा. लि. 2. गंगोत्री ओवरसीज प्रा. लि. 3. जेनुयिन क्रिएसंस प्रा. लि. 4. नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पॉवर कार्पोरेशन लि. 5. जलाधिकार फाउण्डेशन	Directorship or Committee positions held in other Companies	1. Professional Data System Pvt. Ltd. 2. Gangotri Overseas Pvt. Ltd. 3. Genuine Creations Pvt. Ltd. 4. North Eastern Electric Power Corporation Ltd. 5. Jaladhikar Foundation
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	शून्य	No. of shares of Bank of Baroda held	Nil

4 श्रीमती पापिया सेनगुप्ता

4. Smt. Papia Sengupta

नाम	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	Name	Smt. Papia Sengupta
पता	फ्लैट नं. 14, जी-ब्लॉक, विनस कॉ. हा. सो. लि., डॉ. आर. जी. थडानी मार्ग, वर्ली सीफेस साउथ, वर्ली, मुंबई- 400 018	Address	Flat No.14, G-Block,Venus Co-op Hsg. Ltd.,Dr. R.G. Thadani Marg, Worli Seaface South, Worli, Mumbai – 400 018
जन्म तिथि	27 सितंबर, 1959	Date of Birth	27th Sept. 1959
आयु	57 वर्ष	Age	57 years
योग्यता	बी.एस.सी, सीएफए, सीएआईआईबी	Qualifications	B.Sc., CFA, CAIIB
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	केंद्र सरकार द्वारा बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (ए) के तहत दिनांक 1 जनवरी, 2017 से 30 सितंबर, 2019 तक अर्थात् उनकी अधिवर्षिता की तारीख तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्ति की गई है.	Nature of appointment as Director	Appointed as Executive Director by the Central Government u/s 9(3)(a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, w.e.f. 1st January, 2017 for a period upto 30.09.2019 i.e. the date of her attaining the age of superannuation or until further orders, whichever is earlier.
अनुभव	श्रीमती सेनगुप्ता सीएफए और सीएआईआईबी की अतिरिक्त योग्यता के साथ, विज्ञान में स्नातक हैं. आपने 1983 में एसबीबीजे में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवाग्रहण की और एसबीबीजे, एसबीआई और एसबीपी के विभिन्न कार्यालयों में जिम्मेदारियों का निर्वाह किया है. हमारे बैंक ज्वाइन करने से पहले, आपने स्टेट बैंक ऑफ़ पटियाला(एसबीपी) में अप्रैल 2016 से मुख्य महाप्रबंधक (रिटेल बैंकिंग) और जून 2015 से मुख्य महाप्रबंधक (दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह) का पदभार संभाला. श्रीमती सेनगुप्ता ने स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर और जयपुर(एसबीबीजे) के दिल्ली नेटवर्क में महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया है. अपने कार्यकाल के दौरान आपने विभिन्न संगठनों के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों जैसे आईटी सुरक्षा, एएलएम, एचआर, ट्रेजरी प्रबंधन आदि में कार्य किया है. आपने दो दशकों से अधिक समय तक शाखा परिचालन का कार्यभार संभाला. आपको क्रेडिट तथा विदेशी मुद्रा परिचालन में भी व्यापक अनुभव है.	Experience	Smt. Sengupta is a Science Graduate, with additional qualification of CFA and CAIIB. She joined SBBJ in 1983 as Probationary Officer and has handled responsibilities in several offices of State Bank of Bikaner and Jaipur (SBBJ), State Bank of India (SBI) and State Bank of Patiala (SBP). Prior to joining our Bank, she held the position of Chief General Manager (Retail Banking) since April 2016 and Chief General Manager (Stressed Assets Management Group) since June 2015 at State Bank of Patiala. Smt. Sengupta also served as General Manager of the Delhi network at State Bank of Bikaner and Jaipur. During her tenure at the various organisations she had worked across various key areas such as IT Security, ALM, HR, Treasury Management etc. She has also handled branch operations for more than two decades and possess experience in Credit and Forex operations
अन्य कम्पनियों में निदेशक अथवा समिति पदों पर कार्य	शून्य	Directorship or Committee positions held in other Companies	Nil
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	शून्य	No. of shares of Bank of Baroda held	Nil

5 श्री अजय कुमार

5. Shri Ajay Kumar

नाम	श्री अजय कुमार	Name	Shri Ajay Kumar
पता	एन-4 टॉवर-ई, शालीमार ग्रैण्ड, 10- जॉपलिंग रोड, लखनऊ	Address	N-4, Tower-E, Shalimar Grand, 10-Jopling Road, Lucknow
जन्म तिथि	20 मई 1969	Date of Birth	20th May, 1969
आयु	47 वर्ष	Age	47
योग्यता	एमए (अर्थशास्त्र), सीएआईआईबी , एमएस (बैंकिंग)	Qualifications	MA (Economics), CAIIB, MS (Banking)
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970/1980 की धारा 9(3) (सी) के तहत दिनांक 13 जनवरी 2017 से पदधारिता तक या अगले आदेशों तक केंद्र सरकार द्वारा निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है.	Nature of appointment as Director	Nominated as Director by the Central Government u/s 9(3)(c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, w.e.f. 13th January, 2017 to hold the post until further orders.
अनुभव	श्री अजय कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, लखनऊ को 13 जनवरी, 2017 से बैंक के निदेशक मंडल में भारतीय रिज़र्व बैंक की ओर से निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है. श्री अजय कुमार ने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और बैंकिंग में एमएस की डिग्री प्राप्त की है. वे भारतीय बैंकिंग संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट सदस्य (सीएआईआईबी) भी हैं. आपका जन्म 20 मई 1969 को हुआ. उन्होंने भारतीय रिज़र्व बैंक में दिसंबर 1991 में सेवा ग्रहण की और उन्हें मुद्रा प्रबंधन, ग्रामीण ऋण एवं आयोजना, विदेशी मुद्रा प्रबंधन तथा बैंकिंग पर्यवेक्षण के क्षेत्र में विभिन्न पदों पर कार्य करने का 25 वर्षों का व्यापक अनुभव है. उन्होंने एचडीएफसी बैंक तथा कोटक महिन्द्रा बैंक के वरिष्ठ पर्यवेक्षण प्रबंधक के रूप में भी कार्य किया है. वे इलाहाबाद बैंक, यूनाइटेड बैंक तथा यूको बैंक की वार्षिक पर्यवेक्षी प्रक्रिया के लिए प्रिंसिपल निरीक्षणकर्ता अधिकारी (पीआईओ) भी थे और उन्होंने अपने नेतृत्व में यूको बैंक की व्यापक आस्ति गुणवत्ता समीक्षा भी की थी. इसके अलावा, उन्हें भारत में स्थित विदेशी बैंकों के संचालन की निगरानी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी. विदेशी मुद्रा प्रबंधन के क्षेत्र में उन्होंने बैंकों के लिए जोखिम प्रबंधन दिशानिर्देश तैयार करने तथा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति तैयार करने में नेतृत्व प्रदान किया. इससे पहले, उन्होंने अपने ग्रामीण ऋण एवं आयोजना विभाग के कार्यकाल के दौरान 4 ग्रामीण बैंकों के नामिती निदेशक के रूप में भी कार्य किया है.	Experience	Shri Ajay Kumar, Regional Director, Reserve Bank of India, Lucknow, has been nominated as a Director on the Bank's Board representing Reserve Bank of India w.e.f. 13th January, 2017 Shri Ajay Kumar has done his Masters in Economics and MS in Banking. He is also a Certified Associate of Indian Institute of Banking (CAIIB). Born on 20th May, 1969, Shri Ajay Kumar joined Reserve Bank of India in December 1991 and has had a wide experience of 25 years of working in various capacities in the areas of currency management, rural credit and planning, foreign exchange management and banking supervision. He has worked as the Senior Supervisory Manager for the HDFC Bank and the Kotak Mahindra Bank. He was also the Principal Inspecting Officer (PIO) for the annual supervisory process of the Allahabad Bank, the United Bank and the UCO Bank, also conducted the comprehensive Asset Quality Review of the latter under his stewardship. Further, he was also assigned the responsibility of monitoring the conduct of foreign banks in India. In the area of foreign exchange management, he has been at the helm of formulating Risk Management Guidelines for banks and also Foreign Direct Investment Policy Framework. Earlier, he has also served as Nominee Director in four Regional Rural Banks during his stint in rural credit and planning.
अन्य कम्पनियों में निदेशक अथवा समिति पदों पर कार्य	शून्य	Directorship or Committee positions held in other Companies	Nil
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	शून्य	No. of shares of Bank of Baroda held	Nil

घोषणा

सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 की अनुसूची V – भाग (डी) के अनुसार प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का घोषणा-पत्र

यह घोषित किया जाता है कि बोर्ड के सभी सदस्यों एवं बैंक के उच्च प्रबंधन कार्मिक , 31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष हेतु सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 के विनियम 26 (3) के अनुसार ''बैंक ऑफ़ बड़ौदा के निदेशकों एवं उच्च प्रबंधन कार्मिक हेतु निर्धारित आचार संहिता'' के अनुपालन हेतु वचनबद्ध हैं. यह आचार संहिता बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है.

कृते बैंक ऑफ़ बड़ौदा

पी.एस.जयकुमार

पी.एस.जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

स्थान :- मुंबई
दि. :- 18 मई 2017

DECLARATION

Declaration of the Managing Director & CEO pursuant to Schedule V – Part (D) of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

It is to declare that all the Board Members and Senior Management Personnel of the Bank have affirmed their compliance of the "Bank of Baroda - Code of Conduct for Directors and Senior Management Personnel" for the Financial Year Ended on 31st March, 2017 in accordance with Regulation 26(3) of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The said Code of conduct has been posted on the Bank's website.

For Bank of Baroda

P.S. Jayakumar

P.S. Jayakumar
Managing Director & CEO

Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

31 मार्च, 2017 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त तुलन पत्र
Abridged Balance Sheet of Bank of Baroda as on March 31, 2017

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2017	31.03.2016	31.03.2017	31.03.2016
पूंजी और देयताएं	CAPITAL & LIABILITIES				
पूंजी	**Capital**				
इक्विटी	Equity	**462,09,31**	**462,09,31**	**462,09,31**	462,09,31
प्रारक्षित निधियां और अधिशेष	**Reserve & Surplus**				
सांविधिक प्रारक्षित निधियां	Statutory Reserves	**9314,75,68**	8968,97,29	**9636,26,99**	9228,13,30
पूंजीगत प्रारक्षित निधियां	Capital Reserves	**4929,17,73**	5125,77,32	**5025,36,26**	5185,43,81
शेयर प्रीमियम	Share Premium	**10729,00,93**	10729,00,93	**10786,20,93**	10786,20,93
राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधियां	Revenue & Other reserves	**14868,21,68**	**14913,13,68**	**17157,63,76**	**16841,28,90**
माइनोरिटी इन्टरेस्ट	Minority Interest	**-**	-	**232,52,79**	193,69,07
जमाराशियां	**Deposits**				
मांग-जमाराशियां	Demand Deposits	**42519,26,95**	34629,06,17	**43735,55,46**	35544,13,46
बचत बैंक जमाराशियां	Saving Bank Deposits	**150976,49,13**	116705,40,95	**154327,11,08**	119459,30,04
मीयादी जमाराशियां	Term Deposits	**408179,41,21**	422703,40,10	**419194,20,11**	431687,03,33
उधार ली गयी राशियां	**Borrowings**				
भारत में उधार ली गयी राशियां	Borrowings in India				
ए) भारतीय रिज़र्व बैंक	a) from Reserve Bank of India	**-**	-	**-**	-
बी) अन्य बैंकों से	b) from other banks	**544,91,52**	387,98,49	**424,91,52**	395,91,13
सी) अन्य संस्थान एवं एजेंसियों से	c) from other institutions and agencies	**961,01,21**	193,22,47	**2222,51,21**	844,34,01
डी) ऋण लिखत	d) Debt Instruments	**12411,70,00**	11331,70,00	**12411,70,00**	11331,70,00
भारत के बाहर उधार ली गयीं राशियां	Borrowings outside India	**16693,81,27**	21558,79,06	**16182,87,44**	21273,27,43
अन्य देयताएं और प्रावधान	**Other Liabilities & Provisions**				
देय बिल	Bills Payable	**2140,21,45**	1675,58,78	**2200,46,39**	1741,92,90
अंतर कार्यालय समायोजन (शुद्ध)	Inter-office Adjustments (net)	**1257,40,63**	393,84,59	**1258,22,50**	391,93,64
उपचित ब्याज	Interest Accrued	**3358,55,74**	3927,99,71	**3436,53,95**	3992,72,15
मानक आस्थिमों के पेटे में प्रावधान	Provisions towards Standard Assets	**3517,67,03**	2751,23,49	**3542,27,05**	2772,97,76
आस्थगित कर देयता (शुद्ध)	Deferred Tax Liability (net)	**-**	-	**4,69,00**	6,09,85
अन्य	Others	**12011,70,88**	14919,25,35	**16979,35,58**	19040,86,49
कुल पुंजी और देयताएं	**TOTAL CAPITAL & LIABILITIES**	**694875,42,35**	671376,47,69	**719220,51,32**	691179,07,51

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2017	31.03.2016	31.03.2017	31.03.2016
आस्तियां	ASSETS				
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकदी और शेष रकम	Cash & Balance with reserve Bank of India	22780,21,33	21672,41,54	23915,13,47	22810,75,34
बैंकों के पास शेष रकम तथा मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	Balance with banks & money at call & short notice				
भारत में बैंकों के पास शेष रकम	Balance with banks in india	1496,67,48	4060,20,20	3333,79,04	5482,83,30
मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	Money at call & short notice in India	23368,34,01	600,00,00	23368,34,01	645,00,00
भारत से बाहर शेष रकम	Balances outside india	102824,68,43	107567,73,25	103497,73,44	108060,46,75
निवेश	Investments				
भारत में	In India				
ए) सरकारी प्रतिभूतियां	a) Government Securities	110984,66,89	100428,36,43	113938,98,67	103090,09,11
बी) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	b) Other approved securities	1,28,00	1,28,00	2475,49,82	1607,52,80
सी) शेयर	c) Shares	1704,42,88	1259,89,15	2357,45,93	1882,80,33
डी) डिबेंचर एवं बॉण्ड	d) Debentures & Bonds	2927,41,25	2558,59,53	4289,35,47	3668,89,34
ई) अनुषंगी इकाइयां और / या संयुक्त उद्यम	e) Subsidiaries and/or Joint Ventures	922,56,40	901,11,37	798,99,89	736,49,59
एफ) अन्य	f) Others	4857,50,45	5735,92,56	5150,32,85	5796,04,21
भारत से बाहर	Outside India	8232,68,09	9565,35,06	11705,80,69	12112,20,32
अग्रिम	Advances				
भारत में	In India				
ए) खरीदे गये एवं बट्टाकृत बिल	a) bills purchased & discounted	3087,51,69	2963,37,66	3088,34,63	2967,17,42
बी) नकद ऋण, ओवरड्राफ्ट एवं मांग पर प्रतिदेय ऋण	b) Cash Credit, overdraft & loans repayable on demand	127390,05,06	127046,27,51	129575,73,20	128767,21,66
सी) मीयादी ऋण	c) Term Loans	147046,16,86	133258,73,15	148671,82,79	134323,49,57
भारत से बाहर	Outside India	105735,48,70	120501,79,71	110926,39,03	125428,09,88
अचल आस्तियां	Fixed Assets	5758,37,34	6253,77,56	5929,67,50	6359,17,15
अन्य आस्तियां	Other Assets				
इंटर ऑफिस समायोजन (निवल)	Inter Office Adjustments(net)	-	-	-	-
उपचित ब्याज	Interest Accrued	5005,56,76	5346,70,34	5169,23,56	5492,65,60
अग्रिम कर भुगतान/ स्रोत पर	Tax paid in advance / at source	2857,68,97	5360,76,75	2897,85,32	5393,42,84
आस्थगित कर देयता (निवल)	Deferred Tax Assets (net)	4320,75,73	3248,71,57	4335,70,19	3262,98,51

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2017	31.03.2016	**31.03.2017**	31.03.2016
दावों के समाधान पर अर्जित गैर बैंकिंग आस्तियां	Non-banking assets acquired in satisfaction of claims	**-**	-	**-**	-
अन्य	Others	**13573,36,03**	13045,46,35	**13794,31,82**	13291,73,79
कुल आस्तियां	**TOTAL ASSETS**	**694875,42,35**	671376,47,69	**719220,51,32**	691179,07,51
आकस्मिक देयताएं	**Contingent liabilities**				
बैंक से किए गए दावे, जिन्हें ऋण नहीं माना गया	Claims against the banks not acknowledged as debts	**188,10,57**	371,95,10	**208,21,88**	389,31,10
बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयता	Liability on account of outstanding forward exchange contracts	**157820,04,07**	142320,13,27	**157877,08,35**	142340,20,48
ग्राहकों के लिए दी गई गारंटियां	Guarantees given on account of constituents	**25143,06,38**	32537,47,72	**25647,80,44**	33083,55,99
स्वीकृतियां, परांकन और अन्य बाध्यता	Acceptances, endorsements & other obligations	**18179,51,09**	16679,37,90	**18437,06,03**	16896,56,73
आकस्मिक देयताओं की अन्य मदें जिनके लिए बैंक उत्तरदायी है	Other items for which the bank is contingently liable	**51188,23,94**	37068,22,34	**51224,43,44**	37097,31,31
संग्रहण हेतु बिल	**Bills for collection**	**37599,41,85**	32343,74,34	**37680,81,25**	32442,12,00

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त लाभ हानि खाता

Abridged Profit & Loss Account of Bank of Baroda for the year ended March 31, 2017

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2017	31.03.2016	31.03.2017	31.03.2016
आय	INCOME				
अर्जित ब्याज	Interest Earned				
अग्रिमों / बिलों पर	On advances/bills	27523,92,82	29796,23,23	28483,51,33	30700,06,64
निवेशों पर	On investments	10596,33,49	10673,22,27	11709,02,36	11333,92,88
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष तथा अत: बैंक निधियां	On balances with RBI and inter bank funds	1990,85,98	1305,92,32	2171,14,27	1469,87,76
अन्य	Others	2088,80,69	2285,89,92	2109,77,18	2295,11,74
अन्य आय	Other Income				
कमीशन, विनियम और दलाली	Commission, exchange & Brokerage	1566,10,06	1501,48,55	1690,93,70	1591,84,76
निवेशों के पुर्नमूल्यांकन पर शुद्ध लाभ	Net profit on sale of investments	2618,00,76	1178,85,95	2651,02,00	1189,56,54
भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर शुद्ध लाभ	Net profit on sale of land building & other assets	77,98,77	2,15,91	77,96,25	2,21,08
विनियम लेन-देन पर शुद्ध लाभ	Net profit on Exchange transactions	975,89,50	1252,31,17	1002,98,77	1277,35,53
विदेशों में / भारत में अनुषंगियों / कंपनियों और या विदेशी / भारतीय संयुक्त उद्यमों से लाभांश के रुप में प्राप्त आय	Income by way of dividends etc. from subsidiaries/ companies and/or JVs abroad/in India	51,47,92	45,56,38	-	7,92,98
विविध आय	Miscellaneous Income	1468,59,08	1018,48,20	2513,87,06	1923,26,63
कुल आय	TOTAL INCOME	48957,99,07	49060,13,90	52410,22,92	51791,16,54
व्यय	EXPENDITURE				
ब्याज व्यय	Interest Expended				
जमा राशियों पर	On Deposits	26783,50,65	29200,11,00	27629,96,95	29982,12,20
भारतीय रिज़र्व बैंक / अंतर बैंक उधार राशियों पर	On RBI/Inter bank borrowings	314,82,59	345,02,56	306,67,43	340,34,18
अन्य	Others	1588,18,67	1776,29,01	1659,08,32	1784,97,65
परिचालन व्यय	Operating expenses				
कर्मचारियों को भुगतान एवं उनके लिए प्रावधान	Payment & provision for employees	4637,77,19	4978,02,55	4888,66,18	5201,04,64
किराया कर एवं विद्युत	Rent taxes & lighting	939,97,81	862,02,31	989,12,91	903,91,31
मुद्रण एवं सामग्री	Printing & stationery	83,20,88	81,91,65	88,16,08	86,27,68
विज्ञापन एवं प्रचार	Advertisement & publicity	99,08,47	75,94,90	111,39,56	83,49,88
बैंक की संपत्तियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on Bank's property	511,34,91	501,32,72	539,97,37	525,10,86

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2017	31.03.2016	**31.03.2017**	31.03.2016
निदेशों की फीस, भत्ते एवं व्यय	Director's fees, allowances & expenses	**99,69**	69,18	**3,12,45**	2,64,64
लेखा परीक्षकों की फीस एवं व्यय (शाखा लेखा परीक्षकों की फीस व व्यय सहित)	Auditors fees, expenses incl. branch auditors	**57,37,35**	57,69,92	**61,07,43**	60,70,05
विधि प्रभार	Law charges	**62,54,77**	54,61,24	**67,04,25**	58,29,71
डाक व्यय, तार एवं दूरभाष आदि	Postage, Telegrams, Telephones, etc.	**166,91,17**	154,32,23	**175,63,62**	163,46,50
मरम्मत एवं रख-रखाव	Repairs & Maintenance	**612,83,13**	539,77,94	**625,21,80**	550,74,24
बीमा	Insurance	**505,86,13**	490,08,58	**519,84,15**	503,16,51
अन्य	Others	**1618,48,73**	1126,70,49	**2280,54,58**	1823,55,85
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	**Provisions & Contigencies**				
निवेशों के मूल्यह्रास पर प्रावधान	Provision for Depreciation on investments	**29,31,39**	341,46,54	**34,46,26**	340,38,27
अनार्जक आस्तियों के पेटे प्रावधान	Provision towards non performing assets	**7679,79,00**	13765,89,25	**7824,03,31**	13847,55,42
मानक आस्तियों के पेटे प्रावधान	Provision towards standard assets	**776,58,32**	(258,10,53)	**779,33,97**	(255,03,67)
अन्य (आयकर को छोड़कर)	Others (excluding income taxes)	**16,68,55**	1664,39,46	**802,52,01**	2021,07,77
कुल व्यय और प्रावधान	**TOTAL EXPENSES AND PROVISIONS**	**46485,29,40**	55758,21,00	**49385,88,63**	58023,83,69
कर से पहले लाभ / हानि	**Profit/Loss before Tax**				
वर्तमान कर	Current Tax	**2267,36,74**	1769,84,27	**2422,45,95**	1892,58,65
आस्थगित कर	Deferred Tax	**(1177,80,67)**	(3072,37,64)	**(1175,52,97)**	(3072,17,05)
कर के पश्चात लाभ / हानि	**Profit / Loss after Tax**	**1383,13,60**	(5395,53,73)	**1777,41,31**	(5053,08,75)
सहयोगी इकाइयों में अर्जित / हानि का अंश	Share of Earning/(Loss) in associates	**-**	-	**77,56,78**	20,09,30
माइनोरिटी इंटरेस्ट डेबिट करने से पूर्व वर्ष के लिए समेकित लाभ / हानि	**Consolidated Net Profit/ loss for the year before deducting minority Interest**	**1383,13,60**	(5395,53,73)	**1854,98,09**	(5032,99,45)
घटाएं - माइनोरिटी इंटरेस्ट	Less - Minority Interest	**-**	-	**40,00,36**	34,68,77
वर्ष के लिए समूह का समेकित लाभ / हानि	**Consolidated Net Profit/Loss for the year attributable to Group**	**1383,13,60**	(5395,53,73)	**1814,97,73**	(5067,68,22)
आगे लाया गया लाभ / हानि	Profit / Loss brought forward	**-**	-	**619,04,92**	553,39,97
कुल	**Total**	**1383,13,60**	(5395,53,73)	**2434,02,65**	(4514,28,25)
विनियोजन	**Appropriations**				
सांविधिक प्रारक्षित निधियों को अंतरण	Transfer to statutory reserves	**345,78,39**	-	**427,86,65**	43,08,32
अन्य प्रारक्षितों में अंतरण	Transfer to other reserves	**704,56,43**	-	**925,37,91**	219,12,24
सरकारी / प्रस्तावित लाभांश में अंतरण	Transfer to Government/ proposed dividends	**332,78,78**	-	**332,78,78**	-

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2017	31.03.2016	**31.03.2017**	31.03.2016
तुलन पत्र में ले जाया गया शेष	Balance carried forward to Balance Sheet	**-**	(5395,53,73)	**747,99,31**	(4776,48,81)
विगत वर्ष के अतिरिक्त विनियोजन से अंतरण	Transfer from Excess Appropriation of previous year	**-**	7,78,84	**-**	-

निदेशक
DIRECTORS

रवि वेंकटेसन
अध्यक्ष
Ravi Venkatesan
Chairman

पी एस जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मु.का.अ.
P S Jayakumar
Managing Director & CEO

उषा ए नारायणन
निदेशक
Usha A. Narayanan
Director

मयंक के मेहता
कार्यपालक निदेशक
Mayank K Mehta
Executive Director

अशोक कुमार गर्ग
कार्यपालक निदेशक
Ashok Kumar Garg
Executive Director

पापिया सेनगुप्ता
कार्यपालक निदेशक
Papia Sengupta
Executive Director

अशोक डंगायच
उप महाप्रबंधक कार्पो. लेखा एवं कराधान
Ashok Dangaich
Dy General Manager Corp. A/Cs & Taxation

संजय कुमार
महाप्रबंधक
(एस पी एवं पी बी) तथा सीएफओ
Sanjay Kumar
General Manager
(SP & PB) and CFO

स्थान: मुंबई
दिनांक: 18 मई, 2017
Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

लेखा परीक्षक
AUDITORS

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 002263N
For Wahi & Gupta
Chartered Accountants
FRN : 002263N

(अनुज गुप्ता)
भागीदार
एम नं. 076560
(Anuj Gupta)
Partner
M No. : 076560

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 001537C
For S R Goyal & Co
Chartered Accountants
FRN : 001537C

(निकीता गोयल)
भागीदार
एम नं. 142555
(Nikita Goyal)
Partner
M No.: 142555

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 108846W
For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountants
FRN : 108846W

(सुधीर दबीर)
भागीदार
एम नं.039984
(Sudhir Dabir)
Partner
M No.: 039984

कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 104607W/W100166
For Kalyaniwalla & Mistry LLP
Chartered Accountants
FRN : 104607W/W100166

(डौरीस फ्रेजर)
भागीदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No.: 042454

स्थान: मुंबई
दिनांक: 18 मई, 2017
Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त नकदी प्रवाह विवरण पत्र
Abridged Cash Flow Statement of Bank of Baroda

₹ '000 में ₹ in '000

विवरण Particulars			स्टैंडअलोन Standalone		समेकित Consolidated	
			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	**चालू वर्ष Current Year**	पिछला वर्ष Previous Year
			31.03.2017	31.03.2016	**31.03.2017**	31.03.2016
ए. परिचालन की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	A.	Cash Flow from operating Activities	**17193,86,05**	(9841,65,62)	**17864,82,81**	(10011,31,00)
बी. निवेश की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	B.	Cash Flow from Investing Activities	**(426,03,90)**	(3995,41,47)	**(550,62,35)**	(4005,09,60)
सी. वित्तपोषण की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	C.	Cash Flow from Financing Activities	**(198,25,89)**	(615,72,99)	**(198,25,89)**	(615,72,99)
नकदी / समतुल्य नकदी में शुद्ध वृद्धि (ए+बी+सी)		Net Increase in Cash & Cash Equivalents (A+B+C)	**16569,56,26**	(14452,80,08)	**17115,94,57**	(14632,13,59)
01 अप्रैल को नकदी एवं नकदी समतुल्य		**Cash & Cash equivalents as at April 01**	**133900,34,99**	148353,15,07	**136999,05,39**	151631,18,98
31 मार्च को नकदी एवं नकदी समतुल्य		**Cash & Cash equivalents as at March 31**	**150469,91,25**	133900,34,99	**154114,99,96**	136999,05,39

मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष की उल्लेखनीय लेखांकन नीतियां
Significant Accounting Policies for the year ended March 31, 2017

1. तैयारी का आधार

वित्तीय विवरणियां, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो, परम्परागत लागत आधार पर तैयार की गई हैं. ये भारत में सामान्यतया मान्य लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी)के अनुसार हैं जिनमें सांविधिक प्रावधान, विनियामक/भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देश, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक/मार्गदर्शी नोट्स तथा भारत के बैंकिंग उद्योग में प्रचलित कार्यप्रणाली समाविष्ट है. विदेशी कार्यालयों के संदर्भ में संबंधित देशों के प्रचलित सांविधिक प्रावधानों और कार्यप्रणाली का अनुपालन किया गया है.

2. आकलनों का उपयोग

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में वित्तीय विवरण की तारीख को रिपोर्ट की गई आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) तथा रिपोर्ट की गई अवधि की आय एवं व्यय संबंधी राशि को रिपोर्ट करने हेतु प्रबंधन को कतिपय अनुमानों और आकलनों की मदद लेनी पड़ती है. प्रबंधन का विश्वास है कि वित्तीय विवरण को तैयार करने के लिए प्रयुक्त आकलन विवेकपूर्ण और उचित हैं. भावी परिणाम इन आकलनों से भिन्न हो सकते हैं. लेखा अनुमानों में कोई भी परिवर्तन/संशोधन वर्तमान एवं भावी अवधि से मान्य होगा जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया गया हो.

3. निवेश

3.1 वर्गीकरण

बैंक के संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो का वर्गीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुरूप निम्नानुसार किया गया है, जिसमें

(ए) ''परिपक्वता तक धारित'' में वे निवेश शामिल हैं जिन्हें परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है.

(बी) ''व्यापार हेतु धारित'' में वे निवेश शामिल हैं, जिन्हें व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है.

(सी) ''बिक्री हेतु उपलब्ध'' में वे निवेश शामिल हैं, जो उपरोक्त (क) तथा (ख) में शामिल नहीं हैं, अर्थात जो न तो व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं और न ही परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं.

3.2 अधिग्रहण लागत

निवेश की अधिग्रहण लागत में प्रोत्साहनों एवं प्रारंभिक शुल्क राशि घटाकर है.

3.3 मूल्यांकन का आधार

''परिपक्वता तक धारित'' के रूप में वर्गीकृत निवेशों को भारित औसत अधिग्रहण लागत पर लिया गया है, बशर्ते वह अंकित मूल्य से अधिक हो, इस स्थिति में प्रीमियम को परिपक्वता की शेष अवधि तक परिशोधित किया गया है.

1 BASIS OF PREPARATION

The financial statements have been prepared under the historical cost convention unless otherwise stated. They conform to Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) in India, which comprises statutory provisions, regulatory/ Reserve Bank of India (RBI) guidelines, Accounting Standards/ guidance notes issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) and the practices prevalent in the banking industry in India. In respect of foreign offices, statutory provisions and practices prevailing in respective foreign countries are complied with.

2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilites (including contingent liabilites) as of date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable. Future results could differ from these estimates. Any revision to the accounting estimates is recognised prospectively in the current and future periods unless otherwise stated.

3 INVESTMENTS

3.1 Classification

The Investment portfolio of the Bank is classified, in accordance with the Reserve Bank of India guidelines, into:

a. "Held to Maturity" (HTM) comprising Investments acquired with the intention to hold them till maturity.

b. "Held for Trading" (HFT) comprising Investments acquired with the intention to trade.

c. "Available for Sale" (AFS) comprising Investments not covered by (a) and (b) above i.e. those which are acquired neither for trading purposes nor for being held till maturity.

3.2 Acquisition Cost

Cost of acquisition of Investments is net of incentives and front-end fees.

3.3 Basis of Valuation

Investments classified as HTM are carried at weighted average acquisition cost unless it is more than the face value, in which case the premium is amortized over the period remaining to maturity.

परिपक्वता तक धारित'' के रूप में वर्गीकृत निवेशों में डिबेंचर/बॉण्ड, जिन्हें स्वरूप/प्रकृति की दृष्टि से अग्रिम माना जाता है, शामिल हैं (जिनके लिए आस्ति वर्गीकरण संबंधी भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंड तथा अग्रिमों पर लागू प्रावधान के अनुसार प्रावधान किए जाते हैं).

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, ट्रेज़री बिलों, कमर्शियल पेपर्स और जमा प्रमाण-पत्रों पर किए गए निवेश शामिल हैं और जिनके मूल्य का निर्धारण रखाव लागत पर किया गया है.

संयुक्त उद्यमों तथा अनुषंगियों में (भारत तथा विदेश दोनों में), अस्थायी प्रकार के निवेशों को छोड़कर निवेशों का मूल्यांकन, मूल्यह्रास मूल्य को घटाकर अधिग्रहण लागत पर किया जाता है.

वीसीएफ इकाइयों में दिनांक 23.08.2006 के बाद किए गए बैंक निवेशों को प्रारंभिक तीन वर्ष की अवधि के लिए 'परिपक्वता तक धारित' संवर्ग में वर्गीकृत किया जाता है और लागत पर मूल्यांकित किया जाता है. संवितरण के तीन वर्ष पश्चात इसे 'बिक्री के लिए उपलब्ध' में अंतरित कर दिया जाता है और भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार 'बाजार' के रूप में चिन्हित किया जाता है.

''व्यापार के लिए धारित'' एवं ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' के रूप में वर्गीकृत निवेश, स्क्रिपवार बाजार के रूप में चिन्हित किये जाते हैं और तुलन पत्र में घोषित परिणामी शुद्ध मूल्यह्रास यदि कोई हो, को ''लाभ हानि खाते'' के हिसाब में लिया जाता है, जबकि यदि कोई मूल्य वृद्धि हो तो उसे छोड़ दिया जाता है. तथापि लिखतों पर रुपांतर रुप में अधिग्रहित मुल्यांस चाहे वह मानक के रुप में या एमपीए के रुप में वर्गीकृत किया गया हो, उस एएफएस श्रेणी के अंतर्गत धारित अन्य प्रतिभूति में मूल्यह्रास के पेटे ऑफसेट नही किया जाता है.

प्राथमिक डीलर के रूप में बैंक द्वारा व्यापार के लिए धारित संवर्ग के अन्तर्गत ट्रेजरी बिलों में निवेश का मूल्यांकन मूल्यों के अनुसार रखाव लागत पर किया जाता है.

''व्यापार के लिए धारित'' तथा ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' श्रेणी के निवेशों के मूल्यांकन के लिए, बाज़ार स्टॉक एक्सचेंज में उद्धृत दरें, प्राइमरी डीलर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (पीडीएआई)/फिक्स्ड इन्कम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन (एफआईएमएमडीए)/फॉरेन एक्सचेंज डीलर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (एफईडीएआई) द्वारा घोषित दरों का उपयोग किया गया है.

जिन निवेशों के लिए ऐसी दरें/उद्धृत दरें उपलब्ध नहीं हैं, उनका मूल्यन भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया गया है, जो निम्नानुसार हैं :

ए) सरकारी/अनुमोदित प्रतिभूतियां - ''परिपक्वता प्रतिफल'' के आधार पर

बी) इक्विटी शेयर, पीएसयू और ट्रस्टी शेयर - नवीनतम तुलन-पत्र के अनुसार विश्लेषित मूल्य (पूनर्मूल्यांकन आरक्षित निधियां, यदि कोई है, को ध्यान में लिए बिना) (12 माह से अधिक पुराना नहीं) के अनुसार ब्रेक अप मूल्य पर अन्यथा ₹ 1/- प्रति कंपनी.

सी) अधिमानी शेयर - समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क-अप के साथ परिपक्वता के प्रतिफल के आधार पर

Investments classified as HTM includes debentures / bonds, which are deemed to be in the nature of / treated as advances (for which provision is made by applying the RBI prudential norms of assets classification and provisioning applicable to Advances).

Investments in Regional Rural Banks, Treasury Bills, Commercial Papers and Certificates of Deposit, have been valued at carrying cost.

Investments in subsidiaries and joint ventures (both in India and abroad) are valued at acquisition cost less diminution, other than temporary in nature.

Bank's investments in units of VCFs made after 23.08.2006 are classified under HTM category for initial period of three years and are valued at cost. After period of three years from date of disbursement, it will be shifted to AFS and marked-to-market as per RBI guidelines.

Investments classified as HFT and AFS are marked to market scrip-wise and the resultant net depreciation if any, in each category disclosed in the Balance Sheet, is recognized in the Profit and Loss Account, while the net appreciation, if any, is ignored. However, Depreciation on the Instruments acquired by way of conversion, whether classified as Standard or NPA, is not offset against the appreciation in any other securities held under the AFS category.

Investments made by the Bank as Primary Dealer in Treasury Bills under HFT category have been valued at carrying cost.

For the purpose of valuation of quoted investments in "Held for Trading" and "Available for Sale" categories, the market rates / quotes on the Stock Exchanges, the rates declared by Fixed Income Money Market and Derivatives Association (FIMMDA) are used.

Investments for which such rates / quotes are not available are valued as per norms laid down by RBI, which are as under:

a Government / Approved securities - on Yield to Maturity basis.

b Equity Shares, PSU and Trustee shares - at break-up value (without considering 'Revaluation Reserves', if any) as per the latest Balance Sheet (not more than 12 months old), otherwise ₹1 per company.

c Preference Shares - on Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.

डी) पीएसयू बांड	-	समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क-अप के साथ परिपक्वता के प्रतिफल के आधार पर.
इ) म्यूचुअल फंड की यूनिटें		फंड द्वारा प्रत्येक स्कीम के संबंध में घोषित अद्यतन पुनर्खरीद मूल्य/एन.ए.वी. पर
एफ)उद्यम पूंजी		लेखापरीक्षित तुलनपत्र, जो कि 18 माह से ज्यादा पुरानी न हो, के अनुसार घोषित एनएवी या अलग-अलग एनएवी. यदि, लगातार 18 माह से अधिक के एनएवी या लेखापरीक्षित वित्तीय आंकडे उपलब्ध न हो तो प्रति वीसीएफ ₹ 1/-.
जी) प्रतिभूति प्राप्तियां		भारतीय रिजर्व बैंक/सेबी के दिशा निर्देशों के अनुरुप आस्ति पुर्ननिर्माण कम्पनी द्वारा घोषित शुद्ध आस्ति मूल्य

3.4 निवेशों का निस्तारण

''परिपक्वता तक धारित'' के रूप में वर्गीकृत किए गए निवेशों की बिक्री पर होने वाले लाभ/हानि को, निवेश से संबंधित भारित औसत लागत/बही मूल्य के आधार पर लाभ/हानि लेखे में लिया जाता है. तथा ''परिपक्वता तक धारित'' वर्गीकरण में निवेश की बिक्री पर समतुल्य लाभ के समान राशि पूंजीगत प्रारक्षित खाते में समायोजित की गई है.

'बिक्री के लिए उपलब्ध' और व्यापार के लिए धारित निवेशों की बिक्री से होने वाले लाभ/हानि को लाभ हानि खातें में प्रभारित किया जाता है.

3.5 निपटान तारीख आधार पर किए गए निवेश के लिए बैंक एकरूप लेखांकन पद्धति अपनाता है.

3.6 विदेशी शाखाओं के संबंध में, भारतीय रिज़र्व बैंक अथवा उस देश के दिशा-निर्देशों को, जो भी ज्यादा सख्त हों, का पालन किया गया है. विदेशों में स्थित उन शाखाओं के मामले में जहां पर दिशा-निर्देश विनिर्दिष्ट नहीं हैं, वहां भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाता है.

3.7 इन श्रेणियों के बीच प्रतिभूतियों के अंतरण की गणना, अंतरण की तारीख को उसकी अधिग्रहण लागत/बही मूल्य/बाजार मूल्य में से जो भी कम हो, पर की जाती है और ऐसे अंतरण के फलस्वरूप आए मूल्यह्रास, यदि कोई है, के लिए प्रावधान किया जाता है.

3.8 गैर-निष्पादित प्रतिभूतियों के संबंध में आय को मान्यता नहीं दी गई है और इन प्रतिभूतियों के मूल्य में मूल्यहास के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार उपयुक्त प्रावधान किया गया है.

3.9 रेपो / रिवर्स रेपो

बैंक ने रेपो तथा रिवर्स रेपो लेनदेनों को लेखांकित करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बताई गई एक समान लेखा प्रणाली को अपनाया है. (भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र संख्या आरबीआई/2016-17/एफएमओडी. एमएओजी.नं.116/01.01.001/2016-17 दिनांक 10-11-2016 के अनुरूप चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत हुए लेनदेनों को शामिल करते हुए रेपो / रिवर्स रेपो संव्यवहारों

d PSU Bonds	-	on Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
e Units of Mutual Funds	-	at the latest repurchase price / NAV declared by the Fund in respect of each scheme.
f Venture Capital	-	Declared NAV or break up NAV as per audited balance sheet which is not more than 18 months old. If NAV/ audited financials are not available for more than 18 months continuously then at ₹ 1/- per VCF.
g. Security Receipts		Declared NAV by the Asset Reconstruction Company as per RBI / SEBI guidelines.

3.4 Disposal of Investments

Profit/ loss on sale of Investments classified as HTM is recognized in the Profit and Loss Account based on the weighted average cost / book value of the related Investments and an amount equivalent of profit on sale of Investments in HTM classification is appropriated to Capital Reserve Account.

Profit/ loss on sale of Investment in AFS/ HFT category is recognized in Profit and Loss Account.

3.5 The Bank is following uniform methodology of accounting for investments on settlement date basis.

3.6 In respect of investments at overseas branches, RBI guidelines or those of the host countries, whichever are more stringent are followed. In case of those branches situated in countries where no guidelines are specified, the guidelines of the RBI are followed.

3.7 The transfer of a security between these categories is accounted for at the acquisition cost / book value / market value on the date of transfer, whichever is the least, and the depreciation, if any, on such transfer is fully provided for.

3.8 In respect of non-performing securities, income is not recognised, and provision is made for depreciation in the value of such securities as per RBI guidelines.

3.9 REPO / Reverse REPO

The Bank has adopted the Uniform Accounting Procedure prescribed by the RBI for accounting of market Repo and Reverse Repo transactions [including the Liquidity Adjustment Facility (LAF) with the RBI vide circular no. RBI/2016-17/FMOD.MAOG.No.116/01.01.001/2016-17 dated 10-11-

को संपार्श्विक उधार/ऋणदान के अंतर्गत माना जाता है जिसमें सहमत शर्तों पर रेपो का करार किया जाता है. रेपो के अन्तर्गत बिक्री की प्रतिभूतियों को निवेश के अन्तर्गत दर्शाया जाता है और रिवर्स रेपो प्रतिभूतियों को निवेश में शामिल नहीं किया जाता. लागत एवं राजस्व को ऋण ब्याज व्यय/आय को यथास्थिति लेखाकृत किया जाता है.

3.10 डेरिवेटिव्स

बैंक वर्तमान में ब्याज दरों तथा मुद्रा डेरिवेटिव्स में डील करता है. बैंक द्वारा व्यवहारित ब्याज दर डेरिवेटिव्स में रुपया ब्याज दर स्वैप, विदेशी मुद्रा ब्याज-दर स्वैप, विनिमय ट्रडेड रुपए व्याज दर फ्यूचर्स तथा फारवर्ड रेट एग्रीमेंट्स शामिल हैं. बैंक द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले मुद्रा डेरिवेटिव्स में ऑप्शन तथा मुद्रा स्वैपस और विनिमय ट्रेडेड मुद्रा फ्यूचर हैं.

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के आधार पर, डेरिवेटिव्स का मूल्यांकन निम्नानुसार किया जाता है :

व्यवस्था बचाव/गैर व्यवस्था बचाव (ट्रेडिंग) संव्यवहार अलग-अलग रिकार्ड किये जाते हैं. व्यवस्था बचाव के रुप में नामित डेरिवेटिव्स अनुबंधों का व्यवस्था बचाव के रुप में तब तक चिन्हित नही किया जाता है जब तक उनकी अन्डरलाईनिंग आस्तियों को मार्क्ड-टू-मार्केट के रुप में चिन्हित नही की जाती. व्यवस्था के बचाव के रुप में वर्गीकृत डेरिवेटिव्स अनुबंध जहां की जाती है और जहां मार्क्ड-टू-मार्केट नही है उपचय-आधार पर रिकॉर्ड किया जात है. ट्रेडिंग डेरिवेटिव पोजिशन्स माक्र्ड टू मार्केट (एमटीएम) हैं तथा किसी भी प्रकार की हानि, यदि कोई हो लाभ-हानि खाते में दर्ज की जाती है. लाभ, यदि कोई हो, को दर्ज नहीं किया जाता. ब्याज दर स्वैप से संबंधित आय तथा व्यय दैनिक आधार पर दर्ज होता है. ट्रेडिंग स्वैप्स की समाप्ति पर लाभ/हानि समाप्ति तिथि पर आय/व्यय के रूप में दर्ज की जाती है.

मूल्यांकन के लिए, कुल स्वैप के वास्तविक मूल्य की गणना तुलन-पत्र की तिथि को स्वैप करारों के कारोबार समाप्ति पर प्राप्य या देय राशि के आधार पर की जाती है, संबंधित हानियों, यदि हों, के लिए पूर्णतः प्रावधान किया गया है, जबकि लाभों को छोड़ दिया गया है.

तुलन पत्र की तिथि को 'फेडाई' द्वारा अधिसूचित विनिमय दर के बंद भाव पर विदेशी मुद्रा में डेरिवेटिव संविदाओं को आकस्मिक देयताओं के अर्न्तगत वर्गीकृत किया जाता है.

4. अग्रिम

4.1

भारत में अग्रिमों को मानक, अवमानक, संदिग्ध या हानि आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है तथा इसके लिए प्रावधान भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार किया जाता है. विदेशी शाखाओं द्वारा दिए गए अग्रिमों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अथवा उस देश, जिसमें अग्रिम दिए गए हैं, में विद्यमान मानदंडों में से जो भी कड़े मानदंड हो, के अनुरू प वर्गीकृत किया जाता है.

2016]. Repo and Reverse Repo Transactions are treated as Collaterised Borrowing / Lending Operations with an agreement to Repurchase on the agreed terms. Securities sold under Repo are continued to be shown under investments and Securities purchased under Reverse Repo are not included in investments. Costs and revenues are accounted for as interest expenditure / income, as the case may be.

3.10 Derivatives

The Bank presently deals in interest rate and currency derivatives. The interest rate derivatives dealt with by the Bank are Rupee Interest Rate Swaps, Foreign Currency Interest Rate Swaps, Exchange Traded Rupee Interest Rate Future and Forward Rate Agreements. Currency Derivatives dealt with by the Bank are Options, Currency swaps and Exchange Traded Currency Future.

Based on RBI guidelines, Derivatives are valued as under:

The hedge/ non-hedge (Trading) transactions are recorded separately. Derivative contracts designated as hedges are not marked to market unless their underlying asset is marked to market. Derivative contracts classsified as hedge and where underlying is not marked to market are recorded on accrual basis. Trading derivative positions are marked-to-market (MTM) and the resulting losses, if any, are recognized in the Profit and Loss Account. Profit, if any, is ignored. Income and Expenditure relating to interest rate swaps are recognized on daily basis. Gains/ losses on termination of the trading swaps are recorded on the termination date as income/ expenditure.

For the purpose of valuation, the fair value of the total swap is computed on the basis of the amount that would be receivable or payable on termination of the transactions of the swap agreements as on the Balance Sheet date. Losses arising there from, if any, are fully provided for while the profits, if any, are ignored.

Contingent Liabilities on account of derivative contracts denominated in foreign currencies are reported at closing rates of exchange notified by FEDAI at the Balance Sheet date.

4 ADVANCES

4.1

Advances in India are classified as Standard, Sub-standard, Doubtful or Loss assets and provision for advances are made as per the Prudential Norms of the RBI. In respect of Advances made in overseas branches, Advances are classified in accordance with Prudential Norms prescribed by the RBI or local laws of the host country in which advances are made, whichever is more stringent.

4.2 अग्रिम, विनिर्दिष्ट ऋणों पर हानि के प्रावधानों, उचंत ब्याज, वादग्रस्त विविध जमा एवं प्राप्त दावा राशि का निवल है.

4.3 पुनर्निर्धारित/पुनर्गठित खातों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार पुनर्गठित अग्रिमों के उचित मूल्य में कमी के लिए प्रावधान विद्यमान मूल्य शर्तों पर आकलन करते हुए किया जाता है.

4.4 आस्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) /प्रतिभूतिकरण (सिक्योरिटाइजेशन) कंपनी (एससी) को बेची गई वित्तीय आस्तियों के मामले में, बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन कर रहा है, वर्तमान में बैंक द्वारा अनुपालन किये जा रहे दिशानिर्देशों के अनुसार यदि बिक्री शुद्ध बही मूल्य से कम मूल्य पर की गई हो (अर्थात बही मूल्य में से प्रावधान घटा कर) तो हानि (कमी) को दो वर्षों की अवधि के लाभ हानि खाते में नामे किया जाता है. यदि बिक्री मूल्य बही मूल्य से ज्यादा है तो जिस वर्ष के दौरान राशि प्राप्त होती हैं, अधिक्य प्रावधान राशि लाभ हानि खाते में प्रत्यावर्तित कर दी जाती हैं, आधिक्य प्रावधान राशि लाभ हानि खाते में प्रत्यवर्तित कर दी जाती हैं.

5. अचल आस्तियां

5.1 परिसर व अन्य अचल आस्तियां पुनर्मूल्यांकित परिसरों को छोड़कर, सामान्यतः परम्परागत मूल्य पर ली गयी हैं. पुनर्मूल्यांकन पर हुई मूल्यवृद्धि, यदि कोई हो, को पूंजीगत प्रारक्षित निधि में जमा किया गया है तथा इस पर मूल्यह्रास को इसमें से घटाया जाता है.

5.2 परिसरों में भूमि एवं निर्माणाधीन परिसरों को शामिल किया गया है.

6. प्रारक्षित निधियां एवं अधिशेष

राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधियों में सम्बद्ध देशों के प्रचलित स्थानीय कानूनों के अनुसार विदेशी शाखाओं द्वारा निर्मित सांविधिक प्रारक्षित निधियों को शामिल किया गया है.

7. राजस्व का निर्धारण

7.1 आय (पैराग्राफ 7.2 में दिए गए संदर्भ को छोड़कर) को उपचय आधार पर सामान्यतः लेखांकित किया गया है. विदेशी कार्यालयों के मामले में आय / व्यय की गणना उस देश के कानून के अनुसार की गई है, जहां पर विदेशी कार्यालय स्थित है.

7.2 सरकारी कारोबार, गारंटियों, साख पत्रों, विनिमय, दलाली आदि पर कमीशन, अग्रिम बिलों पर ब्याज तथा कर रिफंड पर अर्जित ब्याज को छोड़कर शुल्क, कमीशन के माध्यम से आय को वसूली आधार पर हिसाब में लिया जाता है. अनुषंगियों, संयुक्त उपक्रमों तथा सहयोगी कंपनियों के शेयरों पर लाभांश वास्तविक प्राप्ति के आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं.

7.3 गैर निष्पादित आस्तियों / निवेशों पर आय के संग्रह की अनिश्चितता की दृष्टि से, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ऐसी आय सिर्फ वसूल होने पर ही लेखांकित होती है.

7.4 भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक 19 (पट्टे) के अनुसार लीज शर्त पर लीज भुगतानों को, जिसमें परिचालन लीज पर ली गई आस्तियों की लागत वृद्धि शामिल है, लाभ/हानि खाते में प्रभारित किया जाता है.

4.2 Advances are net of specific loan loss provisions, interest suspense, amount received and held in suit-filed Sundry Deposits and Claims Received.

4.3 In respect of Rescheduled / Restructured accounts, Provision for dimunition in fair value of restructured advances is measured in net present value terms as per RBI guidelines.

4.4 In case of financial assets sold to Asset Reconstruction Company (ARC)/ Securitization Company (SC), the bank is following the guidelines issued by Reserve Bank of India. At present, the guideline followed by the Bank is that if the sale is at a price below the net book value (NBV), (i.e. Book value less provisions held) the shortfall is debited to the profit and loss account spread over a period of two years. If the sale value is higher than the NBV, excess provision is reversed to profit & loss account in the year the amounts are received.

5 FIXED ASSETS

5.1 Premises and other Fixed Assets are stated at historical cost except revalued premises which are stated at revalued amount. The appreciation on revaluation is credited to Capital Reserve and the depreciation provided thereon is deducted therefrom.

5.2 Premises include land and building under construction.

6 RESERVES AND SURPLUS

Revenue and other Reserves include Statutory Reserves created by foreign branches as per applicable local laws of the respective countries.

7 REVENUE RECOGNITION

7.1 Income (other than item referred in Paragraph 7.2)/ expenditure is generally recognised on accrual basis. In case of foreign offices, income/ expenditure is recognised as per the local laws of the country in which the respective foreign office is located.

7.2 Income by way of Fees, Commission other than on Government business, Commission on Guarantees, Letter of Credits, Exchange and Brokerage and Interest on Advance Biils are accounted for on realisation basis. Dividend on shares in Subsidiaries, joint ventures and associates is accounted on realisation basis.

7.3 In view of uncertainty of collection of income in cases of Non-performing Assets/Investments, such income is accounted for only on realisation in terms of the RBI guidelines.

7.4 Lease payments including cost escalation for assets taken on operating lease are recognised in the Profit and Loss Account over the lease term in accordance with the AS 19 (Leases) issued by ICAI.

8. कर्मचारियों को लाभ

8.1 भविष्य निधि

बैंक ऑफ बड़ौदा पीएफ नियमों के अनुसार भविष्य निधि अंशदान योजना एक सांविधिक दायित्व है और बैंक पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है. बैंक का दायित्व निश्चित अंशदान तक सीमित है. अंशदान को लाभ/हानि खाते में प्रभारित किया जाता है. निधियों का प्रबंधन बैंक ऑफ बडौदा भविष्य निधि न्यास द्वारा किया जाता है.

8.2 उपदान

बैंक ऑफ बड़ौदा उपदान निधि नियमों एवं विनियमों के अनुसार उपदान देयता एक सांविधिक दायित्व है और वर्ष के अंत में संचित मूल्य आधार पर इसका प्रावधान किया जाता है. बैंक द्वारा इस योजना के लिए राशि उपलब्ध करवायी जाती है और बैंक ऑफ बड़ौदा उपदान निधि न्यास इसका प्रबंधन करता है.

8.3 पेंशन

8.3.1 बैंक ऑफ बड़ौदा कर्मचारी पेंशन विनियम, 1995 के अंतर्गत पेंशन देयता बाध्यता के रूप में व्याख्या की गई है और वर्ष के अंत में संचित मूल्य आधार पर इसका प्रावधान किया जाता है. यह उन कर्मचारियों के लिए है, जिन्होने 31.3.2010 तक बैंक सेवा ग्रहण की और पेंशन का विकल्प लिया है. बैंक ऑफ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन फंड न्यास द्वारा इस योजना के लिए राशि उपलब्ध करवायी जाती है.

8.3.2 जिन कर्मचारियो ने बैंक सेवा 1.4.2010 को या उसके बाद ग्रहण की है उनके लिए नई पेंशन योजना पारिभाषित अंशदान आधार पर लागू है. बैंक द्वारा पूर्व निर्धारित निश्चित अंशदान का भुगतान किया जाता है. बैंक का दायित्व ऐसे पूर्व निर्धारित अंशदान तक ही सीमित है. अंशदान लाभ तथा हानि खाते को प्रभारित किया जाता है.

8.4 प्रतिपूरित अनुपस्थिति

संचित प्रतिपूरित अनुपस्थिति यथा उपार्जित अवकाश (पीएल) और चिकित्सा अवकाश का बीमांकिक मूल्यांकन संचित मूल्य के आधार पर प्रावधान किया जाता है.

8.5 अन्य कर्मचारी लाभ (हित)

अन्य कर्मचारी हित (लाभ) यथा छुट्टी नकदीकरण, छुट्टी यात्रा रियायत, अतिरिक्त सेवांत लाभ आदि के लिए संचित मूल्य के आधार पर प्रावधान किया जाता है.

विदेशी शाखाओं/कार्यालयों के संदर्भ में प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों को छोड़कर अन्य कर्मचारियों के लिए संबंधित देश में विद्यमान नियमों के अनुसार लाभों का आकलन किया जाता है.

9. मूल्यह्रास

9.1 भारत में अचल आस्तियों के लिए पुनर्मूल्यांकित आस्तियों को छोड़कर (निम्न वर्णित अनुछेद 9.3 व 9.4 के अलावा) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में उल्लिखित मूल्यह्रास मूल्य

8 EMPLOYEE BENEFITS

8.1 PROVIDENT FUND

Provident fund is a statutory obligation as per Bank of Baroda PF Rules as the Bank pays fixed contribution at pre-determined rates.The obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contributions are charged to Profit and Loss Account. The fund is managed by Bank of Baroda Provident Fund Trust.

8.2 GRATUITY

Gratuity liability is a statutory obligation as per Bank of Baroda Gratuity Fund Rules and Regulations and is provided for on the basis of an actuarial valuation made at the end of the financial year. The gratuity liability is funded by the bank and is managed by Bank of Baroda Gratuity Fund Trust.

8.3 PENSION

8.3.1 Pension liability is a defined benefit obligation under Bank of Baroda Employees Pension Regulations 1995 and is provided for on the basis of actuarial valuation made at the end of the financial year, for the employees who have joined Bank up to 31.03.2010 and opted for pension. The pension liability is funded by Bank of Baroda (Employees) Pension Fund Trust.

8.3.2 New Pension Scheme which is applicable to employees who joined bank on or after 01.04.2010 is a defined contribution scheme, Bank pays fixed contribution at pre determined rate and the obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contribution is charged to Profit and Loss Account.

8.4 COMPENSATED ABSENCES

Accumulating compensated absences such as Privilege Leave and unavailed sick leave are provided for based on actuarial valuation.

8.5 OTHER EMPLOYEE BENEFITS

Other Employee benefits such as Leave Encashment, Leave Fare Concession and Additional Retirement Benefit on Retirement are provided for based on actuarial valuation.

In respect of overseas branches and offices, the benefits in respect of employees other than those on deputation are valued and accounted for as per laws prevailing in the respective territories.

9 DEPRECIATION

9.1 Depreciation on Fixed Assets in India [other than those referred in Paragraph 9.3 and 9.4] is provided on the written down value method in accordance with Schedule II to the Companies

पद्धति के अनुसार प्रावधान किया जाता है. इसमें पुनर्मूल्यांकित आस्तियों की अनुमानित उपयोग अवधि के आधार पर अधिक मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाता है.

9.2 भारत से बाहर अचल आस्तियों पर, (नीचे अनुछेद 9.3 में वर्णित को छोड़कर) मूल्यह्रास स्थानीय कानूनों या संबंधित देश में प्रचलित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है.

9.3 भारत और भारत के बाहर कंप्यूटरों व सॉफ्टवेयरों जो कि कंप्युटर हार्डवेयर के अभिन्न अंग है पर मूल्यह्रास भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्ट्रेट लाइन विधि से 33.33% की दर से प्रदान किया गया है. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, जो कि हार्डवेयर का अनिवार्य अंग नहीं है, को सीधे ही लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया जाता है.

9.4 एटीएम पर मूल्यह्रास का प्रावधान स्ट्रेट लाइन पद्धति से 20% प्रतिवर्ष की दर से किया जाता है.

9.5 परिवर्द्धनों पर मूल्यह्रास खरीद / उपयोग की तारीख से आनुपातिक आधार पर उपलब्ध कराया जाता है.

9.6 पट्टे पर धारित जमीन और पट्टे पर धारित जमीन पर किए गए विकास की लागत पट्टा अवधि में चुकता (एमोर्टाईज) की जाती है.

10. आस्तियों का मूल्यह्रास

अचल आस्तियों (पुनर्मूल्यांकित आस्तियों सहित) पर मूल्यह्रास हानियों (यदि कोई हो) को, आस्तियों के मूल्यह्रास के संबंध में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट ऑफ़ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानक 28 (''आस्तियों का मूल्यह्रास'') के अनुसार किया जाता है तथा इसे लाभ हानि खाते को प्रभारित किया जाता है.

11. विदेशी मुद्रा संव्यवहार

11.1 विदेशी मुद्रा विनिमय से संबंधित संव्यवहारों का लेखांकन (विदेशी मुद्रा विनिमय दरों के परिवर्तन का प्रभाव) संबंधित भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखामानक एएस 11 के अनुरूप किया गया है.

11.2 लेखा मानक - एएस-11 के अनुसार बैंक के विदेशी मुद्रा परिचालनों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया गया हैं.

ए) एकीकृत परिचालनों एवं

बी) पृथक परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है. सभी विदेशी शाखाओं, ऑफशोर बैंकिंग इकाइयों, विदेशी अनुषंगियों को पृथक परिचालन एवं विदेशी मुद्रा में घरेलू परिचालनों एवं प्रतिनिधि कार्यालयों को एकीकृत परिचालन के रूप में माना जाता है.

11.3 एकीकृत परिचालनों के संबंध में अंतरण :

(ए) संव्यवहारों को प्राथमिक तौर पर फेडाई द्वारा सूचित की गई साप्ताहिक औसत दरों पर रिकार्ड किया जाता है.

(बी) विदेशी मुद्रा विनिमय से संबंधित आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गई क्लोजिंग स्पॉट दरों पर अंतरित किया जाता है.

(सी) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना आय अथवा व्यय के रूप में की गई है तथा इन्हें तदनुसार लाभ हानि खाते में लेखांकित किया गया है. विदेशी मुद्रा आस्ति

Act, 2013, except in case of revalued assets, in respect of which higher depreciation is provided on the basis of estimated useful life of these revalued assets.

9.2 Depreciation on Fixed Assets outside India [other than those referred to in Para 9.3 below] is provided as per local laws or prevailing practices of the respective territories.

9.3 Depreciation on Computers and Software forming an integral part of Computer Hardware, in and outside India is provided on Straight Line Method at the rate of 33.33% p.a., as per the guidelines of RBI. Computer software not forming part of an intergral part of hardware is charged directly to Profit and Loss Account.

9.4 Depreciation on ATMs is provided on Straight Line Method at the rate of 20% p.a.

9.5 Depreciation on additions is provided proportionately from the date of purchase/put to use.

9.6 Cost of leasehold land and leasehold improvements are amortised over the period of lease.

10 IMPAIRMENT OF ASSETS

Impairment losses (if any) on Fixed Assets (including revalued assets) are recognised in accordance with AS 28 (Impairment of Assets) issued by the ICAI and charged off to Profit and Loss Account.

11 FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS:

11.1 Accounting for transactions involving foreign exchange is done in accordance with AS 11, (The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates), issued by the ICAI.

11.2 As stipulated in AS 11, the foreign currency operations of the Bank are classified as

a) Integral Operations and

b) Non Integral Operations. All Overseas Branches, Offshore Banking Units, Overseas Subsidiaries are treated as Non Integral Operations and domestic operations in foreign exchange and Representative Offices are treated as Integral Operations.

11.3 Translation in respect of Integral Operations

a) The transactions are initially recorded on weekly average rate as advised by FEDAI.

b) Foreign Currency Assets and Liabilities (including contingent liabilities) are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

c) The resulting exchange differences are recognized as income or expenses and are accounted through Profit and Loss

देयताओं संबंधी किसी भी भुगतान अथवा रिवर्सल को पिछले सप्ताह की औसत क्लोजिंग दरों के आधार पर किया गया है तथा बकाया राशि एवं उस राशि, जिसके लिए भुगतान किया गया है/रिवर्सल किया गया है, के बीच के अंतर को लाभ हानि खाते में दर्शाया गया है.

(डी) व्यापार हेतु धारित बकाया विदेशी मुद्रा हाज़िर एवं वायदा संविदाओं के तुलन पत्र की तिथि को 'फेडाई' द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर एवं वायदा बाजार संविदा दरों एवं अन्तरिम परिपक्वता संविदाओं को 'इन्टरपोलेट' दरों पर बाजार को चिन्हित किया जाता है. इस प्रकार प्राप्त की गई एमटीएम मूल्य को, एमटीएम के मौजूदा मूल्य पर भुनाया जाता है. इस एमटीएम का पीवी आधार पर हाजिर एवं वायदा संव्यवहारों के पुनर्मूल्यांकन हेतु उपयोग किया जाता है. इसके फलस्वरूप वायदा मूल्यांकन लाभ अथवा हानि को लाभ-हानि खाते में शामिल किया जाता है।

11.4 गैर समाकलित परिचालनों के संबंध में अंतरण :

(ए) आस्तियों एवं देयताओं को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में अधिसूचित की गई क्लोजिंग स्पाट दरों पर अंतरित किया गया है.

(बी) तुलनपत्र की तिथि को विदेशी मुद्रा हाजिर एवं वायदा आकस्मिक देयताओं को 'फेडाई' द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर व वायदा दरों एवं अन्तरित परिपक्वता संविदाओं को 'इन्टरपोलेटड' दरों पर अंतरित किया जाता है.

(सी) आमदनी एवं खर्चों को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में अधिसूचित की गई औसत तिमाही दरों पर अंतरित किया गया है.

(डी) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना उस अवधि के लिए आय अथवा व्यय के रूप में नहीं की जाती है तथा इसे सम्बद्ध विदेशी शाखाओं में शुद्ध निवेशों के निस्तारण होने तक अलग से एक खाते ''विदेशी मुद्रा अंतरण निधि'' में रखा जाता है.

11.5 वायदा विनिमय करार

लेखा मानक एएस 11 तथा भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (फेडाई) के दिशानिर्देशों के अनुसार तुलनपत्र की तिथि पर बकाया एवं व्यापार हेतु धारित विदेशी मुद्रा हाजिर (स्पॉट) एवं वायदा संविदाओं को फेडाई द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर एवं वायदा बाजार संविदाओं एवं अन्तरिम परिपक्वता संविदाओं को इन्टरपोलेट दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया जाता है. इसके फलस्वरूप वायदा मूल्यांकन लाभ अथवा हानि को लाभ-हानि खाते में शामिल किया जाता है.

12. आय पर कर

इसमें भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के लेखांकन मानदंड 22 (आय पर करों का लेखांकन) के अनुसार निर्धारित (सम्बद्ध अवधि के लिए लेखा आय तथा कर योग्य आय के बीच भिन्नता से करों के प्रभाव को दर्शाते हुए) आयकर के लिए प्रावधान, आस्थगित

Account. Any reversals / payment of foreign currency assets and liabilities is done at the weekly average closing rate of the preceding week and the difference between the outstanding figure and the amount for which reversal / payment is made, is reflected in Profit and Loss Account.

d) Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are marked to market at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The MTM values thus obtained are discounted to arrive at present value of MTM. This MTM is used to revalue the spot and forward transactions on PV basis. The resulting Forward Valuation profit or loss is included in the Profit & Loss Account.

11.4 Translation in respect of Non Integral Operations

a) Assets and Liabilities are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

b) Foreign Exchange Spot and Forwards contingent liabilities outstanding as at the balance sheet date are translated at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities

c) Income and Expense are translated at quarterly average rate notified by FEDAI at the end of each quarter.

d) The resulting exchange differences are not recognized as income or expense for the period but accumulated in a separate account "Foreign Currency Translation Reserve" till the disposal of the net investment.

11.5 Forward Exchange Contracts

In accordance with the guidelines of FEDAI and the provisions of AS 11, Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are revalued at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The resulting forward valuation profit or loss is included in the Profit and Loss Account.

12 TAXES ON INCOME

This comprise of provision for Income tax and deferred tax charge or credit (reflecting the tax effects of timing differences between accounting income and taxable income for the period) as determined in accordance with

कर अथवा क्रेडिट शामिल हैं. आस्थगित कर का आकलन आमदनी एवं खर्च की उन मदों के संबंध में, जो किसी एक अवधि में निर्धारित होती है और जो एक अथवा अधिक परवर्ती अवधियों में प्रत्यावर्तन योग्य हैं, को ध्यान में रखकर किया जाता है. आस्थगित कर आस्तियों एवं देयताओं पर कर की गणना अधिनियमित कर दरों पर उन वर्षों की अपेक्षित दरों पर की जाती है जिन वर्षों में इनकी प्राप्ति, रिवर्सल अथवा निस्तारण की संभावना होती है. आस्थगित कर देयताओं एवं आस्तियों पर कर की दरों में परिवर्तन के प्रभाव को उस अवधि की आय विवरणी, जिसमें ऐसे परिवर्तन को अधिनियमित किया गया हो, में हिसाब में लिया जाता है.

13. प्रति शेयर अर्जन

बैंक, आधारभूत एवं डाइल्यूटेड प्रति इक्विटी शेयर अर्जन को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा इस संबंध में जारी लेखा मानक एएस 20 (प्रति शेयर आय) के अनुसार रिपोर्ट करता है. आधारभूत प्रति शेयर अर्जन की गणना, शुद्ध आय को उस अवधि के लिए बकाया भारित औसत इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर की गई है. डाइल्यूटेड प्रति शेयर अर्जन की गणना शुद्ध आय को उस अवधि के लिए बकाया भारित औसत इक्विटी शेयरों एवं उस अवधि के दौरान डाइल्यूटिव सम्भाव्य इक्विटी शेयरों की संख्या के आधार पर की गई है.

14. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं व आकस्मिक आस्तियां

भारतीय सनदी लेखकार संस्थान द्वारा इस संबंध में जारी लेखा मानक 29 (आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान) के अनुसार बैंक द्वारा आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान केवल विगत में हुई किसी घटना के लिए उत्पन्न हुए वर्तमान दायित्व के लिए किया जाता है. यह संभव है कि इस दायित्व के निस्तारण के लिए आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता हो और तब दायित्व निर्वहन हेतु ऐसी राशि का विश्वसनीय आकलन किया जा सकता है.

आर्थिक हित युक्त संसाधनों के बहिर्गमन की संभावना के लगभग न होने की स्थिति तक आकस्मिक देयताओं को प्रकट किया जाता है.

आकस्मिक आस्तियों को वित्तीय विवरणियों में प्रभारित नहीं किया जाता है, क्योंकि इसका परिणाम ऐसी आय के निर्धारण के रूप में निकल सकता है जिसकी कभी वसूली संभव न हो.

AS 22 (Accounting for taxes on Income) issued by ICAI. Deferred tax is recognised subject to consideration of prudence in respect of items of income and expenses those arise at one point of time and are capable of reversal in one or more subsequent periods. Deferred tax assets and liabilities are measured using enacted tax rates expected to apply to taxable income in the years in which the timing differences are expected to be reversed. The effect on deferred tax assets and liabilities of a change in tax rates is recognised in the income statement in the period of enactment of the change.

13 EARNINGS PER SHARE

The bank reports basic and diluted earnings per equity share in accordance with the AS 20 (Earnings Per Share) issued by the ICAI. Basic earnings per equity share has been computed by dividing net income by the weighted average number of equity shares outstanding for the period. Diluted earnings per equity share has been computed using the weighted average number of equity shares and dilutive potential equity shares outstanding during the period.

14 PROVISIONS, CONTINGENT LIABILITIES AND CONTINGENT ASSETS

As per AS 29 (Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets) issued by the ICAI, the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liability is disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent Assets are not recognised in the financial statements since this may result in the recognition of income that may never be realised.

लेखों पर टिप्पणियां
Notes on Accounts

ए. भारतीय रिज़र्व बैंक को अपेक्षाओं के अनुसार प्रकटीकरण

A. Disclosure in terms of RBI requirements

ए-1. पूंजी

A-1 Capital

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year		पिछला वर्ष Previous Year	
		बासेल II BASEL II	बासेल III BASEL III	बासेल II BASEL II	बासेल III BASEL III
i) कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी अनुपात (%)	Common Equity Tier 1 Capital Ratio (%)	--	8.98%	10.66%	10.29%
ii) टियर 1 पूंजी अनुपात (%)	Tier 1 Capital Ratio (%)	--	9.93%	11.21%	10.79%
iii) टियर 2 पूंजी अनुपात (%)	Tier 2 Capital Ratio (%)	--	2.31%	3.00%	2.39%
iv) कुल पूंजी अनुपात (सीआरएआर) (%)	Total Capital Ratio (CRAR) (%)	--	12.24%	14.20%	13.17%
v) भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	Percentage of the shareholding of the Government of India		59.24%		59.24%
vi) अर्जित इक्विटी पूंजी की राशि	Amount of Equity Capital Raised		--		1786.00
vii) अर्जित अतिरिक्त टियर 1 पूंजी की राशि जिसमें से	Amount of Additional Tier 1 capital raised, of which				
पीएनसीपीएस	PNCPS		-		-
पीडीआई	PDI		2000		-
viii) अर्जित अतिरिक्त टियर 2 पूंजी की राशि जिसमें से	Amount of Additional Tier 2 capital raised, of which				
ऋण पूंजी लिखत	Debt Capital Instrument		-		-
अधिमान्य शेयर पूंजी लिखत	Preference Share Capital Instruments		-		-

ए-2. निवेश

A-2 Investments

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(1)	निवेशों का मूल्य	(1)	Value of Investments		
	(i) निवेशों का सकल मूल्य		(i) Gross Value of Investments		
	(क) भारत में		(a) In India	122169.17	111693.36
	(ख) भारत से बाहर		(b) Outside India	8549.51	9892.23
	(ii) मूल्यह्रास के लिए प्रावधान		(ii) Provisions for Depreciation		
	(क) भारत में		(a) In India	777.31	808.19
	(ख) भारत से बाहर		(b) Outside India	309.06	326.87
	(iii) निवेशों का निवल मूल्य		(iii) Net Value of Investments		
	(क) भारत में		(a) In India	121397.86	110885.17
	(ख) भारत से बाहर		(b) Outside India	8240.45	9565.36
(2)	निवेशों पर मूल्यह्रास के लिए धारित प्रावधानों का संचलन	(2)	Movement of provisions held towards depreciation on investments		
	(i) प्रारम्भिक शेष		(i) Opening balance	1135.06	824.23
	(ii) जोडें : वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान		(ii) Add: Adjustment in opening balance	0.00	3.13
	सुधारे गए प्रारम्भिक शेष		Corrected Opening Balance	1135.06	827.36
	(ii) जोडें : वर्ष के दौरान किया गया प्रावधान		(ii) Add: Provision made during the year	26.29	347.85
	(iii) घटाएं : वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधानों का पुनरांकन		(iii) Less: Write-back of excess provisions	80.98	40.15
	(iv) अंतिम शेष		(iv) Closing balance	1080.37	1135.06

ए-2.1 रिपो संव्यवहार (अंतिम मूल्य के संदर्भ में)

A-2.1 Repo Transactions: (in face value terms)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया शेष Minimum outstanding during the year	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया शेष Maximum outstanding during the year	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया शेष Daily Average outstanding during the year	31 मार्च 2017 को बकाया शेष Outstanding as on March 31, 2017
रिपो के तहत बेची गई प्रतिभूतियां	Securities sold under repo				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	i. Government securities	213.13	22087.39	1345.15	313.02
ii. कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	ii. Corporate debt securities	921.83	921.83	921.83	921.83
रिवर्स रिपो के तहत खरीदी गई प्रतिभूतियां	Securities purchased under reverse repo				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	i. Government securities	67.59	56950.91	10353.54	23368.34
ii. कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	ii. Corporate debt securities	NIL	NIL	NIL	NIL

ए-2.2 गैर-एसएलआर निवेश पोर्टफोलियो

i) गैर-एसएलआर निवेशों के जारीकर्ता घटक

A-2.2 Non-SLR Investment Portfolio

i) Issuer composition of Non SLR investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

सं. नं. S. No.	जारीकर्ता	Issuer	राशि Amount	निजी प्लेसमेंट की सीमा Extent of Private Placement	'निवेश ग्रेड के नीचे' की प्रतिभूतियों की सीमा Extent of 'Below Investment Grade' securities	'अनरेटेड प्रतिभूतियों' की सीमा Extent of 'Unrated' Securities	'असूचीबद्ध प्रतिभूतियों' की सीमा Extent of 'Unlisted' Securities
(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(i)	पीएसयू	PSUs	911.25	493.40	50.94	0.00	397.95
(ii)	एफआई	FIs	3008.43	831.92	263.22	0.00	25.00
(iii)	बैंक	Banks	4334.87	503.13	534.71	114.00	64.85
(iv)	निजी कार्पोरेट	Private Corporate	2466.12	1261.26	369.08	165.61	14.75
(v)	अनुषंगियां / संयुक्त उद्यम	Subsidiaries/ Joint Ventures *	1742.15	1742.15	0.00	0.00	0.00
(vi)	अन्य	Others #	7269.91	3838.98	0.00	172.16	64.85
(vii)	मूल्यह्रास हेतु धारित प्रावधान	Provision held towards depreciation	1080.37	0.00	31.43	133.82	19.90
	कुल	Total	**18652.36**	**8670.84**	**1186.52**	**317.95**	**547.50**

*रू. 800.11 करोड़ का विदेशी अनुषंगियों में निवेश में शामिल हैं.
*Includes Investments in Overseas Subsidiary of ₹ 800.11 Crore.

#रू. 20.41 करोड़ भारत सरकार के गैर-एसएलआर ऑयल बॉण्ड में निवेश में शामिल हैं जिसे एनडीएस प्लेटफॉर्म पर ट्रेडेड व सूचीबद्ध तथा एफआयएमएमडीए दरों पर उपलब्ध माना गया है.
#Includes Investments in GOI Non SLR oil bond of ₹ 20.41 crore considered as listed as traded on NDS platform and FIMMDA rates available.

ii) अनर्जक गैर-एसएलआर निवेश

ii) Non performing Non-SLR investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
प्रारंभिक शेष	Opening balance	735.35	577.65
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	216.70	184.77
उपरोक्त अवधि के दौरान कटौतियां	Reductions during the year	72.55	27.07
अंतिम शेष	Closing balance	879.50	735.35
कुल धारित प्रावधान	Total provisions held	589.13	550.07

ए-2.3 वर्ष के प्रारंभ में परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी में रखे गए निवेशों के बही-मूल्य के 5% से अतिरिक्त के एचटीएम में रखे गए निवेशों की बिक्री एवं अंतरण

A-2.3 Sales and transfer of Investment held under Held to Maturity (HTM) Category in excess of 5% of the Book value of the investment held in HTM category at the beginning of the year

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

निवेश का आरंभिक शेष (एचटीएम) 01.04.2016 Opening Bal. of investment (HTM) 01.04.16	वर्ष के दौरान बिक्री/अंतरण Sale/ transfer during the year	परिवर्द्धन Addition	निवेशों (एचटीएम) का समाप्ति शेष 31.03.2017 Closing Bal. of Investment (HTM) 31.03.17	निवेश (एचटीएम) श्रेणी का बाज़ार मूल्य 31.03.2017 Market value of investment (HTM) category 31.03.17
-	-	-	-	-

ए-2.4 एसएलआर निवेश

A-2.4 SLR Investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year		पिछला वर्ष Previous Year	
		बही मूल्य Book value	मार्केट मूल्य Market value	बही मूल्य Book value	मार्केट मूल्य Market value
सरकारी प्रतिभूतियां एसएलआर (सीजी, एसजी व टीबी)*	Govt. sec SLR(CG,SG,&TB) *	110984.67	110984.67**	100428.36	100428.36**
अनुमोदित प्रतिभूतियां - एसएलआर	Approved sec-SLR	1.28	1.28	1.28	1.28

* इसमें सीसीआईएल/एमसीएक्स/यूएसई/एनएसई के पास रखी एसएलआर प्रतिभूतियां शामिल हैं.
** एसएलआर की गणना के लिए बाजार मूल्य में वृद्धि को ध्यान में नहीं किया गया है.

* incl. SLR Securities kept with CCIL/ MCX / USE / NSE
** Appreciation in market value is ignored for SLR calculation

ए-2.5 एसजीएल फार्मों के लौटाए जाने पर लगाए गए दंड का प्रकटीकरण

A-2.5 Disclosure on imposition of penalty for bouncing of SGL forms

समाप्त वर्ष Year ended	एसजीएल फॉर्म लौटाने की तारीख Date of bouncing SGL form	राशि Amount	टिप्पणी Remarks
2017	-	-	-
2016	-	-	-

ए-2.6 डेरीवेटिव्स

A-2.6 Derivatives

ए-2.6.1 फारवर्ड दर समझौते / ब्याज दर स्वैप

A-2.6.1 Forward Rate Agreement/ Interest Rate Swap

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
i)	स्वैप समझौते की कल्पित मूल राशि	The notional principal of swap agreements	26080.89	33201.14
ii)	समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को काउंटर पार्टी द्वारा पूरा न करने पर होने वाली हानि	Losses which would be incurred if counterparties failed to fulfill their obligations under the agreements	230.69	513.09
iii)	स्वैप में आने पर बैंक के लिए अपेक्षित कोलैटरल	Collateral required by the bank upon entering into swaps	Nil	Nil
iv)	स्वैप से उत्पन्न ऋण जोखिम का संकेंद्रण	Concentration of credit risk arising from the swaps	490.97	862.20
v)	स्वैप बही का उचित मूल्य	The fair value of the swap book	114.43	350.49

ए-2.6.2 एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स

A-2.6.2 Exchange Traded Interest Rate Derivatives

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

सं. क्र. S. No.	विवरण	Particulars	राशि Amount
(i)	वर्ष के दौरान एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की कल्पित मूल राशि (लिखतवार) ए. ब्याज दर फ्यूचर (आईआरएफ) बी. करेंसी फ्यूचर्स	Notional principal amount of exchange traded interest rate derivatives undertaken during the year (instrument-wise) A. Interest Rate Future (IRF) B. Currency Futures	 17063.65 79375.79
(ii)	वर्ष के दौरान एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की 31 मार्च, 2017 के अनुसार (लिखतवार) बकाया कल्पित मूल राशि ए. ब्याज दर फ्यूचर (आईआरएफ) बी. करेंसी फ्यूचर्स	Notional principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding as on 31st March 2017 (instrument-wise) A. Interest Rate Future (IRF) B. Currency Futures	 92.04 0.00
(iii)	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की बकाया कल्पित मूल राशि तथा जो ''अत्यधिक प्रभावी'' न हो (लिखतवार)	Notional principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise)	NIL
(iv)	बकाया एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की मार्क-टू-मार्केट मूल्य तथा जो ''अत्यधिक प्रभावी'' न हो (लिखतवार)	Mark-to-market value of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise)	NIL

ए-2.6.3 डेरीवेटिव्स में जोखिम एक्सपोजर का प्रकटीकरण

(i) गुणात्मक प्रकटीकरण

बैंक की ट्रेजरी नीति में डेरीवेटिव्स लेन देन के कार्यों के लिए सभी प्रकार की वित्तीय डेरीवेटिव्स लिखतों के प्रकार, विस्तार एवं उपयोग, अनुमोदन प्रक्रिया तथा ओपन पोजीशन लिमिट, स्टॉप लॉस लिमिट तथा काउन्टर पार्टी एक्सपोजर लिमिट जैसी सीमाएं निर्धारित की गई हैं. बैंक अपने तुलन पत्र में दर्शाए गए अथवा दर्शाए न गए जोखिमों की हेजिंग के लिए तथा बाज़ार आधार तैयार करने के लिए वित्तीय डेरीवेटिव्स लेन देनों का उपयोग करता है. मूलतः ये उत्पाद, जोखिम के प्रति बचाव व्यवस्था, लागत कम करने तथा ऐसे लेन देनों में प्रतिफल बढ़ाने एवं प्रोपराइटरी ट्रेडिंग के लिए उपयोग में लाए जाते हैं.

बैंक में जिन जोखिमों की सम्भावना बनी रहती है, वे हैं : ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, देशीय जोखिम और परिचालन जोखिम. बैंक में जोखिम प्रबंधन नीतियां (बैंक के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित) हैं, जो एमटीएम जोखिम पर कीमत, (वीएआर) तथा पीवी01 के माध्यम से नियमित आधार पर व्यापार बही में लेन-देनों की वित्तीय जोखिमों के आंकलन तथा उचित जोखिम सीमाएं तय करने के लिए तैयार की गई हैं. इनको बैंक के जोखिम प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर विश्वसनीय एवं अद्यतन प्रबधन सूचना प्रणालियों द्वारा मॉनीटर किया जाता है तथा इस बारे में बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता वाली निदेशकों की जोखिम प्रबंधन समिति को अवगत कराया जाता है.

लेन देनों की काउंटर पार्टियां, बैंक तथा कार्पोरेट प्रतिष्ठान हैं. अनुमोदित एक्सपोजर सीमाओं के अंतर्गत व्यवहार किए जाते हैं. डेरीवेटिव्स उत्पादों पर ऋण जोखिम आकलित करने के लिए बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित मौजूदा एक्सपोजर पद्धति को अपनाया है, जिसके अनुसार बैंक कुल प्रतिस्थापन लागत का योग, (सभी संविदाओं को सकारात्मक मूल्य सहित मार्क-टु-मार्केट द्वारा प्राप्त करने अर्थात् जब बैंक को काउंटर पार्टी से धन

A-2.6.3 Disclosures on risk exposure in derivatives

(i) Qualitative Disclosure

The Treasury Policy of the bank lays down the types of financial derivative instruments, scope of usages, approval procedures and the limits like open position limits, stop loss limits and counter party exposure limits for undertaking derivative transactions. The Bank uses financial derivative transactions for hedging; it's on or off balance sheet exposures as well as for market making. Basically, these products are used for hedging risk, reducing cost and increasing the yield in such transactions and for proprietary trading.

The types of risk to which the bank is exposed to are credit risk, market risk, country risk and operational risk. The Bank has risk management policies (approved by Board of Directors of the Bank), which is designed to measure the financial risks for transactions in the trading book on a regular basis, by way of MTM, Value at Risk (VaR) and PV01, and to set appropriate risk limits. These are monitored by means of reliable and up to date Management Information Systems by the Risk Management Department of the Bank from time to time who, in turn, appraises the risk profile to the Risk management Committee of Directors, which is presided over by the Bank's Chairman and Managing Director.

The counter parties to the transactions are banks and corporate entities. The deals are done under approved exposure limits. The bank has adopted the current exposure method prescribed by Reserve Bank of India for measuring Credit Exposure on Derivative products as per which the bank sums the total replacement cost (obtained by mark to market of all its contracts with positive value i.e. when the bank has to receive money from the counter party) and an amount for potential future changes in credit exposure calculated on the

प्राप्त करना है) तथा ऋण जोखिम में भविष्य में होने वाले संभाव्य परिवर्तनों की राशि, जिसकी गणना संविदा की कुल कल्पित मूल राशि शेष परिपक्वता के अनुसार संबंधित ऋण रुपांतरण घटकों के साथ गुणा करके परिकलित की जाती है, निम्नानुसार है :-

कल्पित मूल राशि पर लागू किया जाने वाला रुपांतरण घटक

basis of the total notional principal amount of the contract multiplied by the relevant credit conversion factors according to the residual maturity as detailed herein under:-

Conversion factor to be applied on notional principal amount

अवशिष्ट परिपक्वता	Residual Maturity	ब्याज दर संविदा Interest Rate Contract	विनिमय दर संविदा Exchange Rate Contract
एक वर्ष से कम	Less than one year	0.50%	2.00%
एक वर्ष और अधिक	One year - Five years	1.00%	10.00%
पांच वर्ष से अधिक	Over five years	3.00%	15.00%

हेज तथा गैर-हेज (ट्रेडिंग) लेन-देनों को अलग से दर्ज किया जाता है. हैजिंग डेरिवेटिव्स उपचय आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं. ट्रेडिंग डेरिवेटिव्स पोजिशन (एमटीएम) को मार्क की जाती है और परिणामस्वरुप लाभ-हानि खाते में यदि कोई हानि हो, हिसाब में ली जाती है. लाभ, यदि कोई हो, नहीं माना जाता है. ब्याज दर स्वैप्स से संबंधित आय और व्यय निपटान की तारीख पर हिसाब में लिए जाते हैं. ट्रेडिंग स्वैप के समाप्त होने पर लाभ/हानि समाप्ति की तारीख पर आय/व्यय के रूप में दर्ज किए जाते हैं.

The hedge/ non-hedge (trading) transactions are recorded separately. Derivative contracts designated as hedges are not marked to market unless their underlying is marked to market. Derivative contracts classified as hedge and where underlying is not marked to market are recorded on accrual basis. Trading derivative positions are marked to market and the resulting losses, if any, are recognized in the Profit and Loss Account. Profit, if any, is ignored. Interest income/ expense on interest rate swaps are recognized on daily basis. Gains/ Losses on termination of the trading swaps are recorded on the termination date as income/expenditure.

(ii) मात्रात्मक प्रकटीकरण

(ii) Quantitative Disclosures

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

सं. क्र. S. No.	विवरण	Particular	करेंसी डेरिवेटिव्स Currency Derivatives	ब्याज दर डेरिवेटिव्स Interest rate Derivatives
(i)	डेरिवेटिव्स (कल्पित मूल राशि)	Derivatives (Notional Principal Amount)		
	ए) हैजिंग के लिए	a) For hedging	566.82	14224.94
	बी) ट्रेडिंग के लिए	b) For trading	827.12	11381.17
(ii)	मार्क्ड टू मार्केट स्थितियां	Marked to Market Positions		
	ए) आस्तियां (+)	a) Asset (+)	83.53	155.37
	बी) देयताएं (-)	b) Liability (-)	-35.57	-88.78
(iii)	ऋण जोखिम	Credit Exposure	145.16	363.74
(iv)	ब्याज दर में एक प्रतिशत होने वाले परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पीवी01)	Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)		
	ए) हैजिंग डेरिवेटिव्स पर	a) on hedging derivatives	2.56	208.02
	बी) ट्रेडिंग डेरिवेटिव्स पर	b) on trading derivatives	0.00	7.16
(v)	वर्ष के दौरान पाए गए न्यूनतम तथा अधिकतम 100*पीवी01	Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year		
	ए) हैजिंग पर	a) on hedging	0 & 0	175.05 & -4.53
	बी) ट्रेडिंग पर	b) on trading	2.37 & 0	33.69 & 0.30

ए-2.6.4 ऋण चूक स्वैप (सीडीएस)

मूल्यांकन प्रणाली- सीडीएस पर भारतीय रिज़र्व बैंक के दिनांक 23.05.2011 के दिशा-निर्देशों के अनुसार बैंकों को अपनी सीडीएस संविदाओ के मूल्यांकन हेतु फिम्डा द्वारा प्रकाशित दैनिक सीडीएस कर्व अथवा इससे अधिक संरक्षित मूल्यांकन होने पर किसी अन्य स्वामित्व मॉडल का उपयोग करना आवश्यक है. अपनी सीडीएस स्थितियों के मूल्यांकन के लिए हमारा बैंक फिम्डा कर्व का ही उपयोग करता है, सीडीएस मूल्यांकन के लिए बैंक किसी आंतरिक स्वामित्व मॉडल का उपयोग नहीं करता है. वर्ष के दौरान इसमें सीडीएस स्वैप नहीं हुआ है.

A.2.6.4 Credit Default Swaps (CDS)

Valuation Methodology- As per RBI guidelines on CDS dated 23rd May, 2011 the banks are required to value their CDS contracts by using daily CDS curve published by FIMMDA Or any other proprietary model if it results in a more conservative valuation. Our Bank uses the FIMMDA curve for valuing our CDS positions, we do not use any internal proprietary model for CDS valuation. No CDS swaps have been entered into during the year.

ए-2.7 आस्ति गुणवत्ता

ए-2.7.1 गैर निष्पादक आस्तियां

ए. गैर निष्पादक आस्तियों का संचलन

A-2.7 Asset Quality

A-2.7.1 Non Performing Assets

A. Movement of NPAs

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
	सकल एनपीए (प्रारंभिक शेष)	Gross NPAs (Opening Balance)	40521.04	16261.44
	वर्ष के दौरान जुड़े (नए एनपीए)	Additions (Fresh NPAs) during the year	13311.63	27828.38
	उप जोड़ (क)	Sub-total (A) .	53832.67	44089.82
	घटाएं :	Less:-		
	(i) अपग्रेडेशन	(i) Up-gradations	2510.68	533.91
	(ii) वसूलियां (अपग्रेड किए गए खातों से हुई वसूलियों को छोड़कर)	(ii) Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	4087.72	1480.72
	(iii) बट्टे खाते डाली गई राशि (विनिमय अतर को शामिल करके)	(iii) Write-offs (including exchange differences)	4515.57	1554.15
	उप जोड़ (ख)	Sub-total (B)	11113.97	3568.78
	सकल एनपीए (अंतिम शेष) (क-ख)	Gross NPAs (Closing Balance) (A-B)	42718.70	40521.04

बी. गैर निष्पादक आस्तियां

B. Non-Performing Assets

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	शुद्ध अग्रिमों में शुद्ध एनपीए (%)	Net NPAs to Net Advances (%)	4.72	5.06
(ii)	एनपीए का संचलन (सकल)	Movement of NPAs (Gross)		
	(ए) प्रारंभिक शेष	(a) Opening balance	40521.04	16261.44
	(बी) वर्ष के दौरान जोड़े गए	(b) Additions during the year	13311.63	27828.38
	(सी) वर्ष के दौरान घटाए गए	(c) Reductions during the year	11113.97	3568.78
	(डी) अंतिम शेष	(d) Closing balance	42718.70	40521.04
(iii)	शुद्ध एनपीए का संचलन	Movement of Net NPAs		
	(ए) प्रारंभिक शेष	(a) Opening balance	19406.46	8069.49
	(बी) वर्ष के दौरान जोड़े गए	(b) Additions during the year	9619.24	16372.75
	(सी) वर्ष के दौरान घटाए गए	(c) Reductions during the year	10945.52	5035.78
	(डी) अंतिम शेष	(d) Closing balance	18080.18	19406.46
(iv)	एनपीए हेतु प्रावधान का संचलन (मानक आस्तियों पर प्रावधान को छोड़कर)	Movement of provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
	(ए) प्रारंभिक शेष	(a) Opening balance	21114.58	8191.95
	(बी) वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	(b) Provisions made during the year	8460.70	14483.15
	(सी) तकनीकी/विवेक सम्मत अपलिखित	(c) Technical / Prudential write offs	4936.76	1560.52
	(डी) अपलिखित राशि (उपरोक्त के अलावा)	(d) Write off (Other than above)	0.00	0.00
	(ई) अंतिम शेष	(e) Closing balance	**24638.52**	**21114.58**
	(एफ) तकनीकी अपलिखितों का संचलन	(f) Movement of Technical Write offs		
	तकनीकी/विवेकसम्मत अपलिखित की गई राशियों का प्रारंभिक शेष	Opening Balance of Technical / Prudential written-off account	8132.15	6790.81
	जोडें : वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकसम्मत अपलिखित राशि	Add : Technical / Prudential write-of during the year	4118.37	1560.52
	उप योग (ए)	Sub Total (A)	12250.52	8351.33
	घटाएं : वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकसम्मत अपलिखित राशियों की वसूली (बी)	Less : Recoveries made from previously technical / prudential written off accounts during the year (B)	459.63	219.18
	अन्तिम शेष (ए-बी)	Closing Balance (A-B)	11790.89	8132.15

सी) क्षेत्रवार एनपीए

C. Sector-wise NPAs

क्रमांक S. No.	क्षेत्र	Sector	क्षेत्र में कुल अग्रिमों में एनपीए का प्रतिशत Percentage of NPAs to Total Advances in that sector	
			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1	कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधियां	Agriculture & allied activities	11.26	10.74
2	उद्योग (माइक्रो एवं लघु, मध्यम एवं बड़े)	Industry (Micro & small, Medium and Large)	19.84	19.10
3	सेवाएं	Services	3.96	8.06
4	वैयक्तिक ऋण	Personal Loans	4.04	5.01

डी) विदेशी आस्तियां, एनपीए तथा राजस्व

D. Overseas Assets, NPAs and Revenue

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
कुल आस्तियां	Total Assets	202474.79	227495.36
कुल एन पी ए	Total NPAs	9033.58	8376.72
कुल राजस्व	Total Revenue	5170.45	5085.60

ए-2.7.2. सेक्टरवार अग्रिम
A-2.7.2. Sector-wise advances

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

क्र. सं. Sl. No.	सेक्टर Sector	चालू वर्ष Current Year			पिछला वर्ष Previous Year		
		बकाया कुल अग्रिम Outstanding Total Advances	सकल एनपीए Gross NPAs	उस सेक्टर में कुल अग्रिमों में सकल एनपीए का प्रतिशत Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	बकाया कुल अग्रिम Outstanding Total Advances	सकल एनपीए Gross NPAs	उस सेक्टर में कुल अग्रिमों में सकल एनपीए का प्रतिशत Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
ए. A	प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र Priority Sector						
1	कृषि एवं अनुषंगी गतिविधियां Agriculture and allied activities	43271.85	5138.60	11.88	33677.58	3617.16	10.74
2	प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत उधार हेतु पात्र औद्योगिक क्षेत्र को अग्रिम Advances to industries sector eligible as priority sector lending	23574.80	3656.07	15.51	25965.12	3508.47	13.51
3	सेवाएं Services	31206.49	3775.14	12.10	22765.75	2856.88	12.55
4	वैयक्तिक ऋण Personal loans	14377.72	793.73	5.52	14302.68	716.59	5.01
	उपजोड़ (क) Sub – Total (A)	112430.86	13363.54	11.89	96744.13	10699.10	11.06
बी B	गैर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र Non Priority Sector						
1	कृषि एवं अनुषंगी गतिविधियां Agriculture and allied activities	3520.19	128.65	3.65	0.00	0.00	0.00
2	उद्योग Industry	75528.32	16012.58	21.20	68549.15	14544.85	21.22
3	सेवाएं Services	105031.85	5374.77	5.12	114441.61	8202.92	7.17
4	वैयक्तिक ऋण Personal loans	1244.01	54.97	4.42	1213.58	61.38	5.06
	उपजोड़ (ख) Sub – Total (B)	185324.37	21570.97	11.64	184204.34	22809.15	12.38
	कुल (A+B) Total (A+B)	297755.22	34934.51	11.73	280915.47	33508.25	11.93

ए-2.7.3 पुनर्गठित खातों का प्रकटीकरण-दि. 31-03-2017 को (वित्तीय वर्ष 2016-17) A-2.7.3 Disclosure of Restructured Accounts as on 31.03.2017 (F.Y. 2016-17)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

क्रम संख्या S. No.	पुनर्गठन के प्रकार Type of Restructuring / आस्ति वर्गीकरण Assets Classification / विवरण Details		सी डी आर कार्यप्रणाली के अधीन Under CDR Mechanisam					एस एम ई ऋण पुनर्निधारण कार्यप्रणाली के अधीन Under SME Debt Restructuring Mechanism					अन्य Others					कुल Total				
			मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total
1	01 अप्रैल 2016 को पुनर्गठित खाते Restructred Accounts as on April 01, 2016	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	38.00	2.00	33.00	2.00	75.00	1723.00	104.00	4785.00	60.00	6672.00	19403.00	541.00	18154.00	2703.00	40801.00	21164.00	647.00	22972.00	2765.00	47548.00
		बकाया राशि Amount outstanding	3319.61	183.64	3900.29	99.56	7503.10	750.47	188.33	1537.47	8.46	2484.73	9693.38	230.46	8266.04	860.09	19049.97	13763.46	602.43	13703.80	968.11	29037.80
		उसपर प्रावधान Provision thereon	205.60	1.75	95.73	0.00	303.08	21.06	0.55	25.77	0.00	47.38	405.83	2.65	131.50	0.00	539.98	632.49	4.95	253.00	0.00	890.44
2	वर्ष के दौरान नवीन पुनर्गठन Fresh Restructuring during the year	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	13.00	3.00	3.00	0.00	19.00	379.00	126.00	754.00	36.00	1295.00	5620.00	760.00	3435.00	481.00	10296.00	6012.00	889.00	4192.00	517.00	11610.00
		बकाया राशि Amount outstanding	120.20	51.04	9.28	0.00	180.52	18.23	15.89	8.79	1.31	44.22	3138.76	75.99	757.74	615.45	4587.94	3277.19	142.92	775.81	616.76	4812.68
		उसपर प्रावधान Provision thereon	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.28	1.45	0.00	0.00	2.73	0.00	0.06	0.00	0.00	0.06	1.28	1.51	0.00	0.00	2.79
3	वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान पुनर्गठित मानक श्रेणी में अपग्रेडेशन Upgradation to restructured standard category during the FY 2016-17	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	1.00	0.00	-1.00	0.00	0.00	192.00	-20.00	-169.00	-3.00	0.00	1446.00	-82.00	-1275.00	-89.00	0.00	1639.00	-102.00	-1445.00	-92.00	0.00
		बकाया राशि Amount outstanding	628.51	0.00	-628.51	0.00	0.00	25.99	-10.49	-15.42	-0.08	0.00	607.25	-21.82	-583.62	-1.81	0.00	1261.75	-32.31	-1227.55	-1.89	0.00
		उसपर प्रावधान Provision thereon	4.56	0.00	-4.56	0.00	0.00	0.54	0.00	-0.54	0.00	0.00	14.96	-1.14	-13.82	0.00	0.00	20.06	-1.14	-18.92	0.00	0.00
4	पुनर्गठित मानक अग्रिम जिससे उच्च प्रावधानीकरण और/या वित्त वर्ष के अंत में अतिरिक्त जोखिम भार समापन और अगले वित्त वर्ष के प्रारम्भ में पुनर्गठित मानक अग्रिम के रु प में दिखाना आवश्यक नहीं है. Restructred standard advances which ceased to attract higher provisioning and / or additional risk weight at the end of the FY and hence need not be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	-10.00	0.00	0.00	0.00	-10.00	-143.00	0.00	0.00	0.00	-143.00	-3190.00	0.00	0.00	0.00	-3190.00	-3343.00	0.00	0.00	0.00	-3343.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-1330.76	0.00	0.00	0.00	-1330.76	-147.53	0.00	0.00	0.00	-147.53	-363.97	0.00	0.00	0.00	-363.97	-1842.26	0.00	0.00	0.00	-1842.26
		उसपर प्रावधान Provision thereon	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5	वित्त वर्ष के दौरान पुनर्गठित खातों का डाऊनग्रेडेशन Downgradation of restructured accounts during the FY	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	-7.00	3.00	3.00	1.00	0.00	-746.00	2.00	699.00	45.00	0.00	-5053.00	91.00	4319.00	641.00	-2.00	-5806.00	96.00	5021.00	687.00	-2.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-554.15	261.33	90.59	202.23	0.00	-211.34	-116.97	263.10	65.21	0.00	-2684.85	1489.48	1491.08	246.42	542.13	-3450.34	1633.84	1844.77	513.86	542.13
		उस पर प्रावधान Provision thereon	-16.32	12.35	3.97	0.00	0.00	-1.41	0.00	1.41	0.00	0.00	-19.44	1.90	14.36	0.00	-3.18	-37.17	14.25	19.74	0.00	-3.18
6	वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान बट्टे खाते में डाले गए पुनर्गठित खाते Write off of restructured accounts during the FY 2016-17	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	-17.00	-5.00	-20.00	-1.00	-43.00	-576.00	-76.00	-1966.00	42.00	-2576.00	-7256.00	-447.00	-6909.00	-633.00	-15245.00	-7849.00	-528.00	-8895.00	-592.00	-17864.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-158.22	-234.68	-1759.26	-37.89	-2190.05	-249.25	-51.92	-542.41	223.58	-620.00	-1840.48	-386.88	-947.28	-890.51	-4065.15	-2247.95	-673.48	-3248.95	-704.82	-6875.20
		उस पर प्रावधान Provision thereon	-101.91	-1.75	-45.31	0.00	-148.97	-0.22	0.00	-8.99	0.00	-9.21	-97.50	0.00	-78.53	0.00	-176.03	-199.63	-1.75	-132.83	0.00	-334.21
7	31 मार्च 2017 को पुनर्गठित खाते Restructured accounts as on March 31, 2017	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	18.00	3.00	18.00	2.00	41.00	829.00	136.00	4103.00	180.00	5248.00	10970.00	863.00	17724.00	3103.00	32660.00	11817.00	1002.00	21845.00	3285.00	37949.00
		बकाया राशि Amount outstanding	2025.19	261.33	1612.39	263.90	4162.81	186.57	24.84	1251.53	298.48	1761.42	8550.09	1387.23	8983.96	829.64	19750.92	10761.85	1673.40	11847.88	1392.02	25675.15
		उसपर प्रावधान Provision thereon	91.93	12.35	49.83	0.00	154.11	21.25	2.00	17.65	0.00	40.90	303.85	3.47	53.51	0.00	360.83	417.03	17.82	120.99	0.00	555.84

ए-2.7.4. प्रतिभूतिकरण/पुनर्गठन कम्पनी अथवा आस्ति पुनर्गठन के लिए बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण

A-2.7.4. Details of financial assets sold to Securitization/ Reconstruction Company or Asset Reconstruction.

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	खातों की संख्या	No. of accounts	-	-
(ii)	एससी/आरसी को बेचे गए खातों का कुल मूल्य (प्रावधानों का नेट)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	-	-
(iii)	कुल प्रतिफल	Aggregate consideration	-	-
(iv)	आरंभिक वर्षों में अंतरित खातों के संबंध में वसूला गया अतिरिक्त प्रतिफल	Additional consideration realized in respect of accounts transferred in earlier years	-	-
(v)	शुद्ध बही मूल्य पर कुल लाभ / हानि	Aggregate gain/(loss) over net book value	-	-

ए-2.7.5. प्रतिभूति रसीदों मे निवेशों के बही मूल्य का ब्यौरा

A-2.7.5. Details of Book Value of Investments in Security Receipts

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1.	अंतर्निहित बैंक द्वारा बिक्री किए गए एनपीए द्वारा समर्थित	1. Backed by NPAs sold by the bank as underlying	703.47	709.53
2.	अंतर्निहित के रुप में अन्य बैंकों / वित्तीय संस्थाओं / गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बिक्री किए गए एनपीए द्वारा समर्थित	2. Backed by NPAs sold by other banks / financial institutions/ non banking financial companies as underlying		
			703.47	709.53

ए-2.7.6. खरीदी गई / बेची गई गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों का विवरण

ए. खरीदी गई गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों के विवरण:

A-2.7.6. Details of non-performing financial assets purchased/sold

A. Details of non-performing financial assets purchased:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण			Particulars			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1.	(ए)	वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	1.	(a)	No. of accounts purchased during the year	-	-
	(बी)	समग्र बकाया		(b)	Aggregate outstanding	-	-
2.	(ए)	इनमें से वर्ष के दौरान पुनर्गठित खातों की संख्या	2.	(a)	Of these, number of accounts restructured during the year	-	-
	(बी)	समग्र बकाया		(b)	Aggregate outstanding	-	-

बी. बेची गई गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों का विवरण :

B. Details of non-performing financial assets sold:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1.	बेचे गए खातों की संख्या	1. No. of accounts sold	-	-
2.	समग्र बकाया	2. Aggregate outstanding	-	-
3.	समग्र प्राप्त प्रतिशत	3. Aggregate consideration received	-	-

सी. प्रतिभूतिकरण कंपनियों को बेचे गये गैर निष्पादक खाते

C. Non Performing Accounts sold to Securitization Companies

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण Particulars	एनपीए के कारण बैंक द्वारा बिक्रय की गई अन्तर्निहित आस्तियां Backed by NPA sold by the Bank as underlying		एनपीए के कारण अन्य बैंकों/वित्तीय/ गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बिक्रय की गई अन्तर्निहित आस्तियां Backed by NPAs sold by Other banks/ financial / non-banking Financial companies underlying		कुल Total	
	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
प्रतिभूतियों में निवेश का बही मूल्य Book Value of Investment in Security Receipts	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL

ए-2.7.7. मानक आस्तियों पर प्रावधान

A-2.7.7. Provisions on Standard Assets

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
आरबीआई मानदण्डों के अनुसार मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	Provisions towards Standard Assets as per RBI norms	3517.67	2751.24

ए-2.7.8. जमाओ, अग्रिमों, एक्सपोज़र तथा एनपीए का संकेन्द्रण

A-2.7.8. Concentration of Deposits, Advances, Exposures and NPAs

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(ए)	जमाओं का संकेन्द्रण	(a)	Concentration of Deposits		
	बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल जमाएं		Total Deposits of twenty largest depositors	33748.96	33815.47
	बैंक की कुल जमाओं में बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की जमाओं का प्रतिशत		Percentage of Deposits of twenty largest depositors to Total Deposits of the bank	5.61%	5.89%
(बी)	अग्रिमों का संकेन्द्रण	(b)	Concentration of Advances		
	बीस सबसे बड़े ऋणियों को दिए गए कुल ऋण		Total Advances to twenty largest borrowers	55572.63	38038.19
	बैंक के कुल अग्रिमों में बीस सबसे बड़े ऋणियों को दिए गए अग्रिमों का प्रतिशत		Percentage of Advances to twenty largest borrowers to Total Advances of the bank	13.48%	9.33%
(सी)	एक्सपोज़र का संकेन्द्रण	(c)	Concentration of Exposures		
	बीस सबसे बड़े ऋणियों / ग्राहकों को कुल एक्सपोज़र		Total Exposure to twenty largest borrowers/customers	73301.98	52293.22
	बीस सबसे बड़े ऋणियों / ग्राहकों को बैंक के कुल एक्सपोज़र का प्रतिशत		Percentage of Exposures to twenty largest borrowers/customers to Total Exposure of the bank on borrowers/customers	12.35%	8.56%
(डी)	एनपीए का संकेन्द्रण	(d)	Concentration of NPAs		
	चार बड़े एनपीए खातों में कुल एक्सपोजर		Total Exposure to top four NPA accounts	5446.82	5642.70
(ई)	प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)	(e)	Provision Coverage Ratio (PCR)	66.83%	60.09%

ए-2.7.9. इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर

A-2.7.9. Intra Group Exposures

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	निधि आधारित Fund Based	निवेश आधारित Investment Based	कुल Total
इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर की कुल राशि	**Total Amount of Intra Group Exposures**	328.93	446.56	775.49
20 सर्वाधिक इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर वाले खाते	**Total amount of Top 20 Intra Group Exposures**	328.93	446.56	775.49
ऋण कर्ताओं/ग्राहकों को दिये गये बैंक के कुल एक्स्पोजर में इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर का प्रतिशत	Percentage of intra-group exposures to total exposure of the bank on borrowers / customers	0.06	0.08	--
इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर की सीमाओं के उल्लंघन का विवरण तथा उसपर की गई विनियामक कार्रवाई, यदि कोई हो	Details of breach of limits on intra-group exposures and regulatory action thereon, if any	-	-	-

ए-2.8 व्यवसायिक अनुपात

A-2.8 Business Ratios

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	Interest Income as a percentage to Average Working Funds	6.27	6.31
औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर-ब्याज आय	Non-interest income as a Percentage to Average Working Funds	1.00	0.72
औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन लाभ	Operating Profit as a percentage to Average Working Funds	1.63	1.26
आस्तियों पर प्रतिफल	Return on Assets	0.20	-0.78
प्रति कर्मचारी व्यवसाय (कोर जमा तथा अग्रिम) (₹ करोड़ में)	Business (Core Deposits plus advances) per employee (₹ in Crores)	17.49	16.80
प्रति कर्मचारी लाभ (₹ करोड़ में)	Profit per employee (₹ in Crores)	0.26	-0.10

ए-2.9 आस्तियों और देयताओं का प्रबंधन आस्तियों और देयताओं की कुछ मदों का परिपक्वता स्वरुप

A-2.9 Asset Liability Management Maturity pattern of certain items of assets and liabilities

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		1 दिन 1 Day	2 से 7 दिनों 2 to 7 Days	8 से 14 दिनों 8 to 14 Days	15 से 30 दिनों 15-30 Days	31 दिनों-2 माह 31 Days - 2 Months	2 माह से अधिक - 3 माह Over 2 M - 3 Months	3 माह से अधिक - 6 माह Over 3 M - up to 6M	6 माह से अधिक - 12 माह Over 6 M - up to 12 M	1 वर्ष से अधिक - 3 वर्ष Over 1 Yr - up to 3 years	3 वर्ष से अधिक - 5 वर्ष Over 3 years - Upto 5 years	5 वर्षों से अधिक Over 5 years	कुल Total
जमा राशियां	Deposits	8632.95 (12411.44)	27279.51 (33924.15)	17755.04 (13281.78)	27272.18 (22275.39)	28059.87 (32673.17)	37383.07 (29118.12)	59433.47 (72080.36)	89630.24 (123394.96)	150610.93 (117271.30)	32437.4 (17545.6)	123180.51 (100061.62)	601675.17 (574037.87)
अग्रिम	Advances	9930.32 (4822.64)	7549.48 (6283.94)	7824.28 (8605.81)	13932.56 (19864.15)	11702.71 (24496.75)	27253.58 (37345.50)	32004.29 (36737.28)	27779.29 (28793.82)	119103.93 (143351.73)	41493.34 (36151.89)	84655.44 (37316.66)	383259.22 (383770.18)
निवेश	Investments	72.42 (108.98)	1241.03 (1806.91)	1086.65 (701.40)	642.69 (612.22)	1248.50 (1544.17)	3534.11 (2890.78)	2628.31 (1505.30)	5218.08 (3206.12)	16971.49 (14899.71)	24563.83 (18147.32)	72423.43 (75027.6)	129630.54 (120450.52)
उधार	Borrowings	552.37 (714.2)	0.00 (891.71)	557.84 (0.01)	0.00 (662.72)	2350.69 (1668.49)	1023.94 (1431.08)	971.57 (4961.68)	1827.75 (1691.39)	15020.10 (4619.24)	2711.61 (14224.76)	5595.57 (2606.41)	30611.44 (33471.69)
विदेशी मुद्रा आस्तियां	Foreign Currency assets	23327.21 (25788.64)	11011 (11412.59)	7597.54 (9015.65)	18066.65 (16551.34)	22949.67 (29477.51)	37187.60 (23579.28)	31224.97 (38240.34)	23799.30 (32268.26)	20622.93 (26883.24)	7297.76 (11429.67)	8206.96 (8047.17)	211291.6 (232693.69)
विदेशी मुद्रा देयताएं	Foreign Currency liabilities	7197.03 (10871.29)	20260.95 (29278.73)	9735.03 (7978.17)	20078.81 (16747.62)	20146.34 (19421.05)	20218.29 (12998.72)	26811.86 (32861.74)	35254.63 (50660.59)	28590.05 (34643.28)	2497.79 (10877.73)	9523.59 (7448.00)	200314.36 (233786.92)

- कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष की संख्याएं हैं.
  Figures in bracket denote previous year numbers
- आस्तियों एवं देयताओं का विभाजन '' समूह आस्ति देयता प्रबंधन एवं समूह जोखिम नीति 2016'' के अनुसार किया गया है.
  The distribution of Assets and Liabilities has been done as per the "Group Asset Liability Management Policy 2016" of the Bank
- शुध्द अग्रिमों की गणना करते समय प्रावधानों एवं अन्य कटौतियों का विभाजन सकल मानक अग्रिमों के अनुपात में किया गया है.
  The Distribution of provisions and other deductions, while arriving at the net advances, has been done in proportion to the gross Standard Advances.

ए-2.10 एक्सपोजर

ए-2.10.1 रियल एस्टेट क्षेत्र में एक्सपोजर

A-2.10 Exposure

A-2.10.1 Exposure to Real Estate Sector

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

श्रेणी	Category	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए) प्रत्यक्ष एक्सपोजर	a) Direct exposure		
(i) आवासीय बंधक -	(i) Residential Mortgages –		
आवासीय संपत्ति, जो कर्जदार के स्वामित्व में है / होगी या किराए पर है, को बंधक रखते हुए पूर्ण सुरक्षित कर्ज,	Lending fully secured by mortgages on residential property that is or will be occupied by the borrower or that is rented;	36021.58	29698.11
इनमें से प्राथमिकता प्राप्त अग्रिमों में शामिल करने हेतु पात्र व्यक्तिगत आवास ऋण	Of which Individual housing loans eligible for inclusion in priority sector	(14540.81)	(13878.16)
(ii) वाणिज्यिक रियल एस्टेट -	(ii) Commercial Real Estate –	8786.49	13414.86
वाणिज्यिक रियल एस्टेट पर बंधक द्वारा प्रत्याभूत कर्ज (कार्यालय भवन, रिटेल स्पेस, बहु-उद्देश्यीय वाणिज्यिक परिसर, बहुपरिवार आवासीय भवन, बहु किराएदार कमर्शियल परिसर, औद्योगिक या वेयर हाउस स्पेस, होटल, जमीन, अधिग्रहण, विकास तथा निर्माण कार्य आदि). एक्सपोज़र में गैर निधि आधारित (एनएफबी) सीमाएं शामिल हो सकती हैं.	Lending secured by mortgages on commercial real estate's (office buildings, retail space, multi-purpose commercial premises, multi-family residential buildings, multi-tenanted commercial premises, industrial or warehouse space, hotels, land acquisition, development and construction, etc.). Exposure would also include non-fund based (NFB) limits;		
(iii) बंधक युक्त प्रतिभूतियों (एम बी एस) में निवेश तथा अन्य प्रतिभूतित एक्सपोजर	(iii) Investments in Mortgage Backed Securities (MBS) and other securitised exposures –		
ए आवासीय	a. Residential	0.58	0.00
बी वाणिज्यिक रियल एस्टेट	b. Commercial Real Estate	0.00	0.00
बी. अप्रत्यक्ष एक्सोपजर	b. Indirect Exposure		
निधि आधारित तथा गैर निधि आधारित एक्सपोजर	Fund based and non-fund based exposures		
(i) नैशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी)	(i) National Housing Bank (NHB)	2.79	0.00
(ii) आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी)	(ii) Housing Finance Companies (HFCs)	3286.63	8836.16
रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल एक्सपोजर	**Total Exposure to Real Estate Sector**	**48098.07**	**51949.13**

ए-2.10.2 पूंजी बाजार में ऋण जोखिम

A-2.10.2 Exposure to Capital Market

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	इक्विटी शेयर्स, परिवर्तनीय बॉण्डों, परिवर्तनीय डिबेंचरों तथा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों, जिनके कॉरपस कार्पोरेट ऋण में अलग से निवेश नहीं किए गए हों, में प्रत्यक्ष निवेश.	(i)	Direct investment in equity shares, convertible bonds, convertible debentures and units of equity-oriented mutual funds the corpus of which is not exclusively invested in corporate debt;	1108.98	1078.19
(ii)	शेयरों/बॉण्डों/डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों की एवज़ में अग्रिम अथवा शेयरों (आईपीओ/ईएसओपी), परिवर्तनशील बॉण्डों, परिवर्तनशील डिबेंचरों तथा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों में निवेश के लिए व्यक्तियों को निर्बंध आधार पर दिए गए अग्रिम.	(ii)	Advances against shares/bonds/ debentures or other securities or on clean basis to individuals for investment in shares (including IPOs/ESOPs), convertible bonds, convertible debentures, and units of equity-oriented mutual funds;	10.80	7.38
(iii)	किन्हीं अन्य ऐसे उद्देश्यों के लिए अग्रिम जहां शेयरों अथवा परिवर्तनीय बॉण्डों अथवा परिवर्तनीय डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों को प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में लिया गया है.	(iii)	Advances for any other purposes where shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds are taken as primary security;	0.00	4.53
(iv)	किन्हीं अन्य ऐसे उद्देश्यों के लिए उस सीमा तक अग्रिम, जोकि शेयरों, परिवर्तनशील बॉण्डों अथवा परिवर्तनीय डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों की संपार्श्विक प्रतिभूति से संरक्षित है; अर्थात जहां कि शेयरों/परिवर्तनीय बॉण्डों/परिवर्तनीय डिबेंचरों/इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंडों के अलावा ली गयी प्राथमिक प्रतिभूति पूरी तरह से अग्रिमों को कवर नहीं कर पायी है.	(iv)	Advances for any other purposes to the extent secured by the collateral security of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds i.e. where the primary security other than shares/convertible bonds/convertible debentures/units of equity oriented mutual funds ₹ does not fully cover the advances;	906.96	130.68
(v)	स्टॉक ब्रोकरों को जमानती तथा गैर जमानती अग्रिम तथा स्टॉक ब्रोकरों तथा मार्केट मेकर की ओर से जारी गारंटियां.	(v)	Secured and unsecured advances to stockbrokers and guarantees issued on behalf of stockbrokers and market makers;	2.74	50.62
(vi)	कार्पोरेट को शेयरों/बॉण्डों/डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों अथवा अपने संसाधनों के बढ़ने की प्रत्याशा में नयी कंपनियों की इक्विटी को प्रोमोटर के अंशदान के लिए निर्बंध आधार पर स्वीकृत किए गए अग्रिम.	(vi)	Loans sanctioned to corporates against the security of shares / bonds/debentures or other securities or on clean basis for meeting promoter's contribution to the equity of new companies in anticipation of raising resources;	0.00	0.00
(vii)	संभावित इक्विटी प्रवाह/निर्गमों की एवज में कंपनियों को पूरक (ब्रिज) ऋण.	(vii)	Bridge loans to companies against expected equity flows/issues;	9.74	12.97
(viii)	शेयरों अथवा परिवर्तनीय बॉण्डों/डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड के प्राथमिक मुद्दों के बारे में बैंकों द्वारा की गई हामीदारी प्रतिबद्धताएं.	(viii)	Underwriting commitments taken up by the banks in respect of primary issue of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds;	0.00	0.00
(ix)	मार्जिन ट्रेडिंग के लिए स्टॉक ब्रोकरों को वित्त प्रदान करना.	(ix)	Financing to stockbrokers for margin trading;	0.31	0.25
(x)	उद्यम पूंजी निधियों (पंजीकृत तथा गैर पंजीकृत दोनों) का समग्र जोखिम.	(x)	All exposures to Venture Capital Funds (both registered and unregistered) ;	794.47	797.38
पूंजी बाजार में कुल जोखिम		**Total Exposure to Capital Market**		**2834.00**	**2082.00**

पूंजी बाज़ार में ₹ 2834.00 करोड़ का एक्सपोज़र ₹ 12234.20 करोड़ की सीमा के अंतर्गत (अर्थात दिनांक 31.3.2016 को बैंक की ₹ 30585.51 करोड़ की शुद्ध मालियत का 40%) है. पूंजी बाज़ार में प्रत्यक्ष एक्सपोज़र ₹ 1914.56 करोड़ है और यह ₹ 6117.10 करोड़ की सीमा के अंतर्गत अर्थात दि. 31.3.2016 को बैंक की ₹ 30585.51 करोड़ की शुद्ध मालियत का 20% हैं.

The exposure to Capital Market of ₹ 2834.00 Crores is within the limit of ₹ 12234.20 Crores (i.e. 40% of Bank's Net worth of ₹ 30585.51 Crores as on 31.03.2016). The direct exposure to Capital Market is ₹ 1914.56 Crores and is within the limit of ₹ 6117.10 crores i.e. 20% of the Bank's net worth of ₹ 30585.51 crores as on 31.03.2016.

ए-2.10.3 जोखिम श्रेणीवार देशीय एक्सपोज़र

A-2.10.3 Risk Category wise Country Exposure

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

श्रेणी	Category	31 मार्च 2017 को एक्सपोज़र (शुद्ध) Exposure (net) as on 31st March 2017	31 मार्च 2017 को प्रावधान Provision held as on 31st March 2017	31 मार्च 2016 को एक्सपोज़र (शुद्ध) Exposure (net) as on 31st March 2016	31 मार्च 2016 को प्रावधान Provision held as on 31st March 2016
महत्वहीन	Insignificant	71599.01	52.49	82776.42	68.24
न्यून	Low	48729.00	39.66	48874.14	37.06
मध्य	Moderate	3238.59		3292.46	
उच्च	High	1553.17		1872.43	
अधिक उच्च	Very High	8.13		7.80	
सीमित	Restricted	0.00		0.63	
ऋण से इतर	Off-credit	0.00		0.16	
अ-मूल्यांकित	Not Rated	288.60		347.65	
कुल	**Total**	**125416.50**	**92.15**	**137171.69**	**105.30**

ए-2.10.4 बैंक द्वारा पार की गई एकल ऋणी सीमा (एसबीएल)/ समूह ऋणी सीमा (जीबीएल)

A-2.10.4 Single Borrower Limit (SBL)/ Group Borrower Limit (GBL) exceeded by the bank

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

वर्ष Year	ऋणी का नाम Name of Borrower	एकल कर्जदार एक्सपोज़र सीमा Single Borrower Exposure limit	कुल निर्धारित सीमा Total Limit Sanctioned	31 मार्च को शेष Balance as on 31st March
2016-17	-	-	-	-
2015-16	-	-	-	-

वर्ष Year	ऋणी का नाम Name of Group	समूह कर्जदार एक्सपोज़र सीमा Group Borrower Exposure limit	कुल निर्धारित सीमा Total Limit Sanctioned	31 मार्च को शेष Balance as on 31st March
2016-17	-	-	-	-
2015-16	-	-	-	-

ए-2.10.5 गैरजमानती अग्रिम राशि

ऐसे अग्रिमों की राशि जिनके लिए अधिकारों, लायसेंस, प्राधिकार आदि पर प्रभार जैसी अमूर्त प्रतिभूतियां के लिए, भारतीय रिज़र्व बैंक के दि. 1 जुलाई 2015, के परिपत्र संख्या डीबीआर.बीपी.बीसी संख्या 23/21.04.018/2015-16 के अनुसार ली गई मूर्त प्रतिभूतियां शून्य हैं.

A-2.10.5 Amount of Unsecured advances

The amount of advances, for which intangible securities, such as charge over the rights, licenses, authority etc. have been taken as tangible security is Nil as per RBI Circular No. DBR.BP.BC No.23/21.04.018/2015-16 dated 01st July 2015.

ए-2.11 विविध

A-2.11 Miscellaneous

ए-2.11.1 वर्ष के दौरान कराधान हेतु किए गए प्रावधान की राशि

A-2.11.1 Amount of Provisions for Taxation during the year

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
संपत्ति कर एवं आस्थगित कर सहित करों हेतु प्रावधान	Provision for Tax including Wealth tax & deferred tax	1348.14	-1146.18
घटाएं - पिछले वर्षों से संबंधित कर प्रावधानों का रिवर्सल	Less : reversal of Tax Provisions relating to previous years	258.58	156.35
कर के लिए शुद्ध प्रावधान	Net provision for Tax	1089.56	-1302.53

ए-2.11.2 भारतीय रिज़र्व बैंक/विदेशी विनियामकों द्वारा लगाए गए दंड का प्रकटीकरण

वर्ष के दौरान वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात के संबंध में बैंक द्वारा फेमा के उल्लंघन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने ₹ 5,00,00,000/- की पेनल्टी लगाई; पेकेट में गंदे / जाली नोटों के लिए करंसी चेस्ट पर ₹ 40,51,869/- की पेनल्टी लगाई गई.

केन्या अनुषंगी पर आस्तियों के जोखिम वर्गीकरण संबंधी विवेकपूर्ण दिशा निर्देशों के उल्लंघन के लिए ₹ 6,67,000/- की पेनल्टी लगाई गई. ओमान टेरीटरीज पर यूरो मास्टर विजा (ईएमवी) उन्नयन परियोजना के लिए ₹ 8,70,000/- की पेनल्टी लगाई गई. युगांडा अनुषंगी पर देश के अंतर्गत प्राथमिक डेटा सेंटर एवं डिजास्टर रिकवरी साईट की स्थापना न करने के लिए ₹ 57,04,000 की पेनल्टी लगाई गई.

A-2.11.2 Disclosure of penalties imposed by RBI / Overseas Regulators

During the year penalty of ₹ 5,00,00,000/- was levied by Reserve Bank of India for FEMA violations related to Import of Goods & Services, penalty of ₹ 40,51,869/- was levied by RBI for forged/soiled notes in currency chest.

Penalty of ₹ 6,67,000/- was levied on Kenya subsidiary for violation under prudential guidelines for risk classification of Assets and provisioning and violation of prudential guidelines on outsourcing. Penalty of ₹ 8,70,000/- was levied in OMAN territory due to delay in Euro Master Visa (EMV) up-gradation project. ₹ 57,04,000/- was levied as penalty in Uganda subsidiary for not establishing an in country primary data center and Disaster Recovery Site.

ए-2.11.3 प्रायोजित तुलनपत्रोत्तर (ऑफ-बैलेंस शीट) एसपीवी (जिन्हें लेखा मानदंडों के अनुसार समेकित करना अपेक्षित है)

A-2.11.3 Off-balance sheet SPVs sponsored (which are required to be consolidated as per accounting norms)

प्रायोजित एसपीवी का नाम Name of the SPV sponsored	
घरेलू / Domestic	विदेशी / Overseas
शून्य / Nill	शून्य / Nill

ए-2.11.4 प्रतिभूतीकरण

A-2.11.4 Securitization

क्र. सं. S.No.	विवरण	Particulars	संख्या / राशि (₹ करोड़ में) No. / Amount (₹ in crores)
1.	प्रतिभूतीकरण संव्यवहार के लिए बैंक द्वारा प्रायोजित एसपीवी की संख्या	No. of SPVs sponsored by the bank for Securitization transaction	NIL
2.	बैंक द्वारा प्रायोजित एसपीवी की बही के अनुसार प्रतिभूतीकरण आस्तियों की कुल राशि	Total amount of Securitized assets as per books of the SPVs sponsored by the Bank	
3.	तुलनपत्र की तिथि को न्यूनतम धारण आवश्यकता (एमआरआर) के अनुपालन के लिए बैंक द्वारा प्रतिधारित जोखिम की कुल राशि	Total amount of exposures retained by the bank to comply with minimum retention requirement (MRR) as on the date of Balance Sheet	
	ए) तुलनपत्रेतर जोखिम प्रथम हानि अन्य	a) Off-balance sheet exposures First Loss Others	
	बी) तुलनपत्र का जोखिम प्रथम हानि अन्य	b) On balance sheet exposures First Loss Others	
4.	एमएमआर के अलावा प्रतिभूतीकरण अंतरण से जोखिम की राशि	Amount of Exposures to securitization transactions other than MRR	
	ए) तुलनपत्रेतर जोखिम	a) Off-balance sheet exposures	
	i) अपने प्रतिभूतीकरण से जोखिम प्रथम हानि हानि/अन्य	i) Exposures to own securitizations First Loss Loss/Others	
	ii) तीसरे पक्ष के प्रतिभूतीकरण से जोखिम प्रथम हानि अन्य	ii) Exposures to third party securitizations First Loss Others	

क्र. सं. विवरण S.No.	Particulars	संख्या / राशि (₹ करोड़ में) No. / Amount (₹ in crores)
बी) तुलनपत्र का जोखिम	b) On–balance sheet exposures	
i) अपने प्रतिभूतीकरण से जोखिम प्रथम हानि हानि/अन्य	i) Exposures to own securitizations First Loss Loss/Others	
ii) तृतीय पक्ष प्रतिभूतीकरण से जोखिम प्रथम हानि अन्य	ii) Exposures to third party securitizations First Loss Others	

ए-2.12 दबावग्रस्त आस्तियों संबंधी प्रकटीकरण

A-2.12 Disclosure on Stressed Assets

ए-2.12.1 मौजूदा ऋणों के लचीले पुनर्गठन का प्रकटीकरण

A-2.12.1 Disclosure of flexible structuring of Existing loans

अंचल Zones	अवधि Period	लचीले पुनर्गठन हेतु लिए गए ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers taken up for flexibly structuring	लचीले पुनर्गठन हेतु लिए गए ऋणों की राशि Amount of loans taken up for flexible structuring		लचीले पुनर्गठन हेतु लिए गए ऋणों की एक्स्पोजर वेटेड औसत अवधि Exposure weighted average duration of loans taken up for flexible structuring	
			मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as Standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	लचीले पुनर्गठन लागू करने से पहले Before applying flexible structuring	लचीले पुनर्गठन लागू करने के बाद After applying flexible structuring
बैंगलुरु Bengaluru	पिछला वित्तीय वर्ष Previous Financial Year	2	371.33	0.00	11.92 years, 12.83 years	18 years, 13.50 years
	चालू वित्तीय वर्ष Current Financial Year	0	0.00	0.00	0.00	0.00
भोपाल Bhopal	पिछला वित्तीय वर्ष Previous Financial Year	1	193.15	0.00	7.73 years	14.75 years
	चालू वित्तीय वर्ष Current Financial Year	0	0.00	0.00	0.00	0.00
मुंबई Mumbai	पिछला वित्तीय वर्ष Previous Financial Year	2	437.15*	0.00	7.07 years, 14.19 years	17.42years, 18.30 years
	चालू वित्तीय वर्ष Current Financial Year	2	217.49	0.00	7.50years, 8.50 years,	12.33years 15.50 years
नई दिल्ली New Delhi	पिछला वित्तीय वर्ष Previous Financial Year	3	1015.30**	0.00	10.50 years, 4.13 years, 9.75 years	20 years, 25 years, 18.75 years
	चालू वित्तीय वर्ष Current Financial Year	1	210.12	0.00	10.46 years	20 years
कुल Total	पिछला वित्तीय वर्ष Previous Financial Year	8	2016.93	0.00	0.00	0.00
	चालू वित्तीय वर्ष Current Financial Year	3	427.61	0.00	0.00	0.00
कुल Total	पिछला वित्तीय वर्ष + चालू वित्तीय वर्ष Previous Financial year + Current Financial year	11	2444.54	0.00	0.00	0.00

*बाद में रुपए 455.12 करोड़ की राशि का -1- खाता वित्तीय वर्ष 15-16 में एनपीए हो गया.

*Subsequently -1- account amounting to ₹ 455.12 crores has been turned into NPA in FY 15-16

*बाद में रुपए 713.14 करोड़ की राशि के -2- खाते वित्तीय वर्ष 15-16 में एनपीए हो गए.

** Subsequently -2- accounts amounting to ₹ 713.14 crores has been turned into NPA in FY 15-16

ए-2.12.2 कार्यनीतिगत ऋण पुनर्गठन योजना पर प्रकटीकरण (ऐसे खाते जो इस समय स्टैंड स्टील अवधि में है.

A-2.12.2 Disclosures on Strategic Debt Restructuring Scheme (accounts which are currently under the stand-still period)

अंचल Zones	ऐसे खातों की संख्या, जहाँ एसडीआर सक्रिय किया गया है. No. of accounts where SDR has been invoked	रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date		जहाँ ऋण का इक्विटी में रुपांतरण लंबित है ऐसे खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity is pending		जहाँ ऋण का इक्विटी में रुपांतरण हो गया है ऐसे खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity has taken place	
		मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA
बडौदा Baroda	1	0.00	227.30	0.00	0.00	0.00	227.30
बैंगलुरु Bengaluru	2	23.79	56.32	0.00	56.32	23.79	0.00
भोपाल Bhopal	2	105.76	219.19	105.76	219.19	0.00	0.00
मुंबई Mumbai	21	3007.21	2765.02	0.00	2763.35	3007.21	0.00
चेन्नई Chennai	2	0.00	109.99	0.00	109.99	0.00	0.00
कोलकाता Kolkata	5	65.72	407.31	0.00	407.31	65.72	0.00
नई दिल्ली New Delhi	2	0.00	243.67	0.00	243.67	0.00	0.00
अंतर्राष्ट्रीय International	1	0.00	305.26	0.00	305.26	0.00	0.00
कुल Total	**36**	**3202.48**	**4334.06**	**105.76**	**4106.76**	**3096.72**	**227.30**

ए-2.12.3 एसडीआर योजना के बाहर स्वामित्व में परिवर्तन का प्रकटीकरण (ऐसे खाते जो इस समय स्टेंड स्टील अवधि के अंतर्गत है.

A-2.12.3 Disclosures on Change in Ownership outside SDR Scheme (accounts which are currently under the stand-still period)

(राशि भारतीय ₹ में (करोड़ में) Amount in INR Crore)

अंचल Zones	ऐसे खातों की संख्या जहाँ बैंक ने स्वामित्व में परिवर्तन लागू करने का निर्णय लिया है. No. of accounts where banks have decided to Effect change in ownership	रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date		जहाँ ऋण का इक्विटी में रुपांतरण / इक्विटी शेयरों के गिरवी को सक्रिय करना लंबित है उन खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity/invocation of pledge of equity shares is pending		जहाँ ऋण का इक्विटी में रुपांतरण / इक्विटी शेयरों के गिरवी को सक्रिय करना हो गया है उन खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity/invocation of pledge of equity shares has taken place		जहाँ नए शेयर जारी कर या प्रवर्तक की इक्विटी के विक्रय द्वारा स्वामित्व में परिवर्तन हो गया है उन खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where change in ownership is envisaged by issuance of fresh shares or sale of promoters equity	
		मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA
बैंगलुरु Bengaluru	1	76.46	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	76.46	0.00
भोपाल Bhopal	1	23.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	23.28	0.00
कुल Total	2	99.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	99.74	0.00

ए-2.12.4 अनुपालन के अंतर्गत परियोजना के स्वामित्व का प्रकटीकरण (ऐसे खाते जो इस समय स्टेंड स्टील अवधि के अंतर्गत है.

A-2.12.4 Disclosures on Change in Ownership of Projects Under Implementation (accounts which are currently under the stand-still period)

(राशि भारतीय ₹ में (करोड़ में) Amount in INR Crore)

अंचल Zones	ऐसे परियोजना ऋण खातों की संख्या, जहाँ बैंक ने स्वामित्व में परिवर्तन लागू करने का निर्णय लिया है. No. of project loan accounts where banks have decided to effect change in ownership	रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date		
		मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	मानक पुनर्गठित के रुप में वर्गीकृत Classified as standard restructured	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA
कुल Total	0	0.00	0.00	0.00

ए-2.13 दबावग्रस्त आस्तियों के संधारणीय गठन की योजना पर प्रकटीकरण (एस4ए) दिनांक 31.03.2017

A-2.13 Disclosure on the scheme for sustainable structuring of Stressed Assets (S4A) as on 31.03.2017

जहाँ एस4ए लागू किया गया है ऐसे खातों की संख्या **Number of accounts where S4A has been applied**	बकाया समग्र राशि **Aggregate amount outstanding**	बकाया राशि **Amount outstanding**		रखा गया प्रावधान **Provision held**
		भाग ए में **In Part A**	भाग बी में **In Part B**	
मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as Standard	2199.69	75.94	62.22	383.06
एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	118.44	0.00	0.00	42.26
कुल **TOTAL**	**2318.13**	**75.94**	**62.22**	**425.32**

ए-3. प्रावधानों व आकस्मिकताओं का विश्लेषित विवरण

ए-3.1 लाभ व हानि खाते में आने वाले प्रावधान व आकस्मिकताओं का विश्लेषित विवरण इस प्रकार है:

A-3 Break up of Provisions and Contingencies

A-3.1 Break-up of provisions and contingencies appearing in Profit & Loss Account is as under:

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores)*

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
निवेश पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधान (शुद्ध प्रलेखित तथा बट्टे खाते डाले गए सहित)	Provision for depreciation on investment (net of written back and including write off)	29.31	341.46
बट्टे खाते डाले गए अशोध्य ऋणों/एनपीए के लिए प्रावधान (शुद्ध प्रलेखित)	Bad debts written off / Provision made towards NPA (net of written back)	8006.95	14007.73
मानक आस्तियों हेतु प्रावधान	Provision for standard assets	776.58	-258.11
कर हेतु प्रावधान आस्थगित करों, और संपदा कर सहित (प्रावधानों के प्रत्यावर्तन का शुद्ध)	Provision for taxes including deferred taxes, and Wealth tax (net of reversal of provisions)	1089.56	-1302.53
अन्य प्रावधान तथा आकस्मिकताएं	**Other Provision and Contingencies**		
पुनर्गठित मानक व अवमानक खातों में ब्याज के परित्याग हेतु प्रावधान	Provision towards sacrifice of interest in restructured standard and sub-standard accounts	-327.16	-241.82
देशगत जोखिम प्रबंधन हेतु प्रावधान	Provision for Country Risk Management	-13.15	-12.81
कर्मचारी कल्याण खर्च हेतु प्रावधान	Provision for staff welfare expenses	25.00	25.00
अन्य (इसमें धोखाधडियों, बैंक के विरुद्ध दावों, उचन्त खातों आदि प्रावधान शामिल हैं).	Others (includes provision for fraud, claim against bank, sensitive accounts etc.)	4.84	1652.20
कुल	**Total**	**9591.93**	**14211.12**

ए-3.2 अस्थायी प्रावधान - व्यापक प्रकटीकरण

A-3.2 Floating Provisions – Comprehensive Disclosures

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores)*

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए.	अस्थायी प्रावधान खाते में आरम्भिक शेष	a.	Opening balance in the floating provisions account	425.35	425.35
बी.	लेखा वर्ष में किए गए अस्थायी प्रावधानों की राशि	b.	The quantum of floating provisions made in the accounting year	0.00	0.00
सी.	लेखा वर्ष के दौरान किए गए ड्रा डाउन की राशि	c.	Amount of draw down made during the accounting year	0.00	0.00
डी.	अस्थायी प्रावधान खाते में अंतिम शेष	d.	Closing balance in the floating provisions account	425.35	425.35

ए-3.3 अरक्षित विदेशी मुद्रा जोखिम पर प्रावधान

A-3.3. Provision on Unhedged Foreign Currency Exposure–

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores)*

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए.	प्रारंभिक शेष प्रावधान खाता	a.	Opening balance provisions account	79.02	69.09
बी.	लेखा वर्ष में किये गये प्रावधान की राशि	b.	The quantum of provisions made in the accounting year	--	9.93
सी.	लेखा वर्ष के दौरान रिवर्स की गई राशि	c.	Amount Reverse during the accounting year	-6.07	--
डी.	प्रावधान खाते का अंतिम शेष	d.	Closing balance in the provisions account	72.95	79.02

बैंक ने करेन्सी इंड्यूस्ड क्रेडिट रिस्क की कोई नीति तैयार नहीं की है तथापि बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है.

31.3.2017 के गैर हैज्ड विदेशी मुद्रा उधारियों की एवज में बैंक द्वारा दिये गये ऋणों की राशि 80बीपीएस पर प्रावधान राशि पर 6128.02 करोड़ थी. अतिरिक्त न्यूनतम पूंजी आवश्यकता राशि ₹ 921.38 करोड़ की एवज में अतिरिक्त आरडब्ल्यूए ₹ 94.44 करोड़ है.

ए-3.4 आरक्षित निधियों में गिरावट (ड्रा डाउन)

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान आरक्षित निधियों में कोई गिरावट (ड्रा डाउन) नहीं हुई हैं.

ए- 4. शिकायतों का प्रकटीकरण

I. ग्राहक शिकायत (एटीएम की शिकायतें छोड़कर)

The Bank has not prepared any policy with regard to Currency induced Credit Risk. However, the Bank is following regulatory guideline issued by the Reserve Bank of India.

As on 31.03.2017, the amount of bank's credit exposure against Unhedged Foreign Currency Exposure of borrowers attracting 80 bps provisions was ₹ 6128.02 Crores. The additional RWA on this exposure is ₹ 921.38 crores against this additional minimum capital requirement is ₹ 94.44 crores.

A-3.4 Draw Down from Reserves

During the Financial Year 2016-17, there has been no draw down from the reserves.

A-4 Disclosure of complaints

I. Customer Complaints (Other than ATM)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(ए)	वर्ष के शुरू में लंबित शिकायतों की संख्या	a.	No. of complaints pending at the beginning of the year	121	94
(बी)	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	b.	No. of complaints received during the year	48504	25236
(सी)	वर्ष के दौरान निपटाए गए शिकायतों की संख्या	c.	No. of complaints redressed during the year	48323	25209
(डी)	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	d.	No. of complaints pending at the end of the year	302	121

* इनमें से 302 शिकायतें (गत वर्ष 121 शिकायतें) 30 दिनों से कम पुरानी हैं.

* Out of these, all 302 nos. of complaints (Previous year 121 nos.) are pending for less than 30 days.

II. एटीएम संबंधी शिकायतें

II. ATM Complaints

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(ए)	वर्ष के शुरू में एटीएम से संबंधी लंबित शिकायतों की संख्या	a.	No. of ATMs complaints pending at the beginning of the year	2338	5215
(बी)	वर्ष के दौरान एटीएम से संबंधी प्राप्त शिकायतों की संख्या	b.	No. of ATMS complaints received during the year	277300	280627
(सी)	वर्ष के दौरान एटीएम से संबंधी निपटाई गई शिकायतों की संख्या	c.	No. of ATMs complaints redressed during the year	277571	283504
(डी)	वर्ष के अंत में एटीएम से संबंधी लंबित शिकायतों की संख्या	d.	No. of ATMs complaints pending at the end of the year	2067	2338

III. बैंकिंग लोकपाल द्वारा दिए गए निर्णय

III. Awards passed by the Banking Ombudsman

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(ए)	वर्ष के शुरु में कार्यान्वित न किए गए निर्णयों की संख्या	a.	No. of unimplemented Awards at the beginning of the year	0	0
(बी)	वर्ष के दौरान बैंकिंग लोकपाल द्वारा दिए गए निर्णयों की संख्या	b.	No. of Awards passed by the Banking Ombudsman during the year	11	6
(सी)	वर्ष के दौरान कार्यान्वित निर्णयों की संख्या	c.	No. of Awards implemented during the year	9	6
(डी)	वर्ष के अंत में कार्यान्वित न किए गए निर्णयों की संख्या	d.	No. of unimplemented Awards at the end of the year	2	0

ए-5. चुकौती आश्वासन पत्र की स्थिति

(I) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान जारी चुकौती आश्वासन पत्र (एलओसी)

बैंक ने चालू वर्ष के दौरान विदेशी/देशीय नियामकों द्वारा अपनी अनुषंगियों की स्थापना करने/शाखाओं को खोलने के लिए अपना अनुमोदन प्राप्त करते समय आवश्यकताओं की पूर्ति के संदर्भ में कोई आश्वासन पत्र जारी नहीं किया.

(II) 31.03.2017 को बकाया चुकौती आश्वासन पत्रों की संचयी स्थिति

बैंक ने निम्नलिखित आश्वासन पत्र जारी किया है.

(i) वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान विदेशी/देशी विनियामकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अनुषंगियों की स्थापना / शाखाएं खोलने हेतु उनसे अनुमोदन प्राप्त करने के लिए रिज़र्व बैंक ऑफ न्यूजीलैंड का उस देश में बैंक की अनुषंगी के लिए चुकौती आश्वासन पत्र जारी किया गया था. दि.31.03.2017 के लेखा परीक्षित लेखों के अनुसार अनुषंगी की जमाएं ₹ 228.56 करोड़ एवं बाहरी देयताएं ₹ 3.36 करोड है. तथापि 31.03.2017 को इस अनुषंगी की शुद्ध मालियत ₹ 208.50 करोड़ है, इसलिए यह संपूर्ण जमा राशि और बाहरी देयताओं को कवर करती है.

(ii) वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक ने संयुक्त उद्यम बैंक - इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी (आईआईबीएमबी) में बैंक के 40% शेयरधारिता की सीमा तक बैंक ऑफ़ नेगारा मलेशिया को आश्वासन पत्र जारी किया है. दिनांक 31.03.2017 को आईआईबीएमबी की कुल जमा राशि ₹ 198.55 करोड़ एवं अन्य देयताएं ₹ 2.09 करोड़ अर्थात कुल ₹ 200.65 करोड़ है. दिनांक 31.03.2017 को इस अनुषंगी की निवल मालियत ₹ 466.79 करोड़ है

A-5. Status of Letters of Comfort

I Letters of Comfort (LOC's) issued during the Current Financial Year

During the current financial year, the Bank has not issued any Letter of Comfort to meet the requirements of the overseas/domestic regulators while seeking their approval for establishing subsidiaries / opening of branches.

II Cumulative position of LOC's outstanding as on 31.03.2017

The Bank has issued the following Letter of Comforts

(i) During financial year 2008-09 to meet the requirements of the overseas/ domestic regulators while seeking their approval for establishing subsidiaries/ opening of branches, the Letter of Comfort was issued to Reserve Bank of New Zealand for the Bank's subsidiary in that country. As on 31.03.2017, the deposits of the Subsidiary are ₹ 228.56 Crores and outside liabilities are ₹ 3.36 Crores. However, the net worth of the Subsidiary as on 31.03.2017 is ₹ 208.50 Crores and therefore it covers the entire deposits and outside liabilities.

(ii) During financial year 2010-11, the Bank has issued Letter of comfort to the Bank Negara Malaysia to the extent of the Bank's 40% shareholding in the joint venture Bank – India International Bank (Malaysia) Bhd' (IIBMB). As on 31.03.2017, the deposits of IIBMB are ₹ 198.55 Crores and other liabilities are ₹ 2.09 Crores i.e. total of ₹ 200.65 Crores. The net worth of the Subsidiary as on 31.03.2017 is ₹ 466.79 crores.

ए-6 तीसरी पार्टी के उत्पादों के विपणन से अर्जित आय

A-6 Income earned for marketing third party products

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

आय की प्रकृति	Nature of Income	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
जीवन बीमा पालिसियों की बिक्री हेतु	For selling life insurance policies	28.72	18.75
गैर जीवन बीमा पालिसियों की बिक्री हेतु	For selling non life insurance policies	18.56	13.29
म्यूच्यूअल फंड प्रोजेक्टों की बिक्री हेतु	For selling mutual fund products	5.79	3.36
इक्विटी ब्रोकिंग उत्पाद	Equity broking product	0.00	0.30

ए-7 जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरुकता निधि (डीईएएफ) में अंतरण

A-7 Transfers to Depositor Education and Awareness Fund (DEAF)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
डीईएएफ को अंतरित राशि का प्रारंभिक शेष	Opening balance of amount transferred to DEAF	316.60	268.10
जोड़े: वर्ष के दौरान डीईएएफ को अंतरित राशि	Add: Amount transferred to DEAF during the year	87.63	48.50
घटायें: डीईएएफ द्वारा दावों के पेटे प्रतिपूर्ति की गई राशि	Less: Amounts reimbursed by DEAF towards claims	0.45	0.00
डीईएएफ को अंतरित राशि का अंतिम शेष	Closing Balance of amounts transferred to DEAF	403.77	316.60

ए-8. चलनिधि कवरेज अनुपात
ए.8.1.मात्रात्मक प्रकटीकरण

A-8 Liquidity Coverage Ratio
A-8.1 Quantitative Disclosure

चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) प्रकटीकरण - मार्च 2017
Liquidity Coverage Ratio (LCR) Disclosure - March 2017

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

बैंक का नाम: बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Name of the Bank : Bank of Baroda

	चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) प्रकटीकरण		मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष का तिमाही औसत (एकल आधार पर) Quaterly Averages of Finanacial Year Ending March 2017 (Solo Basis)		मार्च, 2017 को समाप्त चतुर्थ तिमाही के लिए तिमाही औसत (समेकित आधार पर) Quaterly Averages of Finanacial Year Ending March 2017 (Consolidated Basis)		मार्च, 2017 को समाप्त चतुर्थ तिमाही के लिए दैनिक औसत (समेकित आधार पर) Daily Averages of Q4 Ending March 2017 (Solo Basis)		मार्च, 2017 को समाप्त चतुर्थ तिमाही के लिए दैनिक औसत (समेकित आधार पर) Daily Averages of Q4 Ending March 2017 (Consolidated Basis)	
			Total Unweighted Value	Total Weighted Value	Total Unweighted Value	Total Weighted Value	Total Unweighted Value	Total Weighted Value	Total Unweighted Value	Total Weighted Value
	उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियां	High Quality Liquid Assets								
1	रिटेल जमा एवं छोटे व्यावसायिक ग्राहकों की जमाराशियां,जिनमें से	Retail deposit and deposits from small business customers, of which:	365325.67	32827.83	368980.65	33074.63	358482.61	31930.97	365697.27	32434.77
	स्थिर जमाराशियां	Stable Deposits	74094.64	3704.73	76468.69	3823.43	78345.78	3917.29	82699.05	4134.95
2	घटाएं: स्थिर जमाराशियां	Less Stable Deposits	291231.02	29123.10	292511.95	29251.20	280136.83	28013.68	282998.22	28299.82
(i)	अप्रत्याभूत थोक वित्तीयन, जिनमें से	Unsecured wholesale funding, of which:	119893.71	78933.74	121765.76	80599.13	142387.89	79203.16	149030.52	85025.87
(ii)	परिचालनगत जमाराशियां (सभी काउंटर पार्टियों की)	Operational deposits (all counterparties)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3	गैर परिचालनगत जमाराशियां (सभी काउंटर पार्टियों की)	Non-operational deposits (all counterparties)	119893.71	78933.74	121765.76	80599.13	142387.89	79203.16	149030.52	85025.87
(i)	अप्रत्याभूत ऋण	Unsecured debt	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(ii)	प्रत्याभूत थोक वित्तीयन	Secured wholesale Funding		1271.30		8.93		8.93		8.93
(iii)	अतिरिक्त आवश्यकताएं, जिनमें से	Additional requirements, of which	61869.43	22035.94	110963.23	28120.99	45190.56	21430.51	48374.08	23825.87
4	डेरीवेटिव एक्स्पोज़र तथा अन्य संपार्श्विक आवश्कताओं से संबंधित बाह्य प्रवाह	Outflows related to derivative exposures and other collateral requirements	1638.50	1638.50	1497.66	1497.66	1213.80	1213.80	2121.97	2121.97
5	ऋण उत्पादों पर निधियों की हानि संबंधित बाह्य प्रवाह	Outflows related to loss of funding on debt products	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(i)	ऋण एवं चलनिधि सुविधाएं	Credit and liquidity facilities	60230.93	20397.44	61388.03	21021.98	43068.59	19311.18	46252.11	21703.90
(ii)	अन्य संविदागत निधियन संबंधी बाध्यताएं	Other contractual funding obligations	2920.86	2920.86	3022.47	3022.47	2489.58	2489.58	2489.58	2489.58
(iii)	अन्य आकस्मिक निधियन संबंधी बाध्यताएं	Other contingent funding obligations	56948.73	1716.80	57543.20	1735.47	58838.15	1762.51	60096.93	1802.91
6	कुल नकदी बाह्य प्रवाह	TOTAL CASH OUTFLOWS		139706.47		146561.62		136825.66		145587.92
7	नकदी अंतर्प्रवाह	Cash Inflows								
8	प्रत्याभूत उधार देना (जैसे, रीवर्स रेपो)	Secured lending (e.g. reverse repos)	11153.08	257.39	11495.68	361.89	28191.11	55.50	28811.22	293.77
9	पूर्णतः अर्जक एक्सपोजर्स से अंतर्प्रवाह	Inflows from fully performing exposures	97321.90	91020.91	98815.48	91817.63	217244.76	214177.39	219074.65	215256.70
10	अन्य नकदी अंतर्प्रवाह	Other cash inflows	8072.77	7317.20	8312.22	7540.29	10125.67	10056.17	10743.17	10673.68
11	कुल नकदी अंतर्प्रवाह	TOTAL CASH INFLOWS	116547.75	98595.50	118623.38	99719.81	255561.54	224289.06	258629.04	226224.15
			कुल समायोजित मूल्य Total Adjusted Value		कुल समायोजित मूल्य Total Adjusted Value		कुल समायोजित मूल्य Total Adjusted Value		कुल समायोजित मूल्य Total Adjusted Value	
12	कुल एचक्यूएलए	TOTAL HQLA		105846.12		107222.13		129108.86		134289.92
13	कुल शुद्ध नकदी बाह्य प्रवाह	TOTAL NET CASH OUTFLOWS		81782.33		83390.26		75227.32		82051.87
14	चलनिधि कवरेज अनुपात	LIQUIDITY COVERAGE RATIO (%)		**129.42%**		**128.58%**		**171.62%**		**163.66%**

ए. 8.2.गुणात्मक प्रकटीकरण

01 जनवरी 2015 से बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) संबंधी दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित कर दिया गया है.

एलसीआर मानक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंक भार-रहित एचक्यूएलए के प्रर्याप्त स्तर को बनाए रखे ताकि उसे अत्यधिक तरलता संबंधी तनाव की स्थिति में 30 कैलेंडर दिनों के लिए इसकी चलनिधि संबंधी आवश्यकता की पूर्ति के लिए नकदी परिवर्तित किया जा सके. एलसीआर तथा निगरानी संबंधी उपाय प्रारंभ में दि. 1 जनवरी 2015 से भारतीय बैंकों के लिए समग्रतः बैंक स्तर पर लागू है अर्थात शाखाओं के जरिए विदेशी परिचालन सहित स्टैंड अलोन आधार पर लागू हैं एवं बाद में दि. 1 जनवरी 2016 से समेकित आधार पर अर्थात घरेलू एवं विदेशी अनुषंगियों सहित लागू होंगे.

एलसीआर के दो घटक हैं

i तनावग्रस्त उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियों (एचक्यूएलए) के स्टॉक का मूल्य - द न्यूमरेटर

ii कुल शुद्ध नकदी बाह्य-प्रवाह : ''शुद्ध नकदी बाह्य-प्रवाह को कुल अनुमानित नकदी बाह्य-प्रवाह'' में से ''कुल अनुमानित नकदी अंतर-प्रवाह'' घटाने के बाद प्राप्त राशि के रूप में परिभाषित किया गया है. इसका उपयोग (तनावग्रस्त अवधि के बाद) अगले 30 दिनों के लिए किया जाता है. दि डिनोमिनेटर

एलसीआर = उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियों का स्टॉक/अगले 30 दिनों में कुल शुद्ध नकदी बाह्य प्रभाव = 100%

भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार, एलसीआर चरणबद्ध रूप में लागू किया जाएगा जो 01 जनवरी 2015 से न्यूनतम 60% से आरंभ होकर 01 जनवरी 2019 तक न्यूनतम 100% तक होगा.

A-8.2 Qualitative Disclosure:

From 1st January 2015, the bank has implemented guidelines on Liquidity Coverage Ratio (LCR) of the Reserve Bank of India.

The LCR standard aims to ensure that a bank maintains an adequate level of unencumbered HQLAs that can be converted into cash to meet its liquidity needs for a 30 calendar day time horizon under a significantly severe liquidity stress scenario. The LCR and monitoring tools are applicable for Indian banks initially w.e.f. 1st January 2015 at whole bank level only i.e. on a stand-alone basis including overseas operations through branches and subsequently at consolidated basis w.e.f. 1st January 2016 i.e. including domestic and overseas subsidiaries.

The LCR has two components:

(i) The value of the stock of high-quality liquid assets (HQLA) in stressed conditions –the numerator.

(ii) Total net cash outflows : The term "Total net cash outflows" is defined as "Total expected cash outflows" minus "Total expected cash inflows" in the specified stress scenario for the subsequent 30 calendar days (the stressed period).-the denominator.

LCR = Stock of High Quality Liquid Assets/Total Net Cash Outflows over the next 30 calendar days >=100%

According to RBI, the LCR will be introduced in a phased manner starting with a minimum requirement of 60% from January 1, 2015 and reaching minimum 100% on January 1, 2019.

	जनवरी 01, 2015 January 1 2015	जनवरी 01, 2016 January 1 2016	जनवरी 01, 2017 January 1 2017	जनवरी 01, 2018 January 1 2018	जनवरी 01, 2019 January 1 2019
न्यूनतम एलसीआर Minimum LCR	60%	70%	80%	90%	100%

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिनांक 31 मार्च, 2015 के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने वित्तीय वर्ष मार्च, 2016 के लिए एलसीआर प्रकटीकरण एकल आधार पर किया है. दिनांक 1 जनवरी 2016 से भारतीय बैंकींग उद्योग प्रणाली पर समेकित आधार पर प्रकरटीकरण के लागू मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार जनवरी 2017 से शुरु होने वाले वर्ष के लिए बैंक को एलसीआर प्रकटीकरण दैनिक औसत के आधार पर करना है, इसलिए बैंक ने मार्च 2017 को समाप्त तिमाही के लिए एकल एवं समेकित दोनो आधार पर दैनिक औसत पर एलसीआर की गणना की है.

एचक्यूएलए की संरचना

मार्च 2017 को समाप्त तिमाही के लिए दैनिक औसत के आधार पर अतिरिक्त एसएलआर प्रतिभूतियाँ एचक्यूएलए का अधिकतम हिस्सा अर्थात 49.93% है उसके बाद तरलता कवरेज अनुपात का लाभ उठाने हेतु सुविधा, जो कि एचक्यूएलए का 35.50% है. स्तर-1 की आस्तियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनिवार्य की गई न्यूनतम 80% की एचक्यूएलए के समान 98.69% है. स्तर-2 की आस्तियां जोकि स्तर-1 की आस्तियों की तुलना में गुणवत्ता में निम्न है, वह क्रमशः 40% एवं 15% के अधिकतम अनिवार्य स्तर के सामने कुल एचक्यूएलए का 1.31% है.

As per the RBI guidelines dated 31st March 2015, the Bank has made LCR disclosure on solo basis for the financial year ending March 2016. In terms of extant guideline disclosure on consolidated basis is applicable to the Indian banking system from 1st January 2016 and onwards. As starting from January 2017, banks have to disclose LCR on daily average basis, the bank has computed LCR on daily average basis both for Solo and Consolidated Level for the quarter ended March 2017.

Composition of HQLA

Based on daily averages for the quarter ended March 2017, excess SLR securities constitute the highest portion of HQLA i.e 49.93% followed by Facility to Avail Liquidity for Liquidity Coverage Ratio which constitute 35.50% of HQLA. Level 1 Assets constitute 98.69% of HQLA against minimum 80% mandated by the Reserve Bank of India. Level 2 assets which are lower in quality as compared to level 1 asset as HQLA constitute 1.31% of total HQLA, against the maximum mandated level of 40% and 15% respectively.

उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियां (एचक्यूएलए)	High Quality Liquid Assets (₹HQLAs)	एचक्यूएलए में औसत अंशदान प्रतिशत Average percentage contribution to HQLA
लेवल 1 आस्तियां	Level 1 Assets	
हाथ में नकदी	Cash in hand	1.76%
आधिक्य सीआरआर शेष	Excess CRR balance	1.48%
न्यूनतम एसएलआर आवश्यकता के अलावा सरकारी प्रतिभूतियां	Government Securities in excess of minimum SLR requirement	49.93%
एमएसएफ के द्वारा अनुमत सीमा तक अनिवार्य एसएलआर आवश्यकता के तहत सरकारी प्रतिभूतियां (वर्तमान में एमएसएफ के लिए तथा अनुमत एनडीटीएल की 2 प्रतिशत सीमा तक)	Government securities within the mandatory SLR requirement, to the extent allowed by RBI under MSF (presently to the extent of 2 per cent of NDTL as allowed for MSF)	7.89%
बासेल II मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 0% रिस्क वेटेड वाले विदेशी संप्रभुओं द्वारा जारी की गई अथवा प्रत्याभूत बाजार योग्य प्रतिभूतियां (मेमो क.सं. के अंतर्गत देशवार विवरण)	Marketable securities issued or guaranteed by foreign sovereigns having 0% risk-weight under Basel II Standardized Approach (country-wise details to be provided under memo item no.1)	2.14%
चलनिधि कवरेज अनुपात के लिए तरलता हेतु सुविधा (वर्तमान में एमएफएस के लिए यथा अनुमत एनडीटीएल की 8 प्रतिशत सीमा तक)	Facility to avail Liquidity for Liquidity Coverage Ratio(presently to the extent of 8 per cent of NDTL as allowed for MSF)	35.50%
कुल समायोजित लेवल, आस्तियां	Total Adjusted Level 1 Assets	98.69%
कुल लेवल 2ए आस्तियां	Total Level 2A Assets	0.87%
कुल लेवल 2बी आस्तियां	Total Level 2B Assets	0.44%
एचक्यूएलए के कुल स्टॉक = लेवल 1 + लेवल 2ए+ लेवल 2बी -15% सीमा के समायोजित - 40% सीमा के समायोजित.	Total Stock of HQLAs = Level 1 + Level 2A + Level 2B – Adjustment for 15% cap – Adjustment for 40% cap	100.00%

अंत: अवधि परिवर्तन तथा समयोपरांत परिवर्तन

कुल एचक्यूएलए में अतिरिक्त एसएलआर का स्तर विमुद्रीकरण के प्रभाव के कारण उच्च रहा, जिसके परिणाम स्वरुप जमा राशियों के रुप में भारी मात्रा में चलनिधि एकत्र हो गई और उस एसएलआर प्रतिभुति के रुप में निवेश किया गया और इसलिए एचक्यूएलए का स्तर बढ गया. एलसीआर का स्तर जनवरी 2017 में 195.28% के स्तर पर अधिकतम रहा, फरवरी 2017 में 149.46% पर एवं मार्च 2017 में 150.91% रहा.

निधियन स्त्रोतों का संकेन्द्रण

निधियों के स्त्रोतों का कोई अनुचित संकेन्द्रण नहीं पाया गया और न ही निधियों के स्त्रोतों में जोखिम के संकेन्द्रण के परिप्रेक्ष्य में कोई काउंटर-पार्टियां महत्वपूर्ण रहीं. किसी भी कांऊटर पार्टी का हिस्सा बैंक की कुल देयताओं के 1% से अधिक न था. महत्वपूर्ण काउंटर-पार्टियों को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि-एक एकल काउंटर पार्टी या महत्वपूर्ण काउंटर-पार्टियों का जुड़ा हुआ या संलग्न समूह, जिनका कुल हिस्सा बैंक की कुल देयताओं में 1% से अधिक है.

उसी प्रकार कोई भी लिखत/उत्पाद बैंक की कुल देयताओं के 1% से अधिक का नहीं है. एक महत्वपूर्ण लिखत/उत्पाद को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि- एक सिंगल लिखत/उत्पाद या वैसे ही लिखतों/उत्पादों का समूह, जिनकी सकल राशि बैंक की कुल देयताओं में 1% से अधिक है. निधिगत लिखत/उत्पादों का उदाहरण-हॉलसेल जमाराशियां जमाराशियों के प्रमाणपत्र, दीर्घावधि के आवधिक बॉंड इत्यादि. बैंक के एकल आधारित सर्वोच्च 10 जमाकर्ता का हमारी कुल जमाराशियों का 4.19% हैं.

Intra-period changes as well as changes over time:

The composition of excess SLR in total HQLA stands high due to demonetization impact, which resulted into accumulation of huge liquidity in form of deposit and was invested in excess SLR securities thereby increasing level of HQLA. The LCR was maximum at 195.28% as on January 2017, 149.46% in February 2017 and 150.91% in March 2017.

Concentration of funding sources

There has been no undue concentration of funding sources and no counterparty is significant in terms of concentration risk in sources of funds. No counterparty contributes more than 1% of the bank's total liabilities. A significant counterparty is defined as a single counterparty or group of connected or affiliated counterparties accounting in aggregate for more than 1% of the bank's total liabilities.

Similarly no instrument/product constitutes more than 1% of the bank's total liabilities. A "significant instrument/product" is defined as a single instrument/product of group of similar instruments/products which in aggregate amount to more than 1% of the bank's total liabilities. Example of funding instruments/products - wholesale deposits, certificates of deposits, long term bonds, etc. Top 10 depositors of the bank on solo basis constitute 4.19 % of our total deposits.

डेरीवेटीव एक्सपोज़र एवं संभाव्य संपार्श्विक कॉल्स:

बैंक का डेरीवेटीव एक्सपोज़र निम्नानुसार है:

Derivative exposures and potential collateral calls:

The bank's derivative exposure is as under:

क्रम सं S.No.	विवरण	Description	(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)
1	डेरीवेटीव एक्सपोज़र की काल्पनिक राशि	Notional amount of Derivative exposure	153229.09
2	चालू एक्सपोज़र पद्धति के अनुसार एक्सपोज़र	Exposure as per Current Exposure method	8274.87
3	अगले 30 दिनों के लिए डेरीवेटीव एक्सपोज़र	Expected outflow for Derivative exposure for next 30 days	691.23

एलसीआर में मुद्रा-मिसमैच:

सभी महत्वपूर्ण मुद्राओं के लिए हम मुद्रा वार एलसीआर की गणना करते हैं. महत्वपूर्ण मुद्रा वह है जहां उस मुद्रा में सकल देयताओं की मूल्य-राशि बैंक की कुल देयताओं का 5% या अधिक हो, जैसे कि यूएस डोलर, यूरो, जीबीपी एवं अन्य.

इस विदेशी मुद्राओं के लिए एलसीआर निम्नानुसार है

Currency mismatch in the LCR:

Bank calculates currency wise LCR for all significant currencies. A significant currency is one where aggregate liabilities denominated in that currency amount to 5 per cent or more of the bank's total liabilities viz USD, EURO, GBP and others.

The LCR for the significant foreign currencies is as under:

क्रम सं /S.No.	मुद्रा / Currency	एलसीआर का स्तर / LCR level
1	यूएसडी / USD	108.65%
2	जीबीपी / GBP	1.81%
3.	ईयूआर / EUR	2.22%

चलनिधि प्रबंधन की केंद्रीयकरण की डिग्री का विवरण तथा समूह की इकाइयों के बीच पारस्परिक प्रभाव.

उद्यमवार अधार पर बैंक के लिए चलनिधि प्रबंधक की जिम्मेवारी निदेशक कंडल की है. निदेशक मंडल अपनी यह जिम्मेवारी निदेशक मंडल की समिति को जिसे 'जोखिम प्रबंधन पर निदेशक मंडल की' कहा जाता है, सौंप देता है. यह समिति विभिन्न प्रकार के जोखिमों तथा चलनिधि पर इसके प्रभाव के बीच सहबद्धता परिवेक्षण के लिए उत्तरदाई है.

हमारे बैंक में ए.एल.एफ. पॉलिसी ग्रूप है जो समूह के भीतर चल निधि एवं ब्याज दर जोखिम को संचालित करने के लिए बृहद दिशा निर्देश देता है. विदेशों में परिचालित बैंक की इकाइयां अपनी परिचालन चल निधि या अल्पावधि चल निधि लगातार आधार पर या स्वयं ही प्रबन्ध कर लेती है. बैंक की चलनिधि एवं / विदेशी व्यापार के ब्याज जोखिम प्रबंधन की मॉनिटरिंग बैंक के जोखिम प्रबन्धन विभाग द्वारा की जाती है.

ए.एल.एम. समूह की पॉलिसी के संबंध में दिशा निर्देश, जब तक कि विशेष रूप से छूट प्राप्त न हो, विदेशी परिचालनों में भी लागू किए जाते है. बैंक की सभी वैधानिक संस्थाए अर्थात अनुषंगिया, संयुक्त उद्यम तथा सहयोगी लगातार अपने निजी प्रयासों से अपने व्यवसाय मॉडल तथा चल निधि आवश्यकता के अनुसार अपना प्रबन्ध करती है. वे अपनी निजी ए.एल.एम पॉलिसी रखते है. चूंकि वैधानिक संस्थाए बैंकिंग व्यवसाय करती है. वे उस देश के दिशा-निर्देशों साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों-इनमें से जो ज्यादा कड़े है, उनके अनुसार कार्य करती है.

Description of the degree of centralization of liquidity management and interaction between the group's units:

The liquidity management for the Bank on enterprise wide basis is the responsibility of the Board of Directors. Board of Directors has delegated its responsibilities to a Committee of the Board called as the "Risk Management Committee of Board". The Committee is responsible for overseeing the inter linkages between different types of risk and its impact on liquidity.

Bank has Group ALM Policy which provides the broad guidelines under which all the entities within the Group operate in terms of liquidity and interest rate risk. The bank's entities operating in foreign countries manage their operational liquidity or liquidity in the short-term on their own on an ongoing basis. The monitoring of liquidity and interest risk management of the overseas operations of the bank is being done by the Risk Management Department of the bank.

The guidelines of the Group ALM policy, unless otherwise specifically exempted, apply to overseas operations as well. All the legal entities of the bank i.e.-subsidiaries, joint ventures and associates manage their operational liquidity on an ongoing basis at their own according to their business models and liquidity requirement. As to the legal entities carrying out banking business, they have their own ALM Policy in line with the host country guidelines as well as RBI guidelines whichever is more stringent

बी. इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी एकाउंटिंग स्टैंडर्ड (एएस) के संबंध में प्रकटीकरण

बी 1 लेखामानक -5 अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि अवधि मदों के पूर्व तथा लेखा पॉलिसीयों में परिवर्तन.

बी-1.1 बैंक आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक (एएस) -15 के अनुसरण में अपने कर्मचारियों को लाभ प्रदान करती है. इसकी गणना बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर की जाती है.

बी-2. एएस-15 कर्मचारी लाभ

बी-2.1 बैंक ने 07.12.2006 से प्रभावी आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक (ए.एस.-15) को अपनाया है. यह मानक दिनांक 17.12.2007 को संशोधित एवं अधिसूचित किया गया.

बी-2.2 **ग्रेच्युटी**

बैंक अपने ऐसे कर्मचारियों को, जो कि बैंक सेवा से सेवानिवृत्त अथवा सेवात्याग करते हैं, ग्रेच्युटी का भुगतान करता है. बैंक प्रत्येक वर्ष भुगतान की जाने वाली इस ग्रेच्युटी की फंडिग के लिए एक आंतरिक न्यास को अंशदान राशि प्रदान करता है. ग्रेच्युटी निधि के नियमों के अनुरूप ब्याज दर, वेतन वृद्धि, मृत्यु दर और सेवा छोड़ने वाले स्टाफ का अनुमान लगाते हुए, परिलक्षित इकाई ऋण बीमांकिक पद्धति के आधार पर ग्रेच्युटी देयता के बीमांकिक मूल्य की गणना की जाती है. निधियों का निवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित निवेश पद्धति के अनुसार किया जाता है .

भुगतान की जाने वाली ग्रेच्युटी की गणना 3 विभिन्न योजनाओं के तरीके से की जाती है तथा इसके लिए कर्मचारियों के लिए पात्रता निर्धारण योजना जो कर्मचारियों के लिए अधिक लाभकारी हो, उसके आधार पर की जाती है.

बी-2.3 **पेंशन**

बी-2.3.1 बैंक ऑफ़ बड़ौदा अपने कर्मचारियों, जिन्होंने पेंशन का विकल्प चुना है और ऐसे कर्मचारियों को, जिन्होंने 29.09.1995 को या उसके बाद परंतु 01.04.2010 के पूर्व बैंक सेवा में कार्यभार संभाला है, उन्हें विनिर्दिष्ट लाभ तथा सेवा निवृत्ति योजना के अंतर्गत पेंशन का भुगतान करता है. यह योजना कर्मचारियों को मासिक आधार पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 1995 के अधीन उनके बैंक छोड़ने के पश्चात् पेंशन प्रदान करने की सुविधा प्रदान करती है. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 1995 अंतर्गत शामिल कर्मचारी, भविष्य निधि में बैंक के अंशदान के लिए पात्र नहीं है.

बी-2.3.2 नई पेंशन योजना

पेंशन का दुबारा विकल्प देने के बारे में भारतीय बैंक संयुक्त और कर्मचारी संगठनों के बीच हुए द्विपक्षीय समझौते और संयुक्त नोट दिनांक 27.04.2010 के अनुसार दिनांक 01.04.2010 को या इसके पश्चात बैंक की सेवा में प्रवेश करने वाले कर्मचारी परिभाषित अंशदायी पेंशन योजना के लिए पात्र हैं. जो कि बैंक ने संयुक्त नोट/समझौते दिनांक 27.04.2010 के अनुसार शुरू की है. यह योजना दिनांक 01.01.2004 से केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए शुरू की गई तथा समय-समय पर यथासंशोधित नई पेशन योजना के प्रावधानों से ही नियंत्रित होती है. अतः वे बैंक की भविष्य निधि योजना तथा पेंशन

B. Disclosure in terms of Accounting Standards (AS) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

B-1 AS-5 Net Profit or Loss for the period, Prior Period Items and Changes in Accounting Policies

B-1.1 Bank is providing for employee benefits in accordance with the accounting standard (AS) -15 issued by ICAI. The same is calculated by actuarial valuation.

B-2 AS-15 Employee Benefits

B-2.1 The Bank has adopted the Accounting Standard (AS-15) issued by ICAI, effective from 07.12.2006. The standard has been revised and notified on 17.12.2007.

B-2.2 Gratuity

The Bank pays gratuity to employees who retire or resign from Bank's service, after initial service period of five years. Accordingly, the Bank makes contributions to an in-house trust, towards funding this gratuity, payable every year. In accordance with the rule of Gratuity Fund, actuarial valuation of gratuity liability is calculated based on certain assumptions regarding rate of interest, salary growth, mortality and staff attrition as per the Projected Unit credit actuarial method. The investment of the funds is made according to investment pattern prescribed by the Government of India.

The gratuity payable is worked out by way of three different schemes and the entitlement is based on what is most beneficial to employees.

B-2.3 Pension

B-2.3.1 Bank pays pension, a defined benefit plan covering the employees who have opted for pension and also to the employees joining the bank's service on or after 29.9.1995 but before 01.04.2010. The plan provides for a pension on a monthly basis to these employees on their cessation from service of the Bank in terms of Bank of Baroda (Employees') Pension Regulations, 1995. Employees covered under Bank of Baroda (Employees') Pension Regulations, 1995 are not eligible for Bank's contribution to Provident fund.

B-2.3.2 New Pension Scheme

In terms of Bipartite Settlement and Joint Note dated 27.04.2010 between IBA and Employees Organizations' on extending another option for pension, employees joining the services of the Bank on or after 01.04.2010 are eligible for the Defined Contributory Pension Scheme, which was introduced by the Bank in terms of the Joint Note / Settlement dated 27.04.2010, similar to the one governed by the provisions of New Pension Scheme introduced for the employees of Central Government w.e.f. 01.01.2004 and as modified from time to time. Hence they are not eligible for becoming members of Bank's Provident Fund Scheme and Pension Scheme. In respect of the employees of the Bank, who have

योजना का सदस्य बनने के लिए पात्र नहीं हैं. दिनांक 01.04.2010 को अथवा इसके पश्चात् बैंक सेवाओं में प्रवेश करने वाले बैंक के कर्मचारियों के संबंध में कुल परिलब्धियों से मूल वेतन तथा महंगाई भत्ते की 10% की दर से नई पेंशन योजना के लिए कटौती और इसके समतुल्य ही बैंक द्वारा अंशदान किया जा रहा है.

बी-2.3 भविष्य निधि

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए अपने कर्मचारियों, जो 31.03.2010 को अथवा उससे पूर्व सेवा में आए हैं, के सेवा निवृत्ति लाभों के एक भाग के रूप में भविष्य निधि की देखरेख सांविधिक आवश्यकता है. इस निधि का प्रबंधन आंतरिक न्यासियों द्वारा किया जाता है. प्रत्येक कर्मचारी द्वारा उसके मूल वेतन एवं पात्र भत्तों का 10% अंशदान किया जाता है और बैंक ऑफ़ बड़ौदा उस राशि के बराबर राशि इस निधि में अंशदान करता है. इस निधि का निवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित निवेश पद्धति के अनुसार किया जाता है.

बी-2.4 छुट्टी नकदीकरण

कर्मचारी अधिवर्षिता/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति/मृत्यु के मामले में उसके खाते में जमा अर्जित अवकाश का अधिकतम 240 दिनों के अधीन नकदीकरण के पात्र है.

तथापि, त्यागपत्र के मामले में कर्मचारी उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टियों के 50% तक का अधिकतम 120 दिनों के अधीन नकदीकरण के पात्र है.

बी-2.5 अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ

अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ योजना में यह प्रावधान है कि एक अधिकारी सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति/मृत्यु के मामले में अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ पाने का पात्र होगा, बशर्ते अधिकारी बॉब अधिकारी सेवा विनियमों में दर्शाई गई शर्तों को पूरा करता है.

उसी प्रकार अवार्ड स्टाफ सदस्य सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति/मृत्यु के मामले में अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ पाने का पात्र होगा, बशर्ते उसने बैंक में 30 वर्षों की सेवाएँ पूरी की हो.

तथापि, बर्खास्तगी, सेवामुक्ति, सेवा-समाप्ति, अनिवार्य सेवानिवृत्ति एवं त्यागपत्र के मामले में, अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ देय नहीं होंगे, चाहे सेवा के कितने ही वर्ष पूरे किए हों।

joined the services of the Bank on or after 01.04.2010, deduction towards New Pension Scheme at the rate of 10% of the basic pay and dearness allowance from the salary with a matching contribution by the Bank is being made.

B-2.3 Provident Fund

The Bank is statutorily required to maintain a provident fund as a part of its retirement benefits to its employees who joined Bank's service on or before 31.03.2010. This fund is administered by a trust managed by the Bank. Each employee contributes 10% of their basic salary and eligible allowances and the Bank contributes an equal amount to the fund. The investment of the fund is made according to investment pattern prescribed by the Government of India.

B-2.4 Leave Encashment

An employee is entitled to encash privilege leave standing to his/her credit subject to a maximum of 240 days on the date of superannuation/Voluntary Retirement/death.

However, on resignation, an employee is entitled to get encashment to the tune of 50% of the privilege leave standing to the credit subject to a maximum of 120 days.

B-2.5 Additional Retirement Benefit

The scheme for additional retirement benefit provides that an officer on Retirement/ Voluntary retirement/ Death shall be eligible for additional retirement benefit, provided the officers satisfy the conditions mentioned in BOB officer's service regulations.

In the same manner, award staff member on Retirement/ Voluntary Retirement/ Death shall be eligible for additional retirement benefit, provided the staff member had completed thirty-years of service in Bank.

However, in case of dismissal, discharge, termination, compulsory retirement and resignation, additional retirement benefit shall not be payable irrespective of any number of years of service.

बी-2.6 प्रकटीकरण

मूल बीमांकक अनुमान (भारित औसत के रू प में व्यक्त)

B-2.6 Disclosures

Principal Actuarial Assumptions [Expressed as Weighted Average]

		योजना का स्वरूप /TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	ग्रेच्युटी Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
डिस्काउंट दर	Discount rate	7.50%	7.50%	7.50%	7.50%
वेतन वृद्धि दर	Salary Escalation Rate	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
ह्रास दर	Attrition Rate	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
योजनागत आस्तियों पर संभावित रिटर्न रेट	Expected Rate of Return on plan Assets	8.00%	N/A	8.00%	N/A

मृत्युदर : आईएएलएम (2006-2008)

नोट: भारतीय रिजर्व बैंक के पत्र दि. 24 मार्च 2014 के अनुसार बैंक में अधिवर्षिता योजनाओं के लिये प्रावधान किया है. प्रबंधन का विचार है कि उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के पत्र के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पर्याप्त प्रावधान किया है.

Mortality Rate : IALM (2006-2008)

Note: The bank has provided for superannuation schemes as per the RBI letter dated March 24, 2014. The management is of the view that they have made adequate provision as per the RBI letter based on the actuarial valuation.

देयताओं के आरंभिक और अंतिम शेष का मिलान

Reconciliation of opening and closing balance of liability

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप /TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	ग्रेच्युटी Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
1/4/2016 को पीवीओ	PVO as at 01.04.2016	11947.17	881.23	1346.55	375.96
जोड़ें: ब्याज की लागत	Add- Interest Cost	862.74	64.07	91.20	25.68
जोड़ें: चालू सेवा लागत	Add- Current Service Cost	1239.76	44.45	105.25	11.81
घटायें: प्रदत्त लाभ	Less- Benefits Paid	888.00	53.92	261.00	67.15
जोड़ें: दायित्वों पर बीमांकिक हानि/लाभ (-)	Add- Actuarial loss/gain(-) on obligation	-350.67	-28.86	67.82	0.52
31.03.2017 को पीवीओ	PVO as at 31.03.2017	12811.00	906.96	1349.82	346.81

योजनागत आस्तियों के समूचित मूल्य के प्रारंभिक एवं अंतिम शेष का मिलान

Reconciliation of opening & closing balance of fair value of plan assets

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप /TYPE OF PLAN	
		पेंशन Pension	ग्रेच्युटी Gratuity
01.04.2016 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	Fair Value of plan assets as on 01-04-2016	9031.10	1325.99
जोड़ें: योजनागत आस्तियों पर संभावित रिटर्न	Add- Expected Return on Plan Assets	722.49	106.08
जोड़ें: अंशदान	Add- Contributions	3423.30	20.56
घटायें: प्रदत्त लाभ	Less- Benefits Paid	888.00	261.00
जोड़ें: बीमांकिक लाभ / (-) हानि	Add- Actuarial gain/(-)loss	348.78	48.14
31.03.2017 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	Fair Value of Plan Assets as on 31.03.2017	12637.67	1239.77

तुलन-पत्र में हिसाब में ली गई राशि

Amount recognized in the Balance Sheet

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप /TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	ग्रेच्युटी Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
ए) 31.03.2017 को दायित्व का पीवी	a) PV of obligation as on 31.03.2017	12811.00	906.96	1349.83	346.81
बी) योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	b) Fair value of plan assets	12637.67	--	1239.77	--
सी) अन्तर	c) Difference	173.33	906.96	110.06	346.81
डी) अनिर्धारित संक्रमणशील देयता	d) Unrecognised transitional liability	--	--	--	--
ई) तुलनपत्र में मान्य देयता	e) Liability Recognised in the BS	173.33	906.96*	110.06	346.81

(*पूर्ण राशि हेतु बही में प्रावधान)

(* Provision made in books for full amount)

लाभ-हानि खाते में हिसाब में ली गई राशि

Amount recognized in the P & L Account

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप /TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	ग्रेच्युटी Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
चालू सेवा लागत	a) Current Service Cost	1239.76	44.45	105.25	11.81
ब्याज लागत	b) Interest Cost	862.74	64.07	91.20	25.68
योजनागत आस्ति पर संभावित रिटर्न	c) Expected Return on Plan Assets	722.49	0.00	106.08	0.00
शुध्द बीमांकिक हानि/लाभ	d) Net Actuarial Loss/gain(-)	-699.46	-28.86	19.69	0.52
वर्ष के दौरान संक्रमणशील देयता	e) Transitional liability recognized in the year	0.00	0.00	0.00	0.00
लाभ हानि खाते में निर्धारित खर्च	**Expenses Recognized in P&L**	**680.55**	**79.66**	**110.06**	**38.00**

अगली अवधि (2017-18) के लिए अपेक्षित अंशदान

Expected contribution for next period (2017-18)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		पेंशन Pension	ग्रेच्यूटी Gratuity
संभावित अंशदान	Expected contribution	725	175

निवेश पैटर्न

Investment Pattern

(in %)

विवरण		पेंशन Pension	ग्रेच्यूटी Gratuity
केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियां	Central Govt. Securities	10.74	21.04
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	State Government Securities	22.31	24.20
कार्पोरेट (पीएसयू)	Corporate (PSU)	8.46	15.22
कार्पोरेट (निजी)	Corporate (Private)	3.08	0.44
अन्य	Others	55.41	39.10
कुल	Total	100.00	100.00

बी-3. (ए.एस.-17) सेगमेंट रिपोर्टिंग : भाग - ए : कारोबार खंड

B-3 AS-17 Segment Reporting Part A – Business Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

कारोबार खंड	Business segment	ट्रेजरी Treasury		कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate/ Wholesale Banking		रिटेल बैंकिंग Retail Banking		अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations		कुल Total	
विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
राजस्व	Revenue	17571.51	15534.36	18824.97	21867.42	11967.05	10918.08	594.46	740.26	48957.99	49060.13
परिणाम	Result	4771.84	2553.75	(2879.70)	-5943.86	2444.63	-1479.54	438.50	569.38	4775.27	-4300.28
अनाबंटित खर्च	Unallocated Expense									2302.57	2397.78
परिचालनगत लाभ	Operating Profit									2472.70	-6698.07
आयकर	Income taxes									1089.56	-1302.53
विशिष्ट लाभ/हानि	Extra-Ordinary Profit/ Loss									--	--
शुद्ध लाभ	Net Profit									1383.14	-5395.53
अन्य सूचना	Other Information									--	--
सेगमेंट आस्तियां	Segment Assets	283240.71	264123.07	291020.91	293537.37	1097544.47	100901.13	0.00	0.00	684016.09	658561.57
अनाबंटित आस्तियां	Unallocated Assets									10859.33	12814.90
कुल आस्तियां	Total Assets									694875.42	671376.47
सेगमेंट देयताएं	Segment Liabilities	266812.55	248308.57	274141.50	275961.67	103388.63	94859.63	0.00	0.00	644342.68	619129.88
अनाबंटित देयताएं	Unallocated Liabilities									10229.49	12047.60
कुल देयताएं	Total Liabilities									654572.17	631177.49
नियोजित पूंजी	Capital employed	16428.16	15814.49	16879.41	17575.69	6365.83	6041.50	0.00	0.00	39673.40	39431.68
अनाबंटित	Unallocated									629.85	767.30
कुल पूंजी	Total Capital									40303.25	40198.99

भाग - बी : भौगोलिक खंड :

Part B – Geographic Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

सेगमेंट	Segments	घरेलू Domestic		अंतर्राष्ट्रीय International		कुल Total	
विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
राजस्व	Revenue	43787.54	43974.54	5170.45	5085.60	48957.99	49060.14
आस्तियां	Assets	492400.63	443881.12	202474.79	227495.36	694875.42	671376.48

बी-4. संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस-18)

संबंधित पार्टियों के नाम एवं बैंक के साथ उनके संबंध

ए) अनुषंगियां

i) बॉब कैपिटल मार्केट लिमिटेड
ii) बॉब कार्ड्स लिमिटेड
iii) नैनीताल बैंक लिमिटेड
iv) बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेस लिमिटेड
v) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केनिया) लिमिटेड
vi) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लिमिटेड
vii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गयाना) आईएनसी.
viii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूके) लिमिटेड
ix) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लिमिटेड
x) बड़ौदा कैपिटल मार्केट्स (यूगांडा) लिमिटेड (बैंक ऑफ बड़ौदा यूगांडा लिमिटेड की अनुषंगी)
xi) बॉब त्रिनिदाद व टोबेगो लि.
xii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि.
xiii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लि.
xiv) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि.

(बी) सहयोगी इकाइयां

i) बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक
ii) बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
iii) बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक
iv) बड़ौदा पायोनियर एसेट मेनेजमेंट कं. लि.
v) इंडो जांबिया बैंक लिमिटेड
vi) बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कं. प्रा. लि.

(सी) संयुक्त उद्यम

i) इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्यूरेंस कं. लि.
ii) इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी.
iii) इंडिया इंफ्राडेब्ट लि.

B-4 Related Party Disclosures (AS-18)

Names of the Related Parties and their relationship with the Bank:

(a) Subsidiaries

(i) BOB Capital Markets Limited
(ii) BOB Cards Limited
(iii) The Nainital Bank Limited
(iv) Baroda Global Shared Services Ltd
(v) Bank of Baroda (Kenya) Limited
(vi) Bank of Baroda (Uganda) Limited
(vii) Bank of Baroda (Guyana) Inc.
(viii) Bank of Baroda (UK) Limited
(ix) Bank of Baroda (Tanzania) Limited
(x) Baroda Capital Markets (Uganda) Limited. (Subsidiary of Bank of Baroda Uganda Ltd.)
(xi) BOB Trinidad & Tobago Ltd.
(xii) Bank of Baroda (Ghana) Ltd.
(xiii) Bank of Baroda (New Zealand) Ltd.
(xiv) Bank of Baroda (Botswana) Limited

(b) Associates

(i) Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank
(ii) Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank
(iii) Baroda Gujarat Gramin Bank
(iv) Baroda Pioneer Asset Management Company Limited
(v) Indo Zambia Bank Limited
(vi) Baroda Pioneer Trustee Company Private Limited

(c) Joint Ventures

(i) India First Life Insurance Company Limited
(ii) India International Bank (Malaysia) Bhd.
(iii) India Infradebt Limited

(डी) महत्वपूर्ण प्रबंधन कार्मिक

(d) Key Management Personnel

S. NO	नाम NAME	पदनाम DESIGNATION	पारिश्रमिक REMUNERATION	
			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1	श्री पी. एस. जयकुमार Shri P. S. Jayakumar	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी MD & CEO	30,78,225/-	11,11,975/-
2	श्री मयंक मेहता Shri Mayank Mehta	कार्यपालक निदेशक Executive Director	26,20,322/-	3,35,420/-
3.	श्री अशोक कुमार गर्ग Shri Ashok Kumar Garg	कार्यपालक निदेशक (16.08.2016 से) Executive Director (w.e.f 16.08.2016)	16,01,143/-	0.00
4.	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता Smt. Papia Sengupta	कार्यपालक निदेशक (01.01.2017 से) Executive Director (w.e.f 01.01.2017)	6,04,537/-	0.00
5.	श्री भुवनचंद्र बी. जोशी Shri Bhuwanchandra B. Joshi	कार्यपालक निदेशक (31.12.2016 से) Executive Director (up to 31-12-2016)	21,65,205/-	20,70,397/-
6	श्री के. वेंकट रामा मूर्ती Shri K Venkata Rama Moorthy	कार्यपालक निदेशक (28.08.2015 से) Executive Director (up to 28-08-2015)	0.00	7,68,620/-
7	श्री रंजन धवन Shri Ranjan Dhawan	कार्यपालक निदेशक (30.09.2015 से) Executive Director (up to 30-09-2015)	0.00	17,41,686/-

आईसीएआई द्वारा जारी संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस) - 18 के पैरा 9 के मद्देनजर अनुषंगियों एवं सहायक (एएस) बैंकों से संबंधित लेन-देनों का प्रकटीकरण नहीं किया गया है, जैसा कि आईसीएआई द्वारा जारी संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस) - 18 के पैरा 9 में उल्लेख है, जिसमें अन्य सरकार नियंत्रित उद्यमों से संबंधित लेन-देनों से संबंधित प्रकटीकरण से छूट प्रदान की गयी है. अन्य उद्यमों हेतु, सभी संव्यवहार यथा मियादी जमा, उसपर ब्याज आदि सामान्य व्यवसाय के दौरान किए गए है, अतः प्रकटीकरण नहीं किया गया है.

Keeping in line with para 9 of the (AS) -18 Related Party Disclosures issued by ICAI of The transactions with the Subsidiaries and Associate Banks have not been disclosed in view of para 9 of the (AS) -18 Related Party Disclosures issued by ICAI, which exempts state controlled enterprises from making any disclosure pertaining to transactions with other related state controlled enterprises. For other enterprises, no disclosure has been made as all the transactions are done in the ordinary course of business such as Fixed Deposits, interest thereon etc

बी-5. एएस-20 प्रति शेयर आय

B-5 AS-20 Earning per Share

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
कर के बाद शुद्ध लाभ (₹ करोड़ में)	Net profit after tax (₹ in Crores)	1383.14	-5395.55
शेयरों की संख्या (वेटेड)	Number of Shares (weighted)	2304159598	2258462435
प्रति शेयर बुनियादी व डायल्यूटेड अर्जन	Basic & diluted earnings per share	6.00	-23.89
प्रति शेयर अंकित कीमत	Nominal value per share	₹ 2.00	₹ 2.00

बी-6. (एएस-22) आय पर करों का लेखांकन

बैंक ने आईसीएआई द्वारा जारी आय पर करों का लेखांकन पर एएस 22 की आवश्यकताओं को पूरा किया है तथा तद्नुसार आस्तियों एवं देयताओं का पुर्नमूल्यांकन @ 34.608% अर्थात वित्त बिल 2016 में किए गए प्रावधानों के अनुरुप किया है. 31 मार्च 2017 को आस्थगित कर देयता का शुद्ध शेष ₹ 4320.75 करोड़ है जिसमें निम्नलिखित का समावेश है

B-6 AS-22 Accounting for Taxes on Income

The Bank has complied with the requirements of AS 22 on Accounting for Taxes on Income issued by ICAI and has accordingly revalued assets and liabilities @ 34.608% i.e. the rate as per enacted Finance Bill 2016. The net balance of deferred tax Asset as on 31st March 2017 amounting to ₹ 4320.75 Crores consists of the following

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	31.03.2017		31.03.2016	
ए. देशीय	**A. DOMESTIC**	आस्ति Asset	देयता Liability	आस्ति Asset	देयता Liability
अचल आस्तियों पर आयकर अधिनियम के तहत बही मूल्यह्रास तथा मूल्यह्रास में अंतर	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act on fixed assets	--	103.64	--	75.90
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अन्तर्गत कटौती	Deduction under section 36 (1) (viii) of the Income-Tax Act, 1961	--	1770.86	--	1528.01
परिपक्वता के लिए धारित (एचटीएम) प्रतिभूतियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on HTM Securities	--	96.14	--	96.14
विदेशी मुद्रा विनिमय प्रारक्षित (वसूल न की गई)	Foreign Currency Translation Reserve(Unrealized)	--	121.93	--	--
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40(ए)(आईए) के अन्तर्गत गैर अनुमत राशि	Amount disallowed U/S 40 (a) (ia) of the IT Act	1.87	--	1.93	--
अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	Provision for leave encashment	313.88	--	270.63	--
संदिग्ध ऋणों तथा अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances	5093.81	--	3583.61	--
निवेश की खरीद पर परिशोधन बट्टा	Unamortized Discount on Purchase of Investment	0.00	--	39.49	--
विदेशी मुद्रा विनिमय प्रारक्षित (वसूल की गई)	Foreign Currency Translation Reserve (realized)	66.92	--	194.80	--
कुल	Total:	5476.48	2092.57	4090.46	1700.05
शुद्ध आस्थगित कर आस्तियां/ (देयताएं) (ए)	Net Deferred Tax Assets /(Liability) (A)		3383.91		2390.41
बी. वैश्विक	**B. GLOBAL**				
स्थायी आस्तियों पर बही मूल्यह्रास एवं आयकर अधिनियम के तहत मूल्यह्रास के बीच का अंतर.	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act on fixed assets	--	103.64	--	75.90
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत कटौती.	Deduction under section 36 (1) (viii) of the Income-Tax Act, 1961	--	1770.86	--	1528.01
एचटीएम प्रतिभूतियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on HTM Securities	--	96.14	--	96.14
विदेशी मुद्रा विनिमय प्रारक्षित (वसूल न की गई)	Foreign Currency Translation Reserve (Unrealized)	--	121.93		
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40(ए)(आईए) के अन्तर्गत गैर अनुमत राशि	Amount disallowed U/S 40 (a) (ia) of the IT Act	1.87	--	1.93	--
छुट्टी नकदीकरण हेतु प्रावधान.	Provision for leave encashment	313.88	--	270.63	--
संदिग्ध ऋणों एवं आग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances	6030.65	--	4477.91*	--
निवेश की खरीद पर परिशोधन बट्टा	Unamortized Discount on Purchase of Investment	0.00	--	39.49	--
विदेशी मुद्रा विनिमय प्रारक्षित	Foreign Currency Translation Reserve	66.92	--	194.80	--
कुल:	Total:	6413.32	2092.57	4948.76	1700.05
शुद्ध आस्थगित कर आस्तियां/ (देयताएं) (ए)	Net Deferred Tax Assets /(Liability) (A)		4320.75		3248.71

* पूर्व प्रारक्षित निधियों में से ₹ 540.73 करोड़ तथा शेष राशि लाभ में से.

बी-7. एएस-24 परिचालन बंद करना

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान बैंक ने अपनी किसी भी शाखा को बंद करने संबंधी कार्यवाही नहीं की है, जिससे कि देयताओं को कम करके आस्तियों की वसूली की जा सके और संपूर्ण बैंक स्तर पर अपने परिचालन में किसी कार्यवाही की समाप्ति, जिससे उपरोक्त प्रभाव पड़े, संबंधी निर्णय नहीं लिया गया है.

* ₹ 540.73 crores out of past reserves and balance out of profit.

B-7 AS-24 Discontinuing operations

During the financial year 2016-17 the Bank has not discontinued the operations of any of its branches, which resulted in shedding of liability and realization of the assets and no decision has been finalized to discontinue an operation in its entirety, which will have the above effect.

बी-8. एएस-28 आस्तियों का अनर्जक बनना

लेखा मानक-28 ''आस्तियों का इंपेयरमेंट'' के खंड 5 से खंड 13 - के अंतर्गत कोई महत्वपूर्ण उल्लेख न होने के फलस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष में अचल संपत्ति का कोई भी इंपेयरमेंट जरूरी नहीं है.

बी-9. एएस-29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आकस्मिक आस्तियां

बी-9.1 देयताओं के लिए प्रावधानों का संचलन (अन्य के लिए प्रावधानों को छोड़कर)

B-8 AS-28 Impairment of Assets

In view of the absence of indication of material impairment within the meaning of clause 5 to clause 13 of AS 28 Impairment of Assets, no impairment of fixed assets is required in respect of current financial year.

B-9 AS-29 Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

B-9.1 Movement of provisions for Liabilities (excluding provisions for others)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण विधिक मामले/आकस्मिकताएं	Particulars Legal Cases/Contingencies	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1 अप्रैल 2016 को शेष	Balance as on 1st April 2016	33.65	30.41
वर्ष के दौरान प्रावधान	Provided during the year	6.54	3.24
31 मार्च 2017 को शेष	Balance as on 31st March 2017	40.19	33.65
आउटफ्लो/अनिश्चितताओं का समय	Timing of outflow/ uncertainties	निवारन/क्रिस्टलाइजेशन का आउटफ्लो Outflow on settlement crystallization	

बैंक की पॉलिसी के अनुसार ऐसे ऋणों हेतु जिन्हें दावो के रुप में स्वीकार नहीं किया है, उनके लिए प्रावधान किया गया है.

बी-9.2 आकस्मिक देयताएं

तुलनपत्र के शेडयूल 12 की क्र.सं.(I) से (VI) में उद्दृत ऐसी देयताएं क्रमशः मांगी गई राशि, संविदा देयता शर्तें सम्बद्ध पार्टियों की मांग अदालत के निर्णय, पंच फैसले, अदालत के बाह्य निस्तारण, अपील का निपटारा पर निर्भर करती हैं. ऐसे मामलों में कोई प्रतिपूर्ति अपेक्षित नहीं है.

As per the policy of the Bank, provision for the claims not been acknowledged as debt, has been provided for.

B-9.2 Contingent Liabilities

Such liabilities as mentioned at Serial No (I) to (VI) of Schedule 12 of Balance Sheet are dependent upon the outcome of court judgment / arbitration awards / out of court settlement/disposal of appeals, the amount being called up, terms of contractual obligations, development and raising of demand by concerned parties respectively. No reimbursement is expected in such cases.

सी. लेखों पर अन्य टिप्पणियां

सी-1. बहियों का मिलान एवं समाधान

अंतर कार्यालय समायोजन के अंतर्गत लेखों के विभिन्न शीर्षों में नामे एवं जमा की बकाया प्रविष्टियों के प्रारंभिक मिलान का कार्य समाधान के प्रयोजन हेतु 31.03.2017 तक कर लिया गया है. इसमें उचित समाधान का कार्य प्रगति पर है.

C. Other Notes to Accounts

C-1 Balancing of Books and Reconciliation

Initial matching of debit and credit outstanding entries in various heads of accounts included in Inter office Adjustments has been completed up to 31.03.2017, the reconciliation of which is in progress.

सी-2. पूंजीगत प्रारक्षित निधि

पूंजीगत प्रारक्षित निधि में अचल संपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के फलस्वरूप होने वाली मूल्यवृद्धि तथा लघु / मध्यम उद्योगों के लिए निर्यात विकास परियोजनाओं हेतु विश्व बैंक की योजनाओं के अंतर्गत भारत सरकार की अंशदान राशि शामिल है.

C-2 Capital Reserves

Capital Reserve includes appreciation arising on revaluation of immovable properties and amount subscribed by Government of India under the World Bank's Scheme for Export Development Projects for small / medium scale industries.

सी-3. निवेश

सी-3.1भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार वर्ष के दौरान बैंक ने ''बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस)'' श्रेणी में निवेश के एक भाग को ''परिपक्वता तक धारित (एचटीएम)'' श्रेणी में अंतरित कर दिया है. ₹ 12.38 करोड़ (गत वर्ष ₹ 11.05 करोड़) के परिणामी मूल्यह्रास को लाभ एवं हानि लेखे में प्रभारित कर दिया गया है.

C-3 Investments

C-3.1 In terms of RBI Guidelines, during the year, the bank has transferred a portion of Investment from "Available for Sale (AFS)" category to "Held to Maturity (HTM)" category and from HTM to AFS category. The resultant depreciation of ₹. 12.38 Crores (previous year ₹. 11.05 Crores) has been charged to the Profit & Loss Account.

सी-3.2 एफसीएनआर (बी) आरबीआई के साथ स्वैप

भारतीय रिज़र्व बैंक ने नयी एफसीएन (बी) जमाराशियां जो किसी भी अनुमत मुद्रा में संग्रहित की गयी हो उन्हें तीन वर्षों या उससे अधिक अवधि के लिए यूएस डॉलर-रु पए में रियायती दरों पर बदलने की शुरुआत की है. इस विंडोज के तहत भारतीय रिजर्व बैंक ने किसी भी अनुमत मुद्रा में एकत्र की गई एफसीएनआर (बी) जमा राशियों के लिए बैंकों को स्वैप की प्रस्तावित की है.

बैंक ने संग्रहीत यूएस डॉलर 1710 मिलियन भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ सगामी अवधि के लिए स्वैप किया. चूंकि आरबीआई के साथ स्वैप वर्तमान 3.5% प्रतिशत तत्समय प्रवर्तमान दर 8% पर किया गया. इसके परिणाम स्वरुप प्रथम वर्ष और परिपक्वता तारीख पर लाभ प्रतिकूल हो सकता है. इस निहित प्रतिकूलता से बचाव एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्धारणों के अनुसार हमने स्वैप प्वाइंटस के अमोरटाइजेशन की पद्धति को स्वैप की पूरी अवधि के दौरान करने का निर्णय लिया है.

C-3.2 FCNR (B) Swap with RBI

RBI introduced US Dollar-Rupee concessional swap window for fresh FCNR (B), funds mobilized in any permitted currency for a minimum tenor of three years and above. In this window RBI offered a concessional rate of Swaps to banks only for fresh FCNR (B) deposits mobilized in any of the permitted currencies.

Bank has swapped USD 1,710 Million mobilized with RBI for the corresponding tenor. As the swaps done with RBI were at 3.5% as against the prevailing rate of around 8% there would have been a distortion in profits on the first year as well as on maturity date. To avoid this inherent distortion, and as prescribed by RBI, we have adopted the method of amortization of swap points to even out expenses throughout the tenor of swaps.

राशि करोड़ में Amt in Crores

विवरण / Particulars	चालू वर्ष Current year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रारंभिक शेष / Opening Balance	928.93	538.11
जोड़ें: अवधि के दौरान अर्मोटाईजड / Add: Amortized during the period	245.78	390.82
घटाएं: परिवक्वता पर वापस / Less: Reversed on maturity	-1,073.85	
कुल Total	100.86	928.93

सी-3.3 'परिपक्वता पर धारित' श्रेणी में ₹ 720.99 करोड़ से निवेशों की बिक्री पर लाभ, जिसे प्रारंभ में लाभ एवं हानि खाते में अंतरित किया गया था और उसके बाद ₹ 353.65 करोड़ की कर की राशि को आरक्षित निधि में अंतरित किया गया था, उसे पूंजीगत आरक्षित निधि में समायोजित किया गया.

C-3.3 Profit on sale of investment held under "Held to Maturity" category amounting to ₹ 720.99 crores, which has been transferred to Profit & Loss Account initially and thereafter an amount of ₹ 353.65 crores net of tax and transfer to statutory reserve has been appropriated to Capital Reserve.

सी-4 करों के लिए प्रावधान

C-4 Provision for Taxes

सी-4.1 करों हेतु प्रावधान, अपीलीय प्राधिकारियों के निर्णयों को ध्यान में रखते हुए व अधिवक्ता के परामर्श से किया गया है.

C-4.1 Provision for Taxes has been arrived at after due consideration of decisions of the appellate authorities and advice of counsels.

सी-4.2.सीबीडीटी द्वारा अधिसूचित आयकर गणना एवं प्रकटीकरण मानदंडों (आईसीडीएस), जो दि. 01.04.2016 से प्रभावी हैं और सीबीडीटी द्वारा एफएक्यूज के माध्यम से जारी अस्पष्टीकरण के अधीन, गैर-अभिन्न परिचालनों की मौद्रिक मदों की विनिमय-अंतर से संबद्ध दि. 01.04.2016 की एफसीटीआर शेष राशि को पूर्व के वर्ष की आय-गणना में उस सीमा एवाय 2017-18 में निर्धारित किया जाना अपेक्षित है, जिस पूर्व में गणना में न लिया गया हो. दि. 01.04.2016 को एफसीटीआर की शेष राशि विधिक राय के अनुसार ₹ 2238.55 करोड़ है, जिस बैंक की कराधेय आय की गणना के लिए एफसीटीआर की प्रारंभिक शेष के रुप में ध्यान में नहीं लिया है एव परिणाम स्वरुप कर की ₹ 774.71 करोड़ की राशि का प्रावधान नहीं किया गया. साथ ही, आस्तिगत कर निर्धारण उस सीमा तक निर्धारित नहीं किया गया, इसलिए इस वर्ष के लाभ पर इसका कोई प्रभाव नही होगा.

C-4.2 In terms of Income Computation and Disclosure Standards (ICDS) notified by CBDT which are effective from 01.04.2016 and the clarification issued by CBDT through FAQs, the FCTR balance as on 01.04.2016 pertaining to Exchange difference on monetary items of non-integral operations is required to be recognised in the income computation of the previous year relevant to AY 2017-18 to the extent not recognised earlier. The balance in FCTR as on 01.04.2016 amounts to ₹ 2238.55 Crs. Based on legal opinion, bank has not considered the opening balance of FCTR for computing taxable income and consequently tax amounting to ₹ 774.71 Crs has not been provided for. Further this will not impact the profit for the year since deferred tax assets has not been recognised to that extent.

सी-4.3 ''अन्य आस्तियां'' शीर्षक के अंतर्गत दर्शायी अग्रिम कर अदायगी / स्रोत पर कर की कटौती राशि ₹ 2857.69 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 5360.77 करोड़) है, जिसमें विवादास्पद कर मांगों के संबंध में बैंक द्वारा भुगतान की गई / विभाग द्वारा समायोजित राशि ₹ 2405.95 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 3616.78 करोड़) शामिल है. आयकर की विवादास्पद मांगों के लिए न्यायिक निर्णयों और / या कानूनी परामर्श अधिकारी की राय को ध्यान में रखते हुए इस मद के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है. कर निर्धारण अधिकारी द्वारा किये गये परिवर्तन / मनाही बनाये रखने लायक नहीं है.

C-4.3 Tax paid in advance/tax deducted at source appearing under "other Assets" amounting to ₹ 2857.69 (Previous year ₹ 5360.77 Crores) is inclusive of ₹ 2405.95 Crores (previous year ₹ 3616.78 crores) which represents amount adjusted by the department / paid by the bank in respect of disputed tax demands for various assessment years. No provision is considered necessary in respect of the said demands, as in the bank's view, duly supported by counsels opinion and/or judicial pronouncements, additions / disallowances made buy the assessing officer are not sustainable.

सी-5. परिसर

C-5 Premises

सी-5.1 बैंक की कुल ₹ 23.86 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 64.97 करोड़) की कुछ संपत्तियों के संबंध में हस्तांतरण विलेख का निष्पादन होना बाकी है.

C-5.1 Execution of conveyance deeds is pending in respect of certain properties amounting to ₹ 23.86 Crores (Previous Year ₹ 64.97 Crores).

सी-5.2 परिसर के अंतर्गत निर्माणाधीन / कब्जे में ली जानेवाली ₹ 371.70 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 336.09 करोड़) की संपत्तियां शामिल हैं.

C-5.2 Premises include assets under construction/ acquisition amounting to ₹ 371.70 Crores (Previous Year ₹ 336.09 Crores).

सी-6 बॉब फिसकल सर्विसेज लिमिटेड (बॉब एफएसएल), पूर्व में पूर्ण रूप से बैंक ऑफ़ बड़ौदा की अनुषंगी द्वारा 24.09.1990 को कंपनी को स्वैच्छिक रूप से समाप्त करने का विशेष संकल्प पारित किया गया और उसके लिए एक परिसमापक की नियुक्ति कर दी गयी.

बॉब फिसकल सर्विसेज लिमिटेड ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ एक समझौता किया जिसके तहत दिनांक 28.02.1991 से बॉब एफएसएल की संपूर्ण आस्तियां एवं देयताएं उसके पूर्ण व्यवसाय के समापन के फलस्वरूप एक गोइंग कंसर्न/बिक्री के रूप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा को स्थानांतरित कर दिए गए. चूंकि कंपनी विचाराधीन कानूनी मामले के कारण पूर्ण रूप से परिसमाप्त नहीं की जा सकती थी अतः दिनांक 30 मार्च 2007 को बॉब एफएसएल की वार्षिक सामान्य बैठक में बॉब एफएसएल को बैंक ऑफ़ बड़ौदा में शामिल करने का निर्णय लिया गया.

निदेशक मंडल द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ मैसर्स बॉब फिसकल सर्विसेस लि. के समामेलन को बैंक की दिनांक 28.01.2009 को आयोजित बेठक में अनुमोदित किया गया और उच्च न्यायालय के सम्मुख बॉब के साथ बॉब एफएसएल समामेलन हेतु आवश्यक याचिका दर्ज करने के लिए प्रबंधन को प्राधिकृत किया.

C-6 BOB Fiscal Services Limited (BOBFSL), erstwhile wholly owned subsidiary of Bank of Baroda (BOB), had passed a special resolution for voluntary winding up of the Company on 24.09.1990 and the Liquidator was appointed for the same.

BOBFSL had entered into an agreement with BOB pursuant to which entire assets and liabilities of BOBFSL were transferred to BOB as a going concern / as sale in liquidation of the entire business w.e.f. 28.2.1991. As the Company could not be liquidated due to pending legal cases, a decision to merge BOBFSL with BOB was taken in the Annual General Meeting of BOBFSL held on 30th March 2007.

The Board of Directors of BOB has approved the merger of BOBFSL with BOB in its Board meeting on 28.01.2009 and authorized the Management to file necessary petition for merger of BOBFSL with BOB before the Bombay High Court.

सी-7 आरबीआई के स्पष्टीकरण के आधार पर कि संचयित लाभों के प्रत्यावर्तन का गैर-अभिन्न परिचालनों में हित का निपटान या आंशिक निपटान नहीं माना जाएगा, बैंक ने वर्ष के दौरान विदेशी कार्यालयों से निधियों के प्रत्यावर्तन पर प्राप्त आय के रुप में ₹ 193.36 के विनिमय-प्राप्तियों को निर्धारित नहीं किया है. गत वर्ष, बैंक ने विदेशी परिचालनों से लाभ के प्रत्यावर्तन पर एफसीटीआर में आनुपातिक विनिमय-प्राप्ति की लाभ एवं हानि खाते में ₹ 302.97 करोड़ की राशि को निर्धारित किया था. प्रबंधन की राय में, परिपत्र पूर्व प्रभाव से लागू नहीं है और यह वित्तीय वर्ष 2016-17 से लागू होता है और इसलिए गत वर्ष के संबंध में कोई समायोजन नहीं किया गया है.

C-7 Based on RBI's clarification that the repatriation of accumulated profits shall not be considered as disposal or partial disposal of interest in non-integral foreign operations, the bank has not recognized exchange gain of ₹ 193.36 crore as income arising on repatriation of funds from foreign offices during the year. In the previous year, the bank had recognized an amount of ₹ 302.97 crores in the profit and loss account being the proportionate exchange gain in FCTR on repatriation of profits from overseas operations. In the opinion of the management, the circular is not retrospective in nature and has applied the same from financial year 2016-17 onwards and hence no adjustment has been made in respect of previous year.

सी-8 भारतीय रिजर्व बैंक की दि. 18 अप्रैल, 2017 की अधिसूचना सं. आरबीआई/2016-17/283 के अनुसार यदि आरबीआई द्वारा निर्धारित

C-8 As per the RBI notification vide RBI/2016-17/283 dated April18, 2017 banks are required to disclose the

की गई अतिरिक्त प्रावधान आवश्यकता, प्रकाशित किए गए कर के बाद के शुद्ध लाभ के 15% से अथवा आरबीआई द्वारा पहचान किए गए अतिरिक्त सकल एनपीए संदर्भगत अवधि को प्रकाशित किए गए वृद्धिगत सकल एनपीए के 15% से अधिक होते हैं तो बैंक का आस्ति वर्गीकरण एवं प्रावधानों में विपथन का प्रकटीकरण करना आवश्यक है.

इस संबंध में, कोई अलग से प्रकटीकरण नहीं किया जाना है क्योंकि विपथन उपर्युक्त उल्लेखित मानदंड से अधिक नहीं हैं.

सी-9. बैंक ने जमानती अवमानक अग्रिमों के लिए 15% की विनियामक अपेक्षाओं की तुलना में @20% की दर से प्रावधान किया है. तथापि गैर जमानती अवमानक (सब स्टॅंडर्ड) अग्रिमों के लिए बैंक ने विनियामक अपेक्षाओं के अनुरु प @25% की दर से प्रावधान किया है.

सी-10 भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने डीबीआर.बीपी.बीसी.सं. 76/21.07.001/2015-16 दिनांक 11 फरवरी, 2016 के द्वारा बैंकों में भारतीय लेखांकन मानकों (इंड-एएस) के कार्यान्वयन हेतु रुपरेखा निर्धारित की है तथा बैंकों द्वारा इंड-एएस कार्यान्वयन के लिए कार्यनीति जिसमें इस संदर्भ में हुई प्रगति भी शामिल है, का प्रकटीकरण आवश्यक है. तद्नुसार, बैंक ने इंड-एएस के कार्यान्वयन में सहायता के लिए परामर्शदाता नियुक्त किया है. इस दिशा में हुई प्रगति की निगरानी हेतु बैंक ने एक स्थायी समिति का गठन भी किया है एवं इस विषय में निदेशक मंडल की लेखा-परीक्षा समिति को समय समय पर अवगत कराया जाता है. उपर्युक्त परिपत्र में उल्लेखित आवश्यकताओं के अनुरुप, बैंक ने 30 सितंबर, 2016 को समाप्त छमाही हेतु इंड-एएस वित्तीय विवरण संबंधी प्रोफार्मा भारतीय रिज़र्व बैंक को प्रस्तुत कर दिया है.

सी-11 वर्तमान अवधि के अनुरुप तुलना योग्य बनाने हेतु, जहां आवश्यक समझा गया, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/पुनःव्यवस्थित किया गया है.

divergence in the asset classification and provisioning if the additional provisioning requirements assessed by RBI exceeds 15% of published net profit after tax or additional Gross NPAs identified by RBI exceed 15% of published incremental Gross NPA during reference period.

In this regard, no separate disclosure is made as the divergence is not beyond the above mentioned criteria.

C-9 The Bank has made provision @ 20% on the Secured Sub-standard Advance as against the Regulatory requirement of 15%. However on unsecured sub standard advances, the bank has made provision @ 25% as per regulatory requirement.

C-10 The Reserve Bank of India (RBI) vide DBR.BP.BC. No. 76/21.07.001/2015-16 dated 11th February 2016, has prescribed the roadmap for implementation of Indian Accounting Standards (Ind-AS) in the Banks and the Banks needs to disclose the strategy for Ind-AS implementation, including the progress made in this regard. The Bank accordingly, has appointed a consultant to assist in implementation of the Ind-AS. The Bank has also constituted a Steering Committee to oversee the progress made and the Audit Committee of the Board is being apprised of the same from time to time. In terms of the requirement stipulated vide said circular, the Bank has submitted proforma Ind-AS financial statements to the RBI for the half year ended 30th September 2016.

C-11 Figures of previous year have been regrouped/ rearranged wherever necessary, so as to make them comparable with those of the current period

समेकित वित्तीय विवरण पत्रों पर टिप्पणियां
Notes on Consolidated Financial Statement

1. समूह के समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों (सीएफएस) में बैंक ऑफ़ बड़ौदा (मूल संस्था) तथा निम्नलिखित अनुषंगियों/सहयोगी इकाइयों/संयुक्त उद्यमों के परिणाम शामिल हैं.

1. The Consolidated Financial Statements (CFS) of the Group comprise the results of the Bank of Baroda (Parent) and the following Subsidiaries/Associates/Joint Ventures:

1.1	अनुषंगियां	Subsidiaries	देश, जहां विद्यमान है Country of Incorporation	स्वामित्व का प्रतिशत Percentage of Ownership as on	
				31.03.17	31.03.16
1.1.1	देशीय अनुषंगियां	Domestic Subsidiaries			
	क) बैंकिंग	a) Banking:			
	i) द नैनीताल बैंक लि.	i) The Nainital Bank Ltd.	भारत / India	98.57	98.57
	ख) गैर बैंकिंग	b) Non Banking:			
	i) बॉब कैपिटल मार्केट लि.	i) BOB Capital Markets Ltd.	भारत / India	100.00	100.00
	ii) बॉब कार्डस लि.	ii) BOB Cards Ltd.	भारत / India	100.00	100.00
		iii) Baroda Global Shared Services Ltd	भारत / India	100.00	-
1.1.2	विदेशी अनुषंगियां	Overseas Subsidiaries:			
	क) बैंकिंग	a) Banking:			
	i) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि.	i) Bank of Baroda (Botswana) Ltd.	बोत्सवाना / Botswana	100.00	100.00
	ii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि.	ii) Bank of Baroda (Kenya) Ltd.	केन्या / Kenya	86.70	86.70
	iii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि.	iii) Bank of Baroda (Uganda) Ltd.	यूगांडा / Uganda	80.00	80.00
	iv) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गयाना) आइएनसी	iv) Bank of Baroda (Guyana) Inc.	गुयाना / Guyana	100.00	100.00
	v) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि.	v) Bank of Baroda (Tanzania) Ltd.	तंजानिया / Tanzania	100.00	100.00
	vi) बैंक ऑफ़ बड़ौदा त्रिनिदाद एवं टोबेगो लिमिटेड	vi) Bank of Baroda Trinidad &Tobago Ltd.	त्रिनिदाद एवं टोबेगो Trinidad & Tobago	100.00	100.00
	vii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि.	vii) Bank of Baroda (Ghana) Ltd.	घाना / Ghana	100.00	100.00
	viii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूजीलैन्ड) लि.	viii) Bank of Baroda (New Zealand) Ltd.	न्यूजीलैन्ड / New Zealand	100.00	100.00
	ख) गैर बैंकिंग	b) Non Banking:			
	i) बॉब (यू के) लि.	i) BOB (UK) Ltd.	यूनाइटेड किंगडम / United Kingdom	100.00	100.00

1.2 सहयोगी इकाइयां

समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों (सीएफएस) में समाहित सहयोगी इकाइयों के विवरण निम्नलिखित हैं :

1.2 Associates:

The particulars of Associates considered in the CFS are as under:

नाम		Name		देश, जहां विद्यमान है Country of Incorporation	मूल संस्था का हिस्सा (%) Parent's ownership Interest (%) as on	
					31.03.17	31.03.16
(क)	इन्डो जाम्बिया बैंक लिमिटेड	a)	Indo Zambia Bank Limited	जाम्बिया / Zambia	20	20
(ख)	बड़ौदा पायोनियर असेट मेनेजमेन्ट कंपनी लि.	b)	Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd.	भारत / India	49	49
(ग)	बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी प्राईवेट लि.	c)	Baroda Pioneer Trustee Company Private Limited	भारत / India	49	49
(घ)	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक:-	d)	Regional Rural Banks			
	i) बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक		i) Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank	भारत / India	35	35
	ii) बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (पहले का बड़ौदा राजस्थान ग्रामीण बैंक)		ii) Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank (Erstwhile Baroda Rajasthan Gramin Bank)	भारत / India	35	35
	iii) बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक		iii) Baroda Gujarat Gramin Bank	भारत / India	35	35

1.3 संयुक्त उद्यम

1.3 Joint Ventures:

नाम / Name		देश जहां विद्यमान है Country of Incorporation	मूल संस्था का हिस्सा Percentage of Ownership as on	
			31.03.17	31.03.16
a)	इण्डिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी लि. India First Life Insurance Company Ltd.	भारत / India	44	44
b)	इण्डिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशियां) बीएचडी. India International Bank (Malaysia) Bhd.	मलेशिया / Malaysia	40	40
c)	इण्डिया इंफ्राडेब्ट लि. India Infradebt Ltd.	भारत / India	30	30

2. सहयोगी इकाइयों में निवेश का विवरण

2. Particulars of the Investment in Associates:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

सं. नं.	विवरण	Sr. No.	Particulars	31.03.2017 को As on 31.03.2017	31.03.2016 को As on 31.03.2016
(क)	सहयोगी इकाइयों में निवेश की लागत	a.	Cost of Investment in Associates	257.49	257.49
(ख)	उपरोक्त (क) में शामिल अधिग्रहण पर साख	b.	Goodwill on acquisition included in (a) above	--	--
(ग)	उपरोक्त (क) में अधिग्रहण पर प्रारक्षित पूंजी	c.	Capital reserve on acquisition included in (a) above	25.27	25.27
(घ)	पुनर्मूल्यांकन प्रारक्षित निधि एवं विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि के कारण परिवर्धन	d.	Additions on account of Revaluation reserve & Foreign Currency Translation reserve	2.66	2.46
(ङ)	अधिग्रहण उपरान्त साख / आरक्षित पूंजी के लाभ (शुद्ध) का अंश	e.	Share of post acquisition profits (Net) of Goodwill/ Capital Reserve	657.50	579.98

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

सं. नं.	विवरण	Sr. No.	Particulars	31.03.2017 को As on 31.03.2017	31.03.2016 को As on 31.03.2016
(च)	31 मार्च को निवेश (क-ख-ग + घ + ङ)	f.	Investment as at 31st March (a -b-c+d+e)	892.38	814.66
(छ)	भारत में निवेश	g.	Investment in India	799.00	736.50
(ज)	भारत के बाहर निवेश	h.	Investment outside India	93.38	78.16
(झ)	कुल (छ + ज)	i.	Total (g + h)	892.38	814.66

3. अनुषंगियों /सहयोगी इकाइयों के वित्तीय विवरण-पत्र

3.1. अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगी इकाइयों के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण-पत्र उसी रिपोर्टिंग तारीख के लिए, अर्थात 31 मार्च, 2017 के लिए तैयार किए गए हैं, जिस तारीख के मूल संस्था के लिए तैयार किए गए हैं, सिवाय इनके बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि.(इसकी संपूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी बैंक ऑफ़ बड़ौदा कैपिटल मार्केट (यूगांडा) लि. को शामिल करते हुए), बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि., बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि., बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि., इंडिया इन्टरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी, (आईआईबीएमबी) तथा इंडो जांबिया बैंक लि. को छोड़कर, जिनके विवरण पत्र 31 दिसंबर, 2016 की स्थिति के अनुरु प तैयार किए गए हैं. प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित 1 जनवरी, 2017 से 31 मार्च, 2017 के बीच समायोजन योग्य ऐसे कोई उल्लेखनीय संव्यवहार अथवा अन्य कार्य नहीं हुए हैं.

3.2 बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, के अलेखापरीक्षित वित्तीय परीणामों पर समेकन के उद्देश्य से विचार किया गया.

3.3 31.03.2017 को समाप्त वर्ष हेतु निम्नलिखित देशीय अनुषंगियों के खाते कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों के अध्यधीन हैं :

1) बॉब कैपिटल मार्केट्स लि.

2) बॉब कार्ड्स लि.

4. सेगमेंट रिपोर्टिंग (एएस 17)

लेखा मानक 17 - सेगमेंट रिपोर्टिंग के तहत प्रकटीकरण -

भाग क: व्यवसाय सेगमेंट

3. Financial Statements of Subsidiaries / Associates:

3.1 The audited financial statements of the Subsidiaries, Joint Venture's and Associates have been drawn up to the same reporting date as that of the Parent i.e. 31st March, 2017 except for Bank of Baroda (Uganda) Ltd, (including its wholly-owned subsidiary Baroda Capital Markets (Uganda) Ltd.), Bank of Baroda (Kenya) Ltd., Bank of Baroda (Ghana) Ltd., Bank of Baroda (Tanzania) Ltd., India International Bank (Malaysia) Bhd. (IIBMB) and Indo Zambia Bank Ltd. which have been drawn up to 31st December, 2016. As certified by the Management, there are no significant transactions or other events during 1st January, 2017 to 31st March, 2017 requiring adjustment therein.

3.2 The Unaudited Financial Results of Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank, Baroda Global Shared Services Ltd, Bank of Baroda (Botswana) Ltd, Bank of Baroda (New Zealand) Ltd & Bank of Baroda Trinidad &Tobago Ltd are considered for Consolidation purpose.

3.3 The accounts of the following domestic subsidiaries for the year ended 31st March, 2017 are subject to the comments of Comptroller & Auditor General of India under Section 143(6) of the Companies Act, 2013:

1) BOB Capital Markets Ltd.

2) BOB Cards Ltd.

4. Segment Reporting (AS – 17)

Accounting Standard 17 - Disclosure under Segment Reporting

Part A: Business Segments

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

व्यवसाय सेगमेंट	Business Segments	ट्रेजरी Treasury		कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate/ Wholesale Banking		रिटेल बैंकिंग Retail Banking		बैंकिंग एवं अन्य परिचालन Banking & Other Operations		कुल Total	
		2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16
राजस्व	Revenue	18346.05	16175.99	19399.58	22377.82	12661.90	11546.18	2002.70	1691.18	52410.23	51791.17
परिणाम	Result	5260.97	2706.92	-2823.12	-5748.45	2555.66	-1331.31	527.07	562.36	5520.58	-3810.49
अनाबंटित खर्च	Unallocated Expense									2458.67	2436.78
परिचालनगत लाभ	Operating Profit									3061.91	-6247.27
आयकर	Income taxes									1246.93	-1179.58
विशिष्ट लाभ /हानि	Extra-ordinary Profit/loss									--	--

व्यवसाय सेगमेंट	Business Segments	ट्रेजरी Treasury		कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate/ Wholesale Banking		रिटेल बैंकिंग Retail Banking		बैंकिंग एवं अन्य परिचालन Banking & Other Operations		कुल Total	
		2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16
शुद्ध लाभ	Net Profit									1814.98	-5067.68
अन्य सूचना	Other Information										
सेगमेंट आस्तियां	Segment Assets	293047.22	272218.52	296655.70	297735.00	113585.32	105505.11	4689.42	2887.60	707977.66	678346.23
अनाबंटित आस्तियां	Unallocated Assets									11242.85	12832.85
कुल आस्तियां	Total Assets									719220.51	691179.08
सेगमेंट देयताएं	Segment Liabilities	275499.28	255478.79	278891.69	279426.17	106783.73	99017.21	4408.61	2710.03	665583.32	636632.20
अनाबंटित देयताएं	Unallocated Liabilities									10569.63	12043.71
कुल देयताएं	Total Liabilities									676152.94	648675.92
नियोजित पूंजी	Capital Employed	17547.93	16739.73	17764.01	18308.83	6801.59	6487.90	280.81	177.57	42394.34	41714.02
अनाबंटित	Unallocated									673.23	789.14
कुल नियोजित पूंजी	Total Capital Employed									43067.57	42503.16

भाग-ख : भौगोलिक सेगमेंट

Part B: Geographical Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	देशीय परिचालन Domestic Operations		अन्तर्राष्ट्रीय परिचालन International Operations		कुल Total	
		2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16
राजस्व	Revenue	45976.70	45643.85	6433.53	6147.32	52410.23	51791.17
आस्तियां	Assets	505461.14	453678.00	213759.37	237501.08	719220.51	691179.08

टिप्पणी :

1. भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशो के अनुरु प लेखांकन मानकों के अनुपालन में बैंक ने ट्रेजरी ऑपरेशन, होलसेल, रिटेल और अन्य बैंकिंग परिचालनों को प्राथमिक कारोबार सेगमेंट और देशीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय को गौण / भौगोलिक सेगमेंट के रुप में अपनाया है.
2. बैंकिंग एवं अन्य परिचालनों में अन्य बैंकिंग तथा गैर बैंकिंग परिचालन शामिल हैं.
3. सेगमेंट राजस्व, बाह्य ग्राहकों से प्राप्त राजस्व को दर्शाता है.
4. प्रत्येक सेगमेंट के लिए नियोजित पूंजी को सेगमेंट की आस्तियों के आनुपातिक तौर पर आबंटित किया गया है.

Notes :

1. As per guidelines of RBI on compliance with Accounting Standards, parent bank has adopted Treasury Operations, Wholesale, Retail and other Banking Operations as Primary business segments and Domestic and International as Secondary / Geographic segments.
2. Banking & Other operations includes other banking operations and non-banking operations
3. Segment revenue represents revenue from external customers.
4. Capital Employed for each Segment has been allocated proportionate to the assets of the Segment.

संक्षिप्त वित्तीय विवरण-पत्रों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Independent Auditors' Report on abridged Financial Statements

सेवा में, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारक

संक्षिप्त वित्तीय विवरण-पत्रों पर रिपोर्ट

संलग्न संक्षिप्त वित्तीय विवरण-पत्र, जिसमें एकल तथा समेकित (क) 31 मार्च, 2017 का संक्षिप्त तुलन-पत्र (ख) संक्षिप्त लाभ हानि लेखे तथा (ग) उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के नकदी प्रवाह विवरण तथा संबंधित टिप्पणियों का सारांश शामिल है, 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बैंक) के लेखा परीक्षित एकल तथा समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों से लिए गए हैं. हमने अपनी दिनांक 18.05.2017 की रिपोर्ट में उन वित्तीय विवरण-पत्रों पर अपरिवर्तित लेखा परीक्षा राय दी है. बैंक के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण-पत्र तैयार करने के लिए लागू लेखांकन मानकों के आवश्यक सभी प्रकटीकरण संक्षिप्त वित्तीय विवरण-पत्रों में शामिल नहीं हैं. अत: संक्षिप्त वित्तीय विवरण-पत्रों के पढ़ लेने मात्र से बैंक के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण- पत्रों को पढ़ने की आवश्यकता पूरी नहीं होती.

वित्तीय विवरण-पत्रों के लिए प्रबंधन का दायित्व

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उसके पत्र दिनांक 1 अगस्त, 2012 के माध्यम से जारी दिशानिर्देशों के अनुरुप वित्तीय विवरण-पत्रों के सारांश तैयार करने के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है, जो विनियामक दिशानिर्देशों, भारत में स्वीकार्य सामान्य लेखांकन मानकों तथा लेखांकन नीतियों के अनुरुप तैयार किए गए 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण-पत्रों पर आधारित हैं.

लेखा परीक्षकों का दायित्व

हमारा दायित्व हमारी प्रक्रिया पर आधारित संक्षिप्त विवरण-पत्रों पर अपनी राय व्यक्त करना है जो भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानक (एसए) 810 ''सारांश वित्तीय विवरण-पत्रों पर रिपोर्ट संबंधी सहबद्धता'' के अनुरू प की गई है.

राय

हमारी राय में, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उसके पत्र दिनांक 1 अगस्त, 2012 के माध्यम से जारी दिशानिर्देशों के अनुरू प तैयार किए गए संक्षिप्त वित्तीय विवरण-पत्र 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण-पत्रों से लिए गए हैं तथा उन विवरण-पत्रों का सही सारांश हैं.

To the Shareholders of Bank of Baroda

Report on the abridged Financial Statements

The accompanying abridged Financial Statements, which comprise the Standalone and consolidated (a) abridged Balance Sheet as at 31st March, 2017 (b) the abridged Profit and Loss Account and (c) abridged Cash Flow Statement for the year then ended, and related notes are derived from the audited standalone and consolidated Financial Statements of Bank of Baroda ('the bank') for the year ended 31st March 2017. We expressed an unmodified audit opinion on those Financial Statements in our report dated 18.05.2017. The abridged financial statements do not contain all the disclosures required by the Accounting Standards applied in the preparation of the audited financial statements of the Bank. Reading the abridged Financial Statements, therefore, is not a substitute for reading the audited financial statements of the Bank.

Management's Responsibility for the Financial Statements

The Management is responsible for the preparation of summary of financial statements in accordance with guidelines issued by Ministry of Finance, Government of India vide their letter dated 1st August, 2012, which are based on the audited financial statements for the year ended 31st March, 2017 prepared in accordance with regulatory guidelines, accounting standards and accounting policies generally accepted in India.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the abridged financial statements based on our procedures which are conducted in accordance with Standard of Auditing (SA) 810."Engagements to report on summary financial statements" issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

Opinion

In our opinion, the abridged financial statements prepared in accordance with guidelines issued by Ministry of Finance, Government of India vided their letter dated 1st August, 2012, are derived from the audited financial statements of the bank for the year ended 31st March, 2017 and are a fair summary of those financial statements.

लेखा परीक्षक AUDITORS

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 002263N
For Wahi & Gupta
Chartered Accountants
FRN : 002263N

(अनुज गुप्ता)
भागीदार
एम नं. 076560
(Anuj Gupta)
Partner
M No. : 076560

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 001537C
For S R Goyal & Co
Chartered Accountants
FRN : 001537C

(निकिता गोयल)
भागीदार
एम नं. 142555
(Nikita Goyal)
Partner
M No.: 142555

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 108846W
For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountants
FRN : 108846W

(सुधीर दबीर)
भागीदार
एम नं.039984
(Sudhir Dabir)
Partner
M No.: 039984

कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 104607W/W100166
For Kalyaniwalla & Mistry LLP
Chartered Accountants
FRN : 104607W/W100166

(डेराइस फ्रेजर)
भागीदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No.: 042454

स्थान: मुंबई
दिनांक: 18 मई, 2017

Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Independent Auditors Report

सेवा में,

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारक

वित्तीय विवरण-पत्रों पर रिपोर्ट

1. हमने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के 31 मार्च 2017 के वित्तीय विवरण-पत्रों जिनमें 31 मार्च 2017 का तुलन-पत्र तथा उसके साथ संलग्न उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखे, नकद प्रवाह विवरण और उल्लेखनीय लेखांकन नीतियों का सारांश शामिल है, की लेखा परीक्षा की है जिसमें हमारे द्वारा लेखा-परीक्षित 20 शाखाएं, तथा एक विशिष्ट एकीकृत ट्रेजरी शाखा, लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षित 2638 शाखाएं और स्थानीय लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा- परीक्षित 48 विदेशी शाखाओं की विवरणियां शामिल हैं. हमारे द्वारा और अन्य लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षा की गई शाखाओं का चुनाव बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया है. तुलन पत्र तथा लाभ-हानि खाते में 2763 शाखाओं की विवरणियां भी शामिल की गई हैं, जो लेखा-परीक्षा के अधीन नहीं थी. ये अ-लेखापरीक्षित शाखाएं 5.91 प्रतिशत अग्रिम, 11.87 प्रतिशत जमाराशियां, 5.62 प्रतिशत ब्याज-आय और 11.19 प्रतिशत ब्याज-व्यय से संबंधित है.

वित्तीय विवरण-पत्रों के लिए प्रबंधन का दायित्व

2. बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय समय पर जारी दिशा निर्देशों तथा भारत में स्वीकार्य सामान्य लेखा परीक्षा मानदण्डों के अनुरुप इन वित्तीय विवरण-पत्रों को तैयार करने के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है. इस दायित्व में वित्तीय विवरण-पत्रों को तैयार करने हेतु आंतरिक नियंत्रण, कार्यान्वयन एवं रखरखाव सम्मिलित है और इनमें, जालसाजी या भूल की वजह से कोई तथ्यात्मक गलती संयुक्त है.

लेखा परीक्षकों का दायित्व

3. हमारा दायित्व अपनी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरण-पत्रों पर अपनी राय व्यक्त करना है. हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा की है. इन मानकों की अपेक्षा है कि हम नैतिकता का निर्वाह करते हुए लेखा परीक्षा कार्य सुनियोजित एवं सुव्यवस्थित रू प में इस प्रकार सम्पन्न करें कि हमें यह तार्किक आश्वासन मिले कि ये वित्तीय विवरण-पत्र किसी भी प्रकार की तथ्यात्मक गलतियों से मुक्त है.

4. लेखा परीक्षा में राशियों के साक्ष्यों एवं प्रकटीकरण की जांच हेतु वित्तीय विवरण-पत्रों में दी गई निष्पादन प्रक्रिया के अनुरू प कार्यवाही शामिल है. चयनित प्रक्रिया लेखा परीक्षक के विवेक पर निर्भर है, इसमें वित्तीय विवरण-पत्रों में तथ्यात्मक गलतियों के जोखिम भले ही वह जालसाजी या भूल की वजह से हों, का मूल्यांकन / आकलन करना शामिल है. इन जोखिमों का मूल्यांकन करते समय लेखा परीक्षक इन वित्तीय विवरणियों की उपयुक्त प्रस्तुति हेतु इकाई के सम्बद्ध आंतरिक

To

The Shareholders of Bank of Baroda

Report on the Financial Statements

1. We have audited the accompanying financial statements of Bank of Baroda as on 31st March, 2017, which comprise the Balance Sheet as on 31st March, 2017, and Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. Incorporated in these financial statements are the returns of 20 branches and one Specialized Integrated Treasury Branch audited by us, 2638 branches audited by statutory branch auditors and 48 foreign branches audited by local auditors in respective countries. The branches audited by us and those audited by other auditors have been selected by the Bank in accordance with the guidelines issued to the Bank by the Reserve Bank of India. Also incorporated in the Balance Sheet and the Profit and Loss Account are the returns from 2763 branches which have not been subjected to audit. These unaudited branches account for 5.91 per cent of advances, 11.87 per cent of deposits, 5.62 per cent of interest income and 11.19 per cent of interest expenses.

Management's Responsibility for the Financial Statements

2. Management is responsible for the preparation of these financial statements in accordance with the Banking Regulation Act 1949, Reserve Bank of India guidelines from time to time and accounting standards generally accepted in India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation of the financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements.

4. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the entity's preparation and

नियंत्रणों का अवलोकन करता है लेकिन संस्था के आंतरिक नियंत्रण की सार्थकता पर राय देने के लिए नहीं, ताकि परिस्थिति अनुसार उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रिया निर्धारित की जा सके. लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमान तथा प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की समग्र प्रस्तुति का आकलन सम्मिलित है.

5. हमारा विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया हैं, वह हमारी लेखा परीक्षा राय प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त एवं पर्याप्त हैं.

6. **राय**

हमारी राय में, बैंक की बहियों में दर्शाए गए अनुसार तथा हमारी अधिकतम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार :

i नोट के साथ पठित यह तुलन-पत्र पूर्ण और सही है, जिसमें आवश्यक विवरण दिए गए हैं और इसे यथोचित ढंग से बनाया गया हैं, जिससे कि, भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के समरुप नोट के साथ पठित बैंक के 31 मार्च, 2017 के क्रियाकलापों का सही एवं यथायोग्य चित्र सामने आ सके.

ii लाभ-हानि लेखा, उन पर दी गई टिप्पणियों के साथ पठित भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के समरुप तथा खाते के वर्ष के लिए बैंक के सही हानि शेष को दर्शाता है; तथा

iii नकदी प्रवाह-विवरण उस तारीख को समाप्त वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह का सही एवं स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करता है.

अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

7. तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा, बैंककारी कंपनी अधिनियम, 1949 की तृतीय अनुसूची के क्रमशः फॉर्म 'ए' और 'बी' में बनाए गए हैं.

8. उपरोक्त अनुच्छेद 1 से 5 में वर्णित लेखा परीक्षा सीमाओं और बैंककारी (कंपनी उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) 1970/1980 और इनके अन्तर्गत प्रकटीकरण की सीमाओं के अध्यधीन, हम सूचित करते हैं कि :

ए. हमने अपने अधिकतम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार लेखा-परीक्षा हेतु आवश्यक सभी जानकारी तथा स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं तथा उन्हें संतोषजनक पाया है;

बी. बैंक के संव्यवहारों की जो जानकारी हमारे सामने आयी है, वे बैंक के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ही हैं.

सी. बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणियां लेखा-परीक्षा हेतु सामान्यतः पर्याप्त पायी गयीं.

9. इसी क्रम में हम रिपोर्ट करते हैं कि:

ए. तुलन पत्र, लाभ / हानि लेखा और नकदी प्रवाह विवरणी मान्य लेखा मानकों के अनुरूप है.

fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on effectiveness of the entity's internal control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

5. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

6. Opinion

In our opinion, as shown by books of bank and to the best of our information and according to the explanations given to us:

i. The Balance sheet, read with the notes thereon is a full and fair Balance Sheet containing all the necessary particulars, is properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of state of affairs of the Bank as on 31st March, 2017 in conformity with accounting principles generally accepted in India;

ii. The Profit and Loss Account, read with the notes thereon shows a true balance of profit, in conformity with accounting principles generally accepted in India, for the year covered by the account; and

iii. The Cash Flow Statement gives a true and fair view of the cash flows for the year ended on that date.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

7. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in Forms "A" and "B" respectively of the Third Schedule to the Banking Regulation Act, 1949.

8. Subject to the limitations of the audit indicated in paragraph 1 to 5 above and as required by the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 / 1980 and subject also to the limitations of disclosure required therein, we report that;

a. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purposes of our audit and have found them to be satisfactory;

b. The transactions of the Bank, which have come to our notice have been within the powers of the Bank;

c. The returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit;

9. We further report that:

a. The Balance Sheet and Profit and Loss account dealt with by this report are in agreement with the books of account and returns.

बी. बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 29 के तहत बैंक के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखा कार्यालयों के लेखों पर रिपोर्ट हमें भेजी गई हैं तथा इस रिपोर्ट को तैयार करते समय हमारे द्वारा उचित रुप से देखी गई हैं;

सी. हमारी राय में तुलन-पत्र, लाभ-हानि लेखे तथा नकदी प्रवाह विवरण मान्य लेखा मानकों के अनुरू प हैं.

b. The reports on the accounts of the branch offices audited by branch auditors of the Bank under section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 have been sent to us and have been properly dealt with by us in preparing this report.

c. In our opinion, the Balance Sheet, Profit and Loss Account and Cash Flow Statement comply with the applicable accounting standards.

लेखा परीक्षक AUDITORS

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 002263N
For Wahi & Gupta
Chartered Accountants
FRN : 002263N

(अनुज गुप्ता)
भागीदार
एम नं. 076560
(Anuj Gupta)
Partner
M No. : 076560

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 001537C
For S R Goyal & Co
Chartered Accountants
FRN : 001537C

(निकिता गोयल)
भागीदार
एम नं. 142555
(Nikita Goyal)
Partner
M No.: 142555

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 108846W
For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountants
FRN : 108846W

(सुधीर दबीर)
भागीदार
एम नं.039984
(Sudhir Dabir)
Partner
M No.: 039984

कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 104607W/W100166
For Kalyaniwalla & Mistry LLP
Chartered Accountants
FRN : 104607W/W100166

(डेराइस फ्रेजर)
भागीदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No.: 042454

स्थान: मुंबई
दिनांक: 18 मई, 2017

Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

AUDITORS' REPORT ON CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF BANK OF BARODA

सेवा में,

निदेशक मंडल,

बैंक ऑफ़ बड़ौदा

1. हमने बैंक ऑफ़ बड़ौदा (द "ग्रुप") के 31 मार्च 2017 के संलग्न समेकित तुलन पत्र और उसके साथ संलग्न उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के समेकित लाभ-हानि विवरण और उक्त तारीख को समेकित नकदी प्रवाह विवरण की लेखा परीक्षा की है. इनमें निम्नलिखित के खाते शामिल किए गये हैं:

   i. हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट दिनांक 18 मई, 2017 के अनुसार हमारे द्वारा लेखा परीक्षित बैंक ऑफ़ बड़ौदा (द बैंक) के लेखा परीक्षित खाते,

   ii. अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित 9 अनुषंगियों 5 सहयोगी इकाइयों, तथा 3 संयुक्त उद्यम के लेखा परीक्षित खाते,

   iii. 4 अनुषंगियों और 1 सहयोगी इकाइयों के अलेखापरीक्षित खाते.

वित्तीय विवरण-पत्रों हेतु प्रबंधन का दायित्व

समेकित वित्तीय विवरण-पत्र बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी है तथा इन्हें प्रबंधन द्वारा अनुषंगियों तथा सहयोगी इकाइयों तथा संयुक्त उद्यमों के अलग वित्तीय विवरण-पत्रों तथा अन्य वित्तीय सूचनाओं के आधार पर तैयार किया गया है. हमारी जिम्मेदारी समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों के बारे में हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के आधार पर हमारी राय व्यक्त करना है.

2. बैंक द्वारा समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों को लेखा मानक एएस-21 (समेकित वित्तीय विवरण-पत्र) और लेखा मानक एएस-23 (समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों में अनुषंगियों में निवेश हेतु लेखांकन) तथा लेखा मानक एएस-27 (संयुक्त उद्यमों में ब्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग) के आधार पर इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेन्टस ऑफ इंडिया तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है.

लेखा परीक्षकों का दायित्व

3. हमने समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों की लेखा परीक्षा, भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की है. इन मानकों के अनुसार यह अपेक्षित है कि हम लेखा परीक्षा इस प्रकार सुनियोजित और संपन्न करें कि हमें यह तर्क संगत आश्वासन मिले कि ये वित्तीय विवरण-पत्र निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग के फ्रेमवर्क के अनुसार तैयार किए गए हैं, तथा सभी प्रकार की महत्वपूर्ण गलतियों से मुक्त हैं. लेखा परीक्षा में, जांच आधार पर परीक्षण, राशियों और वित्तीय विवरण-पत्रों के प्रकटीकरण के समर्थन में साक्ष्य शामिल हैं. लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा, प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का निर्धारण और महत्वपूर्ण आकलन शामिल हैं. इसमें समग्र वित्तीय विवरण-पत्रों का प्रस्तुतीकरण मूल्यांकन भी शामिल है. हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा हमारे राय का तर्क संगत आधार उपलब्ध कराती है.

To

The Board of Directors,

Bank of Baroda

1 We have audited the attached Consolidated Balance Sheet of Bank of Baroda (the “Group”) as at March 31, 2017, the Consolidated Statement of Profit and Loss for the year ended on that date and the Consolidated Cash Flow Statement for the year ended on that date, annexed thereto, in which are incorporated:

   i) Audited Accounts of the Bank of Baroda (The Bank), audited by us, vide our audit report dated May 18, 2017;

   ii) Audited Accounts of 9 Subsidiaries, 5 Associates and 3 Joint Ventures, audited by other Auditors;

   iii) Unaudited accounts of 4 subsidiaries and 1 associates.

Management’s Responsibility for the Financial Statements

The Consolidated Financial Statements are the responsibility of the Bank’s management and have been prepared by the management on the basis of separate financial statements and other financial information regarding subsidiaries, associates & joint ventures. Our responsibility is to express our opinion on these Consolidated Financial Statements based on our audit.

2 These Consolidated Financial Statements have been prepared by the Bank in accordance with the requirements of AS 21 (Consolidated Financial Statements), AS 23 (Accounting for Investment in Associates in Consolidated Financial Statements) and AS 27 (Financial Reporting of Interest in Joint Ventures) issued by the ICAI and the guidelines issued by the Reserve Bank of India.

Auditor’s Responsibility

3 We conducted our audit of the Consolidated Financial Statements in accordance with the Auditing Standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance whether the Financial Statements are prepared, in all material respects, in accordance with an identified financial reporting framework and are free of material misstatements. An audit includes, examining on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों में निम्नलिखित शामिल है.

ए) 6 विदेशी अनुषंगियों एवं 1 विदेशी संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरण-पत्र, जिनकी हमने लेखा परीक्षा नहीं की है. इनके वित्तीय विवरण-पत्रों में 31 मार्च 2017 को कुल आस्तियां ₹ 10056.17 करोड़ रुपये का उल्लेख है और वर्ष के अन्त में ₹ 1158.54 करोड़ रुपये का कुल राजस्व तथा ₹ 260.18 करोड़ का नकदी प्रवाह है. समेकित वित्तीय विवरण पत्रों में दि. 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए 15.02 करोड़ के शुध्द लाभ का समूह का हिस्सा भी शामिल है, जिसमें एक विदेशी सयोगी जिसके वित्तीय विवरण-पत्रों की लेखा परीक्षा अन्य लेखा परीक्षक द्वारा की गई है, उसे भी समेकित वित्तीय विवरण पत्रों में शामिल किया गया है. 4 विदेशी अनुषंगियों, 1 संयुक्त उद्यम एवं 1 सहयोगी 31 दिसंबर 2016 तक को लेखांकित किया गया है और समेकित वित्तीय विवरण पत्रों में शामिल किया गया है, प्रबंधन ने यह प्रमाणित किया है की 1 जनवरी 2017 से 31 मार्च, 2017 की अवधि के दौरान कोई मत्वपूर्ण परिवर्तन नही हुआ है. उक्त अनुषंगियों तथा संयुक्त उद्यमों की वित्तीय विवरण-पत्रों तथा वित्तीय सूचना की स्थानीय रूप से सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) की आवश्यकताओं के अनुसार दूसरे लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की गयी है. प्रबंधन द्वारा भारतीय जीएएपी की अपेक्षाओं के अनुसार इन वित्तीय विवरणियों को रूपांतरित किया गया है और इनकी उनके द्वारा लेखा परीक्षा की गई है और हमारे विचार से उक्त अनुषंगियों के बारे में जहां तक समाविष्ट राशियों का संबंध है, ये मूलतः उन लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर तथा भारतीय जीएएपी में रूपांतरण के आधार पर है जैसा कि ऊपर बताया गया है.

बी) 3 घरेलू अनुषंगियों तथा 2 घरेलू संयुक्त उद्यम के आंकड़ें, जिनकी दूसरे लेखा परीक्षकों ने लेखा परीक्षा की है. इनकी वित्तीय विवरण-पत्रों में 31 मार्च 2017 को कुल आस्तियां ₹ 14598.56 करोड़ रुपये तथा वर्ष के अन्त में ₹ 2400.49 करोड़ का राजस्व तथा कुल आय एवं नकदी प्रवाह के रूप में ₹ 376.95 करोड़ का उल्लेख है. 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय परिणामों में समूह के हस्से का ₹ 37.85 करोड़ का शुद्ध लाभ भी शामिल है और यह समेकित वित्तीय परिणामों में दर्शाया गया है. 4 सहयोगी संस्थाओं के संबंध में जिनके वित्तीय विवरण-पत्र अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित किए गए है व जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है एवं उनके समेकित वित्तीय परिणामों के बारे में हमारी अब तक की राय के अनुसार इन घरेलू अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगियों से संबंधित राशियां और प्रकटीकरण केवल दूसरे लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है.

सी) समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों में उन 3 विदेशी सहयोगी अनुषंगियों तथा 1 घरेलू अनुषंगी के संबंध में, जिनके वित्तीय विवरण हमारे द्वारा लेखापरीक्षित नहीं हैं उनके समेकित वित्तीय परिणामों में 31 मार्च 2017 को कुल आस्तियां ₹ 1855.00 करोड़ रुपये तथा ₹ 109.84

4 Incorporated in the Consolidated Financial Statements are:

a) Financial statements of 6 overseas subsidiaries and 1 overseas Joint Venture which have not been audited by us, whose financial statements reflect total assets of ₹ 10056.17 crores as at 31st March, 2017 and total revenue of ₹ 1158.54 crores and cash flows amounting to ₹ 260.18 crores for the year then ended. The Consolidated Financial Statement also includes the group's share of net profit of ₹ 15.02 crores for the year ended 31st March 2017 as considered in the consolidated financial statements in respect of 1 overseas associate, whose financial statement have been audited by other auditor. Out of which, 4 (four) overseas subsidiaries, 1(one) joint venture and 1 (one) associate have been drawn up 31st Dec 2016 and included in the Consolidated Financials Statement, the Management has certified that no significant changes have taken place during the period from 1st January 2017 to 31st March 2017. The financial statements and other financial information of said subsidiaries have been audited by other auditors as per the requirement of respective local Generally Accepted Accounting Principles (GAAP). These financial statements have been converted as per the requirements of Indian GAAP by the management and audited by them and our opinion, in so far it relates to the amounts included in respect of those subsidiaries is based solely on the reports of those auditors and its conversion into Indian GAAP as stated above.

b) Figures of 3 domestic subsidiaries and 2 domestic joint ventures which have been audited by other auditors, whose financial statements reflect total assets of ₹ 14598.56 crores as at March 31, 2017 and total revenue of ₹ 2400.49 crores and cash flows amounting to ₹ 376.95 crores for the year then ended. The consolidated financial statements also include the group's share of net profit of ₹ 37.85 crores for the year ended 31st March 2017 as considered in the consolidated financial statements in respect of 4 associates, whose financial statement have been audited by other auditors whose report have been furnished to us by the Management and our opinion on the consolidated financial statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of these domestic subsidiaries, joint ventures and associates, is based solely on the reports of the other auditors.

c) Financial statements of 3 overseas subsidiaries and 1 domestic subsidiary which have been unaudited, whose financial statements reflect total assets of ₹ 1855.00 crores as at 31st March, 2017 and total revenue of ₹ 109.84 crores and cash flows amounting to ₹ (105.50) crores

करोड़ का राजस्व तथा नकदी प्रवाह के रूप में ₹ (105.50) करोड़ का उल्लेख है. समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2017 के लिए समूह के हस्से का ₹ 24.70 करोड़ का शुद्ध लाभ भी शामिल है. 1 घरेलू सहयोगी के संबंध में जिसके वित्तीय विवरणी अलेखापरीक्षित है. इसे समेकित वित्तीय परिणाम में दर्शाया गया है. यह वित्तीय विवरण अलेखापरीक्षित हैं और विवरण हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं और उनके समेकित वित्तीय परिणामों के बारे में हमारी अब तक की राय के अनुसार इन सहयोगियों से संबंधित राशियां और प्रकटीकरण केवल ऐसे अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है. हमारी राय और प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी एवं विवरणों के अनुसार यह वित्तीय परिणाम समूह से संबंधित नही हैं.

5 राय

हमारी लेखा परीक्षा एवं अन्य लेखा परीक्षकों के अलग वित्तीय विवरण-पत्रों, लेखा परीक्षा न किए गए वित्तीय विवरण-पत्रों और घटकों की अन्य वित्तीय सूचना तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और उपर्युक्त पैराग्राफ 3 तथा 4 के साथ पठित हमें दिए गये स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी यह राय है कि संलग्न समेकित वित्तीय विवरण-पत्र उपर्युक्त पैरा 5 में की गई हमारी टिप्पणी के अधीन भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप वास्तविक एवं सही तस्वीर प्रस्तुत करते हैं,

(i) 31 मार्च 2017 को बैंक, बैंक की अनुषंगियों के कार्य व्यवहारों तथा बैंक की सहयोगी कंपनियों/संयुक्त उद्यमों (समूह) में हित से संबंधित समेकित तुलन पत्र के संबंध में;

(ii) उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए 'ग्रुप' के समेकित लाभ संबंधी समेकित लाभ हानि खाते के संबंध में, और

(iii) उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए 'ग्रुप' के नकदी प्रवाह संबंधी समेकित नकदी प्रवाह विवरण के संबंध में.

for the year then ended. The consolidated financial statements also include the group's share of net profit of ₹ 24.70 crores for the year ended 31st March 2017 as considered in the consolidated financial statements in respect of 1 domestic associate, whose financial statement is unaudited. These financial statement are unaudited and have been furnished to us by the management and our opinion on the consolidated financial statements in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of these associates, is based solely on such unaudited financial statements. In our opinion and according to the information and explanation given to us by the management, these financial statements are not material to the Group.

5 Opinion

Based on our audit, consideration of reports of other auditors on separate financial statements, consideration of unaudited financial statements and on the other financial information of the components, and to the best of our information and according to the explanations given to us read with paragraphs 3 and 4 above, we are of the opinion that the attached consolidated financial statements give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

(i) In the case of the Consolidated Balance Sheet, of the state of affairs of the Bank, its Subsidiaries and interests in its Associates/ Joint ventures (Group) as on 31st March 2017;

(ii) In the case of the Consolidated Statement of Profit & Loss, of the consolidated Profit of the "Group" for the year ended on that date, and

(iii) In the case of Consolidated Cash Flow Statement, of the cash flows of the "Group" for the year ended on that date.

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 002263N
For Wahi & Gupta
Chartered Accountants
FRN : 002263N

(अनुज गुप्ता)
भागीदार
एम नं. 076560
(Anuj Gupta)
Partner
M No. : 076560

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 001537C
For S R Goyal & Co
Chartered Accountants
FRN : 001537C

(प्रवीण गोयल)
भागीदार
एम नं. 074789
(Praveen Goyal)
Partner
M No.: 074789

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 108846W
For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountants
FRN : 108846W

(सुधीर दबीर)
भागीदार
एम नं.039984
(Sudhir Dabir)
Partner
M No.: 039984

कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएनः
For Kalyaniwalla & Mistry LLP
Chartered Accountants
FRN : 104607W/W100166

(डेराइस फ्रेजर)
भागीदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No.: 042454

स्थानः मुंबई
दिनांकः 18 मई, 2017
Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

अपरिवर्तित अभिमत सहित लेखा परीक्षा रिपोर्ट की घोषणा
DECLARATION OF AUDIT REPORT WITH UNMODIFIED OPINION

हम इसके द्वारा घोषणा करते हैं कि 31 मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए बैंक के समेकित वार्षिक लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में अपरिवर्तित अभिमत शामिल है.

We hereby declare that Auditors Report on Consolidated Annual Accounts of the Bank for the Financial Year ended 31st March, 2017 contain unmodified opinion.

संजय कुमार
महाप्रबंधक
(एस पी एवं पी बी) तथा सीएफओ

Sanjay Kumar
General Manager
(SP & PB) and CFO

उषा ए. नारायणन
अध्यक्ष
निदेशक मंडल की लेखा समिति

Usha A. Narayanan
Chairperson
Audit Committee of Board

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

P S Jayakumar
Managing Director
& CEO

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 002263N
For Wahi & Gupta
Chartered Accountants
FRN : 002263N

(अनुज गुप्ता)
भागीदार
एम नं. 076560
(Anuj Gupta)
Partner
M No. : 076560

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 001537C
For S R Goyal & Co
Chartered Accountants
FRN : 001537C

(निकिता गोयल)
भागीदार
एम नं. 142555
(Nikita Goyal)
Partner
M No.: 142555

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 108846W
For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountants
FRN : 108846W

(सुधीर दबीर)
भागीदार
एम नं.039984
(Sudhir Dabir)
Partner
M No.: 039984

कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 104607W/W100166
For Kalyaniwalla & Mistry LLP
Chartered Accountants
FRN : 104607W/W100166

(डेराइस फ्रेजर)
भागीदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No.: 042454

स्थानः मुंबई
दिनांकः 18 मई, 2017
Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

अपरिवर्तित अभिमत सहित लेखा परीक्षा रिपोर्ट की घोषणा
DECLARATION OF AUDIT REPORT WITH UNMODIFIED OPINION

हम इसके द्वारा घोषणा करते हैं कि 31 मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए बैंक के स्टैंड अलोन वार्षिक लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में अपरिवर्तित अभिमत शामिल है.

We hereby declare that Auditors Report on Standalone Annual Accounts of the Bank for the Financial Year ended 31st March, 2017 contain unmodified opinion.

संजय कुमार
महाप्रबंधक
(एस पी एवं पी बी) तथा सीएफओ

Sanjay Kumar
General Manager
(SP & PB) and CFO

उषा ए. नारायणन
अध्यक्ष
निदेशक मंडल की लेखा समिति

Usha A. Narayanan
Chairperson
Audit Committee of Board

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

P S Jayakumar
Managing Director
& CEO

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 002263N
For Wahi & Gupta
Chartered Accountants
FRN : 002263N

(अनुज गुप्ता)
भागीदार
एम नं. 076560
(Anuj Gupta)
Partner
M No. : 076560

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 001537C
For S R Goyal & Co
Chartered Accountants
FRN : 001537C

(निकिता गोयल)
भागीदार
एम नं. 142555
(Nikita Goyal)
Partner
M No.: 142555

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 108846W
For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountants
FRN : 108846W

(सुधीर दबीर)
भागीदार
एम नं.039984
(Sudhir Dabir)
Partner
M No.: 039984

कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 104607W/W100166
For Kalyaniwalla & Mistry LLP
Chartered Accountants
FRN : 104607W/W100166

(डेराइस फ्रेजर)
भागीदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No.: 042454

स्थान: मुंबई
दिनांक: 18 मई, 2017
Place: Mumbai
Date: 18th May 2017

सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण

निदेशक मण्डल
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
मुंबई

प्रिय महोदय,

विषय : 31 मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण) विनियम, 2015 की धारा 17(8) के साथ पठित धारा 33 की अनुपालना स्वरुप हम एतद् द्वारा प्रमाणित करते हैं कि

ए. हमने 31 मार्च, 2017 को समाप्त पूरे वर्ष के वित्तीय विवरण-पत्रों की समीक्षा की है तथा हमारी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार:

i. इन विवरण-पत्रों में कोई विषयगत अयथार्थ अभिकथन नहीं है अथवा कोई विषयगत तथ्य छिपाया नहीं गया है अथवा इनमें कोई भ्रामक अभिकथन शामिल नहीं किया गया है;

ii. ये अभिकथन / विवरण बैंक के कार्यकलापों का सही एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं तथा ये विद्यमान लेखा मानकों, लागू नियमों एवं विनियमों के अनुरुप हैं.

बी. हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार वर्ष के दौरान बैंक द्वारा ऐसे कोई संव्यवहार नहीं किए गए जो धोखाधड़ी में लिप्त हो, गैर कानूनी हो अथवा बैंक की आचार संहिता के विरुद्ध हो.

सी. हम वित्तीय रिपोर्टिंग से सम्बद्ध आन्तरिक नियत्रणों का पूर्ण दायित्व स्वीकार करते हैं. हम यह भी स्वीकार करते हैं कि हमने वित्तीय रिपोर्टिंग की आन्तरिक नियत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन/आकलन किया है तथा हमने लेखा परीक्षकों और लेखा समिति को आन्तरिक नियत्रणों के परिचालन एवं स्वरू प से सम्बद्ध कमियों, यदि कोई है अथवा जो हमारे अभिज्ञान में हैं एवं हमने इन्हें दूर करने के लिए जो उपाय किए हैं या प्रस्तावित हैं, की जानकारी दे दी है.

डी. हमने लेखा परीक्षकों तथा लेखा परीक्षा समिति को निम्नलिखित से अवगत कराया है.

i. अवधि के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग के संदर्भ में आन्तरिक नियंत्रण व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन;

ii. वर्ष के दौरान लेखा नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा इनका उल्लेख वित्तीय विवरण-पत्रों के नोट्स में कर दिया गया है; और

iii. हमारी जानकारी में आए धोखाधड़ी सम्बंधी विशिष्ट मामले तथा उनमें प्रबन्धन अथवा किसी कर्मचारी की संलिप्तता, जिसकी आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली संबंधी वित्तीय रिपोर्टिंग में अहम भूमिका हो.

संजय कुमार
महाप्रबंधक
(एस पी एवं पी बी) तथा सीएफओ

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

दिनांक : 18.05.2017

स्थान : मुंबई

CEO / CFO Certification

Board of Directors,
Bank of Baroda
Mumbai

Dear Sirs,

Re : CEO/CFO Certification for the quarter/full year ended 31st March 2017

Pursuant to Regulation 17(8) read with Regulation 33 of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirement) Regulations, 2015, We hereby certify that:

a. We have reviewed financial statements for the quarter/ full year ended 31st March 2017 and that to the best of our knowledge and belief:

i. These statements do not contain any materially untrue statement or omit any material fact or contain statements that might be misleading;

ii. These statements together present a true and fair view of the Bank's affairs and are in compliance with existing accounting standards, applicable laws and regulations.

b. There are, to the best of our knowledge and belief, no transactions entered into by the Bank during the year which are fraudulent, illegal or violative of the Bank's code of conduct.

c. We accept responsibility for establishing and maintaining internal controls for financial reporting and that we have evaluated the effectiveness of internal control systems of the Bank pertaining to financial reporting and we have disclosed to the auditors and the Audit Committee, deficiencies in the design or operation of such internal controls, if any, of which we are aware and the steps we have taken or propose to take to rectify these deficiencies.

d. We have indicated to the Auditors and the Audit Committee.

i. Significant changes in internal control over financial reporting during the period;

ii. Significant changes in accounting policies during the period and that the same have been disclosed in the notes to the financial statements; and

iii. Instances of significant fraud of which we have become aware and the involvement therein, if any, of the management or an employee having a significant role in the Bank's internal control system over financial reporting.

Sanjay Kumar
General Manager
(SP & PB) and CFO

P S JAYAKUMAR
Managing Director & CEO

Date :18.05.2017

Place : Mumbai

लाभांश संवितरण नीति

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारक बैंक में शेयर-पूंजी में उनके निवेश पर दो तरीकों से प्रतिफल अर्जित करते हैं:

1. शेयर की कीमत में वृद्धि के परिणामस्वरुप पूंजीगत मूल्यवृद्धि, एवं

2. आवधिक लाभांश के रुप में नकद प्रतिफल.

बैंक मानता है कि शेयरधारकों को अपनी चलनिधि की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवधिक लाभांश की आवश्यकता होती है. साथ ही, लाभांश का भुगतान बैंक की भावी संभावनाओं के संकेत के रुप में देखा जाता है. बैंक के ये प्रयास रहते हैं कि अधिक की नकद राशि को अपने शेयरधारकों में संवितरित की जाए.

सामान्यतया, बैंक लाभकर्ता वर्षों में लाभांश का भुगतान करने की अपेक्षा करते हैं. कितनी राशि लाभांश के रुप में संवितरित की जाए, इसका निर्णय निम्नलिखित सहित कई तथ्यों को ध्यान में लेते हुए किया जाता है:

ए) बैंक का वर्तमान एवं भविष्य का कार्यनिष्पादन.

बी) भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विनिर्दिष्ट पूंजी-पर्याप्तता संबंधी आवश्यकता

सी) बैंक की निवेश एवं विस्तार की योजना, और

डी) उसके प्रमुख शेयरधारक-भारत सरकार-एवं संस्थागत तथा खुदरा शेयरधारकों की अपेक्षाएं

चूंकि बैंक वैश्विक आधार पर परिचालन कर रहा है, उसके लाभांश संबंधी निर्णय घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एवं वित्तीय स्थितियों और नियामक-आवश्यकताओं पर आधारित होता है.

प्रतिधारित अर्जन का उपयोग बैंक की पूंजीगत आवश्यकताओं तथा उसके निवेश के वित्तपोषण की आवश्यकताओं एवं विस्तार संबंधी गतिविधियों के लिए किया जाता है. प्रतिधारित अर्जन अनपेक्षित घटनाओं के संबंध में कुशन उपलब्ध कराता है. बैंक निवेश की मांग के साथ उचित नकद प्रतिफल हेतु शेयरधारकों की आवश्यकता के संतुलन का प्रयास करता है.

आरबीआई ने सभी बैंकों के लिए लाभांश के भुगतान के संबंध में अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित पात्रता शर्तें निर्धारित की हैं:

- बैंक के पास निम्नलिखित होने चाहिए :

ए) पूरे किए गए दो वर्षों के लिए तथा जिस वर्ष के लिए वह लाभांश घोषित करने की प्रक्रिया करता है उस वर्ष के लिए कम से कम 9% का पूंजी से जोखिम वेटेड आस्ति अनुपात (सीआरएआर) तथा

बी) शुद्ध एनपीए (गैर-निष्पादक आस्तियों) का 7% से कम का स्तर

सी) यदि बैंक उपरोक्त सीआरएआर मानदंड की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर रहा है, परंतु जिस वर्ष के लिए वह लाभांश घोषित करने की प्रक्रिया करता है उस वर्ष के लिए उसका सीआरएआर कम से कम 9% स्तर पर है, तो उसके शुद्ध एनपीए 5% से कम होने चाहिए.

- लाभांश केवल चालू वर्ष के लाभ से ही भुगतान किया जा सकता है.
- लाभांश पे-आऊट अनुपात (अर्थात् कर के बाद लाभ से लाभांश का अनुपात) 40 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए.

भारत सरकार ने निर्धारित किया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) 20% की प्रदत्त पूंजी या 20% कर-पश्चात का लाभ-इनमें से जो भी अधिक हो, कम से कम उतना भुगतान करेंगे. यदि कोई बैंक न्यूनतम लाभांश का भुगतान करने में असमर्थ है तो उसे भारत सरकार से विशिष्ट अनुमति मांगनी चाहिए.

Dividend Distribution Policy

Bank of Baroda's shareholders earn a return on their investment in the Bank's share capital in two ways:

1. Capital appreciation resulting from increase in the share price, and

2. Cash return in the form of a periodic dividend.

The Bank recognizes that its shareholders need periodic dividend to meet their liquidity needs. Also, payment of dividend is seen as a signal of the Bank's future prospects. The Bank endeavours to distribute surplus cash to its shareholders.

Normally, the Bank expects to pay dividend in profitable years. The decision on how much to distribute as dividend takes into consideration a number of factors including:

a) The Bank's current and prospective financial performance,

b) Capital adequacy requirements specified by Reserve Bank of India (RBI)

c) The Bank's investment and expansion plans, and

d) The expectations of its principal shareholder – the Government of India – and the institutional and retail investors.

Since the Bank has operations worldwide, its dividend decision is based on an assessment of domestic and international economic and financial conditions and regulatory requirements.

Retained earnings are utilized to meet the Bank's capital requirements and finance its investment and expansion activities. Retained earnings also provide a cushion to tide over unexpected events. The Bank strives to balance the demands for investment with the shareholders' need for a fair cash return.

The RBI has laid down the following eligibility conditions, among others, for payment of dividend by all banks:

- A bank should have:

a) Capital-to-risk weighted assets ratio (CRAR) of at least 9% for two completed years and the year for which it proposes to declare dividend and

b) Net NPA (non-performing assets) of less than 7%.

c) In case a bank does not meet the above CRAR norm but has CRAR of at least 9% for the year for which it proposes to declare dividend, its Net NPA should be less than 5%.

- Dividend can be paid only out of current year's profits.
- The dividend payout ratio (i.e. the ratio of dividend to profit after tax) cannot exceed 40 per cent.

The Government of India has stipulated that Public Sector Banks (PSBs) shall pay a minimum of 20% of paid-up capital or 20% of post-tax profits, whichever is higher. In case a bank is unable to pay the minimum dividend, it should seek specific permission of the Government of India.

नोटिस / NOTICE

बैंक ऑफ़ बड़ौदा BANK OF BARODA

(प्रधान कार्यालय - मांडवी, बड़ौदा) (H.O.: Mandvi, Baroda)

कार्पोरेट कार्यालय : बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, ''जी'' ब्लॉक, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स बान्द्रा (पूर्व), मुंबई 400051. www.bankofbaroda.co.in
Corporate Office: Baroda Corporate Centre, C-26, "G" Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), MUMBAI 400 051

(वेबसाइट website: www.bankofbaroda.co.in)

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित कार्यवाही के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारकों की 21वीं वार्षिक सामान्य बैठक **शुक्रवार 30 जून, 2017 को प्रात: 10.15 बजे सर सयाजीराव नगरगृह, वड़ोदरा महानगर सेवा सदन, टी.पी. -1, एफ.पी.549/1, जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड, अकोटा, वड़ोदरा-390020** में संपन्न होगी:

सामान्य कार्यवाही :

मद संख्या 1:

बैंक के 31 मार्च, 2017 के तुलनपत्र, 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखे, लेखों में समाहित अवधि के कार्य निष्पादन तथा कार्यकलापों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट और तुलन-पत्र एवं लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करना, अनुमोदन प्रदान करना व इन्हें स्वीकार करना.

मद संख्या 2:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए लाभांश घोषित करना.

विशेष कार्यवाही:

मद संख्या 3:

विशेष संकल्प पारित करना - इक्विटी पूंजी बढाने के संबंध में अनुमोदन.

निदेशक मंडल के आदेश से
कृते बैंक ऑफ़ बड़ौदा,

स्थान: मुंबई
दिनांक: 27.05.2017

पापिया सेनगुप्ता
कार्यपालक निदेशक

नोट : कृपया नोट करें कि अनुदेशों सहित संपूर्ण नोटिस तथा प्रोक्सी फार्म सभी शेयरधारकों को, जिन्होंने अपने ई-मेल आईडी पंजीकृत नहीं कराएं हैं, उन्हें अलगसे पंजीकृत ड़ाक से भेजा गया है.

NOTICE is hereby given that the 21st Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of Baroda will be held on **Friday 30th June 2017, at 10.15 a.m. at Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, T. P. – 1, F. P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020,** to transact the following businesses:

ORDINARY BUSINESS:

Item Number 1:

To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2017, Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2017, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts.

Item Number 2:

To declare dividend for the Financial Year 2016-17.

SPECIAL BUSINESS:

Item Number 3:

To pass "Special Resolution."- to approve raising of Equity Capital.

By Order of the Board of Directors
FOR BANK OF BARODA

Place: Mumbai
Date: 27th May 2017

Papia Sengupta
Executive Director

NOTE: Please note that full Notice with instructions and Proxy form has been separately dispatched by Registered Post to all the shareholders, who have not registered their email id.

प्रभावी व तत्काल सेवाओं के लिये शेयरधारकों से अपील

1. **कृपया अपने भौतिक शेयर को डीमैट करें**
2. **कृपया लाभांश इलैक्ट्रॉनिक / सीधे अपने बैंक खाते में जमा करने के लिये अपना मैन्डेट रजिस्टर करें**
3. **कृपया ई- मेल के माध्यम से सन्देश पाने के लिये अपना ई-मेल आईडी रजिस्टर करें**

अभौतिकीकरण (डीमैटेरियलाइजेशन) के लाभ

शेयर सर्टिफिकेट के खोने का कोई डर नहीं. शेयर हस्तांतरण शुल्क अथवा स्टॉम्प शुल्क संबंधी खर्च कोई नहीं सरल / बाधा रहित हस्तांतरण/ संचरण सुविधा. नामांकन सम्भव. लाभांश सीधे आपके बैंक खाते में जमा किया जाता है. अस्बा (एएसबीए) / आईपीओ आवेदन सम्भव.

इलैक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से लाभांश भुगतान के लिए मैनडेट पंजीकृत कराने के लाभ

लाभांश भुगतान की तारीख को ही लाभांश प्रत्यक्ष रूप से जमा होना. लाभांश वारंट में देरी/ अप्राप्ति / पुनर्वैधता की कोई समस्या नहीं.

ई- मेल आईडी पंजीकृत कराने के लाभ

भारत सरकार की हरित पहल का हिस्सा बनें. कारपोरेट सूचनाओं की तत्काल प्राप्ति जिसमें एजीएम व ईजीएम/ वार्षिक रिपोर्ट / छमाही सूचना इत्यादि भी शामिल है.

Appeal to Shareholders for Efficient & Prompt Services

1. **Please Demat your Physical Shares**
2. **Please register your Mandate for Electronic / direct credit of Dividend amount in your Bank A/c**
3. **Please register your E-mail ID for receiving communications through E-mail**

Benefits of Dematerialization

No threat of loss of Share Certificate. No Share Transfer Fees or Stamp Duty Expenses. Easy / hassle free Transfer / Transmission. Nomination possible. Dividend directly credited to your Bank A/c. ASBA/IPO Application possible

Benefits of Registering Mandate for payment of Dividend through Electronic Mode

Direct credit of dividend on Dividend payment date itself. No problem of late / non-receipt / revalidation of Dividend Warrants

Benefits of Registering E-mail ID

Be a part of Green Initiative of Government of India (GOI). Immediate receipt of Corporate communication including Notice of AGM & EGM / Annual Reports / Half Yearly communication, etc

हरित पहल - शेयर धारकों से अपील

नोटिसें / वार्षिक रिपोर्टें तथा
अन्य पत्राचार ई-मेल के माध्यम से प्राप्त करना.

डिमेट खातों में शेयर रखनेवाले शेयर धारकों से अनुरोध है कि वे अपने डिमेट खातों में ई-मेल आईडी दर्ज करें.

भौतिक रूप से शेयर रखनेवाले शेयर धारकों से अनुरोध है कि -

इस पत्र के नीचे दिये गये भाग को भरकर तथा उस पर हस्ताक्षर करके उसे हमारे रजिस्ट्रार के पास नीचे लिखे पते पर भिजवा दें -

मै. कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि. (यूनिट : बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32,
गाचीबॉवली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा,
सैरीलिंगम्पल्ली मंडल, हैदराबाद - 500 032.
फोन नं. 040-6716 2222
फैक्स नं. 040 - 2342 0814
ई मेल : einward.ris@karvy.com

GREEN INITIATIVE-APPEAL TO SHAREHOLDERS

TO GET NOTICES / ANNUAL REPORTS & OTHER COMMUNICATION THROUGH E-MAIL

Shareholders holding Shares in Demat accounts are requested to: register an email ID in their Demat A/cs.

Shareholders holding Shares in Physical form are requested to:

send their consent by filling up and signing the perforated portion of this communication to our Registrars at their address given hereunder :

M/S Karvy Computershare Private Ltd.,
(Unit: Bank of Baroda),
Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32, Gachibowli,
Financial District, Nanakramguda, Serilingampally Mandal,
Hyderabad - 500 032,
Phone No. 040 – 6716 2222
Fax No. 040 – 2342 0814
E-mail : einward.ris@karvy.com

बैंक ऑफ़ बड़ौदा की हरित पहल

दिनांक

मै. कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि.
(यूनिट : बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32,
गाचीबॉवली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा,
सैरीलिंगम्पल्ली मंडल, हैदराबाद - 500 032.

प्रिय महोदय,

मैं / हम _____बैंक ऑफ़ बड़ौदा कार्पोरेट गवर्नेंस के पर्यावरण सुरक्षा (हरित पहल) उपायों के एक प्रयास के रूप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा से सभी संदेश अपने नीचे दिए गए ई मेल आइडी के माध्यम से प्राप्त करना चाहता हूं / चाहते हैं. मेरे / हमारे पास बैंक के _____शेयर भौतिक रूप में हैं.

फोलियो नम्बर : _____

ई मेल आइडी : _____

मैं / हम इस आशय का वचन देता हूं / देते हैं कि मेरे / हमारे ई मेल के माध्यम से प्राप्त संदेश को सही, विधिक तथा बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा हमें भेजे गए दस्तावेजों की समुचित एवं पर्याप्त सुपुर्दगी माना जाएगा. मैं / हम यह भी वचन देता हूं / देते हैं कि यदि किसी तकनीकी / अन्य कारणों से मेरा / हमारा ई मेल हमें सही रूप में प्राप्त न होने के कारण संदेश प्राप्त नहीं हो पाता है तो हम बैंक ऑफ़ बड़ौदा, इसके किसी कर्मचारी, रजिस्ट्रार अथवा इसके कर्मचारियों को उत्तरदायीं नहीं ठहरायेंगे.

_____
प्रथम धारक के हस्ताक्षर

GREEN INITIATIVE OF BANK OF BARODA

Date:

M/S Karvy Computershare Private Ltd.,
(Unit: Bank of Baroda),

Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32,
Gachibowli, Financial District, Nanakramguda,
Serilingampally Mandal, Hyderabad - 500 032

Dear Sir,

I/ We _____ holding _____ shares of Bank of Baroda in physical form, intend to receive all communication from Bank of Baroda through our email ID given hereunder, as a part of Green Initiative under Corporate Governance of Bank of Baroda.

Folio Number: _____

Email ID: _____

I/ We also undertake that the communication received through my/ our email ID will be treated as proper, legal and sufficient delivery of documents sent to us by Bank of Baroda. I/ We further undertake that we would not hold Bank of Baroda, any of its employees, Registrars or its employees, responsible in case the communication is not properly received at my/ our email ID due to any technical/ other failures.

_____
Signature of First Holder

बैंक ऑफ़ बड़ौदा

इक्विटी शेयरों पर लाभांश के भुगतान के लिए अधिदेश
(इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से)

1. प्रथम शेयरधारक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) :

2. पता :

3. शेयरधारक की फोलियो संख्या (भौतिक रू प में शेयरधारकों के लिए) :
   डी. पी. आईडी / ग्राहक आईडी संख्या (इलेक्ट्रॉनिक शेयरधारकों के लिए)

4. बैंक खाते का विवरण :

   क. बैंक का नाम :

   ख. शाखा का नाम एवं शहर का पिन कोड :

   ग. खाता संख्या (जैसा कि चेक बुक में दिया गया है) :

   घ. खाता प्रकार (कृपया टिक करें) : बचत बैंक ☐ चालू ☐ नकद उधार ☐
   (बचत बैंक खाता/चालू खाता या नकद-उधार खाता)

   ड. आईएफएससी कोड :

   च. बैंक द्वारा जारी माइकर चेक में मुद्रित : ☐☐☐☐☐☐☐☐☐
   बैंक और शाखा की 9 अंकीय कोड सं.

5. कृपया पहचान के प्रमाण स्वरूप अपने पैन कार्ड की स्वयं द्वारा सत्यापित फोटो प्रति तथा कोड संख्या की सत्यता की जांच के लिए अपने उपर्युक्त खाते से संबंधित, आपके बैंक द्वारा जारी चेक के पन्ने की फोटो कॉपी / कोरा रद्द किया गया चेक संलग्न करें.

घोषणा

मैं एतद्वारा यह घोषित करता/ती हूं कि उपर्युक्त विवरण सही व पूर्ण हैं. यदि अपूर्ण जानकारी के कारणों से लेनदेन में देरी होती है या यह प्रभावी नहीं होता है तो मैं बैंक ऑफ़ बड़ौदा को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/गी.

स्थान : प्रथम धारक के हस्ताक्षर

दिनांक :

टिप्पणी :

1. **यदि शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे गए हैं :** कृपया फार्म पूर्णतया भर कर इस पर हस्ताक्षर करें तथा इसे अद्यतन करने हेतु अपेक्षित दस्तावेजों सहित अपने प्रतिभागी डिपॉजिटरी को प्रस्तुत करें.
2. **यदि शेयर भौतिक रूप में रखे गए हैं :** कृपया फार्म पूर्णतया भर कर इस पर हस्ताक्षर करें तथा इसे अपेक्षित दस्तावेजों सहित रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) अर्थात मैसर्स कार्वी कंप्यूटरशेयर प्रा. लि., कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लॉट नं. 31 व 32, गाचीबॉवली, फाइनान्सियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा, सेरीलिंगम्पल्ली मंडल, हैदराबाद-500 032 अथवा बैंक ऑफ़ बड़ौदा, निवेशक सेवाएं विभाग, सातवां तल, बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला काम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई- 400 051 के पते पर भेज दें.

BANK OF BARODA

Mandate for Payment of Dividend on Equity Shares
(Through Electronic Mode)

1. First Shareholder's Name (in Block Letters) :

2. Address :

3. Shareholder's Folio number (for holding in physical form) :
   D. P. ID / Client ID number (for holding in electronic form)

4. Particulars of Bank Account :

   A. Bank Name :

   B. Branch Name & City Pin Code :

   C. Account No. :
   (as appearing on the cheque book)

   D. Account Type (please Tick) : : SB ☐ Current ☐ Cash Credit ☐
   (SB Account / Current A/c. or Cash Credit A/c)

   E. IFSC Code :

   F. 9 Digit Code No. of the Bank :
   Branch appearing on the MICR
   Cheque issued by the Bank ☐☐☐☐☐☐☐☐☐

5. Please attach a self-attested photocopy of your PANCARD as Proof of Identity alongwith a photocopy of a Cheque leaf / blank cancelled cheque issued by your Bank relating to your above account for verifying the accuracy of the Code numbers

DECLARATION

I, hereby declare that the particulars given above are correct and complete. If the transaction is delayed or not affected at all for reasons of incomplete information, I would not hold Bank of Baroda responsible.

Place: Signature of the First Holder

Date:

Note:

1. **If the shares are held in electronic mode:** Please complete the form, sign and submit alongwith the required documents to your Depository Participant for necessary updation.
2. **If the shares are held in physical mode:** Please complete the form, sign and mail alongwith the required documents at the address of Registrar and Transfer Agent (RTA), i.e. M/s Karvy Computershare Pvt. Ltd, Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32, Gachibowli, Financial District, Nanakramguda, Serilingampally Mandal, Hyderabad - 500 032 OR at Bank of Baroda, Investors' Services Dept. 7th Floor, Baroda Corporate Centre, C-26, G-Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai – 400 051.

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

जब आप सही टीम पर भरोसा करेंगे तो लक्ष्य पाना होगा आसान

GOALS ARE EASIER TO SCORE WHEN YOU BANK UPON THE RIGHT TEAM

बैंक ऑफ़ बड़ौदा, फीफा अंडर-17 विश्व कप का आधिकारिक राष्ट्रीय सहयोगी है। यह प्रत्येक भारतीय के घर में फुटबाल प्रशंसकों के सपनों को साकार करता है।

Bank of Baroda, the Official National Supporter of FIFA U-17 World Cup, brings alive the dream of football fans in every Indian home.

हर गली में गूंज

Har Gully mein Goonj

FIFA TM
U-17 WORLD CUP
INDIA 2017

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

#FuturesBright

NATIONAL SUPPORTER

संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट

ABRIDGED ANNUAL REPORT 2016 - 17

Printed By : Printrade

Call toll free no. | 1800 22 33 44
6 am - 10 pm | 1800 102 44 55
Web Chat-24X7
www.bankofbaroda.co.in
Follow us on

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank